सत्यमेव जयते

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट 2018-19

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट
2018–19

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय सूची

संगठन i-v

युवा कार्यक्रम विभाग

		पृष्ठ संख्या
1.	प्रस्तावना	1
2.	राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014)	2
3.	विभाग की योजनाओं का पुनर्गठन	5
4.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	8
5.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	28
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	29
7.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	40
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	53
9.	अंतरराष्ट्रीयसहयोग (आईसी)	55
10.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	58
11.	युवा छात्रावास	59
12.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	60

विषय सूची

खेल विभाग

		पृष्ठ संख्या
13.	खेल	63
14.	भारतीय खेल प्राधिकरण	64
15.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (समविश्वविद्यालय)	130
16.	खेलों इंडिया योजना	141
17.	खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से सबंधित योजनाएं	152
18.	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन संबधित योजनाएं	159
19.	राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी	167
20.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)	176
21.	2018–19 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धिया	192
22.	एक नजर में 2018–19 के दौरान खेल विभाग की उपलब्धियां एवं पहल	197

विषय सूची

अनुबंध

		पृष्ठ संख्या
I	संगठनात्मक चार्ट	202
II	वित्तीय परिव्यय	204
III	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण	206
IV	विभाग के सीधे नियंत्रणाधीन युवा छात्रावासों की सूची	209
V	ने.यु.के.सं./भा.खे.प्रा./ राज्य सरकारों को स्थानान्तरित युवा छात्रावासों की सूची	211
VI	निर्माणाधीन युवा छात्रावासों की सूची।	211
VII	01.01.2018 से 31.03.2019 तक की अवधि के दौरान खेल के बुनियादी ढांचे के उपयोग और सृजन /उन्नयन के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा	212
VIII	01.01.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान खेलों इंडिया योजना के अन्य घटकों के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा	220

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के समग्र दिशा–निर्देशों के तहत कार्य करता है। अप्रैल, 2008 में मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.03.2019 के अनुसार मंत्रालय में दो संयुक्त सचिव हैं। एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखता है और एक संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं।

31.03.2019 की स्थिति के अनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की संस्वीकृत संख्या 232 थी जिसमें 49 समूह 'क' पद, 105 समूह 'ख' पद (44 राजपत्रित और 61 अराजपत्रित), 78 समूह 'ग' पद हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट **अनुबंध–I** में दिया गया है।

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्यों का आबंटन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभागों अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य आते हैं:–

(क) युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा संगठन, उनको वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोर
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंन नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन योजना के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

(ख) खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल–कूद
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कार सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियां
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियो, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तशासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्तशासी संगठन अर्थात नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु है, (जिसे 2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है)।

खेल विभाग

खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन निम्नलिखित स्वायत्त संगठन कार्यरत हैं:–

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(iii) राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 57 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 2 अधिकारी अनुसूचित जाति तथा 2 अधिकारी अनुसूचित जनजाति और 2 अन्य पिछड़ा वर्ग से संबद्ध है। समूह ''ख'' के पदों में 11 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से 03 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 10 पदाधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में 08 पदाधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से और 03 पदाधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी और 16 पदाधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं।

बजट आबंटन

2018–19 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन (बीई) 2196.35 करोड़ रूपए था और 2018–19 के लिए संशोधित बजट आबंटन (आरई) 2002.72 करोड़ है। 2019–20 के लिए प्रस्तावित बजट आकलन (बीई) 2216.92 करोड़ रूपए है जिसमें राजस्व के लिए 2181.90 करोड़ रूपए पूंजीगत के लिए 35.02 करोड़ रूपए शामिल है। ब्यौरा **अनुबंध–।।** में दिया गया है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में रोजमर्रा के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढावा देने तथा संघ की राजभाषा नीति और इसके तहत बनाए गए राजभाषा नियमों का कार्यान्वयन करने के लिए हिंदी अनुभाग में उप–निदेशक(रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों के पद संस्वीकृत किए गए हैं। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है जिसकी नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इस वर्ष के दौरान 14–28 सितम्बर, 2018 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया । इस अवधि के दौरान 8 हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 48 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दृष्टि से वर्ष दर वर्ष आधार पर दो योजनाएं लागू की जा रही हैं यथा अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देने के लिए प्रोत्साहन योजना तथा सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना। सरकारी काम–काज में मूल हिन्दी टिप्पण/आलेखन हेतु प्रोत्साहन योजना के तहत गत वर्ष 8 अधिकारियों/कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त किए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी संदेश परिचालित किया गया ।

इस वर्ष संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति द्वारा मंत्रालय के 08 संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया।

मंत्रालय की वेबसाइट हिंदी और अंग्रेजी अर्थात् द्वि भाषी रूप में उपलब्ध है जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है ।

सतर्कता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अवधि (अप्रैल, 2018 से मार्च,2019) के दौरान निदेशक (खेल)/सीवीओ तथा सचिव (युवा कार्यक्रम) तथा सचिव (खेल) के अधीन एक सतर्कता प्रकोष्ठ ने कार्य किया।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी संगठनों (भारतीय खेल प्राधिकरण तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन के अलावा) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में सीवीसी को संबद्ध संगठन के परामर्श से आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाता है। इस अवधि के दौरान सीडब्लयूजी, 2010 से संबंधित 4 तथा क्रम 33 मामले पर कार्रवाई की गई और सीडब्लयूजी से संबंधित कुछ मामलों में सीवीसी को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है। इस अवधि के दौरान सतर्कता प्रकोष्ठ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग से 20 तथा अन्य स्रोतों से 31 शिकायतें प्राप्त हुईं और इन सभी मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समुचित कार्रवाई की गयी है और आगे समुचित कार्रवाई के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गयी।

सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए आयोग द्वारा जागरूकता बढ़ाई जाएगी। केन्द्रीय सतर्कता आयोग यह उम्मीद करता है कि सतर्कता प्रयासों में सार्वजनिक संगठनों द्वारा सकारात्मक योगदान प्रदान किया जाएगा। इसको ध्यान में रखते हुए मंत्रालय में 29 अक्तूबर, 2018 से 3 नवंबर, 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गयी। सप्ताह के दौरान सर्तकता जागरूकता के संबंध में बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए।

मंत्रालय में सतर्कता जागरूकता के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई। यह प्रतियोगिताएं निम्नलिखित थी:

1. निम्नलिखित विषयों पर राजपत्रित अधिकारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता:

क) भ्रष्टाचार से लड़ाई सिर्फ सुशासन सिर्फ सुशासन नहीं है यह आत्मरक्षा है यह देश भक्ति है।

ख) भ्रष्टाचार उन्मूलन सिर्फ 1 दिन में नहीं हो सकता।

2. निम्नलिखित विषयों पर अराजपत्रित अधिकारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता:

क) भ्रष्टाचार विकास का सबसे बड़ा दुश्मन है।

ख) भ्रष्टाचार से लड़ाई युवाओं का कर्तव्य है।

3. सर्वश्रेष्ठ नारा लेखन प्रतियोगिता।

4. ऑनलाइन क्विज

उपरोक्त प्रतियोगिताओं में 94 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापति के बाद प्रतियोगिताओं के 20 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य तथा अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक शिकायत समिति गठित की गई है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में समिति को वर्ष 2018–19 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना अधिकार

प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 334 आरटीआई आवेदन प्राप्त और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 28 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में मंत्रालय ने उक्त अधिनियम के अंतर्गत निदेशक/उप सचिव और अवर सचिव के स्तर पर जन सूचना अधिकारियों तथा निदेशक/संयुक्त सचिव के स्तर पर अपीलीय प्राधिकारियों को नियुक्त किया है। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाला गया है। इसी प्रकार, सभी जन शिकायतें केन्द्रीय रूप से जन शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त की जाती हैं। श्रीमती देबांजना रे उप सचिव (आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में जन शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण **अनुबंध–III** में दिया गया है।

*****

सत्यमेव जयते

युवा कार्यक्रम विभाग

अध्याय – 1

प्रस्तावना

युवा जनसंख्या के अत्यधिक उत्साही और गतिशील वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत विश्व के सबसे युवा राष्ट्रों में एक है जिसकी कुल जनसंख्या का लगभग 65 प्रतिशत 35 वर्ष की आयु से नीचे है। 15–29 वर्ष के आयु समूह में युवा कुल जनसंख्या का 27.5 प्रतिशत है। भारत के 2025 तक संयुक्त राष्ट्र, चीन और जापान के बाद चैथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है जो कि विश्व जीडीपी में लगभग 5.5%–6% का योगदान है। जबकि अधिकांश विकसित देश प्रौढ़ होते हुए कार्यबल के जोखिम का सामना कर रहे हैं, भारत में एक अत्यधिक अनुकूल डेमोग्राफिक लाभ की संभावना है। यह अनुमान है कि वर्ष 2020 तक संयुक्त राष्ट्र के लिए 38 वर्ष, चीन के लिए 42 वर्ष तथा जापान के लिए 48 वर्ष की तुलना में भारत की जनसंख्या की मध्यम आयु केवल 28 वर्ष होगी। यह "डेमोग्राफिक लाभ" एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

इस डेमोग्राफिक लाभ को लेने के लिए यह अनिवार्य है कि अर्थव्यवस्था में श्रम बल में वृद्धि का समर्थन करने की योग्यता हो और युवाओं को समुचित शिक्षा, कौशल, स्वास्थय जागरूकता और अन्य कारक उपलब्ध हो जिससे वे देश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदान दे सकें।

भारत सरकार विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के माध्यम से युवाओं के लिए कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण निवेश करती है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें और कई अन्य प्रतिभागी भी युवा विकास में सहायता देने और उत्पादक युवा भागीदारी सुकर बनाने में कार्यरत हैं।

*****

अध्याय –2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्धता को दोहराती है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उत्पादक रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी पणधारियों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात अंतिम रूप दिया गया है। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

विजन, उद्देश्य और वरीयता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "दृष्टिकोण" का प्रस्ताव करती है जो "देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना है।"

इस विजन को प्राप्त करने के लिए एनवाईपी–2014 स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों' व प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'वरीयता क्षेत्र' की पहचान करता है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत अभिज्ञात उद्देश्य और वरीयता क्षेत्र निम्नानुसार है:

उद्देश्य	वरीयता
1. ऐसा उत्पादक कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा
	2. रोजगार और कौशल विकास
	3. उद्यमशीलता
2. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली
	5. खेल
3. राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन
	7. समुदाय भागीदारी
4. अभिशासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में भागीदारी
	9. युवा भागीदारी

5. जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और वंचित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन
	11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 सभी 11 अभिज्ञात वरीयता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश करता है। यह वर्तमान स्थिति के सावधानीपूर्वक विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	वरीयता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	▪ तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण ▪ कौशल विकास और जीवन पर्यन्त अधिगम का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	▪ लक्षित युवा आउटरिच और जागरूकता ▪ तंत्र और पणधारियों के बीच संपर्क बनाना ▪ अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता	▪ लक्षित युवा आउटरिच कार्यक्रम ▪ क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना ▪ युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना ▪ वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली	▪ सेवा प्रदायगी में सुधार करना ▪ स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता ▪ युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	▪ खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच ▪ युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन ▪ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों का संवर्धन	▪ मूल्य शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना ▪ युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना ▪ मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभ संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	▪ मौजूदा समुदाय विकास संगठनों का प्रसार करना ▪ सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना

8.	राजनीति और अभिशासन में भागीदारी	▪ राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी ▪ ऐसा अभिशासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा सदुपयोग कर सके ▪ शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना
9.	युवा भागीदारी	▪ युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता के उपाय और निगरानी ▪ युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	▪ लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण ▪ संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना ▪ दिव्यांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना ▪ युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	▪ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए युवाओं को समर्थ बनाना ▪ सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

*****

अध्याय-3

योजनाओं का पुनर्गठन

पुनर्गठन से पहले योजनाओं की स्थिति

2015–16 तक, विभाग 10 योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा था, नामतः

(क) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

(ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)

(ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

(घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

(ड.) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

(च) अंतरराष्ट्रीय सहयोग

(छ) युवा छात्रावास (वाईएच)

(ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता

(झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)

(ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपरोक्त योजनाओं में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) एक योजनेतर स्कीम थी और बाकी 9 स्कीमें योजनागत स्कीम थी। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015–16 तक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना थी परंतु इसे 01.04.2016 से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। बाकी सभी योजनाएं केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं है। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का अधिनियम) द्वारा एक सांविधिक निकाय है। इन योजनाओं में से कुछ योजनाएं काफी छोटी योजनाएं हैं जिनमें परिव्यय 10 करोड़ रूपए से कम है।

01.04.2016 से योजनाओं का पुनर्गठन

मानव संसाधन विकास संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति विभाग की योजनाओं के आमेलन/समेकन पर जोर देती रही है ताकि उनकी प्रभाविता में वृद्धि की जा सके। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमेल और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए योजनाओं को कुछ सुसंगत योजनाओं में पुनर्गठित करने की सलाह दी थी। तदनुसार, समुचित विचार करने के पश्चात युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 04.04.2016 से निम्नानुसर 3 योजनाओं में पुनर्गठित/समेकित कर दिया है:

क्रम सं.	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन से पहले)	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन के बाद)
1.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)	''राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एक नई 'अम्ब्रेला' योजना में आमेलित
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	

4.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	''राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एक नई 'अम्ब्रेला' योजना में आमेलित
5.	युवा छात्रावास (वाईएच)	
6.	स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

इस प्रकार, यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)को उनके संचालनात्मक फ्रेमवर्क की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग योजनाओं के रूप में रखा गया है, बाकी सभी योजनाओं को ''राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एकछत्र योजना में आमेलित कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगी ताकि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान हेतु उनकी क्षमताओं के दोहन में समर्थ बनाया जा सके। कई योजनाओं को एकल योजना में आमेलित करने के अन्यों के साथ–साथ निम्नलिखित लाभ होंगे:

(क) पूर्व में केवल एनवाईकेएस और एनवाईसी; जिन्हें प्रशासनिक रूप से पहले ही समेकित कर दिया गया था, की फील्ड स्तर पर प्रशासनिक उपस्थिति थी। अन्य कार्यक्रमों की जमीनी उपस्थिति नहीं थी। अतः उनका अकेले कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वयन करने से उनके प्रभावी कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण में समस्या उत्पन्न करता था। कार्यक्रमों को नई अम्ब्रेला योजना में आमेलित करने से विभाग को अन्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस/एनवाईसी के प्रशासनिक ढ़ांचे का प्रयोग करने में समर्थ बनाता है।

(ख) एनपीवाईएडी के तहत युवा विकास कार्यक्रमों के लिए एनजीओ को सहायता दी जाती है। इस कार्यक्रम का एनवाईकेएस/एनवाईसी के साथ समेकन करने से विभाग को एनजीओ को दी गयी सहायता में की गयी कार्यकलापों की प्रभावी निगरानी हेतु एनवाईकेएस सेटअप तैयार करने में समर्थ बनाती है। इसके अलावा यह सुनिश्चित करना भी संभव होगा कि एनवाईकेएस सेटअप (एनवाईकेस कार्यालय/राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तथा युवा कलब) और एनजीओ एक दूसरे के घनिष्ट सहयोग में कार्य करें जो कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रभाविता में सुधार करेगा। विभाग द्वारा सहायित स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों की कार्यकलापों की नजदीक से निगरानी करना भी संभव हो सकेगा।

(ग) विभाग में 83 संचालनरत युवा छात्रावास हैं जिनका गठन देश में युवा यात्रा का संवर्धन करने के उद्देश्य से किया गया है। युवा छात्रावासों का प्रबंधन सीधे विभाग से किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप निकट पर्यवेक्षण संभव नहीं हो पाया है। छात्रावासों की क्षमता का पूरी तरह से प्रयोग नहीं किया जा रहा है। एनवाईकेएस के साथ युवा छात्रावास कार्यक्रम का समेकन जमीनी स्तर पर एनवाईकेएस कार्यकर्ताओं के जरिए युवा छात्रावासों के प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगा।

(घ) 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग' में विभिन्न देशों के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम शामिल है। विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधिमंडलों ने भारत का दौरा किया और उन्हें दर्शनीय स्थान दिखाने के लिए और भारतीय युवाओं के साथ सम्पर्क का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न शहरों को ले जाया जाता था। इन कार्यक्रमों को एनवाईकेएस के साथ समेकन जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी तरीके से इन कार्यक्रमों का आयोजन करने में सहायक होगा।

(ड.) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) जिसमें पड़ोस में युवा संसद, श्रमदान और राष्ट्रीय युवा विकास निधि की सहायता से युवा विकास सहित महत्वपूर्ण घटक हैं, भी एनवाईकेएस के पूर्ण समेकन से लाभांवित होंगे, चूंकि एनवाईकेएस प्रशासनिक सेटअप तब इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से प्रयोग किया जा सकेगा।

(च) चूंकि पूर्ण प्रशासनिक/कार्यान्वयन ढ़ांचा विभाग को इस प्रमुख योजना के भाग के रूप में उपलब्ध होगा, भविष्य में युवा विकास/सशक्तीकरण के लिए आवश्यक माने जाने वाला कोई नया कदम अकेले नई छोटी योजना आरंभ करने के बजाय इस अम्ब्रेला योजना के भाग के रूप में किया जा सकता है।

'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' और अन्य योजनाओं; एनएसएस और (आरजीएनआईवाईडी) के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के ब्यौरे अगले अध्यायों में दिए गए हैं।

*****

अध्याय 4

नेहरू युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ नेहरु युवा केंद्र संगठन (ने.यु.के.सं.) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। ने.यु.के.सं. 623 जिलों में नेहरू युवा केंद्रों के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण के कार्यकलापों में शामिल करना है।

ने.यु.के.सं के कार्यकलापों के कार्यक्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, बचत और सहयोग, कौशल विकास और स्वरोजगार, उद्यमिता विकास, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास आदि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवी प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

ने.यु.के.सं के कार्यक्रम/कार्यकलाप

किये जाने वाले कार्यक्रमों/ कार्यकलापों को मोटे तौर पर निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

क) ने.यु.के.सं द्वारा अपने बजटीय संसाधनों (विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से कार्यान्वित मुख्य कार्यक्रम।

ख) एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम) के वित्त पोषण से आयोजित कार्यक्रम।

ग) विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय से कार्यक्रम/कार्यकलाप।

घ) अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/वित्त–पोषण से आयोजित कार्यक्रम।

ने.यु.के.स के सभी कार्यक्रम राज्य सरकारों, चयनित स्थानीय निकायों और विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय/सक्रिय भागीदारी से कार्यान्वित किए जाते हैं।

क. ने.यु.के.सं के मुख्य कार्यक्रम

1. **युवा क्लब विकास कार्यक्रम (वाईसीडीपी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों से प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को सुदृढ़ करना, नए युवा क्लब बनाना और नए सदस्य बनाना है। यह एक 5 दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें 10 प्रचारक 50 युवा क्लबों का प्रतिनिधित्व करते हैं। टीम के सदस्य युवा नेताओं, ग्राम पंचायत प्रधानों और सदस्यों तथा अन्य नेताओं से मिलकर विचार–विमर्श करते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 15,000 रुपए आबंटित किए गए हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान 238858 युवाओं को शामिल करते हुए 3255 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

2. **युवा नेतृत्व एवं समुदाय विकास संबंधी प्रशिक्षण (टीवाईएलसीडी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की क्षमताओं में बढ़ोतरी करना है ताकि वे अन्य लोगों को एक अर्थपूर्ण जीवन जीने में सहायता करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए नेतृत्व करने में सक्षम हो सकें, उनमें मजबूत चरित्र, स्व–अनुशासन, सत्य निष्ठा, सकारात्मक दृष्टिकोण, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्र निर्माण के संदेश का प्रसार करने की प्रबल

इच्छा का विकास करना है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम होता है जिसमें 20 युवा क्लबों के समूह से 40 प्रतिभागी शामिल होते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 64,000 रुपए आबंटित किए गए हैं। वर्ष 2018 –19 के दौरान 26107 युवाओं को शामिल करते हुए 581 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

3. **खेलों का संवर्धन:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में खेल संस्कृति का विकास करना है। इस कार्यक्रम में दो घटक हैं नामतः (i) प्रति क्लब 4000 रुपए मूल्य की दर से युवा क्लबों को खेल सामग्री उपलब्ध करवाना (ii) प्रत्येक जिला स्तरीय स्पर्धा के लिए 30000 रुपए और ब्लॉक स्तरीय स्पर्धा के लिए 18000 रुपए की दर से खेल स्पर्धाओं के आयोजन के लिए सहायता देना। वर्ष 2018–19 के दौरान 21452 युवा क्लबों को खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई ब्लाक स्तर पर 3421 खेल स्पर्धाएं और जिला स्तर पर 575 खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई जिनमें 619465 युवाओं ने भाग लिया।

4. **बुनियादी व्यावसायिक कौशल और सॉफ्ट स्किल में शिक्षा:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य (i) ग्रामीण युवाओं के व्यावसायिक कौशल और सॉफ्ट स्किल का विकास करना तथा उन्हें अपनी परिवार की आय को अनुपूरित करने में समर्थ बनाने के साथ समाज में उनका आत्मसम्मान बढ़ाना; (ii) युवाओं को उनके दैनिक जीवन के मुद्दों और समस्याओं का सामना करने में सशक्त बनाना है। मास्टर ट्रेनर और प्रख्यात/मान्यता प्राप्त कौशल विकास एजेंसियों की सहायता से विभिन्न रोजगारपरक कौशल आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में कौशल प्रशिक्षण के लिए 25 युवाओं का नामांकन किया जाता है। पाठ्यक्रमों का चयन प्रतिभागियों की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है। 3 माह के पाठ्यक्रम के लिए बजट प्रावधान 26,000 रुपए रखा गया है। वर्ष 2018 –19 के दौरान 119547 युवाओं को शामिल करते हुए 4142 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

5. **जिला स्तर पर कला और संस्कृति को बढ़ावा देना:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को उनकी लोक कला सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करना और उनकी इस प्रतिभा को बनाए रखने में सहायता करना और इसे बढ़ावा देना है। यह जिला स्तर पर आयोजित किया जाने वाला एक दिवसीय कार्यक्रम होता है जिसमें कम से कम 120 युवाओं को उनकी लोक कला और संस्कृति का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान किया जाता है।प्रत्येक जिले के लिए 20000 रुपए का बजटीय प्रावधान है। वर्ष 2018–19 के दौरान 119514 युवाओं को शामिल करते हुए 589 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

6. **राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीयमहत्व के दिवस मनानाः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीयमहत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। सभी 623 जिला नेहरू युवा केंद्रों को राष्ट्रीय युवा दिवस सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीयमहत्व के कम से कम 25 दिन मनाना आवश्यक होता है। प्रत्येक कार्यक्रम में कम से कम 100 युवाओं को भाग लेना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक जिला नेहरू युवा केंद्र को 80,000 रुपए प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान 1350208 युवाओं को शामिल करते हुए 15074 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

7. **जिला युवा सम्मेलनः** यह कार्यक्रम सभी जिला नेहरू युवा केंद्रों द्वारा युवा नेताओं को विचार–विमर्श तथा आत्माभिव्यक्ति, अनुभवों को साझा करने तथा युवा सशक्तिकरण संबंधी कार्यक्रमों के लिए सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों का सुझाव देने हेतु और व्यापक योग प्रदर्शनों में शामिल होने के अवसर तथा मंच प्रदान करने के लिए वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम होता है जिसमें कार्यक्रम के आयोजन के लिए 100 युवा क्लबों के कम से कम 100 युवा शामिल होते हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रत्येक जिले को 30000 रुपए की बजटीय सहायता प्रदान की गई है। वर्ष 2018–19 के दौरान 159714 युवाओं को शामिल करते हुए 593 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

8. **महात्मा गांधी युवा स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रमः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वच्छता और जल संरक्षण की आवश्यकता और महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। इस कार्यक्रम के दो घटक हैं अर्थात स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान तथा स्वच्छता पखवाड़ा मनाना। जिला स्तर पर इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 3.74 करोड रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया है। वर्ष 2018–19 के दौरान स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान के अंतर्गत 619180 युवाओं की प्रतिभागिता से 617 कार्यक्रमों तथा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत 1255653 युवाओं की प्रतिभागिता से 617 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाड़े के दौरान युवा संगठनों ने गांवों को प्लासटिक मुक्त करने, वृक्षारोपड़ के माध्यम से हरित गांवों का संगठन तथा सभी गांवों में स्वच्छता सुविधाओं की प्याप्त एवं रखरखाव पर मुख्य ध्यान दिया गया।

9. **युवा आदर्श ग्राम विकास कार्यक्रमः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य चयनित जिलों में युवाओं द्वारा युवाओं के लिए एक गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करना है। किए जाने वाले कार्यकलापों में गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाना, शतप्रतिशत टीकाकरण, प्राथमिक स्कूलों में शत–प्रतिशत बच्चों का नामांकन, स्वच्छता, निवारक स्वास्थ्य सेवा, सरकार की प्रमुख योजनाएं लोकप्रिय बनाना आदि शामिल होंगे। यह 1 वर्षीय कार्यक्रम है जिसे 150 चयनित जिलों में आयोजित किया जाना है। इस प्रयोजन के लिए प्रति जिला 75,000 रुपए का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2018–19 के दौरान 46395 युवाओं की प्रतिभागिता से 124 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

10 . **उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कारः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों द्वारा प्रदान की गई स्वैच्छिक सेवाओं को मान्यता प्रदान करना और उन्हें समुदाय के कल्याण और राष्ट्र निर्माण संबंधी कार्यकलाप करने के लिए प्रेरित करना है। सभी 623 जिला नेहरू युवा केंद्र और प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सर्वोच्च उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार प्रदान करते हैं। पुरस्कार में एक प्रमाण–पत्र तथा पुरस्कार राशि (जिला

स्तरीय पुरस्कार के लिए 25,000/– रुपए और राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 1,00,000/– रुपए) है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर पर तीन पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं (5,00,000/– रुपए, 3,00,000/– रुपए और 2,00,000/– रुपए)। वर्ष 2018–19 के दौरान उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार के अंतर्गत जिला स्तर पर 300 युवा क्लबों और राज्य स्तर पर 10 युवा क्लबों को पुरस्कार के लिए चुना गया ।

11. **सकारात्मकता के संबंध में जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रमः** इस कार्यक्रम को मुख्य कार्यक्रमों की सूची में रखा गया है। 623 जिलों में इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 1.87 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है। वर्ष 2018–19 के दौरान 94899 युवाओं की प्रतिभागिता से 1168 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

12. **संकल्प से सिद्धि– नए भारत के लिए युवा सशक्तिकरण कार्यक्रमः** स्वच्छ भारत, गरीबी मुक्त भारत, भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए तथा सांप्रदायिकता, जातिवाद आदि को दूर करने की कवायद में युवाओं को स्वयं को और अन्य लोगों को शामिल करने हेतु युवाओं को और अधिक जागरूक, शिक्षित और प्रेरित करने के लिए 'संकल्प से सिद्धि– नए भारत के लिए युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम' आरंभ किया गया है। 623 जिला नेहरू युवा केंद्रों में प्रत्येक जिले में दो कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और इस उद्देश्य के लिए कार्य योजना में 1. 87 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया है। वर्ष 2018–19 के दौरान 100303 युवाओं की प्रतिभागिता से 1185 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वर्ष 2018–19 के दौरान 1,00303 युवाओं की प्रतिभागिता से 1,185 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

13. **थीम आधारित जागरूकता और शिक्षा अभियान–** इस कार्यक्रम को राजस्थान के 5 जिलों और कश्मीर घाटी के 6 जिलों को शामिल करते हुए अनन्य रूप से 102 आकांक्षी जिलों के लिए बनाया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों और सरोकारों का समाधान करने की उनकी क्षमता पर कार्य किया जाएगा। 108 जिलों में से प्रत्येक जिले में चार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वार्षिक कार्य योजना 2018–19 में 64. 80 लाख रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। वर्ष 2018–19 के दौरान, 57,965 युवाओं की भागीदारी से 370 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

14. **देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता, 2019**

नेहरू युवा केंद्र संगठन पिछले 3 वर्षों (अर्थात वर्ष 2015–16 से) गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण पर राष्ट्रव्यापी भाषण प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है ताकि युवाओं को अपने प्रस्तुतीकरण कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिल सके और उन्हें नेतृत्व गुण को निखारने और राष्ट्र निर्माण संबंधी कार्यकलापों में प्रतिभागिता करने में सहायता दी जा सके।

इसका उद्देश्य युवाओं और आम जनता में राष्ट्रीयता और देश भक्ति की भावना को जगाना है ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अधिकाधिक योगदान दें तथा युवाओं को नेतृत्व और बेहतर संप्रेषण के गुणों से परिचित कराना है ताकि उनका और विकास हो सके और वे सरकार की प्रमुख योजनाओं को लोकप्रिय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम बन सकें।

कैलेंडर वर्ष 2018 के दौरान, देश भर में 40192 युवाओं की भागीदारी से 4020 ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम, 9281 युवाओं की भागीदारी से 556 जिला स्तरीय कार्यक्रम और 486 युवाओं की भागीदारी से 26 राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

21 और 22 जनवरी 2018 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर की भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया। कर्नाटक के श्री श्रेयस जी कोटियन को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नागालैंड की सुश्री वितादियु मरियम को द्वितीय पुरस्कार और छत्तीसगढ़ की सुश्री आकांक्षा मिश्रा को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

जनवरी, 2019 में 24 और 25 जनवरी, 2019 को नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें मध्य प्रदेश की सुश्री तूबा हयात खान 200000 रु. के नगद पुरस्कार के साथ प्रथम पुरस्कार विजेता, महाराष्ट्र के श्री अक्षय राउत 100000 रु. के नगद पुरस्कार के साथ द्वितीय पुरस्कार विजेता तथा कर्नाटक के श्री प्रणव विलास अध्यापक 50000 रु. के नगद पुरस्कार के साथ तृतीय पुरस्कार विजेता बने। सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने विजेताओं को पुरस्कार और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इसके अलावा, राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया और उन्हें माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री, भारत सरकार के साथ नई दिल्ली में बातचीत का अवसर मिला।

ख) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के वित्तपोषण से आयोजित कार्यक्रम

1. राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

(प) जीवन कौशल शिक्षा शिविर, 2018–19

जीवन कौशल शिक्षा शिविर गैर आवासीय 7 दिनों का कार्यक्रम है जिसमें प्रत्येक शिविर का बजट 39,710/– रुपये होता है। प्रत्येक कार्यक्रम में 10–19 वर्ष की आयु के 40 किशोर भाग लेते हैं।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं– किशोरों में उचित आचरण को बढ़ावा देना जिससे वे सही विकल्पों का चयन करने में सशक्त होंगे, उनके जीवन में आने वाली जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए उनके जीवन कौशल को मजबूत करना, उन्हें एचआईवी से बचाने तथा किशोर प्रजनन यौन स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए उनके ज्ञान में वृद्धि करना और किशोरों के मुद्दों को हल करने के लिए उनकी सामूहिक क्षमता को बढ़ाना।

किए जाने वाले कार्यकलापों में किशोरों को 10 मुख्य जीवन कौशल यथा पोषण, स्वास्थ्य जागरूकता, किशोर प्रजनन और यौन स्वास्थ्य (एआरएसएच), करियर संबंधी मार्गदर्शन आदि में प्रशिक्षित करना शामिल है।

1 जनवरी 2018 से 31 दिसंबर 2018 तथा 1 जनवरी 2019 से 31 मार्च 2019 की उल्लिखित अवधि के दौरान 10990 युवाओं की भागीदारी से 255 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(ii) साहस शिविर 2018–19

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में साहस और जोखिम उठाने की भावना को प्रोत्साहित करना, राष्ट्रीय आपदाओं और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में स्थिति से निपटने के लिए युवाओं की क्षमता का निर्माण करना तथा पारिस्थितिकी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए युवाओं में प्रकृति को सराहने की भावना को बढ़ावा देना है ।

इसमें भूमि/ पहाड़, जल, वायु में कार्यकलाप किए गए जैसे जाने–पहचाने रास्तों पर ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, रेपलिंग, सफ़ारी, कृत्रिम रॉक

/ वॉल क्लाइम्बिंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग, कयाकिंग और कैनोइंग, लंबी दूरी तक तैरना, वाटर स्पोर्ट्स और पैरा सेलिंग, पैरा ग्लाइडिंग, हैंग ग्लाइडिंग, हॉट एयर बैलूनिंग आदि ।

1 जनवरी 2018 से 31 दिसंबर 2018 तथा 1 जनवरी 2019 से 31 मार्च 2019 की उल्लिखित अवधि के दौरान 2,242 युवाओं की भागीदारी से 89 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

(iii) राष्ट्रीय एकीकरण शिविर

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एनआईसी) के उद्देश्य हैं– देश के विभिन्न भागों से युवाओं को एक साझा मंच पर लाना; उन्हें देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर प्रदान करना और अनेकता में एकता के उस ताने–बाने को समझने में सक्षम बनाना जो सभी भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है। युवाओं में भाईचारे और बंधुत्व की भावना जगाने और विकसित करने के भी प्रयास किए जाते हैं।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में किए जाने वाले कार्यकलापों में व्याख्यान श्रृंखला, इंटरैक्टिव सत्र, कार्यस्थल का भ्रमण, कार्य शिविर, श्रमदान, फूड फेस्टिवल, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, भाषा सीखना, समूह गान, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि होते हैं।

भारत–आसियान विशेष शिखर वार्ता, 2018 के उपलक्ष्य में एनवाईकेएस, असम राज्य द्वारा स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ पंचायत एंड रूरल डेवलपमेंट (एस आई आर डी) काहीकुची कैंपस में 27 से 31 जनवरी, 2018 को 1 मेगा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर (एनआईसी) आयोजित किया गया। इस मेगा एनआईसी में 8 पूर्वोत्तर राज्यों के लगभग 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया। एनआईसी का विधिवत शुभारंभ एसआईआरडी, काहीकुची कैंपस में 28 जनवरी 2018 को किया गया और इसका समापन 31 जनवरी 2018 को हुआ। मेगा राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में पूर्वोत्तर राज्यों से 405 युवाओं ने भाग लिया।

एनवाईकेएस जयपुर ने 30 अगस्त 2018 से 3 सितंबर 2018 को जयपुर में 250 युवाओं की प्रतिभागिता से राष्ट्रीय एकीकरण शिविर का आयोजन किया और उसी समय जयपुर युवा महोत्सव, 2018 भी आयोजित किया गया।

(iv) अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (एक भारत श्रेष्ठ भारत):

एक भारत श्रेष्ठ भारत का व्यापक उद्देश्य हमारे राष्ट्र की अनेकता में एकता की भावना का यशगान करना और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से विद्यमान भावनात्मक बंधन के ताने–बाने को बनाए रखना तथा इसे सुदृढ़ करना है। यह युग्मित राज्यों के बीच 1 वर्ष तक चलने वाली योजनाबद्ध सहभागिता द्वारा सभी भारतीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के बीच एक सघन और सुनियोजित सहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास भी है।

उल्लिखित अवधि के दौरान, 23 युग्मित राज्यों अर्थात हैदराबाद (तेलंगाना), तिरुवनंतपुरम (केरल), रायपुर (छत्तीसगढ़), तरनतारन (पंजाब), इंफाल (मणिपुर), गंगटोक (सिक्किम), जम्मू (जम्मू–कश्मीर), मुंबई (महाराष्ट्र), कुल्लू और शिमला (हिमाचल प्रदेश) , पांडिचेरी (तमिलनाडु), गुवाहाटी (असम), गिरिडीह (झारखंड), शिलांग (मेघालय), गुंटूर और विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), अगरतला (त्रिपुरा), दिल्ली, भोपाल (मध्य प्रदेश), उडुपी (कर्नाटक), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), चेन्नई (तमिलनाडु), सिलवासा (दादरा और नगर हवेली), गुरुग्राम और अंबाला (हरियाणा), दमन (दमन और दीव), गांधीनगर (गुजरात), भुवनेश्वर (ओडिशा), जयपुर (राजस्थान), पणजी (गोवा), मसूरी और देहरादून (उत्तराखंड),

चंडीगढ़ (पंजाब), पटना (बिहार) में 46 कार्यक्रम आयोजित किए गए और इनमें 4656 युवाओं ने भाग लिया।

इस परियोजना के तहत शामिल कार्यकलापों में व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में पदयात्रा, सामाजिक मुद्दों पर रैलियां, कार्यस्थल का भ्रमण, करियर संबंधी मार्गदर्शन, भाषा सीखना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खान पान उत्सव, महत्वपूर्ण सामाजिक आर्थिक मुद्दों और भारत सरकार के राष्ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रम पर सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों को साझा करना और विचार–विमर्श सत्र आदि शामिल हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत पर निबंध लेखन, चित्रकला और पोस्टर मेकिंग जैसी प्रतियोगिताओं और खेलों का भी आयोजन किया गया था।

- **राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2019**

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना और नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा 'बी दी वॉयस ऑफ न्यू इंडिया एंड फाइंड सॉल्यूशंस एंड कंट्रिब्यूट टू पॉलिसी' विषय पर राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2019 का आयोजन किया गया।

18–25 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को जिला युवा संसद में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया । ऐसा उन युवाओं के विचारों को जानने के लिए किया गया था जिन्हें मत देने का अधिकार तो है परंतु वे चुनाव नहीं लड़ सकते। जिला युवा संसदों के लिए वक्ताओं का चयन दो चैनलों के माध्यम से किया गया था। एक प्रक्रिया डलळवअ द्वारा विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण और स्क्रीनिंग है जिसके माध्यम से कुल 7495 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। दूसरी प्रक्रिया यानी वॉक–इन स्क्रीनिंग 720 विनिर्दिष्ट नोडल संस्थानों में आयोजित की गई, जिसमें कुल 50438 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

डिजिटल और वॉक–इन स्क्रीनिंग प्रक्रिया द्वारा छांटे गए वक्ताओं ने जिला युवा संसद में भाग लिया, जिसका आयोजन 24 से 28 जनवरी 2019 को देश भर के 471 विनिर्दिष्ट जिलों (पश्चिम बंगाल के 23 जिलों को छोड़कर) में किया गया । कुल 1413 वक्ताओं अर्थात प्रत्येक जिला युवा संसद से तीन सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को राज्य युवा संसद में भागीदारी के लिए चुना गया था।

राज्य युवा संसद का आयोजन 05 से 7 फरवरी, 2019 तक 28 विनिर्दिष्ट राज्यों में किया गया था। तदनुसार, प्रत्येक विनिर्दिष्ट राज्य से 56 वक्ताओं को 26 फरवरी, 2019 को डॉक्टर अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र नई दिल्ली के भीम हॉल में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2019 के फाइनल में भाग लेने के लिए चुना गया था। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय(स्वतंत्र प्रभार) ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2019 का उद्घाटन किया।

इसके अलावा, **दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद समारोह को देखने के लिए देश के प्रत्येक जिले से सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागी ने प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।** इसे राष्ट्रीय स्तर पर सभी जिलों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किया गया।

पांच सदस्यों की जूरी ने सर्वश्रेष्ठ तीन वक्ताओं का चयन किया और सांत्वना पुरस्कार के लिए तीन नामों की सिफारिश भी की। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के विजेता हैं:

- **महाराष्ट्र की श्वेता उमरे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया (2 लाख रुपए)**
- **कर्नाटक की अंजनाक्षी एम एस ने दूसरा स्थान प्राप्त किया(1.50 लाख रुपए)**

- **बिहार की ममता कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया (1 लाख रुपए)**

माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने 27 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव पुरस्कार प्रदान किए और विजेताओं को प्रमाण पत्र बांटे। इन पुरस्कार विजेताओं को अपने विचार साझा करने का अवसर मिला।

माननीय प्रधान मंत्री ने बच्चों के लिए खेलों को आसान बनाने के लिए खेलो इंडिया ऐप भी लॉन्च किया। इस ऐप का उपयोग अन्य बातों के साथ–साथ देश में खेल सुविधाओं का पता लगाने, उनकी उपलब्धता, खेल के नियमों और किसी भी व्यक्ति के फिटनेस स्तर की जांच करने के लिए किया जा सकता है।

इस अवसर पर, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवा संसद आयोजित करने के लिए प्रेरित किया था, जिसने युवाओं को अपने विचारों की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरा समर्थन दिया है।

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 के प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए माननीय प्रधान मंत्री ने उनकी ऊर्जा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन एक नए भारत की छवि का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने युवाओं को नए भारत के विजन से जुड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को राष्ट्र और समाज के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने देश के युवाओं से समाज की भलाई के लिए बेहतर संचार कौशल विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बोले जाने वाले शब्द चाहे प्रभावशाली ना हो परंतु इन्हें निश्चित तौर पर प्रेरणादायक होना चाहिए। राष्ट्र के युवाओं को विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श करना चाहिए। युवा नई सोच और नए विचारों से परिपूर्ण होते हैं, जिससे वे नई चुनौतियों का सामना अधिक प्रभावी ढंग से कर पाते हैं।

इसके अलावा, उन्होंने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव का मंच युवाओं की ऊर्जा और बेहतर संवाद प्रक्रिया को दिशा और मूर्त रूप प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सांसद बनने के इच्छुक युवाओं के लिए सहायक सिद्ध होंगे ।

ग) अन्य मंत्रालयों / संगठनों के सहयोग/ वित्तपोषण से आयोजित कार्यक्रम

i. जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम (एलडब्ल्यूई प्रभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित)

नेहरू युवा केंद्र संगठन गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग और वित्तपोषण से प्रत्येक वर्ष जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वाम उग्रवाद से प्रभावित जनजातीय युवाओं को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित करवाना और उन्हें अनेकता में एकता की संकल्पना को समझने में सक्षम बनाना तथा देश के अन्य भागों में हो रही प्रौद्योगिकीय और औद्योगिक उन्नति और विकासात्मक कार्यकलापों से परिचित कराना, प्रमुख जीवन कौशल के बारे में उनकी समझ को बढ़ा कर उनके व्यक्तित्व का विकास करना तथा इन युवाओं की कौशल विकास संबंधी जरूरतों को पहचान कर उन्हें करियर संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य वाम उग्रवाद से प्रभावित सात राज्यों के 18 से 22 वर्ष के आयु वर्ग के

जनजातीय युवाओं को देश के महत्वपूर्ण शहरों का भ्रमण करवाना है ताकि उन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया जा सके और वह अनेकता में एकता की संकल्पना को सराह सकें । प्रत्येक स्थान पर 20 एस्कॉर्ट्स के साथ 200 जनजातीय युवा भाग लेते हैं।

किए जाने वाले कार्यकलापों में व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, पदयात्रा, समूह विचार–विमर्श, कार्यस्थल का भ्रमण, करियर संबंधी मार्गदर्शन, भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आदि शामिल हैं।

जनवरी 2018 से मार्च 2019 की अवधि के दौरान, 10 स्थानों यथा हैदराबाद (तेलंगाना), सूरत (गुजरात), जयपुर (राजस्थान), चेन्नई (तमिलनाडु), बेंगलुरु (कर्नाटक) –2 कार्यक्रम, पंचकुला (हरियाणा), जम्मू (जम्मू कश्मीर), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), दिल्ली और मुंबई (महाराष्ट्र) में 11 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें **221 एस्कॉर्ट्स के साथ 2183 जनजातीय युवाओं (1301 पुरुष और 882 महिलाएं) ने भागीदारी की।**

ii. **कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम**

नेहरू युवा केंद्र संगठन(एनवाईकेएस) ने जम्मू कश्मीर मामले विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भारत में 10 अलग–अलग स्थानों पर कश्मीरी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य युवाओं को कश्मीर घाटी के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, अखंडता और शांति के प्रचारक के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित करना और उन्हें इसके प्रति संवेदनशील बनाना, कश्मीरी युवाओं को देश के विभिन्न भागों में हो रही प्रौद्योगिकीय और औद्योगिक उन्नति से परिचित कराना और देश में सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और शैक्षणिक रुचि के स्थानों का भ्रमण करने का अवसर प्रदान करना है।

किए जाने वाले कार्यकलापों में व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, समूह विचार–विमर्श, कार्यस्थल का भ्रमण, कश्मीर और मेजबान राज्य के हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, कश्मीरी खान–पान उत्सव, भाषा सीखने के सत्र, अनुभवों और सर्वश्रेष्ठ

पद्धतियों को साझा करना, करियर संबंधी मार्गदर्शन, खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, प्रख्यात हस्तियों/ गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद, स्वच्छता अभियान, मीडिया से संवाद, फीडबैक सत्र आदि शामिल थे।

उल्लिखित अवधि के दौरान, 10 स्थानों यथा पुदुचेरी, कोलकाता (पश्चिम बंगाल), चेन्नई (तमिलनाडु), भुवनेश्वर (ओडिशा), बैंगलोर (कर्नाटक), गांधीनगर (गुजरात), एर्नाकुलम (केरल), भोपाल (मध्य प्रदेश), हैदराबाद (तेलंगाना), मुंबई (महाराष्ट्र) में **1141 युवा प्रतिभागियों और 114 टीम लीडर की भागीदारी से 10 कार्यक्रम आयोजित किए गए।**

iii. **पूर्वोत्तर युवा आदान प्रदान कार्यक्रम (पूर्वोत्तर प्रभाग, गृह मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित)**

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) ने पूर्वोत्तर युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए पूर्वोत्तर प्रभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहभागिता की है। इस कार्यक्रम में सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों से युवाओं को लिया गया ताकि वे देश के महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कर सकें।

इसका उद्देश्य हमारे देश की अनेकता में एकता की भावना का यशगान करना और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से विद्यमान भावनात्मक बंधन के ताने–बाने को बनाए रखना और इससे सुदृढ़ करना था। इसके साथ ही हमारी

समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति–रिवाजों और परंपराओं का प्रदर्शन करना भी है ताकि लोगों को भारत की विविधता और आर्थिक–सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रौद्योगिकीय उन्नति को समझने और उसे सराहने का अवसर मिले सके। इस कार्यक्रम को पूर्वोत्तर राज्यों के 1050 युवाओं की भागीदारी से भारत में पांच स्थानों पर आयोजित किया गया है।

इस कार्यक्रम का एक और उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों के 18 से 22 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को भारत के महत्वपूर्ण शहरों के भ्रमण का अवसर प्रदान करना है।

किए जाने वाले कार्यकलापों में व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, कार्य स्थल का भ्रमण, करियर संबंधी मार्गदर्शन, खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, उद्यमिता आदि शामिल थे।

जनवरी 2018 से मार्च 2019 की अवधि के दौरान, 9 स्थानों यथा रायपुर (छत्तीसगढ़), पुणे और नागपुर (महाराष्ट्र), पटना (बिहार), हिसार और कुरुक्षेत्र (हरियाणा), जम्मू (जम्मू कश्मीर), तिरुवनंतपुरम (केरल) और उदयपुर (राजस्थान) में 1956 पूर्वोत्तर युवाओं और 138 टीम लीडर की भागीदारी से 9 कार्यक्रम आयोजित किए गए।

iv. **स्वच्छ भारत अभियान – माननीय प्रधान मंत्री जी ने स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम (एसबीएसआई) के लिए एनवाईकेएस युवा क्लब को सम्मानित किया।**

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया।

युवाओं को स्वच्छता से जुड़े कार्यकलापों से जोड़ने और इसके लिए उनके कौशल और अभिविन्यास को विकसित करने, युवाओं में स्वयंसेविता की भावना का प्रसार करने तथा उनके योगदान को मान्यता प्रदान करने के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन ने देश भर में **एसबीएसआई** कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम की मुख्य उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

- युवाओं ने 100 घंटे के स्वच्छता कार्यकलापों में व्यक्तिगत रूप से और 10 सदस्यों वाली टीम के सदस्य के रूप में भाग लिया।
- युवा अपने–अपने गांवों में साफ–सफाई रखने के संबंध में नए विचारों के साथ सामने आए ।
- इन कार्यक्रमों और कार्यकलापों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी भाग लिया।
- भारत के सभी राज्यों से 619 जिला एनवाईकेएस ने भाग लिया और उन्होंने एसबीएसआई वेबसाइट पर स्वयं को जिला नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित कराया।
- 2.50 लाख से अधिक एनवाईकेएस युवाओं ने (ऑनलाइन और ऑफलाइन) अपना पंजीकरण कराया और श्रमदान के 100 घंटे पूरे किए।
- उपरोक्त सूचीबद्ध कार्यकलापों की तीन श्रेणियों के तहत 1,17,129 / – परियोजना कार्यकलाप किए गए और एसबीएसआई की वेबसाइट पर इनके विवरण अपलोड किए गए।
- श्रमदान के 100 घंटों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागियों को जिला नोडल अधिकारियों के अनुमोदन के पश्चात स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रमाण पत्र दिए गए।

पुरस्कार और मान्यता

जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ

युवा/ युवाओं की टीम को पुरस्कार प्रदान किए गए । इन तीनों स्तरों पर प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की पुरस्कार राशि इस प्रकार हैः

पुरस्कार का स्तर	पुरस्कार राशि		
	1st	2nd	3rd
जिला	30,000	20,000	10,000
राज्य	50,000	30,000	20,000
राष्ट्रीय	2 लाख	1 लाख	50,000

- जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्रदान करने के लिएः

क) **304 जिला नेहरू युवा केंद्रों** ने जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के लिए युवा / युवाओं की टीम का चयन किया।

ख) इसी प्रकार 27 राज्य निदेशकों ने निर्धारित चयन समिति के माध्यम से राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के लिए युवा/ युवाओं की टीम का चयन किया।

ग) राष्ट्रीय स्तर की चयन समिति ने राज्य स्तर के प्रथम पुरस्कार विजेताओं में से युवाओं की निम्नलिखित टीमों को राष्ट्रीय स्तर के प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेताओं के रूप में चुनाः

i. **समृद्धि महिला मंडली** ® पेठारी, चेरकडी पोस्ट, ब्रह्मावर, पेठारी, जिला उडुपी 576215, कर्नाटक (प्रथम)

ii. स्वामी विवेकानंद धमाका युवा मंडल, डाडी पीओ डाडी, बिछिया, जिला मंडला– 481661, मध्य प्रदेश (द्वितीय)

सुदर्शन फाउंडेशन, ठाकुरपल्ली, कुलई, जिला –दलाई –799289, त्रिपुरा (तृतीय)

iii. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2018 को राष्ट्रपति भवन, सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली में एनवाईकेएस युवा क्लब को राष्ट्रीय स्तर का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया । एनवाईकेएस युवा क्लबों ने द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी जीते और उन्हें सुश्री उमा भारती, माननीय पेयजल और स्वच्छता मंत्री ने पुरस्कार प्रदान किए।

घ. विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय से कार्यक्रम/ कार्यकलापः

एनवाईकेएस विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है।जिला नेहरू युवा केंद्रों और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईवी) अन्य विकास विभागों/एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करते हैं और युवा क्लबों को सक्रिय रूप से शामिल करते हुए ये कार्यकलाप किए जाते हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान प्रमुख उपलब्धियां निम्नानुसार थीं:

क्रम सं.	कार्यक्रम	उपलब्धि
1.	युवा क्लब के सदस्यों को रोजगारपरक कौशल विकास प्रशिक्षणों से जोड़ना	108928
3.	प्रधानमंत्री वित्तीय समावेशी योजनाओं (प्रधानमंत्री जनधन खाता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत लाभ, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा बैंक (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया–स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और अन्य के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करना और सहायता देना	204126
4.	नए जलाशय बनाना	7269
4.	विद्यमान जलाशयों का रखरखाव/ मरम्मत/ सुधार करना	6533
5.	तालाबों, पेयजल के प्राकृतिक स्त्रोतों, सिंचाई के छोटे चैनलों, पानी की टंकियों आदि की सफाई, खुदाई, रखरखाव, गाद निकालना और मरम्मत करना	8435
6.	शमशान भूमि और खेल के मैदानों का रखरखाव और मरम्मत	4548
7.	कुंओं के जलस्तर को उठाना/गाद निकालना	4203
8.	गांवों में जल संग्रहण	9705
9.	गांव में बोरी बाड़ बनाना	4191
10.	कृषि भूमि मृदा कार्ड	66483
11.	ब्लॉक जिला और राज्य स्तर पर स्वच्छता दूतों का चयन	9545
12.	दूतों की श्रृंखला (चेन ऑफ एम्बेसडेर्स)	4014
13.	स्कूल/कॉलेज की सफाई	14235

क्रम सं.	कार्यक्रम	उपलब्धि
14.	पीएचसी/उप केंद्र/अस्पतालों की सफाई	10617
15.	सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को साफ करने की मुहिम	27008
16.	जिला और राज्य कार्यालयों के कार्यालय परिसरों, शौचालयों तथा कूड़ा घरों की सफाई	9040
17.	सार्वजनिक स्थानों पर लगी प्रतिमाओं की सफाई	25384
18.	प्रेरणा देना जिसके परिणामस्वरूप खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाने के लिए शौचालयों का निर्माण हो सके	52196
19.	पौधारोपण करना और उनकी देखभाल करना	1066231
20.	पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता उत्पन्न करने और योगदान देने के लिए प्लास्टिक की थैलियां इकट्ठी करना	40247
21.	गांवों में खरपतवार (जैसे गाजर घास, लैंटाना, जलकुंभी) को उखाड़ना	16783
22.	रक्तदान	29158
23.	स्वैच्छिक रक्तदाताओं के नामांकन सहित उनके रक्त समूहों का वर्गीकरण करना	53420
24.	किशोरियों को आयरन फोलिक एसिड गोलियां उपलब्ध कराना	162257
25.	लड़कियों और उनके अभिभावकों को लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद ही करने के लिए प्रेरित करना	66097
26.	अस्पताल में प्रसूति कराने के लिए प्रेरित करना और इसमें सहायता करना	53162
27.	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	51631
28.	बच्चों (0–5 वर्ष) के टीकाकरण के लिए प्रेरित करना	45856
29.	मोतियाबिंद (नेत्र) के ऑपरेशन	13960
30.	स्वास्थ्य जांच शिविर(डीओटी ,हाइपरटेंशन, मधुमेह और अन्य)	10660
31.	बच्चों का स्कूल में दाखिला कराना	80929

क्रम सं.	कार्यक्रम	उपलब्धि
32.	बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ	63621
33.	मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने में सहायता करना	108480
34.	युवा नेताओं को कैशलेस ट्रांजेक्शन के संबंध में प्रशिक्षण देना	129259
35.	स्थानीय जरूरतों और प्राथमिकता के अनुसार अन्य कार्यक्रमों को लक्ष्य के साथ योजना में जोड़ा जा सकता है	8880

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) अपने मुख्य कार्यक्रमों के अलावा, राष्ट्रीय महत्व के अन्य मुद्दों और क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रम और कार्यकलाप करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जिन्हें भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी ने विभिन्न अवसरों पर स्वयं तथा उनके निर्देशों पर प्रधानमंत्री कार्यालय, नीति आयोग और अन्य मंत्रालयों ने निदेशित किया है । इसके अलावा एनवाईकेएस ने अपने कार्यक्रमों और कार्यकलापों में देश के आकांक्षी जिलों, कश्मीर घाटी, पूर्वोत्तर राज्यों और वाम उग्रवाद से प्रभावित जिलों पर विशेष ध्यान दिया है।

यह सराहनीय है कि एनवाईकेएस दिए गए कार्यों को न केवल समयबद्ध तरीके से कार्यान्वित करने और लागू करने में सफल रहा है बल्कि इसके साथ साथ अच्छे परिणाम भी दे रहा है। इसके परिणामस्वरूप एनवाईकेएस के पास संसाधन और बचत सीमित होने के बावजूद इसमें जीवन के सभी क्षेत्रों से युवाओं की भागीदारी में पर्याप्त बढ़ोतरी हुई है।

उपरोक्त संदर्भ में, निम्नलिखित ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जहां एनवाईकेएस ने कार्य किया है और महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है:

i. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

एनवाईकेएस वर्ष 2015–16 से देश भर में 21 जून को राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है। वर्ष 2018–19 के दौरान 562 जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 5,07,134 युवाओं ने भाग लिया। नेहरू युवा केंद्र युवा क्लबों द्वारा योग का प्रदर्शन 39006 गावों में किया गया जिनमें 18,32,607 युवाओं ने भाग लिया। इसके अलावा 11 राज्यों में राज्य स्तर पर बड़े योग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 29105 प्रशिक्षित युवाओं ने भाग लिया। राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के दौरान 104 योग गुरुओं को सम्मानित किया गया। इन कार्यक्रमों में चार माननीय राज्यपालों, 6 केंद्रीय मंत्रियों और माननीय सांसदों, विधायकों, महापौर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

कश्मीर घाटी में आतंकवादी खतरे के बावजूद, कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा, बारामूला, श्रीनगर, बड़गाम और पुलवामा जिलों में योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ii. महात्मा गांधी की 150वीं जयंती समारोह (2 अक्तूबर 2018 से 30 नवंबर 2018)

युवाओं को महात्मा गांधी जी के जीवन और कार्यों की जानकारी देने और उन्हें साफ– सफाई के प्रति जागरूक बनाने और ओडीएफ को बढ़ावा देने के लिए एनवाईकेएस ने 2 अक्तूबर से 30 नवंबर 2018 तक राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और एनवाईकेएस के ग्राम आधारित युवा क्लबों के सदस्यों के सक्रिय सहयोग से अनेक कार्यकलाप किए।

किए जाने वाले कार्यकलापों में गांधी जयंती समारोह – प्रभात फेरी, सर्व धर्म प्रधान और महात्मा गांधी के भजनों का गायन, इंटरैक्टिव सत्र, वक्ताओं द्वारा विचार–विमर्श और व्याख्यान, भारत को गंदगी से मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका, प्रदर्शनी, पदयात्रा, साइकिल यात्रा और रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और गांधी जी पर वृत्तचित्र / लघु फिल्म, प्रतियोगिताएं – निबंध, चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता और कविता पाठ, स्वच्छता, साफ सफाई अभियान, कार्य शिविर (सामुदाय विकास कार्यक्रम), विशेष युवा शिविर, समन्वय कार्यकलाप और विशेष कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम शामिल हैं और इसके साथ बैनरों के प्रदर्शन, मुख्य कार्यक्रमों, विशेष कार्यक्रमों और परियोजनाओं के दौरान गांधी जी के अनमोल वचनों वाले बैनरों से मुख्य कार्यक्रमों का संचालन करते हुए महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती की ब्रान्डिंग करना शामिल है।

2 अक्तूबर से 30 नवंबर 2018 के दौरान 1.53 लाख कार्यकलाप आयोजित किए गए जिनमें देश भर के 29,66,464 युवाओं ने भाग लिया।

iii. पोषण माह का आयोजन- एनवाईकेएस को पुरस्कार प्रदान किया गया

माननीय प्रधान मंत्री के आह्वान पर, महिला और बाल विकास मंत्रालय ने पोषण माह का आयोजन किया और एनवाईकेएस इस कार्यक्रम में एक प्रमुख सहभागी था। एनवाईकेएस युवा क्लबों द्वारा कुल 5,72,249 कार्यकलाप किए गए जिनमें 63,04,976 युवाओं ने भाग लिया। एनवाईकेएस के प्रयासों को उच्चतम स्तर पर सराहा गया और अनुकरणीय स्वैच्छिक प्रयासों के लिए पुरस्कृत किया गया।

iv. नेहरू युवा केंद्र, बारामूला (जम्मू-कश्मीर) ने भारतीय सेना के साथ सहभागिता की

नेहरू युवा केंद्र बारामूला ने बारामूला युवा महोत्सव में भाग लिया जो भारतीय सेना की डैगर डिवीजन द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बारामूला जिले के युवाओं और इसके आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को लामबंद करना और राष्ट्र निर्माण के कार्यकलापों में उन्हें शामिल करना था। यह कार्यक्रम 20 जून 2018 को शांति के लिए दौड़ और एकता के लिए साइकिलिंग कार्यक्रम से आरंभ हुआ। इस आयोजन को जीओसी डैगर डिवीजन द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। स्थानीय लोगों ने भी इसमें भाग लिया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में ऐसी और अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जीओसी डैगर ने स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की और उन्हें शांतिपूर्ण और समृद्ध कश्मीर के लिए सेना के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।

स्टार आकर्षण इरफान पठान और गौहर खान, दोनों ने ऐसे युवा महोत्सव आयोजित करने के लिए भारतीय सेना और स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद दिया युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे आना होगा। इरफान पठान ने कहा, ''या तो अपने सपनों को

हासिल करने के लिए आगे बढ़ें या डरें और थमकर बैठ जाएं, युवा प्रतिभाशाली हैं लेकिन युवाओं को कड़ी मेहनत करनी होगी। ''

नौकरी मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खाना खज़ाना फूड प्लाजा, खेल और महोत्सव के अन्य कार्यकलापों के लिए युवाओं और आम जनता की सुविधा के लिए एन वाई वी और युवा नेताओं सहित नेहरू युवा केंद्र, बारामूला के 50 स्वयं सेवकों को तैनात किया गया । उन्हें पहचान–पत्र (MAY I HELP YOU) प्रदान किए गए थे।

v. दिल्ली राज्य के 100 युवाओं ने मादक पदार्थों के सेवन और अंतरराष्ट्रीय तस्करी के विरुद्ध 26 जून, 2018 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय दिवस में भाग लिया

नेहरू युवा केंद्र संगठन, अलीपुर, नई दिल्ली ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26 जून 2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मद्यपान और मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य संबंधी राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में भाग लिया ।

भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रपति जी ने इस अवसर पर कहा कि नशाखोरी की समस्या को जागरूकता, रोकथाम, प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करके हल किया जा सकता है। इन प्रयासों में नशा करने वालों के लिए करुणा और सहानुभूति भी आवश्यक है। माता–पिता, शिक्षक, डॉक्टर, स्वयंसेवी संगठनों को चिकित्सा और पुनर्वास के प्रयासों से जुड़ना चाहिए।

श्री थावरचंद गहलोत, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, श्री कृष्णपाल गुर्जर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री, श्री रामदास अठावले, श्री विजय सांपला और श्रीमती नीलम साहनी, सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई

चार जिला नेहरू युवा केंद्रों में से कुल 100 युवाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

vi. एनवाईकेएस ने पर्यटन पर्व समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी का पुरस्कार जीता

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पर्यटन पर्व में प्रतिभागिता की और देशभर में 16 से 27 सितंबर 2018 के दौरान अनेक कार्यक्रम और कार्यकलाप आयोजित किए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पर्यटन के महत्व से परिचित कराना और सभी को पर्यटन के विकास में हितधारक बनने के लिए प्रोत्साहित करना था।

किए जाने वाले कार्यक्रम और कार्यकलापों में पर्यटन के महत्व से जुड़े जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, नेबरहुड युवा संसद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवा नेतृत्व और समुदाय विकास कार्यक्रम, हेरीटेज वॉक, स्थानीय पर्यटन और विरासत स्थलों की साफ–सफाई, युवा रैली, पर्यटन के महत्व पर नाटक और नृत्य, पर्यटन और विशेषकर ग्रामीण पर्यटन पर पैनल चर्चा, खेल टूर्नामेंट, कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम, एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम और राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम आदि शामिल थे।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा पर्यटन पर्व, 2018 के संबंध में देशभर में किए जा रहे प्रयासों को मान्यता प्रदान करते हुए युवा कार्यक्रम और खेल

मंत्रालय तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन को "विजेता घोषित किया गया। सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 27 सितंबर 2018 को राजपथ लॉन में आयोजित पर्यटन पर्व 2018 के समापन समारोह में संयुक्त सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा महानिदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन को पुरस्कार प्रदान किया।

vii. पराक्रम पर्व

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 28 सितंबर, 2018 से 30 सितंबर 2018 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया तथा देशभर में अनेक कार्यक्रमों और कार्यकलापों का आयोजन किया। यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के निदेश से आयोजित किया गया।

माननीय मुख्य मंत्री, मंत्री, संसद सदस्य, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, नेहरू युवा केंद्र संगठन के अधिकारी तथा युवा क्लब के सदस्य इन कार्यक्रमों और आयोजनों में उपस्थित हुए। देशभर में किए गए कार्यक्रमों और कार्यकलापों में एनवाईकेएस के 1786 युवाओं और कार्मिकों ने भाग लिया।

viii. यूनेस्को कार्यक्रम में एनवाईकेएस की भागीदारी

एनवाईकेएस, एनएसएस, रेड क्रॉस और अन्य युवा संगठनों के सक्रिय सहयोग से यूनिसेफ ने 2 अक्तूबर, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में काइंडनेस इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। एनवाईकेएस के 100 से अधिक युवाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण पैनल चर्चा, अनुभव साझा करना तथा इस विषय के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान थे। सचिव (युवा कार्यक्रम) ने युवाओं और पैनल को संबोधित किया और उनसे आगे आने और समाज में बदलाव लाने तथा अपने क्षेत्र और समाज में एक उदाहरण स्थापित करने का अनुरोध किया।

ix. सीपीआर प्रशिक्षण में एनवाईकेएस की सहभागिता

नेहरू युवा केंद्र संगठन के 1000 युवा स्वयंसेवकों ने हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा 23 अक्तूबर, 2018 को तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 25वें परफेक्ट हेल्थ मेला में कार्डियो पलमोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण में प्रतिभागिता की। सचिव (युवा कार्यक्रम) ने युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

x. चंपारण, बिहार में स्वच्छता ही सेवा में एनवाईकेएस की प्रतिभागिता:

एनवाईकेएस, बिहार ने 15 सितंबर 2018 से 2 अक्तूबर 2018 तक चंपारण बिहार में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में युवा स्वयंसेवकों द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान और साफ–सफाई मुहिम शामिल था। ने.यु.के.सं. के 250 युवाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमदान, सेवा भाव, स्वयंसेविता की भावना को बढ़ाने के साथ साथ युवाओं को स्वच्छता से जुड़े कार्यकलापों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित करना था। इस अभियान का एक अन्य उद्देश्य युवाओं में स्वच्छता की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना था।

इसके अलावा, स्वयंसेवकों ने मेडिकल कैंपों के सुचारू संचालन, भोजन तैयार करना और वितरण करना, भीड़ के प्रबंधन आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एनवाईकेएस युवाओं ने शौचालय निर्माण और उनके उपयोग की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की।

xi. केरल बाढ़ राहत कार्यक्रम

दिल्ली से एनवाईकेएस के 1760 स्वयंसेवकों ने राहत सामग्री इकट्ठी की और इसे बाढ़ से प्रभावित केरल के लोगों को भिजवा दिया।इन स्वयंसेवकों ने केरल भवन और नई दिल्ली में अन्य स्थानों पर दिन–रात अपनी स्वयंसेवी सेवाएं प्रदान की।

केरल राज्य में मूसलाधार बारिश के कारण, 36 छोटे मध्यम और बड़े बांध भर गए और परिणामस्वरूप उनके शटर को ऊपर उठाकर पानी को निकाला गया। इससे राज्य के सभी निचले हिस्सों में बाढ़ आ गई। बारिश के प्रकोप से राज्य की उच्च श्रेणी में भूस्खलन की एक श्रृंखला शुरू हो गई। इस तरह पूरे राज्य को सबसे विकट आपदा का सामना करना पड़ा। बाढ़ के कारण 19 अगस्त 2018 तक 7 लाख से अधिक लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी और इतनी ही संख्या में लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए। राज्य के कुल 14 में से 8 जिले गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। एनवाईकेएस केरल के युवा क्लब और स्वयंसेवक पहले दिन अर्थात 16 अगस्त 2018 से बाढ़ से ही राहत संबंधी कार्यकलापों में जी जान से जुटे रहे।

xii. प्रवासी भारतीय दिवस

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम में भाग लिया और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)ने युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार की प्रमुख स्कीमो तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास कार्यक्रम (आरजीएनआईवाईडी) के कार्यक्रमों पर जानकारी देने वाली एक प्रदर्शनी आयोजित की।

श्रीमती सुषमा स्वराज, माननीय केंद्रीय विदेश मंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (सेवानिवृत्त), एवीएसएम, माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री और जनरल (डॉ) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त), माननीय केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री ने 21 जनवरी 2019 को युवा प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन किया।

श्रीमती उपमा चौधरी, सचिव, युवा कार्य विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रवासी भारतीय दिवस पर नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया ।

नेहरू युवा केंद्र संगठन और विश्व छात्र युवा संगठन (डब्ल्यूओएसवाई) के कुल 60 युवा प्रतिभागियों ने प्रवासी भारतीय दिवस कार्यक्रम में भाग लिया।

xiii. एचआईवी / एड्स संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम

नेहरू युवा केंद्र, कठुआ ने गोविंदसर, कठुआ में 'एचआईवी / एड्स संवेदीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम जम्मू–कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, स्वास्थ्य विभाग, युवा क्लबों और महिला मंडलों के सहयोग और समन्वय से आयोजित किया गया ।

स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी डॉ.

आकाश ने एचआईवी / एड्स पर युवाओं को जानकारी दी और प्रशिक्षित किया यथा यह कैसे फैलता है, इसके लक्षण, इसकी रोकथाम के तरीके, सरकारी अस्पताल में इसके इलाज की सुविधाएं तथा एचआईवी / एड्स के बारे में युवाओं को जागरूक बनाने में युवाओं और माता–पिता की भूमिका।

श्री सोम दत्त ज़ार्ड, डीवाईसी, नेहरू युवा केंद्र, कठुआ ने अभिभावकों से अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने और उनका विश्वास जीतने की अपील की ताकि बच्चे अपने माता–पिता के साथ स्वास्थ्य के मुद्दों, पोषण और एचआईवी / एड्स पर अपने विचारों और चुनौतियों को खुलकर व्यक्त कर सकें और उन्हें यौन स्वास्थ्य और मादक पदार्थों के सेवन की रोकथाम के बारे में भी शिक्षित करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि नशा करने वाले लोग जिला अस्पताल में मुफ्त इलाज प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर थीम आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में कुल 125 युवाओं ने भाग लिया।

****

अध्याय – 5

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनएसवी (1977–78) और आर एस वाई (2005) की पिछली योजनाओं को संशोधित करने के बाद 2010–11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कोर नामक नई स्कीम पेश की है।

एनवाईसी योजना के उद्देश्य हैं–

- अनुशासित और समर्पित युवाओं का समूह बनाना जिनकी राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल होने के प्रति झुकाव और भावना हो।
- समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को साकार करने के कार्य को सुकर बनाना।
- समुदाय में सूचना, बुनियादी ज्ञान के प्रसार के केंद्र के रूप में कार्य करना।
- समूह मॉडयूलेटर तथा पीयर समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना।
- युवा वर्ग के लिए विशेषकर सार्वजनिक आचार, ईमानदारी तथा श्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करना।

इस स्कीम के प्रावधान के अनुसार, 623 जिलों में कुल 12,000 स्वयंसेवक हर साल तैनात किए जा रहे हैं। स्वयंसेवकों के चयन के लिए जिले के डीएम / डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति है। 18–29 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए तैनात किया जा रहा है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्तूबर 2016 से 5000/– रु. प्रति माह का मासिक मानदेय दिया जा रहा है जो पहले प्रति स्वयंसेवक मात्र ढाई हजार रुपए था। वर्ष 2018–19 के दौरान, देश भर में कुल 8294 स्वयंसेवक तैनात किए गए थे।

स्वयंसेवक युवा क्लब के सदस्यों और संबंधित नेहरू युवा केंद्र/ विभिन्न अन्य विभागों के बीच कड़ी के रूप में कार्य करते हैं।

ये स्वयंसेवक एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों और विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ–साथ ग्राम/ समुदाय स्तर पर युवा क्लबों और महिला मंडलों को प्रेरित करने और मजबूत करने में सक्रिय रूप से शामिल थे ।

****

अध्याय – 6

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित हैं। उचित रूप से एनएसएस का विचार "मैं नहीं, परंतु आप" है। एक एनएसएस स्वयंसेवी 'स्वयं' से पहले 'समुदाय' को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्य: एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का विकास करना है:

क) उस समुदाय को समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके समुदाय के संबंध में समझाना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं और समस्याओं की पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान को व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना;

च) नेतृत्व के गुण तथा गणतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आकस्मिकताओं और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए क्षमता का विकास करना; और

च) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "कैम्पस और समुदाय", "कॉलेज और गांव" तथा "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस लगभग 40,000 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में 1969 में आरंभ किया गया था। 31.03.2019 के अनुसार, एनएसएस में 494 विश्वविद्यालयों और +2 परिषदों/ निदेशालयों 17,894 कॉलेजों/तकनीकी संस्थाओं और 12,072 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में परिव्याप्त 43,174 एनएसएस इकाइयों में लगभग 39.96 लाख स्वयंसेवक हैं। शुरूआत से अब तक 7 करोड़ से अधिक छात्रों ने एनएसएस से लाभ उठाया है।

एनएसएस की बुनियादी अभिकल्पना/कार्यक्रम संरचना

एनएसएस वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित की जा रही है। एनएसएस की संकल्पना में इस संभावना पर बल दिया जाता है कि स्कीम के तहत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्थान में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में संख्या कम हो सकती है) वाली कम से कम एक एनएसएस यूनिट हो जिसका प्रमुख एक अध्यापक हो जिसे कार्यक्रम अधिकारी(पीओ) के रूप में नामोदिष्ट किया जाएगा। प्रत्येक एनएसएस यूनिट एक गांव या मलिन बस्ती को अपने कार्यकलापों का संचालन करने के लिए अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक के लिए निम्नलिखित कार्य/ कार्यकलाप करना अपेक्षित है:

क) **नियमित एनएसएस कार्यकलापः** प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटों अर्थात 2 वर्षों में कुल 240 घंटों की सेवा देनी होती है। यह कार्य एनएसएस यूनिट द्वारा अपनाए गए गांवों/ मलिन बस्तियों या विद्यालय/ कॉलेज कैंपस में सामान्यतः पढ़ाई के घंटों के बाद या सप्ताहांत में किया जाता है। प्रथम वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के अभिविन्यास के लिए चिन्हित किए जाते हैं ताकि उन्हें व्याख्यानों, चर्चाओं, कार्यस्थल का भ्रमण, श्रव्य–दृश्य आदि के माध्यम से एनएसएस की मूलभूत जानकारी दी जा सके।

ख) **विशेष कैंपिंग कार्यक्रमः** प्रत्येक एनएसएस यूनिट अपनाए गए गांवों/ मलिन बस्तियों में छुट्टियों के दौरान स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए किसी विशिष्ट परियोजना पर 7 दिनों का विशेष शिविर आयोजित करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए 2 वर्ष की अवधि के दौरान ऐसे विशेष शिविर में एक बार भाग लेना अनिवार्य है। इस प्रकार एक यूनिट के लगभग 50% एनएसएस स्वयंसेवक विशेष शिविर में प्रतिभागिता करते हैं।

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापः

एनएसएस द्वारा किए जा रहे कार्यकलापों को मुख्यतः दो श्रेणियों में बांटा जा सकता है यथाः

1. **मुख्य कार्यकलापः** एनएसएस के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार बदलते रहते हैं। एनएसएस द्वारा किए जा रहे कुछ कार्यकलापों की एक सूची नीचे दी गई है:–

क) शिक्षाः प्रौढ़ शिक्षा, स्कूल पूर्व शिक्षा, पढ़ाई छोड़ चुके व्यक्तियों को पढ़ाई जारी रखने में सहायता करना, सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए कार्यक्रम आदि ।

ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषणः टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता आदि।

ग) पर्यावरण संरक्षणः पौधारोपण और उनका परिरक्षण/ देखरेख, नालों/ सड़कों की सफाई और अनुरक्षण आदि।

घ) समाज सेवा कार्यक्रमः अस्पतालों, दिव्यांगजनों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों, महिला कल्याण संस्थानो आदि में कार्य करना।

ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रमः महिला अधिकारों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

च) उत्पादन–उन्मुख कार्यक्रमः लोगों को उन्नत कृषि संबंधी पद्धतियों के संबंध में शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास के लिए मार्गदर्शन आदि।

छ) आपदा राहत और पुनर्वासः बचाव एवं राहत कार्यों में स्थानीय प्राधिकरण के साथ मिलकर कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य कार्यकलाप/ कार्यक्रमः** एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के अलावा अन्य कार्यकलाप भी किए जाते हैं। उदाहरण के लिएः

क) गणतंत्र दिवस परेड शिविर में सहभागिता।

ख) साहस कार्यकलापों में सहभागिता।

ग) एनएसएस मेगा शिविरों तथा पूर्वोत्तर एनएसएस युवा महोत्सवों का आयोजन।

घ) राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान "सुविचार" तथा" यूथ कन्वेंशन" का आयोजन।

ङ) एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

च) एनएसएस पुरस्कार।

छ) राष्ट्रीय एकीकरण शिविर

प्रशासनिक ढांचाः

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस यूनिट का प्रमुख "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में नामोद्दिष्ट एक अध्यापक होता है जो अपने अंतर्गत एनएसएस यूनिट के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और जनसंपर्क व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में एनएसएस यूनिटों के संबंध में एनएसएस कार्यकलापों के समन्वय के लिए एक एनएसएस सेल और एक नामोद्दिष्ट कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) होता है। इसी प्रकार वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एक एनएसएस सेल बनाया गया है।

राज्य स्तर पर राज्य सरकार के किसी एक विभाग में स्थित राज्य एनएसएस अधिकारी (एसएनओ) की अध्यक्षता में एक राज्य एनएसएस सेल होता है।

राष्ट्रीय स्तर पर एक एनएसएस निदेशालय है जो 15 क्षेत्रीय निदेशालयों (अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पटना, पुणे और त्रिवेंद्रम में स्थित) के माध्यम से कार्य करता है। एनएसएस संगठन की कुल स्वीकृत स्टाफ संख्या 199 है, 31.03.2019 तक स्टाफ की वास्तविक संख्या 104 थी।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनएसएस के कार्यकर्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन देने के लिए राज्य, विश्वविद्यालय और संस्था के स्तर पर सरकारी और गैर–सरकारी सदस्यों वाली सलाहकार समितियां हैं।

वित्तीय तंत्र

वर्तमान में, एनएसएस के मुख्य कार्यकलापों के संचालन नियमित एनएसएस कार्यकलापों हेतु प्रतिवर्ष 250 रुपए प्रति स्वयंसेवक और विशेष शिविर कार्यकलापों के लिए 450 रुपए प्रति स्वयंसेवक (2 वर्ष में एकबार) की दर से निधियन प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, एनएसएस कार्यक्रम के संचालन की कुल लागत प्रति वर्ष 475 रुपए प्रति स्वयंसेवक है (चूंकि विशेष शिविर केवल एक विशिष्ट वर्ष में 50 प्रतिशत स्वयंसेवकों के लिए होते हैं)। सभी निधियों का प्रयोग एनएसएस कार्यकलापों के संचालन के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नगद भुगतान नहीं किया जाता। कुल प्रावधान में से, एनएसएस से जुड़ी शैक्षिक संस्थाओं में से स्थापना की लागत भी वहन की जानी आवश्यक होती हैं जिसमें कार्यक्रम समन्वयकों (800 रुपए प्रतिमाह की दर से) तथा कार्यक्रम अधिकारियों (400 रुपए प्रतिमाह की दर से) को आउट–ऑफ–पॉकिट भत्ता शामिल हैं।

2015–16 तक एसएसए एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यानवित की गई। तथापि, 01.04.2016 से इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में किया जा रहा है।

स्व–वित्त पोषण ईकाइयां (एसएफयू): इस विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषण ईकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र आरंभ किया है ताकि एनएसएस का विस्तार पर्याप्त सरकारी निधियन के अभाव में बाधित न हो। इस तंत्र के अंतर्गत स्थापित ईकाइयों को किसी अन्य एनएसएस ईकाइयों के समान दर्जा दिया जाता है, एकमात्र अंतर यह है कि इन ईकाइयों का वित्त पोषण इनकी स्थापना करने वाली संस्थाओं द्वारा किया जाता है। अब तक 3,95,516 स्वंयसेवकों को शामिल करते हुए एनएसएस की 4462 स्व वित्तपोषित इकाईयों का गठन किया गया है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण

वर्तमान में एनएसएस के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारियों को 7 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ताकि उन्हें उनके कर्तव्य प्रभावी रूप से निर्वाह करने के योग्य बनाया जा सके। यह प्रशिक्षण देश के विभिन्न भागों में कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में स्थित 26 पैनलबद्ध प्रशिक्षण संस्थाओं (ईटीआई) के माध्यम से प्रदान किया जाता है। 2018–19 के दौरान इन ईटीआई के माध्यम से 1193 कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

2018–19 के दौरान प्रदर्शन/विकास

गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनानाः एनएसएस इकाईयों ने अपने कार्यकलापों के लिए 39156 गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनाया है।

विशेष शिविरों का आयोजनः विशेष शिविर एनएसएस का अभिन्न समेकित भाग हैं जिसमें स्वयंसेवक ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से मिलने का अवसर, उनके जीवन को समझने, 7 दिन के लिए उनके साथ रहने और विभिन्न विकास कार्यकलाप करने का अवसर प्राप्त करते हैं। 2018–19 के दौरान भारत के गांव/बस्तियों में 18,37551 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 38,192 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया था।

पौधारोपणः पौधारोपण तथा उनका रखरखाव एनएसएस के प्रचलित कार्यकलापों में से एक है। 2018–19 के दौरान, विभिन्न स्थानों जैसे कि सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/कॉलेज परिसरों, सड़क के किनारे रोपण, वन्य क्षेत्रों आदि में 45,60,941 पौधों का रोपण किया गया।

रक्तदानः एनएसएस के स्वयंसेवक देश में गरीबों, जरूरतमंदों और अस्पतालों में आपातकालीन मामलों में रक्तदान करने के लिए अग्रणी रहते हैं। नियमित कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकांश एनएसएस इकाइयां भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड़ बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का अनिवार्य रूप से आयोजन करते हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थाएं एनएसएस स्वयंसेवी रक्तदाताओं की एक निदेशिका रखती हैं जिन्हें आपातकालीन समय पर रक्तदान करने के लिए बुलाया जा सके। 2018–19 के दौरान भारत भर में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा 5,24,432 ईकाई रक्तदान किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरणः एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाए। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने देशभर में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने में सहायता की। 2018–19 के दौरान 5,76,602 स्वयंसेवक पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए बच्चों को एकत्रित करने

में शामिल थे और 17,69,479 लाख बच्चों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरः एनएसएस इकाईयों ने 29,107 स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई जिसमें 14,99,429 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम/रैलियां/अभियानः एनएसएस इकाईयों ने समुदाय से संबंधित मुद्दों पर 1,34,580 जागरूकता कार्यक्रमों/रैलियों/अभियानों का आयोजन किया जिसमें 59,72,776 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव : वर्ष 2014– 2015 से, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन करती है। पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव विशेष रूप से भारत के 8 पूर्वोत्तर राज्यों के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए है और यह 5 दिनों की अवधि के लिए आयोजित किया जाता है। पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव में आत्मरक्षा पर प्रशिक्षण, साहसिक खेल, जीवन कौशल (स्व जागरूकता, संवेदना, वार्तालाप....) के 10 घटकों पर प्रशिक्षण, कैरियर परामर्श पर कार्यशाला, साक्षात्कार का सामना करना, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना, एसपीआईसी एमएसीवाई और प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करना, श्रमदान, स्थानीय दौरा, आदि जैसे कार्यकलाप शामिल हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान, असम और अरुणाचल प्रदेश में दो पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सव आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के क्रमशः 600 और 572 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सवः वर्ष 2018– 19 के दौरान, राष्ट्रीय युवा महोत्सव को राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019 के रूप में आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2019" नए भारत की आवाज बनो" – समाधान ढूंढो और नीति में योगदान करो नामक विषय पर आयोजित किया गया था। 471 जिलों में आयोजित जिला युवा संसदों के लिए वक्ताओं का चयन दो चैनलों अर्थात पंजीकरण और डिजिटल स्क्रीनिंग के माध्यम से किया गया जिससे कुल 7495 प्रविष्टियां प्राप्त हुई और 720 नामित नोडल संस्थानों में वाक–इन स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया जिसमें कुल 50438 प्रविष्टियां प्राप्त की गई। प्रत्येक राज्य युवा संसद से सर्वश्रेष्ठ 3 वक्ताओं का चयन किया गया और इस प्रकार 28 राज्यों में आयोजित राज्य युवा संसद में कुल 1413 युवाओं ने भाग लिया। प्रत्येक राज्य युवा संसद से चयनित सर्वश्रेष्ठ 2 वक्ताओं को राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2019 के राष्ट्रीय फाइनल में भाग लेने के लिए वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया। 27 फरवरी, 2019 को विज्ञान भवन ,नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय फाइनल के तीन विजेताओं को पुरस्कार वितरित करके एनवाईपीएफ, 2019 के समापन समारोह की शोभा बढ़ाई।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2018: एनएसएस के स्वयंसेवक प्रत्येक वर्ष राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। स्वयंसेवकों को इस भागीदारी के लिए तैयार करने हेतु प्रत्येक वर्ष जनवरी में नई दिल्ली में एक माह लंबा गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 200 चुनिंदा एनएसएस स्यवंसेवक (100 लड़के और 100 लड़कियां) भाग लेते हैं। इस वर्ष के दौरान, यह शिविर अंतरराष्ट्रीय युवा छात्रावास, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। शिविर में अपने आवास के दौरान,स्वयंसेवकों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति और माननीय प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात करने का अवसर प्राप्त किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 26 जनवरी, 2019 को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया। गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भागीदारी एनएसएस स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का विकास करने में अत्यधिक सहायक होती है।

स्वच्छ भारत मिशन : समूचे भारत में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा पूरे दिन से 'स्वच्छ भारत अभियान' चलाया गया। स्वयंसेवकों ने कई कार्यकलापों का संचालन किया जैसे कि कॉलेज परिसर, अपनाए गए गांवों की सफाई , लिंक मार्गों का विकास और मरम्मत, तालाबों और झीलों की सफाई आदि। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा देशभर में स्वच्छता के संबंध में तथा प्लास्टिक का उपयोग ना करने के संबंध में रैलियों का आयोजन किया गया ।

स्वच्छता पखवाड़ा 2018–19:

एनएसएस द्वारा 1 अगस्त, 2018 से 15 अगस्त, 2018 तक लाभानवित तरीके से स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया । 381 विश्वविद्यालयों, 15708 संस्थानों और 192 स्कूलों/+ 2 परिषद और निदेशालय के कुलपति, समन्वयकों और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा 798491 पुरुष और 582613 महिला एनएसएस स्वयंसेवकों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई स सभी एनएसएस इकाइयों ने अपने संस्थानों जैसे कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, शौचालयों, खेल मैदानों, बगीचों, सड़कों आदि की सफाई में सक्रिय रूप से भागीदारी की। अपनाए गए 10592 गांवों/मलिन बस्तियों में डोर टू डोर अभियान आयोजित किया गया, 8000 गांवों/मलिन बस्तियों को ओडीएफ के विषय में जागरूक किया गया, सभी को जागरूक करने के लिए 262406 इश्तिहार बांटे गए। लगभग 1750023 लोगों को स्वच्छता के विषय में जागरूक किया गया ताकि वे श्रम की गरिमा को समझ सकें और अपने आसपास के स्थान को साफ रखने की आदत का विकास कर सकें। इसके अतिरिक्त, 701218 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 11– 13 अगस्त,2018 तक अस्पतालों, औषधालयों, सामुदायिक केंद्रों, वृद्धाश्रमों, ऐतिहासिक स्थानों, अनाथाश्रमों, दिव्यांगों के लिए केंद्रों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और मूर्तियों, बाजारो आदि की सफाई में भागीदारी की। रैलियों द्वारा 2682 शहरों और 27286 गांवों की सफाई की गई। जिसमें 667697 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सतत स्वच्छता के लिए भविष्य की योजनाओं हेतु

संस्थान के अध्यक्ष की अध्यक्षता में 10183 बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में 673960 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजनः दिनांक 21 जून, 2018 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन लगभग 2578003 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवसः सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर, 2018 ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाई गयी। इस दिन, लगभग 3360361 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमः एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने और चुनाव के दिन मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने हेतु चुनाव अधिकारियों के साथ मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविरः एनएसएस राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पैदा करने, युवाओं में धर्मनिरपेक्ष और राष्ट्रीय मूल्यों के समावेशन तथा देश में सद्भावना और शांति को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों का आयोजन करता है। विभिन्न शिविर कार्यकलापों में योग और मेडिटेशन, श्रमदान, शैक्षणिक सत्र जिनमें भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाता है, संकल्प से सिद्धि, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं। प्रत्येक राष्ट्रीय एकीकरण शिविर की अवधि सात दिवस है जिसमें कम से कम 10 राज्यों के 200 एनएसएस स्वयंसेवक और 10 कार्यक्रम अधिकारी शिविर में भाग लेते हैं। वर्ष 2018– 19 में, 14 राष्ट्रीय एकीकरण शिविर आयोजित किए गए जिनमें 2798 एनएसएस स्वयंसेवकों और 142 कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

साहस शिविरः एनएसएस अभिज्ञात साहस प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रत्येक वर्ष साहसिक शिविरों का आयोजन करता है जिसमें 10 दिन के लिए इन शिविरों में विभिन्न राज्यों के एनएसएस स्वयंसेवक भागीदारी करते हैं । एक राज्य की टीम में 20 स्वयंसेवक (10 लड़के और 10 लड़कियां) और दो कार्यक्रम अधिकारी शामिल होते हैं । वर्ष 2018–19 में, कुल 27 साहस शिविर आयोजित किए गए जिनमें 1487

एनएसएस स्वयंसेवकों और 143 कार्यक्रम अधिकारियों ने भागीदारी की ।

स्थापना दिवसः 26 नवंबर, 2018 को स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में 787106 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।

आत्म रक्षा प्रशिक्षणः 2018–19 के दौरान तक 1,31,725 एनएसएस स्वयंसेवकों को आत्म रक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

श्रमदानः एनएसएस के स्वयंसेवकों ने वर्षभर श्रमदान किया जो श्रमिकों के सम्मान में वृद्धि करता है और मूल्यवान समुदाय संपत्ति का निर्माण करता है। 2018–19 के दौरान, 19509465 श्रमदान के स्वंयसेवी घंटे एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा बिताए गए।

****

अध्याय –7

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान

प्रस्तावना

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 के कानून द्वारा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" है। आरजीएनआईवाईडी की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के अंतर्गत एक सोसायटी के रूप में 1993 में की गई थी।

आरजीएनआईवाईडी अपने बहुआयामी कार्यों के साथ एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में विस्तार एवं आउटरिच पहलों के अतिरिक्त युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सेमिनार शोध में शामिल होता है और युवा विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यकर्मो का आयोजन करता है।

यह संस्थान मंत्रालय के लिए एक थिंक–टैंक के रूप में और देश में युवाओं से संबंधित कार्यकलापों के प्रमुख संगठन के रूप में कार्य करता है। राष्ट्र स्तर पर सर्वोच्च संस्थान होने के नाते यह देश में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के घनिष्ठ सहयोग से कार्य करता है। इसका युवाओं के कल्याण और विकास के लिए कार्यरत विभिन्न संगठनों के साथ व्यापक नेटवर्क हैं और यह एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।

आरजीएनआईवाईडी का दृष्टिकोण वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त करना और युवा विकास के क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता का मान्य केंद्र बनना है।

आरजीएनआईवाईडी की अभिशासन संरचना

भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के विजीटर हैं। संस्थान के बहुआयामी कार्यकलापों की निगरानी कार्यकारी परिषद्, शैक्षणिक परिषद्, वित्त समिति और निर्माण एवं कार्य समिति द्वारा की जाती है।

निदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो संस्थान के दैनिक कार्यकरण का समन्वय करता है और संस्थान के विभिन्न प्रभागों/केंद्रों/विभागों के माध्यम से युवा विकास कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

आरजीएनआईवाईडी की कुल संस्वीकृत स्टाफ संख्या 63 है जिसमें से 19.12.2017 के अनुसार वास्तविक संख्या 46 थी।

संस्थान का चंडीगढ़ में एक क्षेत्रीय केन्द्र है जो 2013–14 से संचालनरत है।

आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम/कार्यकलाप

शैक्षणिक कार्यक्रमः

आरजीएनआईवाईडी 6 स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः (i) काउंसलिंग मनोविज्ञान में एम.एससी.; (ii) सामाजिक नवाचार तथा उद्यमशीलता में एम.ए; (iii) जेंडर अध्ययन में एम.ए. (iv) स्थानीय अभिशासन और विकास में एम.ए., (v) विकास नीति और पद्धति में एम.ए. और (vi) सामाजिक कार्य; (युवा एवं समुदाय विकास) में एम.ए. प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह संस्थान डिग्री/पाठ्यक्रम, नामतः (i) बी.वोक. (परिधान निर्माण और उद्यमशीलता) (ii) बी.वोक. (फैशन डिजाइन और रिटेल) भी प्रदान करता है ।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माणः

आरजीएनआईवाईडी देश भर में युवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न विषयों जैसे कि युवा रोजगारपरक कौशल, सामाजिक उद्यमशीलता, जेंडर समानता, जीवन कौशल, आपदा तैयारी और जोखिम में कमी लाना, उद्यमशीलता और आजीविका के मुद्दे, युवा नेतृत्व तथा व्यक्तित्व विकास, शांति, सामाजिक सद्भावना और राष्ट्रीय एकता के दूत के रूप में युवा, महिला नेतृत्व और भागीदारी, उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों का क्षमता निर्माण, सतत विकास उद्देश्य–युवाओं को शामिल करना आदि के संबंध में बड़ी संख्या में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों (प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण सहित) का संचालन करता है।

वर्ष 2018– 19 के दौरान प्रदर्शन

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

जीवन कौशल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने 7–10 अप्रैल, 2018 को आरजीएनआईवाईडी क्षेत्र केंद्र, चंडीगढ़ में जीवन कौशल पर एक 4 दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया। हिमाचल प्रदेश, पंजाब और चंडीगढ़ के विभिन्न संस्थानों के 36 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण के माध्यम से अपना जीवन कौशल सुधारने के लिए बहुत उत्साह से इसमें भाग लिया।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए युवा और स्वास्थ्य पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाईडी ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर के संबद्ध कॉलेजों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए युवा और स्वास्थ्य पर एक प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। बराक घाटी में कछार, हैलाकंदी और करीमगंज जिलों के विभिन्न कॉलेजों के 36 कार्यक्रम अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

आंध्र विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगारपरक कौशल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र ने आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम के घटक कॉलेजों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगार परक कौशल पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विशाखापट्टनम और विजयनगरम के 34 एनएसएस अधिकारियों ने भाग लिया।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों और सीएसएस अधिकारियों, पुदुचेरी के लिए जीवन कौशल शिक्षा पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

आरजीएनआईवाईडी ने 18– 20 जून, 2018 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में पुदुचेरी के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों, सीएसएस अधिकारियों के लिए जीवन कौशल शिक्षा पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को 10 मुख्य जीवन कौशल संबंधी प्रशिक्षण देने के लिए आवश्यक कौशल और तकनीक प्रदान करना तथा इस तकनीकी ज्ञान को किशोरों के दिन प्रतिदिन के जीवन में लागू करना है।

आपदा से निपटने की तैयारी और जोखिम राहत पर टीओटी

आरजीएनआईवाईडी ने जम्मू– कश्मीर के कारगिल, लेह और लद्दाख क्षेत्रों के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आपदा से निपटने की तैयारी और जोखिम राहत पर सात दिवसीय टीओटी का आयोजन किया।

शांति निर्माण और अंतर-सांस्कृतिक समझ पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ द्वारा किंग अब्दुल्लाह बिन अब्दुलजीज इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटर रिलिजियस एंड इंटरक्लचरल डायलॉग, जिसे विश्व स्तर पर इस

के संक्षिप्त नाम केएआई सीआईआईडी के नाम से जाना जाता है, और केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान,लेह के सहयोग से शांति निर्माण और अंतर–सांस्कृतिक समझ पर एक चार दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह प्रशिक्षण 17– 20 जुलाई, 2018 को 21वीं शताब्दी में रेसिपीस–कल्टीवेटिंगपीस विषय के अंतर्गत दिया गया था।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए स्वास्थ्य पर युवाओं के लिए टीओटी

आरजीएनआईवाईडी ने 10–14 सितंबर, 2018 को मैरिस स्टेला कॉलेज, विजयवाड़ा में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए स्वास्थ्य पर युवाओं हेतु टीओटी पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

असम के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगारपरक कौशल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र ने 07–09 जनवरी, 2019 को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय,डिब्रूगढ़ में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के एसटी एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगारपरक कौशल पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया स इस कार्यक्रम में 16 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

रोजगारपरक कौशल / करियर संबंधी मार्गदर्शन पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र ने 21 से 23 जनवरी, 2019 तक आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदुर में महाराष्ट्र सरकार के एससी सरकारी अधिकारियों, संकायों, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए रोजगारपरक कौशल / करियर संबंधी मार्गदर्शन पर एक 3 दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 21 प्रतिभागियों (पुरुष –20, महिला –1) ने भाग लिया।

सतत विकास लक्ष्यों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण – युवाओं को शामिल करना

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केन्द्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदुर ने 25–28 फरवरी, 2019 तक त्रिपुरा जिला सहकारी संघ, अगरतला में त्रिपुरा के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए सतत विकास उद्देश्यों–युवाओं को शामिल करना पर एक 4 दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 31 (पुरुष – 27 और महिलाएं – 4) एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

सतत विकास लक्ष्यों पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण – युवाओं को शामिल करना

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केन्द्र ने 11–14 मार्च, 2019 तक सिक्किम, असम और मेघालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए राज्य ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, कर्फेक्टार, जोरथंग, दक्षिणी सिक्किम में सतत विकास उद्देश्य–युवाओं की भूमिका पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया । इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के 22 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों (15 पुरुष और 7 महिलाएं) ने भाग लिया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

क. कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

ईटीआई : नई भर्ती किए गए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

द एम्पैनल्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट–आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरम्बुदूर ने 20–26 अप्रैल ,2018 के दौरान तमिलनाडु के मानोनमैनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय, तिरुनेलवेली के घटक और संबद्ध कॉलेजों के नई भर्ती किए गए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में तिरुनेलवेली,कन्याकुमारी और तूतीकोरिन जिलों के 37 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

दलित और उपेक्षित वर्ग का अध्ययन संबंधी केंद्र ने कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, भुवनेश्वर के सहयोग से 28 मई – 1 जून 2018 तक महिला प्रबंधक उच्च शिक्षा के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एससी और एसटी महिलाओं के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में 40 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।

करियर मार्गदर्शन और परामर्श पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने 24 से 27 सितंबर, 2018 तक कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में 'करियर मार्गदर्शन और परामर्श' पर 4 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कॉटन विश्वविद्यालय, असम के विभिन्न शैक्षणिक विभागों के 27 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

नई भर्ती किए गए जिला युवा समन्वयकों (डीवाईसी) का 15 दिवसीय भर्ती प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) ने संयुक्त रूप से 15 से 24 दिसंबर, 2018 तक आरजीएनवाईआईडी, श्रीपेरंबदूर में नई भर्ती किए गए जिला युवा समन्वयकों का भर्ती प्रशिक्षण आयोजित किया। हाल ही में भर्ती किए गए 31 डीवाईसी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम समन्वयकों के लिए भर्ती प्रशिक्षण

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ में नेहरू युवा केंद्र संगठन के कार्यक्रम समन्वयकों के लिए 10 दिवसीय (01–02–2019 से 10–02–2019) आवासीय– भर्ती प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस प्रशिक्षण में भारत के 8 राज्यों (पंजाब, हरियाणा ,चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू– कश्मीर और गुजरात) के एनवाईकेएस के 30 कार्यक्रम समन्वयकों ने भाग लिया।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम समन्वयकों के लिए 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) ने संयुक्त रूप से 01–10 फरवरी, 2019 को आरजीएनआईवाईडी,श्रीपेरंबदूर में एनवाईकेएस के कार्यक्रम समन्वयकों के लिए एक 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया।

प्रभावी गैर सरकारी संगठन प्रबंधन (एनजीओ) और सतत विकास उद्देश्यों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

29-31मार्च, 2019

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र- चंडीगढ़

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र– चंडीगढ़ ने व्यवसायिक समाज सेवक संघ के सहयोग से 29 – 31 मार्च को स्थानीय अभिनेताओं, बुनियादी युवा नेटवर्क और संगठन के लिए प्रभावी एनजीओ प्रबंधन और सतत विकास उद्देश्यों पर एक 3 दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया।

ख. युवाओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

युवा ज्योति- फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण में जनजातीय युवाओं का क्षमता निर्माण

आरजीएनआईवाईडी और एमएसएसआरएफ, वायनाड ने 13 अप्रैल, 2018 को फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण संबंधी तीन क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम को तीन दिन में

पूरा किया गया और एनएबीएआरडी, केवीएएसयू तथा फार्म फेडरेशन आफ केरल के संसाधन व्यक्तियों के माध्यम से प्रसंस्करण उद्यम में सूचना और विशेष जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में 52 युवाओं (17 पुरुष, 35 महिलाएं) ने भाग लिया।

करियर मार्गदर्शन और परामर्श पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

2 से 5 मई, 2018 तक नेहरू युवा केंद्र संगठन, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, मणिपुर राज्य द्वारा "परामर्श और योजना पर क्षमता निर्माण" विषय पर मणिपुर के नेहरू युवा केंद्र स्वयंसेवकों के लिए एक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने सहयोग किया।

उद्यमिता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाईडी –क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), गुवाहाटी, असम के सहयोग से 17 से 20 सितंबर, 2018 तक भारतीय उद्यमिता संस्थान (आई आई ई), गुवाहाटी, असम में चार दिवसीय 'उद्यमिता विकास पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में असम के 5 जिलों (कामरूप, कामरूप मेट्रो, दारांग, नागांव और मोरीगांव) से नेहरू युवा केंद्र संगठन के 24 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जीवन कौशल के माध्यम से युवा रोजगारपरक कौशल पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाईडी–क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने एनएसएस नागालैंड के सहयोग से 8 से 10 अक्टूबर, 2018 तक युवा छात्रावास दीमापुर, नागालैंड में जीवन कौशल के माध्यम से युवा रोजगारपरक कौशल पर 3 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रशिक्षण में नागालैंड के 30 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

"परिवर्तन के लिए थिएटर" पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

दलित और उपेक्षित वर्ग का अध्ययन संबंधी केंद्र, आरजीएनआईवाईडी ने 12 से 14 दिसंबर, 2018 तक आरजीएनआईवाईडी परिसर,श्रीपेरंबदूर में एनवाईकेएस स्वयंसेवकों और सदस्यों के लिए "परिवर्तन के लिए थिएटर" पर तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कडलूर, विल्लुपुरम और पेरंबलूर जिले के कुल 27 एससी युवाओं (12 महिलाएं+ 15 पुरुष) ने भाग लिया।

जीवन कौशल दृष्टिकोण के माध्यम से रोजगारपरक कौशल पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाईडी –क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने मणिपुर विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल के सहयोग से 17 से 19 मार्च, 2019 तक युवा छात्रावास इंफाल, मणिपुर में जीवन कौशल दृष्टिकोण के माध्यम से युवा रोजगारपरक कौशल पर 3 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मणिपुर के 30 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

टीएसपी (अनुसूचित जनजाति) के लिए कार्यक्रम

जम्मू- कश्मीर के युवाओं के लिए युवा रोजगारपरक कौशल पर प्रशिक्षण

आरजीएनआईवाईडी –क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने हीलिंग टच फाउंडेशन, गंदेरबल, जम्मू– कश्मीर के सहयोग से 9 से 12 मई, 2018 तक जम्मू–कश्मीर के जनजातीय युवाओं के लिए रोजगारपरक कौशल पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में 59 जनजातीय (बकरवाल) युवाओं ने बहुत उत्साह से भाग लिया ताकि वे व्यक्तिगत विकास करने के लिए मुख्य रोजगारपरक कौशल प्राप्त कर सकें।

एससीपी (अनुसूचित जाति) के लिए कार्यक्रम

”आजीविका और युवाः सामुदायिक विकास परियोजनाओं में स्लम में रहने वाले युवाओं के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना” पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

26 से 27 अक्टूबर 2018 को आरजीएनआईवाईडी ”आजीविका और युवा सामुदायिक विकास परियोजनाओं में स्लम में रहने वाले युवाओं के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना” कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक कार्य विभाग ने इंडो–जर्मन सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी, आईआईटी– मद्रास के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी में 26 और 27 अक्टूबर, 2018 को ” आजीविका और युवाः सामुदायिक विकास परियोजनाओं में स्लम में रहने वाले युवाओं के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना” पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशालाएं

क. युवा कार्यकर्ताओं के लिए कार्यशाला

माइंड द गैपः एजेंडा 2030 के दृष्टिकोण से जेंडर समानता पर राष्ट्रीय कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी ने 30– 31 अगस्त, 2018 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में एजेंडा 2030 के दृष्टिकोण से जेंडर समानता' पर एक कार्यशाला आयोजित की। जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ताओं ने विभिन्न मुद्दों को रेखांकित किया और जेंडर को एक मुख्य घटक के रूप में शामिल करते हुए नीति बनाने पर विचार किया गया तथा बताया कि शिक्षा समानता को मापने का एक मुख्य साधन है।

भारत युवा विकास सूचकांक 2017 पर प्रसार कार्यशाला (उत्तरी और केंद्रीय राज्य)

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान ने भारत युवा विकास सूचकांक और रिपोर्ट 2017 को राष्ट्रीय युवा संसाधन केंद्र की अपनी प्रलेखन कार्यकलाप के तहत हाल ही में प्रकाशित किया। मुख्य हितधारकों के बीच युवाओं से संबंधित सूचनाओं के प्रसार के लिए अपने दायित्व के अनुसार और जैसा कि आरजीएनआईवाईडी की कार्यकारी परिषद द्वारा इसकी हाल ही की बैठक में सुझाव दिया गया था, 17 सितंबर, 2018 को राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफए) भारत के उत्तर और केंद्रीय राज्य के मुख्य हितधारकों के लिए क्षेत्रीय प्रसार कार्यशाला आयोजित की गई थी ताकि भारत युवा विकास सूचकांक 2017 के निष्कर्षों का प्रसार किया जा सके।

भारत युवा विकास सूचकांक 2017 पर प्रसार कार्यशाला (दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी राज्य)

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान ने 26 अक्टूबर, 2018 को राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान(आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर में भारत के दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी राज्यों के मुख्य हितधारको के लिए भारत युवा विकास सूचकांक 2017 पर प्रसार कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में 23 प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें एनएसएस, एनवाईकेएस के युवा कार्यकर्ता, भारत के दक्षिणी, पूर्वी और पश्चिमी राज्यों के खेल और युवा सेवा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ,विभिन्न विश्वविद्यालयों के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक शामिल है।

ख. युवाओं के लिए कार्यशाला

अनुसंधान पद्वति और एसपीएसएस पर कार्यशाला

9 और 10 अप्रैल, 2018 को आरजीएनआईवाईडी के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा अनुसंधान पद्धति और एसपीएसएस पर एक 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी।

जीवन कौशल पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने नेहरू युवा केंद्र संगठन के सहयोग से 18– 20 अप्रैल, 2018 को युवा छात्रावास, डलहौजी, जिला चंबा, हिमाचल प्रदेश में जीवन कौशल पर एक 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी स इस कार्यशाला

में हिमाचल प्रदेश के चंबा और कांगड़ा जिले के 31 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

सामाजिक नीति पर अभिविन्यास कार्यशाला

भारत में सामाजिक नीति के विकास को स्पष्ट करने और रोजगार विशेषकर संगठित और असंगठित क्षेत्र में मौजूदा असमानता पर जोर देने के लिए आरजीएनआईवाईडी ने 2–4 मई, 2018 को सामाजिक नीति पर एक 3 दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में कुल 48 (26 पुरुष और 22 महिलाएं) प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जीवन कौशल शिक्षा पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने 17 से 19 जुलाई, 2018 तक युवा छात्रावास मसूरी, उत्तराखंड में जीवन कौशल शिक्षा पर तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रशिक्षण में उत्तराखंड के 32 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जेंडर पर अभिविन्यास कार्यशाला

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु में 2–3 अगस्त, 2018 के दौरान एक 2 दिवसीय जेंडर पर अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस दो दिवसीय कार्यशाला में जेंडर अध्ययन विभाग के 16 छात्रों और अन्य विभागों से चयनित 4 छात्रों ने भाग लिया।

थिएटर फॉर फॉरमेशन पर कार्यशाला

9 से 11 अगस्त, 2018 को सामाजिक कार्य के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए "थिएटर फॉर ट्रांसफॉरमेशन" पर एक 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने 9–10 अगस्त, 2018 को आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ में आईसीटी के छात्रों के लिए नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर सफलतापूर्वक कार्यशाला आयोजित की।

नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र ने 13–14 अगस्त ,2018 को चंडीगढ़ में आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र ,चंडीगढ़ के आईसीटी के छात्रों के लिए नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर सफलतापूर्वक कार्यशाला आयोजित की स यह कार्यक्रम स्वयं के विश्लेषण हेतु प्रतिभागियों की सहायता करने और उनके कौशल, ,हित, व्यक्तित्व और योग्यता का मूल्यांकन करने के लिए तैयार किया गया था।

जेंडर संवेदनशीलता पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 16 से 18 अगस्त, 2018 को आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ में जेंडर संवेदनशीलता पर 3 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में 22 (14 महिलाएं और 8 पुरुष) युवा क्लब सदस्यों और नेहरू युवा केंद्र संगठन, सोलन, हिमाचल प्रदेश के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम एक तार्किक और व्यवस्थित तरीके से डिजाइन किया गया था जिसमें सहभागिता तरीकों के माध्यम से प्रासंगिक शैक्षणिक सत्र शामिल था।

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 4–6 सितंबर, 2018 को सामुदायिक सेवा केंद्र, सेक्टर 25,चंडीगढ़ में 'जेंडर संवेदनशीलता' पर 3 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में सेक्टर 25, चंडीगढ़ की 24 युवा एससी लड़कियों और महिलाओं ने भाग लिया

नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र ने 12 सितंबर ,2018 को आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र ,चंडीगढ़ में नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर सफलतापूर्वक 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की स इस कार्यशाला में आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र के 30 आईसीटी छात्रों ने भाग लिया ताकि वे अपने नेतृत्व कौशल

में वृद्धि कर सकें।

नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर कार्यशाला

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र – चंडीगढ़ ने 13–14 सितंबर, 2018 को आईसीटी के छात्रों के लिए नेतृत्व और व्यक्तिगत विकास पर सफलतापूर्वक दो दिवसीय कार्यशाला पूरी की। इस कार्यक्रम में 38 छात्रों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण उनके नेतृत्व कौशल में वृद्धि करता है, उनके व्यक्तित्व को निखारता है जिससे वे प्रबंधन और नेतृत्व के बीच अंतर समझ सकें, उनके विश्लेषण संबंधी कौशल और क्षमता का विकास करता है कि वे अपने चारों ओर घट रही घटनाओं पर नजर रख सकें। यह प्रशिक्षण उनके लिए उत्साही और प्रेरक तरीकों का विकास करता है ताकि वे बुद्धि मानी से निर्णय ले सकें।

अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमेन के लिए विषयगत कार्यशाला

स्थानीय प्रशासन विभाग, राजीव गांधी राष्ट्रीय विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) और पीजी एवं लोक प्रशासन अनुसंधान विभाग, अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमन (एएसीडब्लू) द्वारा संयुक्त रूप से पीजी छात्रों, पीएच.डी.स्कॉलर्स और संकाय सदस्यों के लिए 14 सितंबर 2018 को अन्ना नगर, चेन्नई में 'शासन और विकास में युवाओं की सहभागिता पर एक विषयगत कार्यशाला आयोजित की गई थी । इस कार्यशाला में 52 प्रतिनिधियों (सभी महिलाएं) ने भाग लिया।

परामर्श कौशल (स्तर स) पर कार्यशाला

अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग में 18 और 20 सितंबर, 2018 को परामर्श कौशल पर कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य वार्तालाप के विभिन्न गैर मौखिक तरीकों को समझना और परामर्श प्रक्रिया में ग्राहक की भावनाओं को समझना था स

जीवन कौशल शिक्षा पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने नेहरू युवा केंद्र संगठन, त्रिपुरा के सहयोग से 3 से 5 अक्टूबर, 2018 तक युवा छात्रावास अगरतला, त्रिपुरा में जीवन कौशल शिक्षा पर 3 दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में त्रिपुरा के 30 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया स

व्यवहार थेरेपी पर 2 दिवसीय कार्यशाला

8 और 9 अक्टूबर, 2018 को 2 दिनों के लिए व्यवहार थेरेपी पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में स्व–नियंत्रण तकनीक, मनोदैहिक बीमारियां, बिहेविअरल कॉन्ट्रैक्ट, व्यवहार पूर्वाभ्यास, ब्रीफ थेरेपी, क्रोध नियंत्रण, यौन उत्तेजना तकनीक और विश्राम तकनीक को शामिल किया गया था। लेन–देन संबंधी विश्लेषण के तत्व यथा गोल्डन स्टैंप बनाम ग्रे स्टैंप भी आंशिक रूप से शामिल थे।

जीवन कौशल शिक्षा पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने (30–31 अक्टूबर, 2018 को) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ में जीवन कौशल शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में परिधान प्रशिक्षण एवं डिजाइन केंद्र, चंडीगढ़ के 25 छात्रों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने, समस्याओं का समाधान करने और सम्मान बढ़ाने तथा अपने संगठन में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने में काफी मदद की।

रोजगारपरक कौशल पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने 15–17 नवंबर, 2018 तक रोजगारपरक कौशल पर एक 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में चंडीगढ़ धर्मशाला के 31 कौशल विकास छात्रों

ने भाग लिया ताकि वे अपने रोजगारपरक कौशल में वृद्धि कर सकें। ये कार्यशालाएं बेरोजगारी के मुख्य मुद्दों के विषय में युवाओं में जागरूकता पैदा करती हैं और प्रतिभागियों के कौशल में वृद्धि करती है जो समसामयिक चुनौतीपूर्ण वातावरण में उनकी सफलता के लिए आवश्यक है।

प्रभाव के साथ स्वयंसेवा पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र ने 22– 23 दिसंबर, 2018 को प्रभाव के साथ स्वयंसेवा पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में सामाजिक कार्य विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय ,छोटी सी आशा, एक गैर सरकारी संगठन और अन्य युवा विकास सामुदायिक समूहों के 21 युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यशाला में स्वयंसेवा के माध्यम से क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

नेतृत्व और टीम निर्माण पर कार्यशाला

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने विश्वविद्यालय कॉलेज, मुनक ,पंजाब के सहयोग से "नेतृत्व और टीम निर्माण" पर तीन दिवसीय 23 से 25 जनवरी, 2019 तक कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय कॉलेज, मुनक, पंजाब के 32 (एससी) एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

मेंस्युरल हाइजीन मैनेजमेंट पर कार्यशाला

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान – क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने नेहरू युवा केंद्र, उत्तर प्रदेश के सहयोग से 26–28 को साक्षरता निकेतन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में "मेंस्युरल हाइजीन मैनेजमेंट पर कार्यशाला" पर तीन दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इस कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले की 19 युवा एससी लड़कियों ने भाग लिया।

करियर मार्गदर्शन और परामर्श पर कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने 22– 25 मार्च, 2019 तक एमएसएसआरएफ ,जेयपोर,ओडिशा में करियर मार्गदर्शन और परामर्श पर एक 4 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की स इस कार्यक्रम में ओड़िशा के 1980 एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य करियर मार्गदर्शन की अच्छी समझ प्रदान करना और बेरोजगारी को कम करने में अपनी क्षमता प्रदान करना तथा क्षमताओं में सुधार करना और भाग लेने वाले संकाय सदस्यों के परामर्शीय कौशल का विकास करना था।

जीवन कौशल और प्रशिक्षण तथा विकास पर कार्यशाला

सामाजिक कार्य विभाग ने 22– 24 मार्च, 2019 के दौरान आरजीएनआईवाईडी में उन सामाजिक कार्य छात्रों, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति से संबंध रखते हैं, के लिए "जीवन कौशल और प्रशिक्षण तथा विकास" पर 3 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला का उद्देश्य दस मुख्य जीवन कौशल और प्रशिक्षण तकनीकों तथा कार्यप्रणालियों पर जानकारी और कौशल प्रदान करना है ताकि वे प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में अनुभव प्राप्त कर सकें। इस कार्यशाला में आरजीएनआईवाईडी और आसपास के कॉलेजों के कुल 30 एमएसडब्ल्यू छात्रों ने भाग लिया।

युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

जम्मू- कश्मीर के युवाओं के लिए युवा रोजगारपरक कौशल पर प्रशिक्षण

आरजीएनआईवाईडी –क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने हीलिंग टच फाउंडेशन, गंदेरबल, जम्मू– कश्मीर के सहयोग से 9 से 12 मई, 2018 तक जम्मू–कश्मीर के जनजातीय युवाओं के लिए रोजगारपरक कौशल पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में 59 जनजातीय (बकरवाल) युवाओं ने बहुत उत्साह से भाग लिया ताकि वे व्यक्तिगत विकास करने के लिए मुख्य रोजगारपरक कौशल प्राप्त कर सकें।

नेतृत्व और टीम निर्माण पर प्रशिक्षण

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र – चंडीगढ़ ने 28 से 30 मई ,2018 तक नेहरू युवा केंद्र संगठन के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के लिए नेतृत्व और टीम निर्माण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किय। इस कार्यक्रम में पंजाब,हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के नेहरू युवा केंद्र संगठन के 33 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण युवाओं के नेतृत्व कौशल को प्रखर करने जिससे वे प्रबंधन और नेतृत्व के बीच अंतर समझ सकें, उनके विश्लेषण संबंधी कौशल और क्षमता का विकास करने ताकि वे अपने चारों ओर घट रही घटनाओं पर नजर रख सकें, उत्साही और प्रेरक तरीकों का विकास करने तथा बुद्धिमतापूर्ण और त्वरित निर्णय करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

जीवन कौशल शिक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र – चंडीगढ़ ने 22– 24 जनवरी, 2019 के दौरान सामुदायिक सेवा केंद्र, सेक्टर– 25, चंडीगढ़ में जीवन कौशल शिक्षा पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यशाला में आईसीटी, चंडीगढ़ के 30 एससी छात्रों ने भाग लिया।

बहुदिव्यांगता वाले वयस्कों के लिए जीवन कौशल पर प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, अभिविन्यास और क्षमता निर्माण केंद्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर और राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तिकरण संस्थान ने संयुक्त रूप से 14– 15 फरवरी, 2019 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में बहुदिव्यांगता वाले व्यस्कों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 युवाओं (पुरुष– 10 और महिला– 1) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं को जीवन कौशल पर आवश्यक कौशल और तकनीकें प्रदान करना और इन्हें दिन प्रतिदिन के जीवन में लागू करना था।

युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण

आरजीएनआईआईडी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 4–7 मार्च, 2019 के दौरान इंदौर, मध्य प्रदेश में एनवाईकेएस की अनुसूचित जाति की महिला स्वयंसेवकों के लिए तीन दिवसीय युवा रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया। नेहरू युवा केंद्र इंदौर, मध्यप्रदेश के 26 अनुसूचित जाति के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को वर्तमान समय में रोजगार में मौजूद चुनौतियों से परिचित कराना था और उन्हें जीवन कौशल के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना करने का तरीका बताना था।

जीवन कौशल शिक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाईडी– क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने नेहरू युवा केंद्र संगठन, मेघालय के साथ मिलकर 11–13 मार्च, 2019 के दौरान युवा छात्रावास शिलांग, मेघालय में जीवन कौशल शिक्षा पर एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस प्रशिक्षण में मेघालय से 30 अनुसूचित जनजाति के एनवाईकेएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जीवन कौशल और इसके लाभों से युवाओं को परिचित कराना,सामाजिक कौशल,विचार कौशल और सामंजस्य कौशल पर विशेष जोर देते हुए जीवन कौशल के साथ उनके समावेशन पर सत्र शामिल थे।

अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए "नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

डिपार्टमेंट ऑफ़ साइकॉलजी एंड स्टूडेंट्स काउंसलिंग सेंटर, मनोनमेंनियम सुंदरनार यूनिवर्सिटी ने राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), भारत सरकार के साथ मिलकर 28, 29 और 30 मार्च, 2019 को अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए 3 दिवसीय नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न संबद्ध कॉलेजों और विश्वविद्यालय विभागों के 45 छात्रों ने भाग लिया।

"युवाओं को समझने और प्रोफेशनल युवा कार्य

अभ्यास" पर उन्मुख कार्यक्रम

समाज कार्य विभाग,आरजीएनआईवाईडी ने 23.08.2018 को "युवाओं को समझने और प्रोफेशनल युवा कार्य अभ्यास" पर एक उन्मुख कार्यक्रम चेनगलपत्तू डिओसीस के सेमिनार छात्रों के लिए आयोजित किया था।

शैक्षणिक

एम. ए समाज कार्य के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अवलोकनार्थ दौरे

एम. ए समाज कार्य के प्रथम वर्ष के छात्रों ने फील्ड कार्य के रूप में विभिन्न सरकारी और गैर– सरकारी संगठनों तथा ग्रामीण समुदायों का अवलोकनार्थ दौरा किया था। इन अवलोकनार्थ दौरों का उद्देश्य सामाजिक वास्तविकताओं और ऐसे संगठनों की प्रशासनिक कार्य प्रणाली से परिचित कराना है जोकि समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों के लिए कल्याणकारी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। छात्रों द्वारा संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में 12 जुलाई से 7 अगस्त, 2018 के दौरान संगठन का दौरा किया गया था।

पीएचडी मौखिक परीक्षा

आरजीएनआईवाईडी में 20 फरवरी, 2019 को पहली पीएचडी मौखिक परीक्षा पीएचडी शोधार्थी श्री सैमुअल चेलिया की हुई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार, पीएचडी थीसिस शीर्षक" वॉलंटरीज थ्रू मोटिवेशन अमंग द नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) वॉलिंटियर्स इन तमिलनाडु" की मौखिक परीक्षा आयोजित की गई।

ग्रामीण शिविर

आरजीएनआईवाईडी के समाज कल्याण विभाग ने 7 से 14 मार्च, 2019 के दौरान कोविलुर ट्राईबल विलेज, जवाधी हिल्स, जिला तिरुवन्नामलाई में एक ग्रामीण शिविर का आयोजन किया था। इस ग्रामीण शिविर का मुख्य उद्देश्य जनजाति समुदाय के बीच जागरूकता बढ़ाना और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के लिए सतत सहायता प्रदान करना था। इस ग्रामीण शिविर में समाज कार्य पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के कुल 23 छात्रों (12 लड़के और 11 लड़कियां) ने भाग लिया था।

उद्यमशीलता उन्मुख कार्यक्रम

गांवों को अपनाने संबंधी कार्यक्रम के अंतर्गत बीवाईएसटी के सहयोग से 20 मार्च, 2019 को एक उद्यमशीलता उन्मुख कार्यक्रम का आयोजन किया गया था ताकि युवाओं को जीवन में अपने लक्ष्य निर्धारित करने और आजीविका के रूप में उद्यमशीलता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय आदान–प्रदान कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए एक्सपोजर दौरा

आरजीएनआईवाईडी के सोशल इंजीनियरिंग विभाग ने राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायत संस्थान, (ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से 9.4.2018 से 13.4.2018 के दौरान उद्यमशीलता और ग्रामीण विकास की थीम पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों (अफगानिस्तान टीम) के लिए फील्ड एक्सपोजर का आयोजन किया था जिसे विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस फील्ड एक्सपोजर के एक कार्यक्रम के रूप में प्रतिभागियों ने आरजीएनआईवाईडी के कार्यकलापों को सीखने के लिए 9 अप्रैल, 2018 को हमारे परिसर का दौरा किया।

युवा आधारित एसडीजी– मुख्य चुनौतियां और नीति प्रतिक्रिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

यह सम्मेलन उद्घाटन कार्यक्रम के साथ 24 जुलाई, 2018 को अपराहन में शुरू हुआ। इस तीन दिवसीय सम्मेलन (25 से 27.07.2018) के अंतर्गत प्लेनरी सत्र, पैनल डिस्कशन, सिंपोजियम और एकेडमिक पेपर प्रेजेंटेशन शामिल थे। इस सम्मेलन के लिए कुल 72 प्रतिनिधियों ने पंजीकरण कराया और 31 रिसोर्स व्यक्तियों ने अपना प्रजेंटेशन दिया। इस कॉन्फ्रेंस में

विदेश के 9 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एकेडमिक पेपर प्रेजेंटेशन छह प्रमुख क्षेत्रों में थे और कुल 68 प्रतिनिधियों ने पेपर प्रेजेंटेशन किया।

उद्यमशीलता और ग्रामीण विकास : 19 देशों के प्रतिनिधियों के लिए एक्स्पोज़र द्वारा

08–12 अक्तूबर, 2018

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर

आरजीएनआईवाईडी के सोशल इंजीनियरिंग विभाग ने "19 देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए उद्यमशीलता और ग्रामीण विकास" पर एक सप्ताह (8 से 12 अक्टूबर, 2018) का एक्सपोजर दौरा आयोजित किया था। इस दौरे के दौरान,आरजीएनआईवाईडी में एक उन्मुखी कार्यक्रम आयोजन किया गया था जिससे इन प्रतिनिधियों को संस्थान का दौरा करने और ग्रामीण विकास के क्षेत्र म उद्यमशीलता के महत्व को समझने में मदद मिली।

श्रीलंका के युवा आदान –प्रदान शिष्टमंडल द्वारा आरजीएनआईवाईडी का दौरा

उन्मुखी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण केंद्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर ने 11 अक्टूबर, 2018 को श्रीलंका के 27 प्रतिनिधियों के लिए भारत में युवा विकास पर एक दिवसीय उन्मुखी कार्यक्रम का आयोजन किया था।

जैविक कृषि 3.0 पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला

आरजीएनआईवाईडी ने इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट फॉर एशिया एंड पैसिफिक (सीआईआरडीएपी) तथा एशिया प्रोडक्टिविटी ऑर्गेनाइजेशन (एपीओ) के साथ मिलकर 3–7 दिसंबर, 2018 के बीच चेन्नई, भारत में जैविक कृषि 3.0 पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था। 23 प्रतिभागियों और 12 देशों अर्थात कंबोडिया, फिजी, इंडोनेशिया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, मलेशिया, मंगोलिया, नेपाल, फिलीपींस, चीन गणराज्य, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम के 6 पर्यवेक्षक। 3 विदेशी विशेषज्ञों और एक भारतीय विशेषज्ञ ने सभी सत्रों का संचालन किया।

सतत विकास लक्ष्य की प्राप्ति के लिए युवाओं की भागीदारी हेतु अंतरराष्ट्रीय छात्रों का एक्सपोजर दौरा

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए युवाओं की भागीदारी हेतु आरजीएनआईवाईडी ने सेंटर ऑन इंटीग्रेटेड रूरल डेवलपमेंट फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (सीआईआरडीएपी) – एक गैर सरकारी संगठन के साथ मिलकर 18 से 22 फरवरी, 2019 के दौरान राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान में एक 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय छात्र आदान–प्रदान सह एक्सपोजर दौरे का आयोजन किया था। बांग्लादेश, फिजी, इंडोनेशिया,मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और वियतनाम में कॉलेज शिक्षा प्राप्त कर रहे लगभग 20 छात्र प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस,2018

आरजीएनआईवाईडी–आरसी ने नेहरू युवा केंद्र चंडीगढ़ के साथ मिलकर अपने परिसर में चौथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। आरजीएनआईवाईडी–आरसी ने सफलतापूर्वक इसका आयोजन किया तथा योग दिवस के पिछले तीन आयोजनों के दौरान अनेक योग प्रेमियों ने इसमें भाग लिया। इस योग सत्र में आरजीएनआईवाईडी–क्षेत्रीय केंद्र और नेहरू युवा केंद्र संगठन के कर्मचारी वर्ग सहित त्रिची– चंडीगढ़, पंचकूला और मोहाली के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

टीएसपी (अनुसूचित जनजाति) के लिए कार्यक्रम एक्सपोजर दौरा सह जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

27–31 अगस्त, 2018

आरजीएनआईवाईडी,क्षेत्रीय केंद्र,चंडीगढ़

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने 27 से 31 अगस्त, 2018 के दौरान 5 (पांच) दिवसीय एक्सपोज़र दौरा सह जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर के गुज्जर बेकरवाल समुदाय के अनुसूचित जनजाति के 29 युवाओं ने भाग लिया।

जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

प्रशिक्षण उन्मुख और क्षमता निर्माण केंद्र, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर ने नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के 11 वें जनजाति युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड के जनजाति युवाओं के लिए 4 जनवरी 2019 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में एक दिवसीय उन्मुख कार्यक्रम का आयोजन किया।

अन्य कार्यक्रम

नेत्र जांच शिविर

एएसडब्लयूआईडीई – सामाजिक कार्य विभाग ने राधात्री नेत्रालय,चेन्नई के साथ मिलकर आरजीएनआईवाईडी के कर्मचारियों और स्टाफ के लिए 29 जून, 2018 को आरजीएनआईवाईडी में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 75 व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमें से 31 पुरुष और 44 महिलाएं थी। 11 ऐसे लोग जिन्हें पढ़ने में परेशानी हो रही थी उन्हें बिना किसी शुल्क के चश्मे दिए गए।

एसटीईपीएस

एसटीईपीएस (स्टूडेंट थिएटर फोरम) के छात्रों ने 19 जनवरी, 2019 को वीथि विरुधू विजहा में भाग लिया जोकि लोयोला कॉलेज द्वारा आयोजित तमिलनाडु का एक लोक कलाकार महोत्सव है जिसमें तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के हजारों कलाकारों ने भाग लिया तथा स्टेज पर अपनी प्रस्तुति दी। एसटीईपीएस के लिए यह एक विशेष अवसर था जिसमें उन्हें इस प्रकार के बड़े स्टेज पर प्रस्तुति देने का मौका मिला। एसटीईपीएस के हमारे छात्रों ने मेघालय शोविंग नृत्य की प्रस्तुति दी जिसकी प्रशंसा हुई। इस कार्यक्रम में एसटीईपीएस के 16 सदस्यों ने भाग लिया।

गणतंत्र दिवस समारोह 2019 पर एसटीईपीएस द्वारा थिएटर प्रस्तुति

एसटीईपीएस सदस्यों ने गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान आरजीएनआईवाईडी परिसरों में "युवा सशक्तिकरण" पर एक मूकाभिनय की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में सामाजिक समावेशन और राष्ट्र निर्माण को सुनिश्चित करने में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया गया। 8 एसटीईपीएस सदस्यों ने मूकाभिनय की प्रस्तुति दी तथा सभी ने इसकी बहुत प्रशंसा की।

10 वें दलित स्नातक समारोह में भाग लेना

आरजीएनआईवाईडी के 16 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों ने 2 फरवरी, 2019 को एसआरएम विश्वविद्यालय में आयोजित 10 वें दलित स्नातक समारोह में भाग लिया। 16 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों को सफलतापूर्वक अपना स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने पर प्रमाणपत्र तथा पदक प्रदान किए गए।

सांविधिक बैठकें

वित्त समिति की बैठक

आरजीएनआईवाईडी की वित्त समिति की 16 वीं बैठक 25 फरवरी, 2019 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में आयोजित की गई थी।

शैक्षणिक परिषद बैठक

आरजीएनआईवाईडी की शैक्षणिक परिषद की 12 वीं बैठक 19 फरवरी, 2019 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में आयोजित की गई थी।

बिल्डिंग एंड वर्क्स समिति बैठकें

बिल्डिंग एंड वर्क्स समिति की 15 वीं और 16 वीं बैठकें क्रमशः आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर में 4 जनवरी, 2019 और 21 फरवरी, 2019 को आयोजित की गई थीं।

****

अध्याय-8

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी के तहत सरकारी/ गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए कार्यकलापों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनपीवाईएडी के अंतर्गत 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है, नामतः

क) युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण

ख) राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, अंतर राज्य युवा आदान– प्रदान कार्यक्रम, युवा महोत्सव, बहु– सांस्कृतिक गतिविधियां आदि)।

ग) साहस का संवर्धन; तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

घ) किशोर विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, करियर गाइडेंस आदि)

ड.) तकनीकी और संसाधन विकास (युवा संबंधी मामलों में अनुसंधान और अध्ययन,प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)

संचालन संबंधी दिशा– निर्देश

सहायता प्राप्त संगठनों में सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्त संगठन, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थान इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह के किशोर होते हैं। स्कीम के तहत प्रत्येक प्रकार की गतिविधि के लिए सहायता के वित्तीय मानदंड स्कीम में दिए गए हैं।

सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर सहायता मंजूर की जाती है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव

एनपीवाईएडी के राष्ट्रीय एकता के संवर्धन के घटक (ख) के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जन्म वर्षगांठ (12 जनवरी), जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, के आयोजन के लिए जनवरी माह के दौरान एक राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव इच्छुक तथा इसकी मेजबानी के लिए तैयार किसी एक राज्य में आयोजित किया जाता है। व्यय को केंद्र तथा मेजबान राज्य के बीच साझा किया है। इस वित्तीय वर्ष से राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित करने के लिए इस मंत्रालय के अंशदान की राशि को 2 करोड़ रु. से बढ़ाकर 5 करोड़ रु. कर दिया गया है। महोत्सव के भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा सम्मेलन, सुविचार, प्रदर्शनियां, साहस कार्यक्रम आदि शामिल होते हैं। देश के विभिन्न राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के लगभग 5000 युवाओं ने महोत्सव में भाग लिया। 22 वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 12–16 जनवरी, 2018 के दौरान गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया था। इस महोत्सव

की थीम 'संकल्प से सिद्धि' थी। भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 12 जनवरी, 2018 को उदघाटन समारोह के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से युवाओं को संबोधित किया था।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

प्रत्येक वर्ष राष्ट्र निर्माण/ समुदाय सेवा के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु युवाओं और गैर– सरकारी संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रु. का नगद पुरस्कार, एक पदक और प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है। स्वयंसेवी युवा संगठनों को पुरस्कार में एक प्रमाणपत्र, एक ट्राफी और 2,00,000 रु. की धनराशि प्रदान की जाती है। इस वर्ष 12.01.2018 को ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित 22वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उदघाटन समारोह में 23 व्यक्तियों और 7 संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए गए थे।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार जमीन, समुद्र और हवा में साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 5.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समान है। तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक वर्ष राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष, यह पुरस्कार जमीन, जल, हवा के क्षेत्र में साहस और जीवनपर्यंत उपलब्धियों के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा 25/09/2018 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में 10 व्यक्तियों को प्रदान किया गया था।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार 2017 प्राप्त करते हुए

पूर्वोत्तर युवा महोत्सवः

पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का आयोजन किसी पूर्वोत्तर राज्य में प्रत्येक एक वर्ष के अंतराल के पश्चात आयोजित किया जाता है। 15 से 18 नवंबर, 2018 के दौरान अगरतला, त्रिपुरा मे 6वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें लगभग 1000 युवाओं, पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने भाग लिया था। इस महोत्सव की थीम 'यूथ फॉर ड्रग फ्री नॉर्थ ईस्ट' थी।

6 वे पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का उदघाटन

*****

अध्याय–9

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

प्रस्तावना

इस विभाग का प्रयास विभिन्न युवा संबंधी मुद्दों पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं में एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण पैदा करना है। यह विभाग संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी सहयोग करता है।

अंतरराष्ट्रीय युवा आदान- प्रदान

1. मित्र राष्ट्रों के साथ पारस्परिक आधार पर विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान का संवर्धन करने और शांति तथा समझ का संवर्धन करने के लिए युवा शिष्टमंडलों का आदान प्रदान किया जाता है। यह युवाओं में अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता प्रदान करता है।

2. वर्तमान में मंत्रालय चीन (200 सदस्यीय शिष्टमंडल), दक्षिण कोरिया (35 सदस्यीय शिष्टमंडल),वियतनाम (10 सदस्यीय शिष्टमंडल), मालदीव (50 सदस्यीय शिष्टमंडल), श्रीलंका (25 सदस्यीय शिष्टमंडल), नेपाल (50 सदस्यीय शिष्टमंडल), बहरीन (20 सदस्यीय शिष्टमंडल) और रूस (50 सदस्यीय शिष्टमंडल) के साथ नियमित रूप से जारी वार्षिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों का आयोजन करता है ।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2012 से बांग्लादेश से 100 सदस्यीय युवा शिष्टमंडल भारत की यात्रा करता रहा है। इसके अलावा, समय–समय पर कुछ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, परंतु यह नियमित वार्षिक कार्यक्रम नही हैं। **वर्ष 2018–19 (01.04.18 से 31. 03.19) में आयोजित युवा आदान प्रदान कार्यक्रमों और अन्य आयोजनों का ब्यौरा इस प्रकार है:**

1.	4 से 11 अप्रैल, 2018 तक 38 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का नेपाल दौरा
2.	11 से 13 अप्रैल, 2018 तक 5 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का कंबोडिया दौरा
3.	1 से 7 अक्टूबर, 2018 तक 51 सदस्यीय फिलिस्तीनी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
4.	5 से 12 अक्टूबर, 2018 तक 15 सदस्यीय किर्गिस्तानी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
5.	1 से 6 अक्टूबर, 2018 तक 19 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का ट्यूनीशिया दौरा
6.	3 से 10 जुलाई, 2018 तक 193 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का चीन दौरा
7.	8 से 15 सितंबर, 2018 तक 10 सदस्यीय वियतनामी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा

8.	24 मार्च से 1 अप्रैल, 2018 तक 102 सदस्यीय बांग्लादेशी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
9.	वाई 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 12 से 18 अगस्त, 2018 तक 2 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का अर्जेंटीना दौरा
10.	25 जुलाई से 2 अगस्त, 2018 तक 25 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का दक्षिण कोरिया दौरा
11.	1 से 5 सितंबर, 2018 तक ताइवान के 28 सदस्यीय युवा शिष्टमंडल ने अपने भारत दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय युवा राजदूत आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत 5 सितंबर, 2018 को इस मंत्रालय के अधिकारियों के साथ एक शिष्टाचार मुलाकात की
12.	ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16 से 20 जुलाई, 2018 तक 18 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का दक्षिण अफ्रीका दौरा
13.	दूसरे अंतरराष्ट्रीय युवा शिक्षा और सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लेने के लिए 11 से 13 अप्रैल, 2018 तक 5 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का कंबोडिया दौरा
14	8 से 15 अक्टूबर, 2018 तक 27 सदस्यीय श्रीलंकाई युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
15.	26 नवंबर से 3 दिसंबर, 2018 तक 200 सदस्यीय चीनी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
16.	3 से 10 दिसंबर, 2018 तक 42 सदस्यीय रूसी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
17.	19 से 26 दिसंबर, 2018 तक 19 सदस्यीय भारतीय युवा शिष्टमंडल का बहरीन दौरा
18.	6 से 13 फरवरी,2019 तक 48 सदस्यीय नेपाली युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा
19.	28 मार्च से 3 अप्रैल, 2019 तक 100 सदस्यीय बांग्लादेशी युवा शिष्टमंडल का भारत दौरा

3. यह मंत्रालय ऐसे और अधिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आरंभ करने के गंभीर प्रयास करता रहता है । वर्तमान में, युवा कार्यक्रम विभाग ने 18 देशों अर्मेनिया, बहरीन, बेलारूस, ब्रिक्स देश (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, रूस, किर्गिस्तान, कुवैत, मोजांबिक, मोरक्को, फिलिस्तीन, पुर्तगाल, ट्यूनीशिया, ताजकिस्तान, वियतनाम, नेपाल और श्रीलंका के साथ अंतरराष्ट्रीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और युवा संबंधी मामलों पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए हैं । और अधिक देशों के साथ समझौता ज्ञापन/युवा आदान – प्रदान कार्यक्रमों के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है ।

यूएन एजेंसियों / सीवाईपी के साथ सहयोग

1. **संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/ संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) :** यह मंत्रालय युवा संबंधित विभिन्न मामलों पर इन एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य करने का प्रयास कर रहा है । मंत्रालय यूएनवी कार्यक्रम के लिए प्रतिवर्ष 15,000 डॉलर भारत के स्वयंसेवी योगदान के रूप में जारी करता है।

युवा कार्यक्रम विभाग ने वित्त मंत्रालय के अनुमोदन से वित्तीय वर्ष 2015–16 से " नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) को सुदृढ़ करने " के लिए यूएनडीपी/ यूएनवी दौरा संयुक्त रूप से विकसित योजना शुरू की है। इस परियोजना का पहला चरण 2018 में समाप्त हो गया। 2018 से 2020 के दौरान एनवाईकेएस और एनएसएस को सुदृढ़ करने की परियोजना के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के लिए युवा कार्यक्रम विभाग और यूएनडीपी/यूएनवी ने एक **समझौता ज्ञापन (एमओए)** पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के लिए लोगों की भर्ती की गई, उन्हें प्रशिक्षित किया गया तथा उन्हें क्षेत्र में नियुक्त किया गया है। इस परियोजना के चरण–।। में इसे प्रत्येक राज्य में एक के आधार पर 29 शुरुआती जिलों से बढ़ाकर 58 जिलों में विस्तारित कर दिया गया है। इस परियोजना का कार्यान्वयन भली–भांति किया जा रहा है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2018–2019 में यूएनडीपी को 3.50 करोड़ रु. प्रदान किए गए हैं।

2. **राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) :** सीवाईपी 1973 से कार्य कर रहा है और इसका संचालन लंदन स्थित मुख्यालय तथा भारत, गुयाना, जांबिया और सोलोमन द्वीप समूह के 4 क्षेत्रीय केंद्रों से किया जा रहा था। तथापि, 2013–14 के दौरान सीवाईपी ने पुनर्गठन कार्रवाई के रूप में अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया जो अन्य बातों के साथ–साथ इनकी निधि संबंधी बाध्यताओं के कारण आवश्यक था। तदनुसार, चंडीगढ़ में सीवाईपी के क्षेत्रीय केंद्र को 28.02.2004 से बंद कर दिया गया है। भारत सीवाईपी में वार्षिक अनुदान देता है प्वर्ष 2018–19 के लिए वार्षिक अंशदान के रूप में राष्ट्रमंडल सचिवालय को 1.33 करोड़ रु. दिए गए हैं ।

****

अध्याय-10

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

पृष्ठभूमि

2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में युवाओं में नेतृत्व गुण विकसित करने के उद्देश्य से एक नई केंद्रीय सेक्टर स्कीम नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' दिसंबर, 2014 में आरंभ की गई थी ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस स्कीम की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को उनके संगत क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित करना तथा उन्हें विकास की प्रक्रिया के अग्रणी स्तर पर लाना है। इसके अंतर्गत राष्ट्र–निर्माण के लिए बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा शक्ति को उपयोग में लाने की अपेक्षा की गई है।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुसरण में 15–29 वर्ष आयु समूह के युवा हैं।

वर्ष 2018–19 (31.03.2019 तक) के दौरान एनवाईएलपी के कार्यान्वयन की स्थिति

एनवाईकेएस स्कीम के दो घटकों अर्थात (क) ब्लॉक लेवल पर नेबरहुड युवा संसद और (ख) युवाओं का विकास, का कार्यान्वयन कर रहा है।

(क) ब्लॉक स्तर पर नेबरहुड युवा संसद

इस घटक का उद्देश्य सामान्यतया ग्रामीण समुदायों तथा विशेष रूप से युवाओं से संबंधित समकालीन सामाजिक–आर्थिक विकास संबंधी मुद्दों के बारे में युवा क्लब सदस्यों को शिक्षित करना और उन्हें इस प्रकार के मुद्दों पर बहस/ विचार–विमर्श में शामिल करना है। प्रत्येक 'ब्लाक युवा संसद' कार्यक्रम में वित्तीय और सामाजिक समावेशन स्कीमों और महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और उद्यमशीलता, स्वयंसेविता, नागरिक शिक्षा तथा स्थानीय समुदाय से जुड़े अन्य संबंधित मुद्दों पर विचार–विमर्श/ बहस की जाती है। वर्ष 2018–19 के दौरान **5,498** कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें **5,88,139** युवाओं ने भाग लिया।

****

अध्याय-11

युवा छात्रावास

युवा छात्रावासों का निर्माण युवाओं में यात्रा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है ताकि वे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव ले सकें। युवा छात्रावासों का निर्माण केंद्रीय और राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम है। जबकि केंद्रीय सरकार निर्माण की कुल लागत वहन करती है, राज्य सरकार जलापूर्ति, बिजली के कनेक्शन व पहुंच सड़कों सहित पूर्ण रूप से विकसित भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व वाले क्षेत्रों, शैक्षणिक केंद्र, पर्यटन गंतव्यों आदि में अवस्थित हैं। युवा छात्रावास उचित दरों पर युवाओं को अच्छे आवास प्रदान करते हैं।

इन युवा छात्रावासों की देखरेख, केंद्रीय सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों द्वारा की जाती है। मंत्रालय अधिमानतः युवा छात्रावास के केचमेंट क्षेत्र से सेवानिवृत्त रक्षा कार्मिकों, जिन्हें हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो, में से युवा छात्रावासों के लिए प्रबंधकों का चयन करता है। नई नियुक्ति नीति के तहत, वरीयता रूप से होटल प्रबंधन/ युवा विकास/ एमबीए/ एलएसडब्लयू/एमएसडब्ल्यू की डिग्री वाले स्नातक और छात्रावास/ होटल उद्योग या बोर्डिंग स्कूलों/ अतिथि गृहों के संचालन के क्षेत्र में न्यूनतम 3 वर्ष का कार्य अनुभव रखने वाले अथवा केंद्र/राज्य सरकार के सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी जिनका युवा कार्यकलापों का कार्यकारी अनुभव हो, वह भी युवा छात्रावासों में प्रबंधक के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं। अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय आवेदक की आय 35 से 62 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यह नियुक्ति पूर्णतः अनुबंध आधार पर 3 वर्षों की अवधि के लिए होगी, जिसे प्रबंधक के कार्य प्रदर्शन के आधार पर बढ़ाया जा सकता है परंतु यह अवधि उम्मीदवार के 65 वर्ष की आयु के पूरा होने के बाद किसी भी स्थिति में नहीं बढ़ाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, युवा छात्रावास में ठहरने वाली युवा महिला यात्रियों के समक्ष आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए युवा छात्रावास प्रबंधक की पत्नी/ महिला परिजन को युवा छात्रावास वार्डन के रूप में नियुक्त किया जाता है।

देशभर में कुल 83 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है तथा रोइंग (अरुणाचल प्रदेश) में एक और युवा छात्रावास निर्माण के अग्रिम चरण में है। इन 83 छात्रावासों में से,11 छात्रावासों को नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) / भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को युवा और खेल विकास के लिए इन छात्रावासों का इष्टतम उपयोग करने हेतु सौंप दिया गया है। छहः युवा छात्रावास नामतः आगरा (उत्तर प्रदेश), डलहौजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), मैसूर (कर्नाटक), पणजी (गोवा) और पुदुचेरी को आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणन प्रदान किया गया है। युवा छात्रावासों का ब्यौरा अनुबंध–पअ,अ और अप में दिया गया है।

****

अध्याय–12

स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता

प्रस्तावना

स्काउटिंग और गाइडिंग की स्कीम, एक केंद्रीय स्कीम है जिसे देश में स्काउट्स और गाइड्स को बढ़ावा देने के लिए 1980 के शुरुआती दौर में शुरू किया गया था। स्काउट्स और गाइड्स एक अंतरराष्ट्रीय मूवमेंट है जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र निर्माण,आत्मविश्वास, आदर्शवाद और देश भक्ति की भावना पैदा करना है। इस प्रक्रिया में स्काउटिंग और गाइडिंग का प्रयास लोगों में संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास का संवर्धन करना भी है। इस स्कीम के अंतर्गत, प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम, जम्बूरियों के आयोजन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अन्य बातों के साथ–साथ इन कार्यकलापों में प्रौढ़ साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वच्छता तथा सेनीटेशन के संवर्धन देने से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

दो गैर–सरकारी संगठन नामतः भारत स्काउट्स और गाइड्स (बीएस एंड जी) तथा हिंदुस्तान स्काउट्स और गाइड्स (एचएस एंड जी) हैं जिन्हें देशभर में स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलापों का संचालन करने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। बीएस एंड जी तथा एचएस एंड जी पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है। वर्ष 2018–19 के दौरान विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलापों के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को 1.50 करोड रु. का नियमित अनुदान संस्वीकृत किया था।

******

सत्यमेव जयते

खेल विभाग

अध्याय–13

खेल

खेल और क्रिड़ाओं को सदैव ही मानव के व्यक्तित्व के समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा गया है। मनोरंजन के साधन तथा शारीरिक स्वस्थता के अतिरिक्त, खेलों ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने तथा समाज को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उपलब्धि सदैव ही राष्ट्रीय गौरव तथा प्रतिष्ठा का स्रोत रही है।

आधुनिक खेल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं जिससे आधुनिक अवसंरचना, उपकरण तथा उन्नत वैज्ञानिक सहायता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों का परिदृश्य बदल दिया है। उन्नत उपकरण, आधारभूत ढांचें तथा वैज्ञानिक सहायता हेतु बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने अनेक नए कदम उठाए हैं और यह वैज्ञानिक तथा उपकरण सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी से खिलाड़ियों को आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय खेल नीतिगत पहल

पूर्ववर्ती योजनाओं के समय से ही शारीरिक शिक्षा और खेलों पर ध्यान दिया जा रहा है। तथापि, 1982 में भारत द्वारा नौवें एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही ''खेलों'' पर नीतिगत विषय के रूप में ध्यान दिया जाना प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और संवर्धन के लिए संगठित और व्यवस्थित ढांचा विकसित करने हेतु पहला कदम था और यह वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का अग्र रूप है।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 के दो अभिन्न घटक ''खेलों को व्यापक आधार देना'' और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ''खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना'' है।

नीति की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:–

1. खेलों को आधार देना तथा उत्कृष्टता हासिल करना;
2. अवसंरचना का उन्नयन और विकास;
3. राष्ट्रीय खेल परिसंघों और अन्य खेल निकायों को सहायता;
4. खेलों को वैज्ञानिक और कोचिंग सहायता का सुदृढ़ीकरण;
5. खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन;
6. महिलाओं, अनुसूचित जनजातियों और ग्रामीण युवाओं की सहभागिता बढ़ाना;
7. खेलों के संवर्धन में कारपोरेट क्षेत्र को शामिल करना; और
8. व्यापक स्तर पर लोगों में खेलों के प्रति रूझान बढ़ा।

*****

अध्याय–14

भारतीय खेल प्राधिकरण

प्रस्तावना

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की स्थापना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के तहत 1982 में नई दिल्ली में आयोजित नौवें वें एशियाई खेलों के आयोजन की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए दिनांक 25 जनवरी, 1984 के संकल्प संख्या 1–1/83/एसएआई के अनुसरण में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी। भारतीय खेल प्राधिकरण को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का संवर्धन करने और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का दोहरा दायित्व सौंपा गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण को एक महत्वपूर्ण खेल संवर्धन निकाय के रूप में विकसित करने को सुकर बनाने के लिए नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, (एनएसएनआईएस), पटियाला और इसके केन्द्रों तथा ग्वालियर और तिरूवनन्तपुरम स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई) के दो अन्य शैक्षिक संस्थानों को शामिल करते हुए पूर्ववर्ती राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थान सोसाइटी (एसएनआईपीईएस) को 1 मई, 1987 से भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मिलाकर खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को शामिल किया गया। तथापि, एलएनसीपीई, ग्वालियर को ''सम–विश्वविद्यालय'' का दर्जा दिए जाने पर सितम्बर, 1995 में इसे भारतीय खेल प्राधिकरण से अलग कर दिया गया। आज भारतीय खेल प्राधिकरण देश में खेलों के संवर्धन तथा खेल उत्कृष्टता के लिए सर्वोच्च निकाय है।

भारतीय खेल प्राधिकरण का सामान्य निकाय और शासी निकाय

भारतीय खेल प्राधिकरण के संगम ज्ञापन और नियमों के अनुसार, एसएआई के सामान्य निकाय (सोसायटी) और शासी निकाय का गठन भारत सरकार द्वारा किया जाता है। एसएआई के शासी निकाय का पुनर्गठन खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा दिनांक 14 मार्च, 2017 को किया गया था। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री एसएआई के शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में इसके प्रमुख हैं।तथापि, भारत सरकार, खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने अक्तूबर, 2018 में एसएआई के सामान्य निकाय का पुनर्गठन किया है, अध्यक्ष के रूप में माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री इसके प्रमुख हैं।

वर्तमान में एसएआई के सामान्य निकाय की संरचना में 11 पदेन सदस्यों के साथ 35 सदस्य (अध्यक्ष को छोड़कर) हैं। सदस्यों (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का कार्यकाल उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

एसएआई के शासी निकाय में 31 सदस्य (अध्यक्ष सहित) हैं जिसमें 14 पदेन सदस्य हैं। सदस्य (पदेन सदस्यों को छोड़कर) का कार्यकाल उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

लक्ष्य तथा उद्देश्यः

भारतीय खेल प्राधिकरण के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- देश में खेलों का संवर्धन करना और उन्हें व्यापक आधार देना ।
- खेल प्रतिभाओं का पता लगाना तथा उसका पोषण करना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विधाओं में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्कीमों/कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना ताकि भारत प्रमुख खेल शक्ति बन सके।
- दिल्ली में स्टेडियमों, जिन्हें वर्ष 1982 में नौवें एशियाई खेलों के लिए बनाया गया था/नवीकृत किया गया था, का प्रबंधन करना।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राज्य सरकारों और देश में खेलों के संवर्धन/विकास के लिए जिम्मेदार अन्य एजेंसियों के बीच माध्यम का कार्य करना।
- योग्य कोचों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना करना और उनका प्रबंधन और संचालन करना।
- देश में खेल अवसंरचना व सुविधाओं की योजना बनाना, उनका निर्माण करना, अधिग्रहण करना, विकास करना, उन्हें चलाना, उनका रख–रखाव व उपयोग करना।
- खेलों, खिलाड़ियों एवं कोचों का उन्नयन करने के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना, चलाना, प्रायोजित करना, प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- देश में खेलों के संवर्धन और खेलों में उत्कृष्टताके विकास में कार्यरत अन्य केंद्रीय या राज्य निकायों तथा अन्य संस्थानों के साथ मुद्दे उठाना और/या उनके साथ सहयोग करना।

संगठनात्मक ढांचाः

भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशकइसके प्रधान कार्यकारी अधिकारीहोते हैं। उनकी सहायता के लिए विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरिष्ठ कार्यात्मक प्रमुख की एक टीम होती है जिसमें सचिव, एसएआई, कार्यकारी निदेशक तथा शैक्षिक संस्थानों/क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख होते हैं। वर्ष 2018–19 के लिए संगठनात्मक चार्ट नीचे दिया गया हैं :

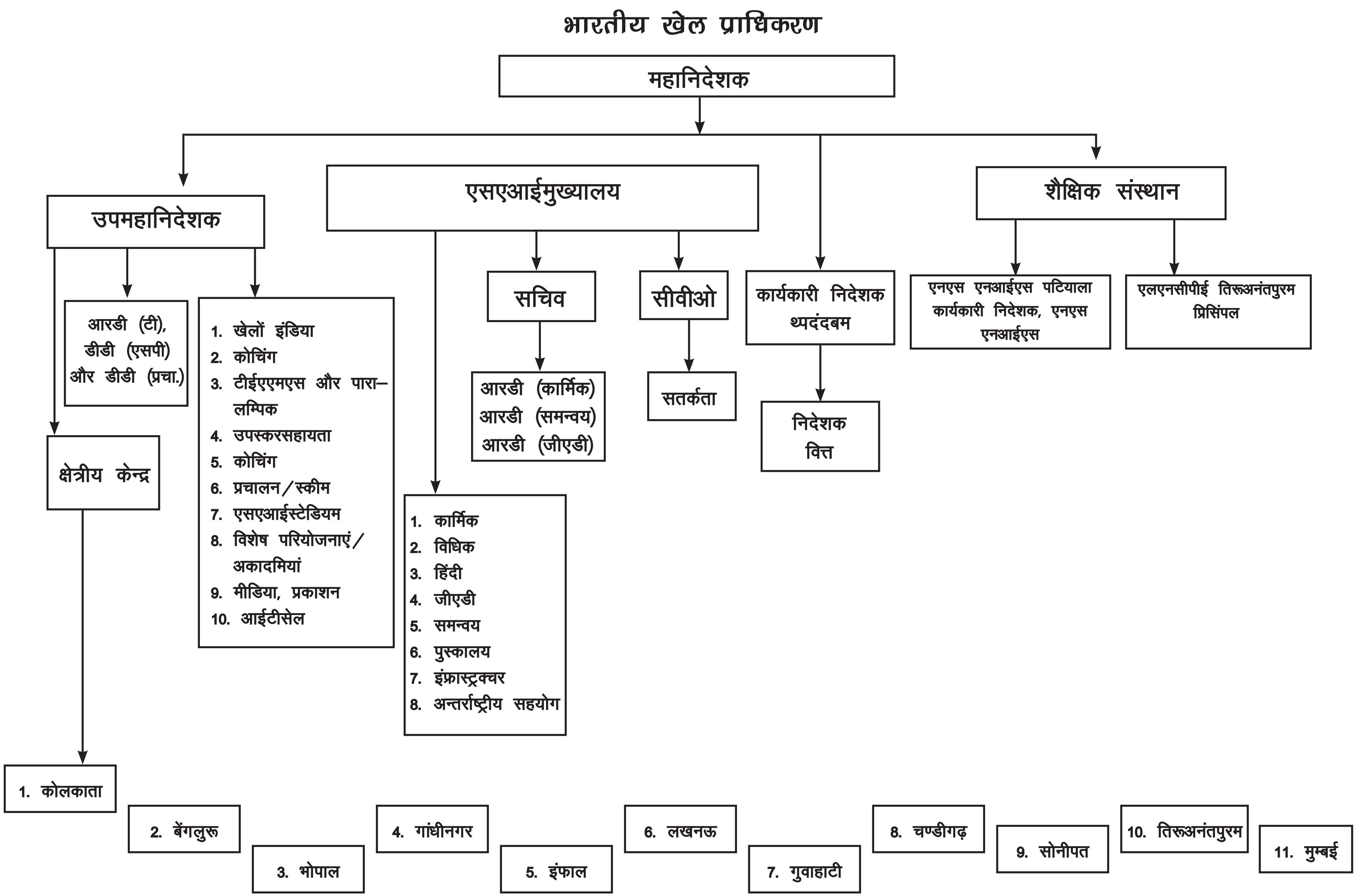
भारतीय खेल प्राधिकरण
महानिदेशक
उपमहानिदेशक
आरडी (टी), डीडी (एसपी) और डीडी (प्रचा.)
1. खेलों इंडिया
2. कोचिंग
3. टीईएमएस और पारा–लम्पिक
4. उपस्करसहायता
5. कोचिंग
6. प्रचालन/स्कीम
7. एसएआईस्टेडियम
8. विशेष परियोजनाएं/अकादमियां
9. मीडिया, प्रकाशन
10. आईटीसेल
क्षेत्रीय केन्द्र
एसएआईमुख्यालय
सचिव
आरडी (कार्मिक)
आरडी (समन्वय)
आरडी (जीएडी)
सीवीओ
सतर्कता
1. कार्मिक
2. विधिक
3. हिंदी
4. जीएडी
5. समन्वय
6. पुस्कालय
7. इंफ्रास्ट्रक्चर
8. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग
कार्यकारी निदेशक थ्यदंदबम
निदेशक वित्त
शैक्षिक संस्थान
एनएस एनआईएस पटियाला कार्यकारी निदेशक, एनएस एनआईएस
एलएनसीपीई तिरूअनंतपुरम प्रिंसिपल
1. कोलकाता
2. बेंगलुरू
3. भोपाल
4. गांधीनगर
5. इंफाल
6. लखनऊ
7. गुवाहाटी
8. चण्डीगढ़
9. सोनीपत
10. तिरूअनंतपुरम
11. मुम्बई

एसएआई के मुख्य प्रभाग/संस्थान तथा उनके कार्यों की जिम्मेदारियां संक्षेप में इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	शैक्षणिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	कोचिंग में प्रमाण–पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करके कोचों के कौशलों को बढ़ाना।
(ii)	शैक्षणिक (शारीरिक शिक्षा) एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन
(iii)	विशेष परियोजना प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय खेल अकादमियों का प्रबंधन करना, सीएसआर की व्यवस्था करना, खेल परियोजनाओं में बच्चों की सुरक्षा और गोल्फ विकास
(iv)	प्रचालन प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई की खेल संवर्धन स्कीमों की योजना बनाना, कार्यान्वयन और निगरानी करना
(v)	टीम प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से प्रमुख एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता। इसमें राष्ट्रीय शिविर, विदेश में प्रदर्शन के अवसर और विदेशी कोचों की सेवाएं शामिल हैं।
(vi)	उपस्कर सहायता, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई और/या अन्य खेल निकायों के विभिन्न खेल उपस्करों की आवश्यकताओं का समेकन और इन्हें स्थानीय विक्रेताओं के साथ–साथ विदेशी विक्रेताओं से प्राप्त करना।
(vii)	स्टेडिया प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में एसएआई स्टेडियमों का रखरखाव, और उपयोग।
(viii)	अवसंरचना प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर के एसएआई केंद्रों में खेल एवं खेल संबंधी अवसंरचना का सृजन, विकास और रख–रखाव
(ix)	कार्मिक प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	अधिकारियों और स्टाफ की नियुक्ति और एसएआई कर्मचारियों के सेवा मामले में
(x)	कोचिंग प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई कोचों की नियुक्ति और सेवा मामले
(xi)	वित्त प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली स्थितएसएआई के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और फील्ड यूनिटों के लिए वित्तीय योजना और बजट आबंटन
(xii)	समन्वय प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय/अन्य एजेंसियों और एसएआई के विभिन्न प्रभागों के साथ समन्वय, विशेष रूप से संसद और आरटीआई से संबंधित मामलों में संपर्क हेतु नोडल प्रभाग।

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(xiii)	मिडिया तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग सेल, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस वार्ता आयोजित करना और एसएआई की शासकीय वेबसाइट का रखरखाव करना और विदेशों के साथ खेलों के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/द्विपक्षीय संबंधों के मामलों पर युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के साथ संपर्क करना।
(xiv)	सामान्य प्रशासन एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	सामान्य सामान की खरीद एवं रख–रखाव। भवन का रख–रखाव, कंप्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठकें और सेमीनार, कार्यालय टेलीफोन और हवाई टिकट।
(xv)	विधायी प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी विधायी मामले।
(xvii)	सतर्कता सेल एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी सतर्कता मामले
(xviii)	राजभाषा प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन
(xix)	खेलों इंडिया प्रभाग	जन सहभागिता और खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन के दोहरे उद्देश्य प्राप्त करना

नई दिल्ली में 1982 में आयोजित प्वें एशियाई खेलों के लिए दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम का निर्माण/नवीकरण किया गया और तदनुसार 2010 में नई दिल्ली में आयोजित XIX वें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए इनका नवीकरण किया गया,जिनका एसएआई द्वारा रखरखाव और उपयोग किया जा रहा हैः

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स
2. इंदिरा गांधी खेल परिसर
3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर (पूर्व नाम तालकटोरा तैराकी पूल)
4. मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम (पूर्व नाम राष्ट्रीय स्टेडियम)
5. डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (पूर्व नाम शूटिंग रेंज तुगलकाबाद)

एसएआईने प्रमुख एथलीटों को प्रशिक्षण देकर और साथ ही युवा प्रतिभा की पहचान तथा विकास के लिए कई योजनाएं चलाकर भारतीय खेलोंको सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये योजनाएं देशभर में फैले एसएआईके विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों और प्रशिक्षण केंद्रों के जरिए कार्यान्वित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, एसएआईद्वारा शारीरिक शिक्षा में कई शैक्षिक कार्यक्रम और खेल भी चलाए जा रहे हैं। अपनी खेल संवर्धन योजनाओं के माध्यम से एसएआईप्रतिभाशाली युवाओं की सहायता तथा उनका पोषण करता है और उन्हें अपेक्षित अवसंरचना, उपकरण, कोचिंग सुविधाएं और प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करता है।

भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल संवर्धन योजनाएं

प्रचालन प्रभाग, एसएआई की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य देखता है जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना तथा उनका पोषण करना है।

इन योजनाओं को एसएआईद्वारा अपने बेंगलुरू,

कोलकाता, गांधीनगर, कांदीविली (मुम्बई) भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इम्फाल स्थित क्षेत्रीय केंद्रों तथा एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवंतपुरम स्थित शैक्षिक स्कन्धों के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। केन्द्र का ढांचा खेल विज्ञान पटिलाया, बेंगलुरू और कोलकाता में सुविकसित है तथा अन्य केंद्रों में इन सुविधाओं का उन्नयन किया जा रहा है।

इन योजनाओं की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा योजना (एनएसटीसी)

उद्देश्यः

1. राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा (एनएसटीसी) योजना का कार्यान्वयन, स्कूलों से 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेल प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण देकर पदक लाने योग्य खिलाड़ी बनाने हेतु उनका पोषण करने के लिए किया जा रहा है।

2. योजना के अंतर्गत,उत्तम खेल अवसंरचना तथा विश्वसनीय खेल प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले स्कूलों को एसएआई द्वारा अपनाया जाता है। यह योजना उभरते खिलाड़ियों को उसी स्कूल में अध्ययन करने तथा खेलने में समर्थ बनाती है। एनएसटीसी (1985 में आरंभ) की मुख्य योजना, जिसमें नियमित स्कूलों को अपनाया जाता है, के अतिरिक्त भारत में खेल प्रतिभा तक पहुँचने के लिए कुछ विशिष्ट उपयोजनाएं भी आरंभ की गई। एनएसटीसी की उप योजनाओं में शामिल हैं :

(i) नियमित स्कूल

(ii) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए)

(iii) अखाड़ा

3. एनएसटीसी के तहत शामिल खेल विधाएंः

नियमित स्कूल– एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबाल, जिम्नास्टिक्स, हॉकी, खोखो, तैराकी, टेबलटेनिस, वॉलीबॉल और कुश्ती (10 खेल विधा)

आईजीएमए– तीरंदाजी, गटका, कबड्डी, कलारीपयटु, मुकना, मलखंभ, थांग–ता, सिलंबम, खोमलईनई (09 खेल विधा)

अखाड़ा–कुश्ती (01 खेल विधा)

4. एनएसएनआईएस के प्रशिक्षित कोचों द्वारा नियमित प्रशिक्षण हेतु अपनाए गए स्कूलों और अखाड़ों को प्रशिक्षण दिया जाता है।

5. नियमित स्कूलों का चयन मानदंड (एनएसटीसी)

(i) **आयुः 8 – 14 वर्ष**

(ii) **छूटः**

तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, जिसके लिए महा निदेशक, एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है।

विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और प्रवेश के समय उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

विभिन्न परीक्षणों में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए नि पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी

रखी जाती है जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाता है।

iii) **व्यक्तिगत / टीम स्पर्धाएं**

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप सेस्वस्थ पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है, को चिकित्सा और शारीरिक रूप सेस्वस्थ पाए जाने पर तथा अपेक्षित क्षमता होने, जिसका विभिन्न परीक्षणों द्वारा मूल्यांकन किया जाता है, के अधीन प्रवेश दिया जाएगा।

ग. सुदूर, जनजातीय और तटवर्ती क्षेत्रों से चयन के लिए, भागीदारों में से प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन द्वारा भी प्रशिक्षुओं का चयन किया जाता है। यह चयन एसएआई, स्कूल/अखाड़ा, एसएआई कोच, खेल वैज्ञानिकों इत्यादि के प्रतिनिधियों की चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर अभिज्ञात खिलाड़ियों को आयु जॉच, चिकित्सा जांच और विभिन्न परीक्षणों में उपयुक्त पाए जाने पर प्रवेशकिया जाता है।

iv) **प्रवेश की पूर्व शर्तः**

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, शरीरिक और मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर तथा आयु, खेल विधा, स्पर्धा और भावी क्षमता के मूल्यांकन और विभिन्न परीक्षण परिणामों के आधार पर किया जाता है और प्रवेश के समय उन्हें दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

v) **प्रतिधारण मापदंडः**

क. खिलाड़ियों को बनाए रखना उनके द्वारा उस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होता है, जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

vi) **हटाया जानाः**

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखने पर

ख) डोप दुरूप्योग, आयु घोखाधड़ी, कदाचार करने पर

vii) **प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक पृष्ठभूमिः**

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं की निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन आन्तरिक खेल विज्ञान केन्द्रों की सेवाएं अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाएं लेकर संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जाता।

ख) जहॉ तक संभव हो, प्रवेश प्राप्त प्रतिभा के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गॉधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं।

प्रतिभा को प्रवेश को केवल शैक्षिक सत्र के साथ जोड़नेके बजाय इसे एक सतत प्रक्रिया बनाया गया है ताकि एसएआई को जहॉ भी प्रतिभा मिले और वह प्रवेश के लिए पात्र हो, उसे प्रवेश दिया जा सके।

स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए) (एनएसटीसी की उप–योजना)

ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में स्कूलों में स्वदेशी खेलों और मार्शल आट्र्स का संवर्घन करने के लिए तथा इन खेलों में प्रतिभा की खोज कर उसके आधुनिक खेलों में पोषण हेतु एसएआई के शासी निकाय ने 12 नवम्बर, 2001 को आयोजित अपनी 28वीं बैठक में प्रस्ताव का अनुमोदन किया। तदन्तर, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने केन्द्रीय

विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, डीएवी, विद्या भारती और इसी प्रकार की संस्थाओं जैसे स्कूलों के समूह वाली शैक्षिक संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूलों को मौजूदा एनएचटीसी योजना के भाग के रूप में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्टस के संवर्धन तथा विकास हेतु अपनाए जाने की अनुमति प्रदान की।

चयन मानदंड

(i) **आयु:** 8 – 14 वर्ष

(ii) **छूट:** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, जिसके लिए महा निदेशक, एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है।

विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और प्रवेश के समय उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

विभिन्न परीक्षणों में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए निष्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाता है।

(iii) **प्रवेश हेतु चयन मानदंड:**

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से योग्य पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है को, चिकित्सा और शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने पर के अधीन प्रवेश दिया जाएगा।

ग. स्वदेशी खेलों में प्रतिभा की खोज भागीदारों के बीच खुली प्रतिस्पर्धाओं के आधार पर की जाती है। चयन, एसएई, संस्थाओं के प्रतिनिधियों, एसएआई कोचों, संबंधित खेल के गुरू/परामर्शदाता की चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर अभिज्ञात खिलाड़ियों को उनकी आयु जॉच, चिकित्सा जांच इत्यादि के पश्चात प्रवेश दिया जाता है।

(iv) **प्रतिधारण मापदंड:**

(क) खिलाड़ियों को बनाए रखना उनके द्वारा उस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होता है, जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

(v) **हटाया जाना:**

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखने पर

ख) डोप दुरूप्योग, आयु घोखाधड़ी, कदाचार करने पर

(vi) **निगरानी:**

अपनाए गई संस्थाओं की निरंतर निगरानी और छमाही मूल्यांकन संस्थाओं के संस्थागत प्रमुखों/क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से किया जाता है

असाधारण प्रतिभावान लड़कों और लड़कियों को खेल विधा और पात्रता के मानदंडों के अनुसार एसएआई एसएजी केन्द्र अथवा एसएआई खेल अकादमी में प्रवेश दिया जाता है।

एनएसटीसी योजना के तहत अखाड़ों को अपनाया जाना

प्रस्तावना

कुश्ती देश में पारंपरिक रूप से स्वदेशी खेल रहा है और यह अधिकांशतः ग्राम स्तर पर खेला जाता है। भारत ने विगत में कई अंतराष्ट्रीय पदक जीते हैं और यह खेल शक्ति रहा है। परन्तु अब भारतीय पहलवानों के लिए उन परिस्थितियों, जिनमें अंतराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में खेल खेले जाते हैं, में परिवर्तन के कारण वरिष्ठ स्तरीय प्रतिस्पधाओं में पदक जीतना कठिन हो गया है। इसलिए आधुनिक कुश्ती के लिए व्यापक आधार बनाने और देश में विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए गए प्रयासों में सहयोग करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अखाड़ों को अपनाया जाना

कुश्ती खेल की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने कुश्ती मैट बिछाने के लिए न्यूनतम 20 X 20 मीटर के बंद हॉल, मल्टी जीम स्थापित करने के लिए 15 X 15 मीटर के बंद हॉल तथा अन्य सम्बद्ध सुविधाओं वाले अखाड़ों को अपनाए जाने की अनुमति प्रदान की है।

चयन मानदंड : एनएसटीसी के नियमित अपनाए गए स्कूलों के चयन के मानदंड प्रतिभावान पहलवानों के चयन हेतु लागू होते हैं।

एनएसटीसी योजना के तहत प्रदत्त सुविधाएँ:वर्तमान में योजना के तहत चुनिंदा प्रशिक्षुओं को गैर–आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। तथापि आपवादिक रूप से प्रशिक्षुओं को आवासीय आधार पर दो स्कूलों में प्रवेश दिया गया है और उन्हें वृत्तिका के स्थान पर भोजन तथा आवास सुविधाएं दी जाती हैं।

वित्तीय मानदंडः

1) नियमित स्कूल

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹में)
1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	प्रतिस्पर्धा अवसर(प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
4	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
5	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

2) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स

1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	1500.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
4	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00
5	प्रतिभा की खोज के लिए प्रतिस्पर्धा के आयोजन हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	25000.00

3) **अखाड़ा**

1	खेल किट(प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	3000.00
2	प्रतिस्पर्धा अवसर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति माह)	1000.00
4	दुर्घटना बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
	अपनाए गए अखाड़ों को अनुभवी कोच की सेवाओं के अतिरिक्त कुश्ती मैट/मल्टी–जिम का एक सैट प्रदान किया जाएगा	

वर्तमान में अपनाए गए 11 स्कूल हैं, 10 स्कूलों को स्वदेशी खेलों/मार्शल आर्ट का संवर्धन करने के लिए अपनाया गया है। अपनाए गए 44अखाड़ों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एनएसटीसी योजना के अंतर्गत कुल 1218 (999 लड़के और 219 लड़कियां) प्रशिक्षु हैं।

आर्मी बॉयस स्पोर्ट्स कंपनी स्कीम (एबीएससी)

उद्देश्य:

यह भारतीय सेना के साथ एसएआई का सहयोगी उद्यम है, इस योजना का मुख्य उद्देश्य 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए लड़कों के प्रशिक्षण हेतु सेना की उत्तम अवसंरचना और अनुशासित वातावरण का प्रयोग करना है। साढ़े सत्रह वर्ष की अपेक्षित आयु प्राप्त करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को सेना में रोजगार का प्रस्ताव भी दिया जाता है।

शामिल खेल विधा:

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बासकेटबॉल, मुक्केबाजी, साइकलिंग, डाइविंग, धुड़सवारी, पटेबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, कयाकिंग और केनोइंग, नौकायन, सेलिंग, निशानेबाजी, तैराकी, ताइकवांडु, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूशू (22 खेल विधा)।

चयन मानदंड

(i) **आयु:** 8 – 14 वर्ष

(ii) **छूट:** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है।

विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और प्रवेश के समय उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

विभिन्न परीक्षणों में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए निष्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को

विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाता है

(iii) प्रवेश हेतु चयन मानदंडः

(क) वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजेता हैं अथवा जिन्होंने चालू वर्ष और प्रवेश से पहले वर्ष के दौरान राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है, को आयु जांच और चिकित्सा रूप से उनके सही पाए जाने के अधीन प्रवेश दिया जा सकता है।

(ख) आगे और प्रतिभा का चयन, व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में छंटाई करके बनाई गई सूचीबद्ध खिलोड़ियों की प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करके किया जा सकता है।

(ग) वे प्रतिभाएं जो मान्यताप्राप्त राज्य अथवा राज्य अथवा राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा आयोजित राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता हैं, को चिकित्सा रूप से स्वस्थ पाए जाने के अधीन तथा एंथ्रोपोमेट्रिक माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण के पश्चात और आयु, खेल विधा, स्पर्धा तथा भावी क्षमता के मूल्यांकन के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।

(iv) प्रवेश की पूर्व शर्तः

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, शरीरिक और मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर तथा आयु, खेल विधा, स्पर्धा और भावी क्षमता के मूल्यांकन और विभिन्न परीक्षण परिणामों के आधार पर किया जाता है और प्रवेश के समय उन्हें दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

(v) चिकित्सा जांच और विभिन्न परीक्षणः

उपरोक्त आधार पर चुनी गई प्रतिभा को प्रवेश, विशिष्ट कौशल परीक्षा, गति गुणवत्ता परीक्षा, आयु की जॉच, चिकित्सा योग्यता परीक्षा के आधार पर और सेना गुणात्मक अपेक्षा (क्यूआर) के अनुसार भविष्य में सेना में भर्ती के लिए उपयुक्त पाए जाने के आधार पर दिया जाता है ताकि सेना में भर्ती के लिए प्रतिभा के आयोग्य पाए जाने की भविष्य की जटिलता से बचा जा सके।

(vi) प्रतिधारण मापदंडः

खिलाड़ियों को बनाए रखना उनके द्वारा उस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित होता है, जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

(vii) हटाया जानाः

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखने पर

ख) डोप दुरूप्योग, आयु घोखाधड़ी, कदाचार करने पर

(viii) प्रवेश प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकनः

प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं की निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन, आन्तरिक खेल विज्ञान केन्द्रों की सेवाएं अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाएं लेकर संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जाता।

प्रदत्त सुविधाएंः

इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षुओं को खान–पान और आवास सुविधाएं, शैक्षिक व्यय, खेल किट, खेल उपकरण, बीमा, चिकित्सा सुरक्षा, प्रतियोगिता अनुभव, एसएआई के अनुभवी कोच से वैज्ञानिक कोचिंग के अतिरिक्त प्रदान किए जाते हैं।

वित्तीय मानदंडः

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹)
1.	गैर–पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 330 दिनों के लिए खानपान व ठहरना (प्रति दिन प्रति व्यक्ति)	250.00
	पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 330दिनों के लिए (प्रति दिन प्रति व्यक्ति)	275.00
2.	खेल उपकरण (प्रति वर्ष)	500000.00
3.	खेल मैदान का रखरखाव और मैगजीन/पत्रिका (प्रति वर्ष) प्रति यूनिट	100000.00
5.	खेल किट (प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
6.	शैक्षिक व्यय(प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	
7.	प्रतिस्पर्धा अवसर(प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	
8.	चिकित्सा(प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	
9.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	

न्यू बॉयस स्पोटर्स कम्पनी (बीएससी) की स्थापना के लिए एक बारगी अनुदानः

1.	खेल अवसंरचना के सृजन और विकास तथा आवश्यक खेल उपकरणों की खरीद	10,00,000.00
2.	मल्टी जिम कुश्ती मैटस और ऑडियो विजुअल उपकरण जैसे प्रशिक्षण किट विशेष उपकरणों का प्रापण	5,00,000.00
3.	नए प्रशिक्षु के लिए लिनन तथा कम्बल इत्यादि की खरीद	1,00,000.00

वर्तमान में भारत में 28 बीएससी केंद्र है जहां इस स्कीम के अंतर्गत 1556 लड़कों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र योजना (एसटीसी)

उद्देश्यः

10–18 वर्ष के आयु समूह में कनिष्ठ स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए एसएआई प्रशिक्षण केन्द्रों (एसटीसी) की उन राज्यों में स्थापना की जाती है जहॉं संबंधित राज्य सरकारों द्वारा खेल अवसरंचना प्रदान की गई हो।

शामिल खेल विधाः

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकलिंग, पटेबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूड़ो, कबड्डी, कराटे, कयाकिंग और केनोइंग, खोखो, लॉन टेनिस, सेपकटक्रा, निशानेबाजी, साफ्टबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, तायकवांडू, वालीवॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूशू (27 खेल विधा)।

चयन मानदण्डः

(i) **आयुः** 12 – 18 वर्ष

(ii) **छूटः** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है जो नए प्रवेश के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

वे प्रतिभा जो विभिन्न परीक्षणों के अनुसार मोटर योग्यता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुँच सकी, को छह माह के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है परन्तु तदंतर मोटर योग्यता परीक्षा तथा विशिष्ट कौशल परीक्षा उर्त्तीण करने के पश्चात औपचारिक प्रवेश किया जा सकता है, यदि स्वस्थ पाया जाए।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए निष्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रकिया के समय विचार किया जाता है।

(iii) **चिकित्सा जॉच और आयु जॉच विशिष्ट रूप** से उस स्थिति में अनिवार्य है जब प्रवेश, आयु में धोखाधड़ी के विरुद्ध प्रभावी रोकथाम के उपाय के रूप में सब–जूनियर और जूनियर स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में प्रदर्शन के आधार पर किया गया हो।

(iv) **प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः**

(क) व्यक्तिगत स्पर्धाः सब–जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं, जिनका आयोजन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा किया गया हो, में आठवें (08) स्थान तक और भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा चालू वर्ष अथवा पिछले वर्ष के प्रवेश के दौरान संचालित अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में छठे (06) स्थान तक।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा संचालित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त किए हों।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने पूर्वोत्तर खेल तथा खेलो इंडिया राष्ट्रीय ग्रामीण एवं महिला चैपिंयनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान में से कोई स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त संबंधित अंतराष्ट्रीय परिसंघ द्वारा किसी मान्यता प्राप्त चैंपियनशिप/टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला चैंपियनशिप, अंतरशिक्षा जिला स्तरीय लघु प्रतिस्पर्धा, पब्लिक स्कूल संघ, सीबीएसई, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, इत्यादि द्वारा आयोजित चैपिंयनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त किया हो, पर चयन के ट्रायल में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

(ख) टीम स्पर्धाः

(i) **आयुः** 10 से 18 वर्ष

(ii) **छूटः** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा

विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है, जो नए प्रवेश के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

वे प्रतिभा जो परीक्षण के अनुसार मोटर योग्यता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुँच सकी को छह माह के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और तदंतर मोटर योग्यता परीक्षा तथा विशिष्ट कौशल परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात औपचारिक प्रवेश किया जा सकता है। यदि स्वस्थ पाया जाए।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए नि पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी रखी जानी चाहिए जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाता है।

(iii) प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः

उस टीम का कोई सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रथम चार (04) स्थान प्राप्त किए हों और भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा संचालित अंतर–जोनल तथा अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में प्रथम दो (02) स्थान प्राप्त किए हों।

अथवा

उस टीम का कोई सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा संचालित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम (01) अथवा द्वितीय (02) स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त चैंपियनशिप/टूर्नामेंट जिसके लिए भारत सरकार द्वारा अधिकारिक रूप से टीम भेजी गई थी, में सब–जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो

अथवा

पूर्वोत्तर खेलों तथा खेलो इंडिया राष्ट्रीय ग्रामीण एवं महिला चैंपियनशिपों में टीम खेलों में विजेता तथा दूसरे स्थान पर आने वाले सदस्य

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने राज्य खेल संघों, राज्य खेल परिषद और राज्य खेल विभाग द्वारा आयोजित मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया हो,के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

(iv) प्रवेश की पूर्व शर्तः उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश आयु,खेल विधा, स्पर्धा और भावी क्षमता के मूल्यांकन और कई परीक्षणों के परिणाम के आधार पर प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, शरीरिक और मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर चयन परीक्षणों में उपस्थित होकर किया जा सकता है। कोई सीधा प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश केवल प्रदर्शन के आधार पर तथा विभिन्न परीक्षण परिणामों के आधार पर किया जाएगा और इसका प्रवेश के समय दर्ज किया जाना है।

(v) **अन्यत्र से प्रविष्टिः** वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में अपेक्षित प्रदर्शन प्राप्त कर लिया है और परीक्षण, तकनीकी तथा विशिष्ट कौशल परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, वे वर्ष में किसी भी समय शामिल किए जा सकते हैं।

(vi) **प्रतिधारण मापदंडः** खिलाड़ियों को बनाए रखना उसके द्वारा प्रदर्शन क न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने पर आधारित होगा जिसक आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

प्रशिक्षुओं के प्रतिधारण में 18 वर्ष की आयु से आगे तथा 21 वर्ष तक छूट केवल उन विशेष मामलों में शैक्षिक संस्था/क्षेत्र के प्रमुख द्वारा दी जा सकती है जहॉं प्रर्दशन और भविष्य की संभावना के आधार पर मजबूत औचित्य बनता हो। खिलाड़ी ने (i) संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) द्वारा आयोजित जूनियर/सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रथम छह (06) स्थान तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल परिसंघ (वैयक्तिक स्पर्धा के लिए) द्वारा संचालित अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में प्रथम चार (04) स्थान प्राप्त किया हो अथवा वह संबंधित एनएसएफ द्वारा आयोजित जूनियर/सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप तथा अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप और स्कूल खेल परिसंघ (टीम स्पर्धा के लिए) में प्रथम चार (04) स्थान प्राप्त किया हो अथवा (ii)राज्य खेल संघ (टीम तथा वैयक्तिकस्पर्धा दोनों के लिए) द्वारा आयोजित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया हो, पर प्रतिधारण हेतु विचार किया जा सकता है।

21 वर्ष की आयु के बाद प्रशिक्षुओं केप्रतिधारण में छूट केवल उन आपवादित मामलों में डीजी, एसएआई द्वारा दी जा सकती है जहॉं प्रदर्शन के आधार पर औचित्य हो और मजबूत भवि य की संभावना हो।

(vii) **हटाया जानाः**

(क) प्रदर्शन के आशा के अनुसार स्तर को नहीं बनाए रखने पर

(ख) छह माह से अधिक की अवधि के लिए चोट जो प्रशिक्षण तथा अथवा प्रतिस्पर्धा से रोकती हो, लगने पर।

(ग) डोप दुरूपयोग आयु, धोखाधड़ी तथा कदाचार पाए जाने पर

(viii) प्रवेश प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक बैकअपः

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जाता है।

ख) जहॉं तक संभव हो, प्रवेश पाने वालेप्रशिक्षुओं के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गॉंधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं।

ग) प्रतिभा को शामिल करना, शैक्षिक सत्र के साथ जोड़े जाने के स्थान पर सतत प्रक्रिया होना चाहिए ताकि एसएआई को जहॉं भी प्रतिभा पाई जाए और वह प्रवेश के लिए पात्र हों, उसे प्रवेश दिया जा सके।

वित्तीय मानदंड:

आवासीय प्रशिक्षु:

क्र. सं.	विवरण (प्रति व्यक्ति)	राशि (₹में)
1	खानपान व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति दिन) 330 दिनों के लिए गैर पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	250.00
	330 दिनों के लिए पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	275.00
2	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000%)	12000.00
3	प्रतियोगिता अवसर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
4	शिक्षा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
5	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
6	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	

गैर–आवासीय प्रशिक्षु:

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹में)
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	5000.00
2	प्रतियोगिता अवसर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

वर्तमान में देश में कुल **6540** प्रशिक्षुओं **(4569 लड़के और 1971 लड़कियां)** वाले 59 एसटीसी केंद्र हैं।

विशेष क्षेत्र खेल योजना(एसएजी)

उद्देश्य

विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी) योजना का लक्ष्य आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेलकूद के लिए दुर्गम जनजातीय, ग्रामीण तथा देश के तटवर्तीय क्षेत्रों की प्राकृतिक प्रतिभा की खोज करना तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उनका पोषण करना है। इस योजना में ऐसे क्षेत्रों/समुदायों से स्वदेशी खेलों तथा मार्शल आट्‌र्स की प्रतिभा का पता लगाने की भी परिकल्पना की गई है जो किसी विशिष्ट खेल विधा में उत्कृष्टता के लिए अनुवांशिक रूप से अथवा भूगोलीय रूप से लाभ की स्थिति में हों।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य 10–18 वर्ष के आयु समूह में खेल विशेष में क्षमता वाले व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना है।

शामिल खेल विधा

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बासकेटबॉल, मुक्केबाजी, केनोईंग, पटेबाजी, फुटबाल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कराटे, केयाकिंग, नौकायन, सेपकटक्रा, निशानेबाजी, तैराकी, टेबलटेनिस, ताइकवांडू, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूशू (24 खेल विधा)।

चयन मानदण्ड:

(i) आयु:

(क) वैयक्तिक खेलों में 12–18 वर्ष

(ख) टीम खेलों में 10–18 वर्ष

(ग) अनुवांशिक लाभ वाले बच्चों के लिए 12–14 वर्ष

(ii) **छूटः** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है। जो नए इंडकशन के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और प्रवेश के समय उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

विभिन्न परीक्षणों में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए नि पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाता है।

(iii) एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र (एसटीसी) प्रशिक्षुओं के चयन के लिए मानदंड अन्य बातों के साथ–साथ विशेष क्षेत्र खेलों (एसएजी) के लिए भी लागू होंगे। तथापि, एसएजी योजना की विशिष्टता को देखते हुए दूसरी विधा की प्रतिभा को शामिल करने के लिए अतिरिक्त मार्गदर्शी सिद्धांत निम्नानुसार होंगे :–

क) भूगोलीय स्थिति– अधिक ऊँचाई, तटवर्तीय क्षेत्र, द्वीप समूह, बैक वाटर

ख) पारंपरिक खेल– तीरंदाजी, हॉकी, नौकायन, जिमनास्टिक इत्यादि

ग) आधुनिक खेल विधाओं के अनुरूप स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट

घ) विशिष्ट खेल विधाओं के लिए उचित अंतरविष्ट अनुवांशिक लक्षण, उदाहरण के लिए नेगरोईड मूल के सिद्धि, पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंगोल, बाडमेर, जैसलमेर (राजस्थान) में असाधारण ऊँचाई, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर (बिहार) और उत्तर प्रदेश तथा बिहार, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की गंगा बेल्ट, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल के तटवर्तीय क्षेत्र

ड.) तथापि, प्रतिभा खोज कार्यक्रम के अंतर्गत खेलों इंडिया ग्रामीण एवं महिला अंतर जिला और राष्ट्रस्तरीय प्रतिस्पर्धा शामिल की जाएंगी।

च) ऊँचाई खोज परियोजना– नीचे दी गई तालिका के अनुसारः नौकायन, केनोईंग और कयाकिंगः–

आयु	**अधिकतम ऊँचाई**	
	लड़कियॉ	**लड़के**
13 वर्ष	167 सेंटीमीटर	168 सेंटीमीटर
14 वष	169 सेंटीमीटर	171 सेंटीमीटर
15 वष	173 सेंटीमीटर	176 सेंटीमीटर
16 वर्ष	175 सेंटीमीटर	185 सेंटीमीटर

1.लड़कियों के मामले में अनुमानित प्रौढ़ ऊँचाई 175 सेंटीमीटर और लड़कों के लिए 185 सेंटीमीटर है
2.आर्मस स्पैन लड़कियों के मामले मे 6 सेंटीमीटर अधिक और लड़कों के मामले में 10 सेंटीमीटर से अधिक होना चाहिए

वॉलीबॉल और बास्केटबॉल तथा एथलेटिक्स में कुछ स्पर्धाएं:–

आयु	अधिकतम ऊंचाई	
	लड़कियां	लड़के
13 वर्ष	171 सेंटीमीटर	172 सेंटीमीटर
14 वर्ष	174सेंटीमीटर	175सेंटीमीटर
15 वर्ष	178 सेंटीमीटर	181 सेंटीमीटर
16 वर्ष	180 सेंटीमीटर	186 सेंटीमीटर

1. लड़कियों के मामले में अनुमानित प्रौढ़ ऊँचाई 180 सेंटीमीटर और लड़कों के लिए 190 सेंटीमीटर है

छ) स्थानीय स्वदेशी खेल और मार्शल आर्टस उत्सव हेतु प्राकृतिक खेल प्रतिभा खोज हेतु पारंपरिक खेल उत्सवः

गुरू शिष्य परम्परा पर स्वदेशी खेलों और मार्शल आट्र्स का संवर्धन करने वाले कलबों/संस्था को एसएजी विस्तार केन्द्र योजना के तहत अपनाया जा सकता है। उदाहरण के लिएपटेबाजी के लिए कलारीपयट्टु, सिलमबम और थांग–टा इत्यादि। जिमनास्टिक तथा पोल वालट के लिए मलखंभ (महाराष्ट्र), पंजाब, झारखंड, उड़ीसा, कुर्ग (कनार्टक) में पारंपरिक हॉकी, लेह लद्दाख (जम्मू और कश्मीर) तथा अन्य जनजातीय क्षेत्रों के भाग में तीरंदाजी तथा देश के विभिन्न भागों में कई अन्य आईजीएमए।

ज) अंतिम चयन और प्रवेश:प्रारंभिक चयन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर तथा 6 सप्ताह के मूल्यांकन शिविर के पश्चात और परीक्षण के अनुसार अन्य मानदंडों पर विचार करते हुए अंतिम चयन किया जा सकता है।

(iv) अन्यत्र से प्रविष्टिः

वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में अपेक्षित प्रदर्शन प्राप्त कर लिया है और परीक्षण, तकनीकी तथा विशिष्ट कौशल परीक्षण सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है, वे वर्ष में किसी भी समय शामिल किए जा सकते हैं।

(v) प्रतिधारण मानदंडः

क) चूंकि प्रवेश प्राकृतिक प्रतिभा के आधार पर दिया जाता है इसलिए प्रतिभा को आधुनिक खेल और प्रशिक्षण पद्धति के के अनुकूल बनाने के लिए न्यूनतम 2 वर्ष की अवधि के लिए रोका जा सकता है।

ख) इसके अतिरिक्त शैक्षिक दबाव से बचने के लिए प्रतिभा को राष्ट्रीय मुक्त स्कूलिंग प्रणाली में प्रवेश दिया जा सकता है, क्योंकि ग्रामीण और जनजातीय बच्चे खेल प्रशिक्षण तथा शैक्षिक प्रदर्शन के दोहरे दबाव का सामना करना कठिन पाते हैं।

ग) तीन वर्ष के अनुकूलन और विशिष्ट प्रशिक्षण के पश्चात, प्रतिभा को वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रदर्शन प्रदर्शित करना आरंभ कर देना चाहिए।

घ) किसी खेल विधा में प्रवेश पाने वाली प्रतिभा को नई खेल विधा के लिए उसके उपयुक्त पाए जाने के आधार पर आवश्यकता होने पर किसी दूसरी खेल विधा में स्थानांतरिक किया जा सकता है।

(vi) हटाया जानाः

(क) प्रदर्शन के आशा के अनुसार स्तर को नहीं बनाए रखने पर

(ख) डोप दुरूपयोग, आयु, धोखाधड़ी तथा कदाचार करने पर

(vii) प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक पृष्ठ भूमिः

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं की निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन

आन्तरिक खेल विज्ञान केन्द्रों की सेवाएं अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाएं लेकर संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जाता।

ख) जहॉं तक संभव हो, प्रवेश प्राप्त प्रतिभा के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गॉंधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं।

ग) प्रतिभा को प्रवेश देने को केवल शैक्षिक सत्र के साथ जोड़नेके बजाय एक सतत प्रक्रिया बनाया गया है ताकि एसएआई को जहॉं भी प्रतिभा मिले और वह प्रवेश के लिए पात्र हों, उसे प्रवेश दिया जा सके।

वित्तीय मानदंडः

आवासीय प्रशिक्षुः

क्र. सं.	विवरण (प्रति व्यक्ति)	राशि (₹में)
1	खानपान व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति दिन) 330 दिनों के लिए गैर पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	250.00
	330 दिनों के लिए पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	275.00
2	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000₹)	12000.00
3	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
4	शिक्षा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
5	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
6	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	

गैर–आवासीय प्रशिक्षुः

क्र. सं.	विवरण	राशि (₹में)
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	5000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

वर्तमान में देश में कुल 2198 प्रशिक्षु (1176 लड़के और 1022 लड़कियां) वाले 20 एसएजी केंद्र हैं।

एसटीसी/एसएजी केन्द्रों के विस्तार केन्द्र

उद्देश्यः

एसटीसी/एसएजी केन्द्र योजना के विस्तार केन्द्र मूल खेल अवसंरचना वाले स्कूलों और कॉलेजों तथा जिन्होंने अच्छा परिणाम दिया हो, में खेल मानकों के विकास के लिए अधिक कवरेज हेतू स्कूलों तथा कॉलेजों को शामिल करने के लिए आरंभ किए गए थे। 10–18 वर्ष के आयु समूह में प्रशिक्षुओं को नियमित प्रशिक्षण के लिए गैर–आवासीय आधार पर चुना जाता है।

शामिल खेल विधाः

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी,

जूडो, कबड्डी, खोखो, मलखम्ब, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताईकवांडू, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूशू (21 खेल विधा)।

संस्था का चयनः

खेलों में सक्रिय रूप से शामिल स्कूल और कॉलेज जिनके पास पर्याप्त अवसंरचना है, इस योजना के तहत पात्र हैं। संस्था का विगत में राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने का इतिहास होना चाहिए।

प्रशिक्षुओं का चयनः

योजना के तहत स्कूल/कॉलेज में अधिकतम 20 प्रशिक्षुओं को लिया जाता है। नजदीकी स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। प्रशिक्षुओं का चयन (1) क्षेत्रीय निदेशक (एसएआई) अथवा उसके प्रतिनिधि (2) कॉलेज/संस्थान के प्रमुख अथवा उसके प्रतिनिधि (3) संबंधित खेल विधा के स्कूल/कॉलेज के विशेषज्ञ/कोच (4) क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ी का शामिल करते हुए समुचित रूप से गठित समित द्वारा किया जाता है। प्रशंसनीय परिणाम/अपवादित प्रतिभा के मामले में आयु में छुट दी जाती है।

इन विस्तार केन्द्रों की निगरानी नजदीकी एसटीसी/एसएजी तथा उन एसएआई क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख द्वारा की जाती हैं जिनके अंतर्गत संबंधित स्कूल/कॉलेज आते हैं। ऐसे केन्द्रों को स्वीकृत करने का अधिकार महा निदेशक, एसएआई को है।

चयन मानदण्डः

(i) **आयुः** 10 से 18 वर्ष

(ii) **छूटः** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है जो नए प्रवेश के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

विभिन्न परीक्षणों में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और प्रवेश के समय उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाना चाहिए।

विभिन्न परीक्षणों में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

विभिन्न परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रवेश के समय विचार किए गए नि पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारभूत प्रदर्शन के रूप में दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा बेस रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को विशिष्ट पहचान कार्ड (यूआईडी) नम्बर आवंटित किया जाता है।

प्रत्येक प्रशिक्षु की अलग–अलग प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है जिस पर प्रशिक्षु को रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाता है।

(iii) **चयन मानदंडः**

स्कूलः

(क) व्यक्तिगत स्पर्धाःपब्लिक स्कूल संघ, सीबीएसई, केवीएस, जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) और खेलो इंडिया द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर शैक्षिक संस्था जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा के प्रथम चार स्थानों में से कोई एक स्थान।

(ख) टीम खेलःपब्लिक स्कूल संघ, सीबीएसई, केवीएस, जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) द्व

ारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर शैक्षिक संस्था जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा के विजेता अथवा द्वितीय स्थान तथा मानदंडों के अनुसार विभिन्न परीक्षणों के तहत योग्यताप्राप्त।

कॉलेजः

(क) व्यक्तिगतः एसजीएफआई मानदण्डों के अनुसार आयोजित मान्यता प्राप्त खेल संघों, विश्वविद्यालय और भारतीय राज्य स्तरीय स्कूल खेल संघ (एसजीएफआई) द्वारा संचालित अंतर कॉलेज चैंपियनशिपों द्वारा आयोजित सब–जूनियर तथा जूनियर राज्य चैंपियनशिप में चौथा स्थान तक प्राप्त किया हो।

(ख) टीम खेलःपब्लिक स्कूल संघ, सीबीएसई, केवीएस और जेएनवी द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर शैक्षिक संस्था जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के विजेता अथवा द्वितीय स्थान तथा मानदंडों के अनुसार विभिन्न परीक्षा के तहत योग्यताप्राप्त।

विश्वविद्यालय – व्यक्तिगत और टीमः

वे खिलाड़ी जिन्होंने भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा मान्यता प्राप्त राज्य संघ/राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा जोनल/राष्ट्रीय चैपिंयनशिप में विश्वविद्यालय, राज्य का प्रतिनिधित्व किया हो।

(iv) प्रवेश की पूर्व शर्तः

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश आयु,खेल विधा, स्पर्धा और भावी क्षमता के मूल्यांकन और कई परीक्षणों के परिणाम के आधार पर प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, शरीरिक और मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर चयन परीक्षणों में उपस्थित होकर किया जा सकता है।

(v) अन्यत्र से प्रविष्टिः

वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में अपेक्षित प्रदर्शन प्राप्त कर लिया है और परीक्षण, तकनीकी तथा विशिष्ट कौशल परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, वे वर्ष में किसी भी समय शामिल किए जा सकते हैं।

(vi) प्रतिधारण मापदंडः

खिलाड़ियों को बनाए रखना उसके द्वारा प्रदर्शन क न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने पर आधारित होगा जिसक आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

(vii) हटाया जानाः

क) प्रदर्शन के आशा के अनुसार स्तर को नहीं बनाए रखने पर

ख) डोप दुरूपयोग, आयु धोखाधड़ी तथा कदाचार करने पर

(viii) प्रवेश प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक बैकअपः

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जाता है।

ख) जहाँ तक संभव है प्रवेश पाने वाले प्रशिक्षुओं के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं।

ग) प्रतिभा को शामिल करना शैक्षिक सत्र के साथ जोड़े जाने के स्थान पर सतत प्रक्रिया होना चाहिए ताकि एसएआई को जहाँ भी प्रतिभा पाई जाए और वह प्रवेश के लिए पात्र हों, उसे प्रवेश दिया जा सके।

घ) प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं की सामाजिक/रोजगार संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों/सशस्त्र बलों/कॉर्पोरेट के साथ मिलकर समन्वित प्रयास किए जाते है।

वित्तीय मानदंड:

क्रम संख्या	विवरण	राशि (₹में)
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	5000.00
2	प्रतियोगिता अवसर (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	3000.00
3	वृत्तिका (एक वर्ष के दौरान प्रति प्रशिक्षु को 10 माह के लिए)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	150.00
5	अभिज्ञात संस्थानों में बुनियादी ढांचा और उपकरण संबंधी सहायता, प्रति प्रशिक्षु, ₹ 1.00 लाख की अधिकतम सीमा तक	5000.00

वर्तमान में देश में 2194 प्रशिक्षु (1324 लड़के और 870 लड़कियां) वाले 94 एसटीसी/एसएजी केंद्र है।

उत्कृष्टता योजना केंद्र (सीओई)

उद्देश्य

सब जूनियर और जूनियर संबंधी योजनाओं के एक स्वाभाविक परिणाम के अनुसार, वर्ष 1997 में उत्कृष्टता केन्द्रों की शुरूआत की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, उन खिलाड़ियों को जिन्होंने सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तम प्रदर्शन किया था उन्हें एक वर्ष के दौरान 330 दिनों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केन्द्रों में भावी उन्नत वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रवेश की परिकल्पना की गई थी। ये उत्कृष्टता केंद्र भारत में उपलब्ध उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए नियमित कोचिंग शिविरों के रूप में कार्य करते हैं और वे राष्ट्रीय टीमों के लिए प्रतिभा के विस्तृत चयन तथा चयन की निरंतरता और इसके साथ साथ दूसरे और तीसरे स्तर के विकल्प प्रदान करते हुए समान स्तर के संभावित खिलाडी प्रदान करते हैं।

शामिल विधाः

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, कैनोइंग साइकिलिंग, पट्टेबाजी, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, क्याकिंग व नौकायन, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु (17 विद्याएं)।

चयन मानदंडः

(i) **आयुः** 12 से 25 वर्ष

(ii) **छूटः** तथापि, महा निदेशक, एसएआई द्वारा विभिन्न परीक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की सीमा में छूट और साथ ही प्रवेश दिया जा सकता है जो नए प्रवेश के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

(iii) **चिकित्सीय जांच, और आयु संबंधी सत्यापन,** विशेष रूप से आयु संबंधी धोखाधड़ी के लिए एक प्रभावी निवारक उपाय के रूप में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश की स्थिति में अनिवार्य हैं।

(iv) **प्रवेश के लिए प्रदर्शन मानदंडः**

(क) **व्यक्तिगत स्पर्धाएंः** वर्तमान अथवा प्रवेश से पहले वर्ष के दौरान मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलों, राष्ट्रीय

चैंपियनशिप में चौथे (04) स्थान तक तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिपों में तीसरे (03) स्थान तक स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने संबंधित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप / टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

(ख) टीम स्पर्धा : एक टीम के किसी भी सदस्य, जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलों, राष्ट्रीय चैंपियनशिपों में चौथे (04) स्थान तक तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा आयोजित अंतर विश्ववविद्यालय चैंपियनशिपों में तीसरे (03) स्थान तक स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यताप्राप्त संबंधित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप / टूर्नामेंट में किसी टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया हो, उनके मामले में चयन ट्रायल में भाग लेने पर विचार किया जा सकता है।

(ग) प्रवेश पूर्व शर्त : उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन सूचकों, मानवशास्त्र संबंधी मापों, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण के आधार पर तथा आयु, खेल क्षेत्र, खेल कार्यक्रम और भावी क्षमता के मूल्यांकन के अनुरूप किया जा सकता है।

(v) प्रतिधारण मानदंडः

क) प्रशिक्षुओं की धारिता, उनके द्वारा प्रदर्शन के उस न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर जिसके आधार पर उन्हें प्रवेश प्रदान किया गया था और इसके अलावा वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यय की प्राप्ति पर आधारित रहेगी।

ख) 25 वर्ष की आयु के पश्चात प्रशिक्षुओं की धारिता में छूट केवल विशेष मामलों में महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाएगी, जो प्रदर्शन और सुदृढ़ भावी संभावनाओं के आधार पर न्यायोचित हों।

(vi) हटाया जानाः

क) प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को न बनाए रखने के कारण।

ख) प्रशिक्षण और/अथवा प्रतियोगिता से छह माह से अधिक अवधि के लिए अक्षमता के कारण।

ग) डोप दुरूप्रयोग, आयु संबंधी धोखाधड़ी, कदाचार करने पर

(vii) प्रवेश प्राप्त प्रशिक्षुओं की निगरानी, अर्द्धवार्षिक वैज्ञानिक आकलन एवं शिक्षण सहायताः

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा किया जाता है।

ख) जहां तक संभव हो, प्रविष्ट प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव द्वारा एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रणाली स्थापित करने के प्रयास अवश्य ही किए जाने चाहिएं।

ग) शैक्षणिक सत्र के साथ जोड़ने की बजाय प्रतिभा का प्रवेश एक निरंतर प्रक्रिया है ताकि भारतीय खेल प्राधिकरण किसी भी प्रतिभा को किसी भी समय सक्षम और प्रवेश के लिए पात्र पाए जाने पर प्रवेश प्रदान कर सके।

प्रदान की गई सुविधाएंः

सीईओ प्रशिक्षुओं को विशेष प्रशिक्षण के साथ–साथ के साथ साथ अत्याधुनिक सुविधाएं, उपकरण और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती हैं। प्रशिक्षुओं को मानदंडों के अनुसार उन्नत प्रकार के आवास व भोजन संबंधी सुविधाएं, खेल किट, खेल उपकरण, प्रतियोगिता अवसर, बीमा, चिकित्सा व्यय आदि उपलब्ध कराए जाते हैं।

वित्तीय मानदंड :

आवासीय प्रशिक्षु :

क्रम सं.	विवरण	राशि (₹ में)		
		राष्ट्रीय शिविर	पराक्रमरहित खेल	पराक्रमयुक्तक खेल
1.	330 दिनों के लिए राष्ट्रीय कैंपर, पॉवर व गैर पॉवर खेलों के लिए भोजन संबंधी व्यय (प्रतिदिन प्रति व्यक्ति)	450	300	350
2.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष) (अधिकतम 6000/–₹)			6000.00
3.	प्रतियोगिता अवसर (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			6000.00
4.	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)			2000.00
5.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			150.00
6.	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			850.00

गैर–आवासीय प्रशिक्षु :

क्रम सं.	विवरण	राशि (₹ में)
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	6000.00
2.	प्रतियोगिता अवसर (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	3000.00
3.	वृत्तिका (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	9000.00
4.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	150.00

वर्तमान में देश में कुल 437 प्रशिक्षुओं (219 लड़कों और 218 लड़कियों) की संख्या वाले 15 केंद्र है।

राष्ट्रीय खेल अकादमी (एनएसए) योजना

I. भारतीय खेल प्राधिकरण खेल प्रोत्साहन स्कीमों द्वारा खेल कार्यकलापों को बढ़ावा दे रहा है, जिसमें से एक योजना एसएआई राष्ट्रीय/क्षेत्रीय खेल अकादमियां हैं। एसएआई राष्ट्रीय/क्षेत्रीय खेल अकादमियां एकल विषयी उच्च नि पादन आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र हैं जिनके पास विश्व खेल प्रतियोगिताओं और ओलंपिक में भाग लेने और पदक जीतने पर फोकस के साथ

पर्याप्त वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध है।

सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभा की तलाश अखिल भारतीय आधार पर खेल प्रतियोगिताओं/चयन परीक्षाओं को आयोजित करके की जाती है और जिनको एसएआई राष्ट्रीय खेल अकादमियों में विकसित किया जाता है; इसी प्रकार क्षेत्रीय अकादमियां क्षेत्रीय स्तर पर युवा प्रतिभाओं को विकसित करती हैं।

II. प्रतिभा की पहचान और विकास भारत सरकार की नवीकृत 'खेलो इंडिया' योजना के 13 घटकों में से एक है। स्कीम के अनुसार, राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जिसमें स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, खेलो इंडिया योजना के तहत एनएसएफ़, राष्ट्रीय चेम्पियनशिप, और एसएआई का नेशनल स्पोर्ट्स टैलंट सर्च पोर्टल शामिल हैं, प्राथमिकता खेल विषयों में जिसमें देश को क्षमता/अवसर प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान के लिए एक मंच प्रदान करेंगे। पुरस्कार विजेताओं के अलावा, विधिवत रूप से गठित प्रतिभा पहचान समिति विभिन्न खेल विषयों में प्रतिभा की खोज और पहचान के लिए पूरी दुनिया में स्वीकृत वैज्ञानिक पद्धति को भी अपना सकती हैं।

खेलो इंडिया स्कूल खेल के तहत प्रतिभा की पहचान 20 विषयों अर्थात तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हॉकी, शूटिंग, स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग, रोइंग, फेंसिंग, रेसलिंग, साइकल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, जिमनास्टिक, जूडो, कबड्डी, खो–खो और टेबल टेनिस में की गई है।

सभी स्तरों पर विस्तृत विचार–विमर्श के बाद और सबंधित राष्ट्रीय खेल संघ के साथ परामर्श से नई अकादमियां शुरू की गईं और कुछ मौजूदा अकादमियों को खेलो इंडिया के तहत मान्यता दी गई।

खेलो इंडिया प्रतिभा को इन अकादमियों में एसएआई क्षेत्रीय केन्द्रों के विभिन्न स्थानों पर अपेक्षित बुनियादी ढांचा की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश दिया गया है/दिया जा रहा है. इसके अलावा कुल 1518 चिन्हित प्रतिभा में से 349 एथलीट्स को एसएआई अकादमियों, जो कि खेलो इंडिया के तहत मान्यता प्राप्त हैं, में प्रशिक्षण दिया जा रहा है. वर्तमान में 22 एसएआई राष्ट्रीय राष्ट्रीय खेल अकादमियां चालू हैं और 13 अकादमियों में काम चल रहा है जिसके बारे में आगे के पैराग्राफों में बताया गया है। कुछ अकादमियां साझेदारों के सहयोग से चल रही हैं।

क. मुख्य विशेषताएं

- अकादमियों को शुरू करने की संकल्पना प्रधान मंत्री के 100 दिवसीय कार्यक्रम के तहत की गई।
- अकादमियां ओलम्पिक 2024 और इसके बाद 2028 के लिए परियोजना और मिशन मोड में चल रही हैं।
- खेलो इंडिया प्रतिभा को अकादमियों में प्रवेश दिया गया है/दिया जा रहा है।
- अकादमियां परिणामोन्मुख हैं।
- संबंधित संघों के साथ घनि ठ संपर्क है।
- इसकी अध्यक्षता मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ)/मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जिन्हें कार्य करने की पूर्ण स्वतंत्रता है, के द्वारा की जाती है।
- प्रशिक्षुओं को घरेलु और विदेशी ज्ञानार्जन।
- विदेशी कोचों और प्रशिक्षकों का प्रावधान

एसएआई की चालू राष्ट्रीय खेल अकादमियों की सूची निम्नानुसार है :–

भारतीय खेल प्राधिकरण की चालू (प्रत्यायित) खेल अकादमियां			
संचालन भारतीय खेल प्राधिकरण की चालू खेल अकादमियां		स्थान	भागीदार/ निवेशक का नाम
क्र. सं.	अकादमी का नाम	सोनीपत, हरियाणा	
1	एसएआई राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी, सोनीपत	सोनीपत, हरियाणा	
2	एसएआई राष्ट्रीय कुश्ती (लड़के) अकादमी, सोनीपत	सोनीपत, हरियाणा	
3	एसएआई राष्ट्रीय एथलेटिक्स अकादमी, सोनीपत	सोनीपत, हरियाणा	
4	एसएआई राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी, रोहतक	रोहतक, हरियाणा	
5	एसएआई राष्ट्रीय एथलेटिक्स (मध्य और लंबी दूरी) अकादमी, (भोपाल)	भोपाल, मध्य प्रदेश	
6	एसएआई राष्ट्रीय जूड़ो अकादमी, (भोपाल)	भोपाल, मध्य प्रदेश	प्रोकैम इंटनेशनल प्रा. लि.
7	एसएआई राष्ट्रीय साइकलिंग अकादमी, गुवाहाटी	गुवाहाटी, असम	
8	एसएआई राष्ट्रीय भारोत्तोलन अकादमी, औरंगाबाद	औरंगाबाद, महाराष्ट्र	
9	एसएआई राष्ट्रीय कुश्ती (लड़कियां) अकादमी, लखनऊ	लखनऊ, उत्तर प्रदेश	
10	एसएआई राष्ट्रीय एथलेटिक्स अकादमी (स्प्रिंट्स एंड जंप्स), त्रिवेंद्रम	त्रिवेंद्रम, केरल	
11	एसएआई राष्ट्रीय नौकायन अकादमी, एलेप्पी	एलेप्पी, केरल	
12	पुलेला गोपीचंदराष्ट्रीय बैडमिंटन अकादमी, हैदराबाद	हैदराबाद, तेलंगाना	एनएसडीएफ के माध्यम से इण्डियन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कम्पनी लि.
13	एसएआई क्षेत्रीय बैडमिंटन अकादमी, भुवनेश्वर	भुवनेश्वर, ओडिसा	एनएसडीएफ के माध्यम से इण्डियन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कम्पनी लि.
14	एसएआई राष्ट्रीय एथलेटिक्स अकादमी (स्प्रिंट और पोल वॉल्ट), जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली	नई दिल्ली	

15	एसएआई राष्ट्रीय साइकलिंग अकादमी, इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर	नई दिल्ली	
16	एसएआई राष्ट्रीय हॉकी अकादमी, मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली	नई दिल्ली	एनएसडीएफ के माध्यम से कोल इण्डिया लि.
17	एसएआई राष्ट्रीय तैराकी अकादमी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर	नई दिल्ली	ग्लेनमार्क एक्वेटिक्स फाउण्डेशन
18	एसएआई राष्ट्रीय जिमनास्टिक्स अकादमी, इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर, दिल्ली	नई दिल्ली	
भारतीय खेल प्राधिकरण की चालू (अप्रत्यायित) खेल अकादमियां			
19	एसएआई क्षेत्रीय फुटबॉल अकादमी, त्रिवेंद्रम	त्रिवेंद्रम, केरल	
20	एसएआई राष्ट्रीय गोल्फ अकादमी, त्रिवेंद्रम	त्रिवेंद्रम, केरल	
21	एसएआई राष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स अकादमी, डॉ. एसपीएमएसपीसी	नई दिल्ली	
22	एसएआई क्षेत्रीय फुटबॉल अकादमी, इम्फाल	इम्फाल, मणिपुर	

ख. नई अकादमियां स्थापित किया जानाः–

वर्ष 2018–2019 (मार्च, 2019 तक) की मुख्य विशेषताएं

1. खेलो इंडिया योजना के तहत इक्कतीस (31) एसएआई खेल अकादमियों को मान्यता दी गई है. इन इक्कतीस (31) अकादमियों में अन्य नौ (9) अकादमियों के अलावा बाकी पहले से मौजूद हैं। अक्तूबर, 2018 में नौ (9) नई अकादमियां शुरू की गई हैं और शेष बारह (12) अकादमियों में कार्य चल रहा है।

2. इसके अलावा चार (4) गैर–मान्यता प्राप्त अकादमियां चालू हैं और एक (1) अकादमी में कार्य चल रहा है।

3. कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर) भागीदारी के लिए प्रस्ताव पर 51वीं शासी निकाय, एसएआई की बैठक में यह उल्लेख करते हुए सिद्धान्तः की अनुमति दी गई। "एसएआई भारत सरकार की नीति का सही प्रकार से अनुसरण करेगा और प्रस्ताव आमंत्रित कर के पारदर्शी प्रक्रिया का पालना करेगा। विस्तृत अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) को भावी भागीदारों के साथ बोली–पूर्व बैठक का संचालन करने के बाद एसएआई की वेबसाईट पर डाला जाएगी। अभिरुचि की अभिव्यक्ति में खेल कार्यकलापों के एक या एक से अधिक क्षेत्रों में सहायता करने के लिए उपयुक्त सीएसआर भागीदार के चयन के लिए सभी ब्यौरे जैसे कार्यक्षेत्र, प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, मूल्यांकन मैट्रिक्स आदि होंगे। मूल्यांकन अध्यक्ष, शासी निकाय, एसएआई के अनुमोदन से गठित समितियों, जिनके अध्यक्ष डीजी, एसएआई होंगे, के द्वारा किया जाएगा। तदनुसार, 26.12. 2018 को एसएआई की वेबसाईट पर अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) को डाला जाएगा।

प्रक्रियाधीन एसएआई राष्ट्रीय खेल अकादमियों की सूची इस प्रकार हैः–

क्र. सं.	अकादमी का नाम	स्थान
	खेलो इंडिया के तहत प्रत्यायित एसएआई अकादमी	
1.	एसएआई राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी	गुवाहाटी
2.	एसएआई राष्ट्रीय शूटिंग अकादमी (गैर आवासीय)	डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, दिल्ली
3.	एसएआई नेशनल पारा खेल अकादमी	गांधी नगर
4.	एसएआई राष्ट्रीय टेबल टेनिस अकादमी	कोलकाता
5.	एसएआई राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी,	इंफाल
6.	एसएआई राष्ट्रीय जूडो अकादमी	इंफाल
7.	एसएआई राष्ट्रीय भारोत्तोलन अकादमी,	इंफाल
8.	एसएआई राष्ट्रीय कबड्डी अकादमी (लड़कियां)	एसटीसी धर्मशाला
9.	एसएआई राष्ट्रीय खो–खो अकादमी (लड़कियां)	एसटीसी धर्मशाला
10.	एसएआई क्षेत्रीय केंद्र (लड़के) कबड्डी,	गांधीनगर
11.	एसएआई राष्ट्रीय रोइंग अकादमी,	जगतपुर
12.	एसएआई राष्ट्रीय जिमनास्टिक्स अकादमी,	कोलकाता
	एसएआई अकादमियां खेलो इंडिया के तहत गैर–प्रत्यापित	
13.	एसएआई राष्ट्रीय जल खेल अकादमी (कयाकिंग और कैनोइंग)	जम्मू और कश्मीर

ग. राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) के तहत अकादमियां

उपरोक्त के अलावा, निम्नलिखित अकादमियों को, सर्वोत्कृष्ठ खिलाडियों द्वारा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ समझौता–ज्ञापन के तहत कि एसएआई द्वारा सुविधाएँ साझा की जाएंगी, राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) से वित्तीय सहायता से स्थापित किया गया है। ऐसी अकादमियों के नाम इस प्रकार हैंः–

1. उषा स्कूल ऑफ़ एथलेटिक्स, केरल
2. एसएआई मेरी कॉम बॉक्सिग अकेडमी
3. अश्विनिन नाचप्पा एथलेटिक्स अकेडमी
4. एसएआई गोपीचंद नेशनल बैडमिंटन अकादमी (शुरुआत में बुनियादी ढांचा एनएसडीएफ कोष से विकसित किया गया था, अब येह एसएआई अकादमी के रूप में चल रही है जिसका आवर्ती व्यय एसएआई और एनएसडीएफ द्वारा किया जाता है।

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र / उप–केन्द्र

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र / उप–केन्द्र और शैक्षिक अकादमियां देश भर में इसकी खेल संवर्धन योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कोचिंग शिविरों का संचालन करना और राष्ट्रीय टीमों को सहायता प्रदान करना;
- क्षेत्र में भारतीय खेल प्राधिकरण और भारत सरकार की प्रदेशों में खेल संवर्धन योजनाओं को कार्यान्वित करना व उनकी निगरानी करना;
- एनएसएनआईएस पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षिक स्कंध के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करना;
- रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करते हुए कोचों की तकनीकी क्षमता बढ़ाना और ज्ञानवर्द्धन करना;
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करना;
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के संबंध में सभी संबधितों को संगठनात्मक सहायता, प्रलेखन और खेल विज्ञान से संबंधित जानकारी प्रदान करना;
- अन्य संगठनों / खेल निकायों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों के साथ सम्पर्क स्थापित करना तथा खेल से संबंधित विषयों की जानकारी प्रदान करना;
- विभिन्न आयु समूहों के बीच खेल प्रतिभा की पहचान करना और उन्हें अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करना; तथा
- खिलाडियों को खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

1. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनएसईसी), कोलकाता

एसएआई पूर्वी केंद्र की स्थापना कोलकाता के साल्ट लेक सिटी में 23 जनवरी 1983 को की गई थी। केंद्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में एसएआई योजनाओं के कार्यान्वयन व निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

अवसंरचना / खेलने से संबंधित सुविधाएं

यह केंद्र 42 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

केंद्र में उपलब्ध खेल और प्रशासनिक सुविधाएं निम्नानुसार हैं:

(i) आउटडोर

क्र. सं.	खेलों के लिए बुनियादी ढांचा	प्रकार	संख्या
1.	क्रैश लैण्डिंग पिट	फोमयुक्त गड्ढे	01
2.	लॉन टेनिस कोर्ट	हार्ड	02
		क्लेड	03
3.	हॉकी मैदान	एस्ट्रो टर्फ	01
		घासयुक्त	01
4.	हैंडबाल ग्राउंड		01
5.	तीरंदाजी मैदान	घासयुक्त	01
6.	फुटबॉल मैदान	घासयुक्त	02

7.	वॉलीबॉल कोर्ट	सिंडर	02
8.	बास्केटबॉल कोर्ट	कंक्रीट	04
9.	तैराकी पूल परिसर	50 मीटर × 25 मीटर	01
10.	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	फ्लड लाइट के साथ सिंथेटिक ट्रैक	01
11.	क्रिकेट मैदान	–	01
12.	कबड्डी मैदान	–	02

(ii) इंडोर

क्र. सं.	खेलों के लिए बुनियादी ढांचा	प्रकार	संख्या
1.	खेलों का हॉल (इंडोर प्रशिक्षण केन्द्र)	लकड़ी के फर्श – बास्केटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबाल, बैडमिंटन, वालीबाल, टेबल टेनिस और अन्य इंडोर खेलों के लिए	01
		आधुनिक उपकरणों से युक्त कंडीशनिंग हॉल	01
		ध्यान कक्ष	01
2.	मुक्केबाजी हॉल		01
3.	जूडो हॉल		01

(iii) छात्रावास और अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	खेलों के लिए बुनियादी ढांचा	संख्या
1.	लड़कों के लिए 80 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
2.	लड़कियों के लिए 40 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
3.	40 बिस्तरयुक्त मिलेनियम छात्रावास	01
4.	राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 200 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
5.	सम्मेलन कक्ष और केंद्रीय भण्डार के साथ प्रशासनिक ब्लॉक	
6.	निगरानी सेल के साथ नियमित डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए शैक्षणिक ब्लॉक	01
7.	खेल विज्ञान केन्द्र	01
8.	गेस्ट हाउस	07 कक्ष
9.	क्षेत्रीय निदेशक का बंगला	01
10.	स्टाफ आवास	18
11.	अत्याधुनिक कंडीशनिंग हॉल तथा स्वास्थ्य लाभ इकाई	01

शैक्षणिक कार्यक्रमः

वर्ष के दौरान, इस केंद्र में निम्नलिखित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए :–

- 15 मई से 23 जून 2018 तक विभिन्न खेल विधाओं में छह सप्ताह प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम।

2. एसएआई नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (एनएसएससी), बेंगलुरू

दक्षिणी केंद्र की स्थापना श्री कांतिरावा स्टेडियम, बेंगलुरु में 13 अप्रैल, 1974 को की गई थी और तत्पश्चात इसे 29 जुलाई 1985 को इसके वर्तमान स्थान ज्ञान भारती परिसर, बेंगलुरु विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बेंगलुरूमें स्थानांतरित कर दिया गया था। बेंगलुरू स्थित एनएसएससी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं को लागू करने व निगरानी करने के लिए जिम्मेदार है।

अवसंरचना / खेलों से संबंधित सुविधाएं

यह केंद्र 80.2 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

(क) आउटडोर सुविधाएं:

क्र. सं.	खेलों के लिए बुनियादी ढांचे	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक्स ट्रैक (400 मीटर)	सिंथेटिक सिंडर	01 01
2.	बास्केटबॉल कोर्ट	कंक्रीट	02
3.	फुटबॉल मैदान	टर्फ	01
4.	हॉकी	पोलीग्रास एस्ट्रोटर्फ	01 01
5.	खो–खो कोर्ट	क्ले	02
6.	कबड्डी कोर्ट	क्ले	02
7.	टेनिस कोर्ट	क्ले सीमेंटेड	05 01
8.	वॉलीबॉल कोर्ट	सिंडर बालूयुक्त	03 01
9.	तैराकी पूल (मुख्य डाइविंग सुविधाओं के साथ)	50 मीटर × 21 मीटर	01
10.	तैराकी पूल (लर्नर)	25 मीटर × 21 मीटर	01
11.	गोल्फ कोर्स (नौ छिद्र)	–	01
	शूटिंग रेंज	10 मीटर 25 मीटर रेंज 50 मीटर रेंज ट्रैप और स्कीट रेंज	01 01 01 01

(ख) इंडोर सुविधाएं:

परिसर – I			
खेल विधा	**आयाम**	**खेल**	**मैदानों की संख्या**
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–1	45 × 35 × 20 मीटर	वॉलीबॉल बास्केटबॉल हैन्डबोल बैडमिंटन	02 02 01 06
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–2	40 × 15 × 15 मीटर	बैडमिंटन जिमनास्टिक	04 01
भारोत्तोलन	20 × 20 × 7.5 मीटर	प्रतियोगिता हॉल प्रशिक्षण कक्ष	01 01
सामान्य कंडीशनिंग हॉल	20 × 20 × 7.5 मीटर	कंडीशनिंग	01
परिसर – II			
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–1	30 × 20 × 7.5 मीटर	तायक्वोंडो कबड्डी	01 01
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–2	20 × 15 × 5 मीटर	मुक्केबाजी	01
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–3	20 × 15 × 5 मीटर	अत्याधुनिक कंडीशनिंग हॉल	01

(ग) छात्रावास और अन्य भवन:

क्र.सं.	सुविधाओं का विवरण	संख्या
1.	राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 198 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
2.	सीओई/एसटीसी/डिप्लोमा के लिए 196 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
3.	महिलाओं के लिए 80 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
4.	प्रमुख खिलाड़ी पुरुषों के लिए 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
5.	प्रमुख खिलाड़ी महिलाओं के लिए 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
6.	स्वास्थ्य केंद्र	01
7.	प्रशासनिक/शैक्षिक भवन	01
8.	शॉपिंग परिसर	01
9.	खेल विज्ञान भवन	01
10.	अतिथि गृह	01
11.	स्टाफ क्वार्टर	91
12.	स्टाफ क्लब हाउस	01
13.	गेस्ट फ्लैट्स	12
14.	ऑडिटोरियम	01
15.	सम्मेलन कक्ष	01
16.	सेमीनार कक्ष	01

शैक्षिक कार्यक्रमः

भारतीय खेल प्राधिकरण, एन एस दक्षिणी केंद्र, बेंगलुरू द्वारा डिप्लोमा पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और अन्य खेल संबंधी पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 2018–19 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किया गयाः

विभिन्न खेल विधाओं में 17 मई से 23 जून, 2018 तक 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

लक्ष्य और उद्देश्य

1. उच्च स्तर के कोच तैयार करना
2. सेवाकालीन कोचों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का संचालन करना
3. शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और अन्यों के लिए खेल कोचिंग में 6 सप्ताह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम का संचालन करना।
4. सेमानार, सम्मेलन और क्लीनिकों का आयोजन करना
5. शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित करना
6. कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित करना

भारतीय खेल प्राधिकरण का दक्षिणी केंद्र निम्नलिखित का संचालन करता हैः

- 10 माह की अवधि का खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम जिसके पश्चात् 2 माह की इंटर्नशिप
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए जन भागीदारी के अंतर्गत 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
- भारतीय खेल प्राधिकरण के सेवाकालीन कोचों और अन्य संगठनों के कोचों के लिए उच्च स्तरीय/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
- खेल विज्ञान में लघु अवधि पाठ्यक्रम
- कार्यशालाएं और सेमीनार

राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

वर्ष भर उपयुक्त मौसम अनुकूल परिस्थितियों से संवर्धित एसएआई, एनएसएससी, बेंगलुरू अपनी वृहत अवसंरचना, वैज्ञानिक बैकअप की उपलब्धता सेविभिन्न स्तर पर राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के संचालन के लिए मुख्य क्षेत्रीय केंद्र बन गया है। ओलंपिक्स, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप तथा विभिन्न अंर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी में विभिन्न खेल विधाओं में अधिकांश राष्ट्रीय कोचिंग कैंप इस केंद्र/क्षेत्र में आयोजित किए जाते हैं।

2018–19 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का विवरणः

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	11
2.	बैडिमिंटन	05
3.	बिलियर्ड	01
4.	बास्केबाल	07
5.	मुक्केबाजी	01
6.	बीओसीसीआईए	01
7.	शतरंज	01

8.	घुड़सवारी	01
9.	फुटबाल	01
10.	हॉकी (पुरुष) जूनियर और सीनियर	21
11.	पारा ओलंपिक	03
12.	पारा पावर लिफि्टंग	02
13.	पारा तैराकी	01
14.	नौकायन	03
15.	तैराकी	03
16.	वालीबॉल	03
	कुल	65

3. एसएआई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (एनएसडब्ल्यूसी), गांधीनगर

एसएआईके पश्चिमी क्षेत्रीय मुख्यालय की स्थापना सेक्टर–15, गांधीनगर में स्थित खेल परिसर में गांधीनगर, गुजरात में की गई है जिसे गुजरात सरकार द्वारा एसएआई को दीर्घावधि लीज आध ाार (99 वर्षों के लिए) को हस्तांतरित कर दिया गया था। एसएआई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन, गुजरात और राजस्थान राज्यों को शामिल करते हुए पश्चिमी क्षेत्र में एसएआई की खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन के उद्देश्य से 29 अगस्त, 1987 को किया गया था।

1987 में, गुजरात राज्य सरकार ने एक 300 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास भवन (वर्ष 1968 में निर्मित), पृथक डाइविंग पूल (1975 में निर्मित) के साथ एक 50 मीटर के तैराकी पूल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक ट्रेक, एक स्क्वेश कोर्ट, तीन टेनिस कोर्ट, 2 फुटबॉल मैदान, 3 सीमेंटेड बास्केबॉल कोर्ट, चार कबड्डी कोर्ट, एक खो–खो कार्ट, चार वॉलीबॉल कोर्ट, एक क्रिकेट खेल मैदान, 3 हैंडबाल कोर्ट और एक ट्यूबल के साथ एसएआईको 64 एकड़ क्षेत्र वाला खेल परिसर सौंपा।

20 जुलाई, 2010 को,एसएआई एनएसडब्ल्यूसी खेल परिसर में 7.5 एकड़ भूमि सेक्टर–15, गांध ी नगर के नजदीक महात्मा मंदिर परियोजना के विकास के लिए 64 एकड़ में से गुजरात राज्य सरकार को सौंपी गई थी। अतिथि गृह (एसएआईसदन), तैराकी पूल फिल्ट्रेशन प्लांट और चारदीवारी के भाग को गिरा दिया गया था।

गुजरात सरकार ने अपनी वचनबद्धता के अनुसार गिराये गए ढांचे के एवज में एक नए तैराकी पूल (आकार 50 मीटर ग 25 मीटर ग 2.00 मीटर), नौसिखिया पूल, नए अतिथि गृह और चार दीवारी के भाग का निर्माण किया। गुजरात सरकार ने महात्मा मंदिर परियोजना के विकास के समय वापस ली गई भूमि के एवज में सेक्टर–25 में 7.5 एकड़ भूमि भी सौंपी।

1.20 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर सेक्टर 25 में चार दीवारी के निर्माण को स्वीकृति

प्रदान की गई है जिसका निर्माण सीपीडब्ल्यूडी द्वारा पूरा किया गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एसएआई, गांधीनगर सेक्टर–25 में दक्षिण एशियाई पारा केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव 50.47 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर दिनांक 28.08.2018 के स्वीकृति आदेश संख्या 5(29)/एसएआई/इन्फ्रा/ गांधीनगर /2016/खण्ड–II /368 द्वारा स्वीकृत किया गया है जिसके लिए सीपीडब्ल्यूडी, गांधीनगर को अनुमोदन संप्रेशित कर दिया गया है और सीपीडब्ल्यूडी, गांधीनगर के माध्यम से ढांचागत ड्रॉइंग तैयार की जा रही है।

वर्तमान में उपलब्ध अवसंरचना

1. सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक (पुनः बिछाया गया–2010)
2. 03 बास्केटबाल कोर्ट (सीमेंटेड)
3. 02 इंडोर बैंडमिंटन कोर्ट
4. क्रिकेट खेल मैदान (04 सीमेंट और 04 टर्फ पिचों के साथ)
5. एक फुटबाल घास का मैदान
6. एक जिम्नास्टिक हॉल
7. सिंथेटिक हॉकी मैदान – एस्ट्रोटर्फ (2009 में पुनः बिछाया गया)
8. 04 हैंडबाल कोर्ट (03 क्ले और 01 बालू)
9. 04 कबड्डी कोर्ट (03 क्ले और 01 बालू)
10. 01 खो–खो कोर्ट
11. 50 मीटर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का तैराकी पूल और नौसिख्यिा पूल12. 04 वॉलीबॉल कोर्ट
13. 03 टेनिस कोर्ट
14. 01 कुश्ती हॉल
15. बहुद्देशीय प्रशिक्षण हॉल (इंडोर)
16. 200 बिस्तरयुक्त छात्रावास – लड़कों के लिए
17. 200 बिस्तरयुक्त छात्रावास – लड़कियों के लिए
18. प्रशानिक भवन
19. आरडी आवास सहित अतिथि कक्ष (प्रथम तल)

2010 सीडब्ल्यूजी के अंतर्गत सृजित नई अवसंरचना

1. राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 100 बिस्तुरयुक्त छात्रावास (प्रमुख खिलाड़ी छात्रावास)
2. आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र
3. खेल विज्ञान केंद्र
4. योग कक्ष

शैक्षिक कार्यक्रमः

भारतीय खेल प्राधिकरण, एनएस दक्षिणी केंद्र, बेंगलुरू डिप्लोमा पाठ्यक्रम, प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम और खेलों से संबंधित अन्य पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। 2018–19 में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित किए गएः

विभिन्न खेल विधाओं में 17 मई से 23 जून, 2018 तक 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

4. एसएआई उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य केंद्र, भोपाल

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष केंद्रीय केंद्र की स्थापना, सब जूनियर/जूनियर खेल प्रतिभाओं के उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता के विकास हेतु व्यवस्थित ढंग से और वैज्ञानिक तरीके से पोषण करने के लिए अप्रैल, 1988 में की गई थी। 5 राज्य नामतः दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ इसके क्षेत्राधिकार में थे। वर्ष 2000 में शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, एसएआई मध्य क्षेत्रीय केंद्र को 6 जून, 2001 में भोपाल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

दिनांक 18 मार्च, 2002 के शासी निकाय के निर्णय के अनुसार, इस केंद्र को 17 अप्रैल, 2002 को "उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य क्षेत्रीय केंद्र" के रूप में पुनः नामित किया गया।

भोपाल में एसएआई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला है और यह भूमि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दी गई थी। इस केंद्र को सितंबर, 2005 में क्रियाशील बनाया गया था, इसमें 144 बिस्तरयुक्त छात्रावास, एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान (2), बहुद्देशीय हॉल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक्स ट्रेक, बास्केटबॉल, वालीबॉल, फुटबॉल मैदान हैं।

एसएआईमध्य केंद्र का कार्यालय शामला हिल्स से एसएआई खेल परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया है और इसने 2007 से एसएआई खेल परिसर, ग्राम–गोरा, बिशनखेड़ी, भोपाल से कार्य करना आरंभ कर दिया है।

शासी निकाय के राज्यों के पुनर्वितरण संबंधी निर्णय, 2009 के अनुसार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड का प्रशासनिक नियंत्रण साई नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ को आबंटित कर दिया गया है। बाकी तीन राज्य अर्थात् मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दिल्ली एसएआई उधव दास मेहता (भाई जी) मध्य क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल के पास रहे। इसके अतिरिक्त, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली की अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली राज्य को भी एसएआई उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत के साथ जोड़ा गया है और तदनुसार एसएआईमध्य क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल में 2 राज्य रह गए हैं अर्थात् मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़।

सीआरसी भोपाल में उपलब्ध अवसंरचना

केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं जो राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों, उत्कृष्टता –केन्द्र (सीओई), राष्ट्रीय एथलेटिक अकादमी(एनएए), और (एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र)(एसटीसी)/विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी) स्कीमों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं।

खेल मैदान सुविधाएं:–

i. सिंथेटिक हॉकी मैदान (दो), फ्लडलाइट सुविधा के साथ एक ब्लू टर्फ और खिलाड़ियों सुविधा भवन तथा घास का हॉकी मैदान

ii. 03 बास्केबाल सीमेंटेड कोर्ट (आउटडोर)

iii. बाड़ायुक्त 03 वालीबाल कोर्ट (क्ले)

iv. एक घासयुक्त फुटबाल मैदान

v. घास के फुटबाल मैदान के साथ सिंडर एथलेटिक ट्रेक (400 मीटर)

vi. जॉगिंग ट्रैक (2.7 किलोमीटर)

vii. वुशू अखाडे (संशाउ और ताओलू)/कबड्डी अखाडे/ताइकबांडू/जूडो अखाडें, बॉक्सिंग रिंग 03 और एक मल्टीजिम के साथ मैपल वुड फ्लोरिंग वाला बहुद्देशीय हॉल (1 बड़ा और 2 छोटे हॉल)

viii. सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक

ix. आउटडोर सेंड बॉक्सिंग रिंग

छात्रावास:

i) 144 बिस्तरयुक्त डोरमेट्री छात्रावास (मुख्य हॉस्टल संख्या 1)

ii) वातानुकुलित सुविधा के साथ 52 बिस्तरयुक्त (महिला) छात्रावास (छात्रावास संख्या 2)

iii) वातानुकुलित सुविधा के साथ 52 बिस्तरयुक्त (पुरुष) छात्रावास (छात्रावास संख्या 3)

iv) एसी सुविधाओं के साथ 48 बिस्तरयुक्त छात्रावास(छात्रावास संख्या 4)

v) 32 आवासीय क्वार्टर (16 टाइप–II, 16 टाइप–III), 04 अतिथि गृह (टाइप–IV) और आवासीय बंगला – 01 (टाइप–V)

अन्य अवसंरचनागत सुविधाएं:–

i) खेल विज्ञान केंद्र

ii) आधुनिक स्वस्थता केंद्र और योग केंद्र

iii) प्रशासनिक ब्लॉक

iv) चेंजिंग कक्ष

v) सुविधा शॉपिंग केंद्र

vi) अपरि कृत जल सुधार के लिए फिल्ट्रेशन प्लान

vii) सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक के लिए सम्पर्क रोड और पार्किंग

viii) बिलियर्ड कक्ष, टेबल टेनिस हॉल, हाई मास्ट सिक्युरिटी लाइटिंग

ix) सौना बाथ 10 सीटर और 02 सीटर

x) नए बिछाए गए सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक में चेंज कक्ष –सह– भण्डार –सह –कार्यालय

प्रगतिरत कार्य

1. राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 100 बिस्तर युक्त छात्रावास
2. तैराकी पूल (25 मीटर ग 16 मीटर)
3. सीआरसी भोपाल में मैदान संख्या 2 सिंथेटिक हॉकी सर्फेस बिछाना

राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

एसएआई मध्य क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल में 2018 के दौरान भारत तथा विदेशों में विभिन्न अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए विभिन्न राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन किया गया। विधा–वार आयोजित कैंप निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	मुक्केबाजी	01
2.	हॉकी	03
3.	कायाकिंग एवं केनोइंग	03
4.	कराटे	01
5.	निशानेबाजी	01
6.	वालीबॉल	01
7.	वुशू	05
	कुल	15

5. एसएआई चौधरी देवी लाल उत्तर क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत

एसएआई एनआरसी, सोनीपत का संक्षिप्त परिचय

जिला सोनीपत में जीटी रोड (भालगढ़ के नजदीक) में स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण, चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़–दिल्ली राजमार्ग पर 83 एकड़ भूमि में फैला है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रशिक्षण अवसंरचना अर्थात् प्रशासनिक ब्लॉक, एसी और गैर–एसी छात्रावास, दो बड़े इंडोर बहुद्देशीय हॉल, तैराकी पूल, घासयुक्त और सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, घासयुक्त और सिंथेटिक हॉकी मैदान, तीरंदाजी, फुटबाल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी मैदान और खेल विज्ञान केंद्र तथा आवासीय क्वार्टर इत्यादि हैं। यह हरियाणा राज्य में विशेषकर, कुश्ती, मुक्केबाजी, तीरंदाजी और कबड्डी की विधाओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए एसएआई /एमवाईएएस का सर्वाधिक प्रतिष्ठित केंद्र है।

2009 से, इस केंद्र की,एसएआई द्वारा कुश्ती के संभावित खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, विभिन्न प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए भारतीय टीमों की तैयारी हेतु एक हब के रूप में पहचान की गई है। इस केंद्र ने ओलंपिक पदक विजेता जैसे कि कुश्ती में श्री सुशील कुमार

और श्री योगेश्वर दत्त, मुक्केबाजी में विजेन्दर सिंह, तीरंदाजी (कंपाउंड) में अभिषेक वर्मा तैयार किए हैं। इसके अतिरिक्त, कुश्ती, हॉकी, कबड्डी, तीरंदाजी, साइकलिंग, मुक्केबाजी की विधाओं में बड़ी संख्या में खिलाड़ी है जिन्होंने उत्तरी क्षेत्रीय केंद्रों में विभिन्न ईकाइयों में प्रशिक्षण लेते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त की है।

अवसरंचना/खेल सुविधाएं

एसएआई चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

(क) आउटडोर

क्र.सं.	खेल अवसंरचना	टाइप	संख्या
1.	तीरंदाजी मैदान	70 मीटर	01
2.	एथलेटिक ट्रेक	सिंथेटिक (अधिगृहित किया जाना शेष है) घासयुक्त	01 01
3.	बास्केटबाल कोर्ट	सीमेंटेड	02
4.	मुक्केबाजी	इंडोर हॉल	01
5.	फुटबाल मैदान	घास	01
6.	हॉकी मैदान	सिंथेटिक घासयुक्त	01 01
7.	हैंडबाल	घासयुक्त	01
8.	जूडो इंडोर हॉल		01
9.	कबड्डी कोर्ट	मिट्टीयुक्त	01
10.	फुटबाल मैदान	घासयुक्त	01
11.	वालीबाल मैदान	मिट्टी रेत	01 01

(ख) इंडोर

क्र.सं.	खेल अवसंरचना	टाइप	संख्या
1.	बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–I	06 कुश्ती मैट, टेको जिम, सोना बाथ, स्टीम बाथ और आइस चिलर बाथ के लिए सुविधाओं सहित	01
2.	बहुउद्देशीय हॉल–II	04 कुश्ती मैट, सौना बाथ, जाकूजी हेतु सुविधाओं सहित	01
3.	मल्टी जिम	आधुनिक उपकरण सहित	01

(ग) छात्रावास और अन्यं सुविधाएंः

क.सं.	विवरण	संख्या
1.	90 बिस्तरयुक्त लड़कों का छात्रावास	01
2.	90 बिस्तरयुक्त लड़कियों का छात्रावास	01
3.	200 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
4.	प्रशासनिक कार्यालय	01
5.	सम्मेलन कक्ष	01
6.	स्टाफ क्वाटर	35
7.	अतिथि कक्ष	01
8.	खेल विज्ञान केंद्र	01
9.	स्वास्थ्य केंद्र	01
10.	तैराकी पूल	02

6. चंडीगढ़ में एसएआई क्षेत्रीय केंद्र

भारतीय खेल प्राधिकरण, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ को मार्च, 2009 में भालगढ़, सोनीपत से चंडीगढ़ में स्थानांतरित कर दिया गया था।

वर्तमान में, इस केंद्र का अपना स्वयं का परिसर नहीं है और यह केवल कार्यालय उद्देश्य के लिए हॉकी स्टेडियम, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा प्रदत्त स्थान से चल रहा है। इस क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ है।

पंजाब सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्ण रूप से विकसित क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए जिरकपुर में 73 बीघा 06 बिसवा भूमि प्रदान की है।

निगम परिसर, जिरकपुर, एसएआई और निदेशक (खेल), पंजाब सरकार के बीच 19 नवंबर, 2013 को समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया।

राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

2018 के दौरान भारत और विदेश में विभिन्न अन्य अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में एसएआई मध्य क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़ में निम्नलिखित राष्ट्रीय कोचिंग कैंप आयोजित किए गए। विधावार आयोजित कैंपः

क्र.सं.	विधा	कैंपों की संख्या
1	पेनकैक सिलाट	01

7. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में खेल क्षेत्र की प्रतिभाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण शिविरों और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए खेल सुविधाएं प्रदान करने हेतु पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए दिनांक 15 सितम्बर 1986 को ताक्येल, इम्फाल में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल क्षेत्रीय केंद्र संस्थान की स्थापना की गई थी। यह केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड

राज्यों में एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

अवसंरचना / खेल सुविधाएं

64 एकड़ क्षेत्र में स्थापित इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं हैं :

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	हॉकी मैदान	सिंथेटिक	01
2	फुटबॉल मैदान	घासयुक्त	03
3	एथलेटिक मैदान	सिंथेटिक	01
4	हैंडबाल कोर्ट	आउटडोर	01
5	तीरंदाजी मैदान	घासयुक्त	01
6	बास्केटबॉल कोर्ट	–	01
7	वॉलीबॉल कोर्ट	–	02
8	नौकायन नहर	–	01
9	लॉन टेनिस कोर्ट	–	03
10	कबड्डी कोर्ट	घासयुक्त	01
11	सेपकटक्रा कोर्ट	आउटडोर	01
12	तायक्वोंडो	–	01
13	शूटिंग रेंज	–	01
14	तैराकी और डाइविंग पूल	–	01
15	जिमनैजियम	–	01

(ख) इंडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	बहुउद्देशीय हॉल (हैंडबाल, कबड्डी, पट्टेबाजी प्लेटफार्म, सेपकटाक्रा और ताइक्वांडो के लिए सुविधाएं)	54.6 × 30 × 12.5 मीटर	04
2	भौतिक पुनर्वास और खेल चिकित्सा सुविधाओं को तैयार करना		03
3	मुक्केबाजी रिंग, एक मल्टी जिम और कुछ भारोत्तोलन प्रशिक्षण उपकरणों के लिए (दीमापुर में) स्थापित इनडोर हॉल		01

(ग) छात्रावास और अन्य सुविधाएं:

क्र. सं.	विवरण	संख्या
1	लड़कों का 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास (एसटीसी इम्फाल में)	01
	लड़कियों का 50 बिस्तरयुक्त छात्रावास (एसएआई ताक्येल में)	01
	100 बिस्तरयुक्त छात्रावास (एसएजी उत्लौ में)	01
	175 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01

2	डायनिंग हॉल	01
3	मनोरंजन हॉल	01
4	कार्यालय कक्ष (लघु)	01
5	स्टाफ क्वार्टर, टाइप–अ	27
6	गेस्ट हाउस	01
7	प्रशासनिक ब्लॉक	01

8. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ की स्थापना वर्ष 2004 में लखनऊ में की गई थी। इस केंद्र का उद्‌घाटन 23 फरवरी, 2004 को भारत के तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) द्वारा की गई थी। वर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त 52 एकड़ भूमि में फैला है। इस केंद्र में प्रमुख खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी आधुनिक अवसंरचना, खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यह केंद्र मार्च, 2009 तक केंद्रीय केंद्र भोपाल के अधिकार क्षेत्र के तहत था। भोपाल से अलग होने के पश्चात् यह केंद्र 1 अप्रैल, 2009 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है। फरवरी, 2013 में इस केंद्र को दो राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, जो देश की लगभग 22 प्रतिशत जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करते हैं, के अधिकार क्षेत्र के साथ एक स्वतंत्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। एसएआई क्षेत्रीय केंद्र को सभी श्रेणियों में विशेषकर महिला कुश्तीऔर अन्य विधा जैसे जूडो, हैंडबाल, कबड्डी, टेबल टेनिस में राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के आयोजन के लिए नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

अवसंरचना / खेल संबंधी सुविधाएं

65 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं हैं :

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	सिंथेटिक	01
2.	एथलेटिक ट्रैक 200मीटर	रेतिला	01
3.	हॉकी फील्ड	सिंथेटिक सफैस	01
4.	हॉकी मैदान	घासयुक्त	01
5.	फुटबाल मैदान	घासयुक्त	01
6.	वॉलीबॉल मैदान	क्ले	02
7.	कबड्डी मैदान	क्ले	02
8.	बास्केटबॉल कोर्ट	सीमेंट युक्त	02
9.	हैंडबाल कोर्ट	घासयुक्त	01
10.	खो–खो मैदान	घासयुक्त	02
11.	क्रिकेट की पिचें	सीमेंटयुक्त	02
12.	तैराकी पूल	50 मी. × 25 मी.	01

(ख) छात्रावास और अन्य सुविधाएं

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1	80 बिस्तरयुक्त छात्रावास (लड़कों के लिए)	01
2	80 बिस्तरयुक्त छात्रावास (लड़कियों के लिए)	01
3	राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
4	प्रशासनिक ब्लॉक	01
5	बहुउद्देशीय हॉल	01
6	मुक्केबाजी हॉल	01
7	तायक्वोंडो हॉल	01
8	जूडो हॉल	01
9	स्वस्थता केंद्र	01
10	योग/तायक्वांडो हॉल	01
11	खेल चिकित्सा केंद्र	01
12	चिकित्सा केंद्र	01
13	स्टाफ क्वार्टर	11
14	चेंज रूम	01
15	स्टीम बाथ	01
16	सौना बाथ	01

9. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों और खेल कूद को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से, भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में एसएआई नॉर्थ ईस्ट क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल के तहत गुवाहाटी में अपने उप केंद्र की स्थापना की थी। जनवरी वर्ष 2013 में उप केंद्र, गुवाहाटी को क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के रूप में प्रौन्नत कर दिया गया। विभिन्न एसएआई संवर्धन योजनाएं चार पूर्वी राज्यों नामतः असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम, जो इस केन्द्र के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, में प्रचालनरत हैं।

अवसंरचना / खेल संबंधी सुविधाएं

9.3 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

क. आउटडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	सिंथेटिक	01
2	मुक्केबाजी शेड	–	01
3	टेनिस कोर्ट	सिंथेटिक	02
4	फुटबॉल का मैदान	–	01

ख. इंडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	बहुउद्देशीय हॉल	52 मीटर ग 25 मीटर	01
2	बहु जिम तथा भारोत्तोलन के लिए लघु हॉल	25 मीटर ग 15 मीटर	01

ग. छात्रावास और अन्य सुविधाएं:

क्र. सं.	विवरण	संख्या
1	82 बिस्तरयुक्त लड़कियों के लिए छात्रावास	01
2	68 बिस्तरयुक्त लड़कों के लिए छात्रावास	01
3	खेल विज्ञान यूनिट	01
4	ग्रैंड स्टैंड–सह–प्रशासनिक ब्लॉक	01
5	कार्यालय कक्ष	02
6	डायनिंग हॉल	01
7	मनोरंजन हॉल	01

10. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना वर्ष 1989 में महाराष्ट्र में खेलों के समग्र संवर्धन और विकास के प्राथमिक उद्देश्यों से की गई थी। खेल छात्रावास की स्थापना के लिए एसएआई को परिसर और अन्य सुविधाएं सौंपने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त 1989 को एक समझौते को निष्पादित किया गया था।

एसएआई आरसी मुम्बई ने जून, 2015 से महाराष्ट्र, गोवा राज्यों और दमन एवं दीव तथा दादर नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों के साथ स्वतंत्र रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया। 29 अप्रैल, 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए नागपुर में 140 एकड़ भूमि सौंपी:

I. अवसंरचना / खेल संबंधी सुविधाएं

37 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं हैं :

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	संख्या
1	लड़कों के लिए छात्रावास भवन	02
2	लड़कियों के लिए छात्रावास भवन	01
3	स्वास्थ्य केंद्र	01
4	डायनिंग हॉल/मैस/रसोई	01
5	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	01
6	एस्ट्रोक–टर्फ हॉकी मैदान	01
7	जूडो हॉल	01
8	मुक्केबाजी अखाडा	01

9	स्क्वैश कोर्ट	01
10	सिंथेटिक सर्फेस आउटडोर बास्केटबॉल कोर्ट	01
11	हैंडबाल अखाड़ा (एक कोर्ट) क्ले	01
12	कबड्डी का अखाड़ा (2 कोर्ट) क्ले	01
13	प्रशासनिक ब्लॉक	01
14	लॉन टेनिस क्ले कोर्ट	01
15	टेबल टेनिस हॉल	01
16	स्टाफ क्वार्टर	04
17	कुश्ती हॉल	01

II. अवसंरचना परियोजनाएं

क्र. सं.	अवसरचना परियोजनाएं	स्थिति
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण कांदीवली में राजमार्ग के साथ चारदीवारी का निर्माण	पूरा किया गया
2.	कांदिवली में शेष चारदीवारी का निर्माण	80 प्रतिशत पूरा किया गया
3.	एसएआई कांदिवली में अतिरिक्त कमरों के साथ लड़कों के छात्रावास का नवीनीकरण	चरण 1 और चरण 2 पूरे
4.	एसएआई कांदिवली में अतिरिक्त कमरे (6 कमरे पहली मंजिल) के साथ लड़कों के छात्रावास का नवीनीकरण	प्रगतिरत
5.	नेशनल कैंपर्स हॉस्टल की मरम्मत /नवीनीकरण और एक और मंजिल का निर्माण	पूरा किया गया
6.	पुराने कुश्ती हॉल तथा एक और मंजिल का निर्माण	1) एक तल बढाने का प्रस्ताव दिया गया परन्तु इसे अभी अनुमोदित नहीं किया गया। 2) पुराने कुश्ती हॉल का नवीकरण किया गया, इसे पूरा किया गया और सौपा गया है।
7.	कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र, औरंगाबाद में 50 मीटर × 25 मीटर आकार के तैराकी पूल का निर्माण	डब्ल्यूडीसी औरंगाबाद में तैराकी पूल के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।
8.	कांदिवली में लड़कों का छात्रावास –बी की मरम्मत, नवीनीकरण	प्रगतिरत
9.	कांदिवली में मुक्केबाजी अखाड़े के लिए उन्नयन	प्रगतिरत
10.	छोटे टीटी हॉल की मरम्मत, नवीनीकरण	पूरा किया गया
11.	कांदिवली में टिन शेड वाले कबड्डी ग्राउंड का निर्माण	पूरा किया गया

III. शैक्षिक कार्यक्रम

एसएआई डब्ल्यूटीसी औरंगाबाद में 10 विधाओं में 16 मई, 2018 से 24 जून, 2018 तक 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम कार्यक्रम 2018–19 का आयोजन किया गया

भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक संस्थान

दो शैक्षणिक संस्थान, खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में एक–एक, नामतः नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम, एसएआई के तहत कार्य कर रहे हैं।

1 नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्घाटन 7 मई 1961 को देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के एक युग का सूत्रपात करने के लिए किया गया था। वर्ष 1973 में, यह संस्थान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को समर्पित किया गया था। वर्ष 1987 में एसएआई और एसएनआईपीईएस के विलय के पश्चाात, यह संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण का शैक्षणिक स्कंध बन गया। इसे एशिया का एक प्रमुख खेल संस्थान माना जाता है। यह संस्थान मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है। संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

1. खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लघु और दीर्घावधि के शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित करना।
2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के आयोजन के माध्यम से कोचों की सक्षमता बढ़ाना।
3. अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रमुख खिलाड़ियों हेतु राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन करना।
4. उच्च स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए प्रमुख खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
5. खेल संबंधित विषयों पर सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
6. विशेषज्ञों के माध्यम से खेल के बुनियादी ढांचे से संबंधी जानकारी और परामर्श के स्रोत के रूप में सेवा प्रदान करना।
7. एसएआई की खेल सवंर्धन योजनाओं को लागू करना।
8. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
9. भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेल प्रतिभा को निखारने हेतु उसकी पहचान करना।

I. शैक्षणिक कार्यक्रम

1. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा पटियाला और बेंगलुरू, कोलकाता तथा तिरुवनंतपुरम स्थित तीन शैक्षिक उप केंद्रों में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

पटियाला में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में सतरह खेल विधाओं में डिप्लोमा का संचालन किया जा रहा है जैसे कि एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, क्रिकेट, साइकलिंग, पटेबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, तैराकी, टेबल टेनिस, वालीबॉल, भारोत्तलन, कुश्ती, वुशू और योग। कुल मिलाकर, 318 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

बेंगलुरू में 10 खेल विधाओं जैसे कि एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, सॉफ्टबॉल,

तैराकी, तायक्वांडो, टेनिस और वॉलीबॉल में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा का संचालन किया जा रहा है। कुल मिलाकर, 116 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

कोलकाता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, फुटबाल और जिमनास्टिक की पांच खेल विधाओं में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा दिया जा रहा है। कुल मिलाकर 97 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

तिरुवनंतपुरम में नौकायन, क्याकिंग और केनोइंग में कोचिंग में डिप्लोमा संचालित किया जा रहा है। कुल मिलाकर, तिरुवनंतपुरम में इस कोचिंग पाठ्यक्रम में 24 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया।

सत्र 2018–19 के लिए पटियाला और इसके तीन उप केन्द्रों में 26 खेल विधाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए कुल मिलाकर 545 प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले रहे हैं। 1961 से अब तक 19863 व्यक्ति इस कार्यक्रम के तहत पात्र हुए हैं।

2. खेल कोचिंग में एम.एससी.

यह दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला के साथ संबद्ध है, और इसका संचालन संस्थान द्वारा केवल पटियाला केंद्र में ही किया जाता है। वर्ष 2017–2019 के दौरान एथलेटिक्स और तैराकी की दो खेल विधाओं में एम.एससी. खेल कोचिंग में सात छात्र अध्ययन कर रहे हैं। 2017 तक एम.एससी. खेल कोचिंग में 214 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम वर्ष 1979 में 10 खेल विधाओं में आरंभ किया गया था।

3. खेल कोचिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा विभिन्न एसएआई शैक्षिक केन्द्रों: एनआईएस, पटियाला, एसएआई एनएस पश्चिमी केन्द्र, औरंगाबाद, एलएनसीपीई, थिरुवनंतपुरम, एसएआई एनएस दक्षिणी केन्द्र, बेंगलुरु, एसएआई एनएस ईस्टर्न सेंटर, कोलकाता, और एसएआई एसटीसी, ट्रेनिंग सेंटर, कांदिवली (ई), मुंबई, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, गुंटूर (आंध्र प्रदेश), श्री रामास्वामी मेमोरियल (एसआरएम) यूनिवर्सिटी, कांचीपुरम (तमिल नाडु), एनबीए, रोहतक, केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर, बीएचयू वाराणसी (उत्तर प्रदेश), सिंघानिया यूनिवर्सिटी, झुंझुनू (राजस्थान), एसएआई ट्रेनिंग सेंटर, हैदराबाद (तेलंगाना), एसएआई एनएससी, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स (एसजीएस) यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, तमिल नाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई (तमिल नाडु) में 15 मई से 23 जून 2018 तक जन शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्पोर्ट्स कोचिंग में छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया गया था। कुल मिलाकर 1429 छात्रों ने 27 खेल विषयों के पाठ्यक्रम में भाग लिया. एनआईएस पटियाला द्वारा विभिन्न एसएआई शैक्षिक केन्द्रों: एसएआई एनएसईसी, कोलकाता, एसएआई एनएस पश्चिमी केन्द्र, औरंगाबाद, एसएआई एनबीए रोहतक, आचार्य नागार्जुन यूनिवर्सिटी, गुंटूर (आंध्र प्रदेश), केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर सिंघानिया यूनिवर्सिटी, झुंझुनू (राजस्थान), श्री रामास्वामी मेमोरियल (एसआरएम) यूनिवर्सिटी, कांचीपुरम (तमिल नाडु) और तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, चेन्नई (तमिल नाडु) में 24 दिसंबर, 2018 से 31 जनवरी, 2019 तक जन शिक्षा कार्यक्रम के तहत स्पोर्ट्स कोचिंग में छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन किया गया था. उपरोक्त केन्द्रों पर कुल मिलाकर 455 छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

1	24 डिप्लोमा प्रशिक्षुओं ने 01.05.2018 से 13.05.2018 तक एएफसी द्वारा संचालित 13 दिवसीय एएफसी लाइसेंस कोचिंग कोर्स पूरा किया।
2	06 अभ्यर्थियों ने 07.05.2018 से 11.05.2018 तक पूल तैराकी में लाइफ गार्ड हेतु 05 दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम (सर्टिफिकेट का नवीकरण) पूरा किया।
3	07 अभ्यर्थियों ने 01.05.2018 से 21.05.2018 तक स्पोर्ट्स मसाज में तीन सप्ताह का कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
4	25 डिप्लोमा प्रशिक्षुओं ने 19.05.2018 से 30.05.2018 तक आईएएएफ सीईसीएस लेवल–1 पाठ्यक्रम पूरा किया।
5	03 अभ्यर्थियों ने 15.05.2018 से 11.06.2018 तक तैराकी पूल स्विमिंग में लाइफ गार्ड हेतु चार सप्ताह का कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
6	06 अभ्यर्थियों ने 15.05.2018 से 23.06.2018 तक स्पोर्ट्स साइंसेज फॉर ओलिंपियन/पारा ओलिंपियन कोच में छह सप्ताह का विशेष सर्टिफिकेट कोर्स पूरा किया।
7	03 अभ्यर्थियों ने 15.05.2018 से 11.06.2018 तक पूल स्विमिंग में लाइफ गार्ड हेतु चार सप्ताह का कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
8	06 अभ्यर्थियों ने 15.05.2018 से 23.06.2018 तक स्पोर्ट्स साइंसेज फॉर ओलिंपियन/पैरा ओलिंपियन कोचेस में छह सप्ताह का विशेष सर्टिफिकेट कोर्स पूरा किया।
9	21.06.2018 को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया. लगभग 900 (राष्ट्रीय कैम्पर्स, एसटीसी छात्रों, कोचों, और स्टाफ सदस्यों) ने इसमें भाग लिया।
10	11 सीआरपीएफ जवानों ने 23.07.2018 से 17.08.2018 तक तैराकी पूल स्विमिंग में लाइफ गार्ड हेतु चार सप्ताह का कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
11	15 सीआरपीएफ जवानों ने 20.08.2018 से 15.09.2018 तक तैराकी पूल स्विमिंग में लाइफ गार्ड हेतु चार सप्ताह का कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
12	15 सीआरपीएफ जवानों ने 20.08.2018 से 15.09.2018 तक तैराकी पूल स्विमिंग में लाइफ गार्ड हेतु चार सप्ताह का कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
13	15 व्यक्तियों ने 24.09.2018 से 13.10.2018 तक स्पोर्ट्स मसाज में तीन सप्ताह का कौशल विकास कायक्रम पूरा किया।
14	19 व्यक्तियों 15.10.2018 से 03.11.2018 तक पर्सनल फिटनेस ट्रेनिंग में तीन सप्ताह का कौशल विकास कायक्रम पूरा किया।
15	10 व्यक्तियों ने 12.11.2018 से 16.11.2018 तक जिम मैनेजमेंट में 5 दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
16	03 व्यक्तियों ने 13.11.2018 से 15.11.2018 तक सर्टिफिकेट के नवीकरण (तैराकी पूल स्विमिंग में लाइफ गार्ड–15) के लिए 03 दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम पूरा किया।
17	18 कोचों ने 02.12.2018 से 14.12.2018 तक वेटलिफ्टिंग में दो सप्ताह का आईओसी सॉलिडेरिटी इंटरनेशनल कोचिंग कोर्स पूरा किया।

II. राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

यह संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पटियाला में प्रमुख खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन करता है। वर्ष 2018 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	04
2.	मुक्केबाजी	03
3.	साइकलिंग	03
4.	पटेबाजी	01
5.	फुटबाल	01
6.	हैंडबाल	02
7.	जुड़ो	01
8.	टेबल टेनिस	06
9.	वॉलीबॉल	03
10.	भारोत्तोलन	09
11.	वुशू	01
कुल		34

एन एस एनआईएस पटियाला में अवसंरचना / खेल सुविधाएं

आउटडोर

क्र. सं.	खेल सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	एथलेटिक ट्रैक	सिंथेटिक	01
2	एथलेटिक ट्रैक	सिंडर	01
3	एथलेटिक ट्रैक	घासयुक्त	01
4	बास्केटबॉल कोर्ट		04
5	क्रिकेट मैदान		01
6	फुटबॉल मैदान	घासयुक्त	02
7	हैंडबाल मैदान		04
8	हॉकी मैदान	सिंथेटिक	01
9	हॉकी मैदान	घासयुक्त	03
10	तैराकी पूल		01
11	टेनिस कोर्ट		04
12	वेलोड्रोम		01
13	वॉलीबॉल कोर्ट		04
14	बालूयुक्त रनिंग सर्किट		01
15	क्रॉस कंट्री कोर्स		01
16	गोल्फ कोर्स	9 छिद्र	01

इंडोर

क्र. सं.	खेल सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	कुश्ती और भारोत्तोलन हॉल	75 × 13.4 × 5 मीटर	01
2	मुक्केबाजी और टेबल टेनिस हॉल	55 × 21.20 × 5 मीटर	01
3	बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हैंडबॉल और वॉलीबॉल के लिए इंडोर हॉल	65 × 27 × 12.5 मीटर	प्रत्येक के लिए 01
4	जूडो हॉल	15 × 21 × 5 मीटर	01
5	जिमनैजियम हॉल	32 × 21 × 5 मीटर	01

2 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), करियावट्टोम, तिरुवनंतपुरम युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में 17 अगस्त 1985 को अस्तित्व में आया। 1 मई, 1987 को एसएनआईपीईएस के भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ विलय से यह कॉलेज नेताजी सुभाषराष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, ग्वालियर के समकक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक स्कंध का एक भाग बन गया। यह कारियावट्टोम, जंक्शन, तिरुवनंतपुरम से 1 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 47 के उत्तरी ओर केरल विश्वविद्यालय कारियावट्टोम कैंपस से प्राप्त50 एकड़ भूखंड पर स्थापित किया गया।

(1) प्रमुख उद्देश्यः

1. शारीरिक शिक्षा, खेल और खेलकूद क्षेत्रों के साथ–साथ संबद्ध क्षेत्रों में अत्यंत सक्षम और कुशल नेतृत्व, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्वानों और प्रशासकों को तैयार करना।
2. शारीरिक शिक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में कार्य करना।
3. भारतऔर विदेशों में कहीं भी अन्य शारीरिक शिक्षा के अन्य संस्थानों के लिए तकनीकी, व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
4. इसक्षेत्र में लोगों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और रोजगार सेवाएं प्रदान करना
5. बड़े पैमाने पर शारीरिक शिक्षा गतिविधि के कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।
6. राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग शिविरों के लिए बुनियादी ढांचे, भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ इस कॉलेज को एसएआई की चालू योजनाओं का केंद्र बनाना।
7. विभिन्न एसएआई खेल संवर्धन योजनाओं के लिए प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराना।

संचालित पाठ्यक्रमः

केरल विश्वविद्यालय से संबद्ध यह कॉलेज निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है:

- शारीरिक शिक्षा स्नातक (4 वर्ष),
- शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर (2 वर्ष),
- एम.फिल.
- नियमित पीएच.डी.
- अंशकालिक पीएच.डी.

- खेल कोचिंग में एनआईएस डिप्लोमा (जल क्रीड़ाएं)

अन्य कार्यक्रमः

यह संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है:

1. खेल कोचिंग में छह सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
2. राज्य / राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण के लिए कोचिंग शिविर
3. सेवाकालीन शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
4. पे एण्ड प्ले योजना
5. आओ और खेलो योजना
6. आम जनता के लिए भुगतान पर स्वास्थ्य और स्वस्थता कार्यक्रम

छात्र संख्याः

क्र.सं.	कक्षा	बालिका	बालक	कुल
1	बीपीएड VII (4 वर्ष)	17	26	43
2	बीपीएड I (2 वर्ष)	07	24	31
3	एमपीई प्रीवियस	11	11	22
4	एमपीई फाइनल	08	14	22
		43	**75**	**118**
5	एनआईएस डिप्लोमा	04	20	24
6	एम.फिल.	01	03	04
	कुल	48	98	146

(2) एसएआई योजनाएंः

अवसंरचना के प्रभावी और इष्टतम उपयोग के लिए,एसएआई योजनाएं भी चलाता है जैसे कि एसीटीसी और उत्कृष्टता केंद्र को 2000–01 में डे बोर्डिंग योजनाओं के रूप में आरंभ किया गया था जिन्हें बाद में बोर्डिंग योजनाओं में परिवर्तित कर दिया गया। वर्ष 2012 से केरल, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में सभी योजनाएं (वर्तमान में 8 एसटीसी, 3 एसएजी, 3 सीओई और 17 विस्तार केंद्र) प्रधानाचार्य, एलएनसीपीई के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

संस्थान निम्न का संचालन भी करता है:

1) राष्ट्रीय एथलेटिक्स अकादमी (कूद और दौड़) – एलएनसीपीई, त्रिवेन्द्रम
2) क्षेत्रीय फुटबाल अकादमी, एलएनसीपीई, त्रिवेन्द्रम
3) राष्ट्रीय गोल्फ अकादमी, त्रिवेन्द्रम
4) स्क्वॉश अकादमी, चेन्नई

(3) विस्तार सेवाएंः

- राष्ट्रीय कोचिंग कैंप
- 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
- आओ और खेलोंयोजना
- स्वास्थ्य और स्वस्थता कार्यक्रम

(4) कॉलेज में अवसरंचना/ खेल सुविधाएंः

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	सिंथेटिक ट्रैक		01
2	फुटबॉल मैदान	घासयुक्त	02
3	हॉकी मैदान	घासयुक्त	01
4	बास्केटबॉल कोर्ट	सीमेंटयुक्तक	02
5	हैंडबॉल		01
6	टेनिस कोर्ट	क्ले	03
7	बीच वॉलीबॉल		01
8	खो–खो खेल मैदान	क्ले	01
9	क्रिकेट मैदान	घासयुक्त	01
10	वेलोड्रोम		01
11	कबड्डी खेल मैदान	क्ले	02
12	तैराकी पूल		01

ख. इंडोर

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	इंडोर प्रशिक्षण हॉल (जिमनास्टिक और बैडमिंटन)	52 मीटर × 25 मीटर	01
2	स्वास्थ्य और स्वस्थता केंद्र	25 मीटर × 15 मीटर	01
3	आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र		01
4	कुश्ती हॉल		01
5	तायक्वोंडो हॉल		01

ग. छात्रावास और अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	संख्या
1	प्रशासनिक सह शैक्षणिक ब्लॉक जिनमें कक्षाएं, कार्यालय, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष, चिकित्सालय केंद्र, ऑडियो–विजुअल कक्ष शामिल हैं	01
2	सम्मेलन हॉल	01
3	लड़कों का छात्रावास (100 बिस्तरयुक्त)	01
4	लड़कों का छात्रावास (80 बिस्तरयुक्त)	01
5	पुरुषों के लिए प्रमुख छात्रावास (60 बिस्तरयुक्त)	01
6	लड़कियों का छात्रावास (100 बिस्तरयुक्त)	01
7	लड़कियों का छात्रावास (96 बिस्तरयुक्त)	01

8	महिलाओं के लिए प्रमुख छात्रावास (40 बिस्तरयुक्त	01
9	लड़के और लड़कियां के लिए डोरमिट्री	05
10	खेल विज्ञान केंद्र	01
11	स्टाफ क्वार्टर	23

प्रमुख एथलीटों के लिए प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों के साथ समन्वय करते हुए टीम्स् प्रभाग (प्रमुख एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता) को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों के लिए विभिन्न विधाओं में विभिन्न प्रकार की राष्ट्रीय टीमें तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरे ाब्दों में, यह भारत और विदेशों में ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व कप व अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए प्रमुख खिलाडियों को तैयार करने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता है। यह विभिन्न राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता संबंधी वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के अनुसार तैयार तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमें तैयार करने के लिए समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं को कार्यान्वित करता है :

कोचिंग कैम्प

"राष्ट्रीय खेल परिसंघों को वित्तीय सहायता" की योजना के अंतर्गत 39 खेल विधाओं में कोचिंग कैंपों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

भारतीय टीमों ने सभी मुख्य खेल विधाओं में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विदेशी कोच

कुल 18 विदेशी कोच तथा 07 विधाओं में एथलेटिक्स और हॉकी में 07 विदेशी सहयक स्टाफ को भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए नियुक्तस किया गया।

खेल विज्ञान सहायता

इससे खिलाडियों को उनकी स्वस्थता बढ़ाने, चोट के शीध्र ठीक होने तथा चिकित्सीय कमियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान खिलाड़ियों को खेल चिकित्सा, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्टों और मसाजकर्ताओं आदि क्षेत्र में डॉक्टरों के रूप में वैज्ञानिक सहायता प्रदान की।

उपकरण सहायता

इसने राष्ट्रीय कैंपरों को, स्वदेशी के साथ साथ आयातित, दोनों प्रकार की आवश्यक उपकरण सहायता प्रदान की।

राष्ट्रीय कोचिंग योजना

प्रस्तावना

संगठित खेल कोचिंग की शुरूआत, सितंबर, 1953 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री राजकुमारी अमृत कौर की पहल पर की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर लघु व दीर्घावधि आधार पर देश के युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षित कोचों की सेवाओं का उपयोग करना था।

राष्ट्रीय कोचिंग योजना, जो राजकुमारी अमृत कौर योजना का संशोधित संस्करण है, देश भर में खेलों को व्यापक बनाने के उद्देश्य की पूर्ति करती है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। इस योजना के तहत, राज्य कोचिंग सेंटर के लिए राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन/विश्वविद्यालय फील्ड

स्टेशनों (यूएफएस)को कोच प्रदान किए जाते हैं। तथापि कोचों की कमी के कारण समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अपनी स्वयं खेल संवर्धन योजनाओं को मजबूत बनाने के लिए एसएआई की योजनाओं से बाहर किसी भी कोच की तैनाती नहीं की गई। इन कोचों का उपयोग एसएआई की विभिन्न चालू योजनाओं के तहत युवा खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा, ये कोच राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण में भी शामिल होते हैं तथा वे विभिन्न खेल विधाओं में कोचिंग के लिए डिप्लोमा / परास्नातक पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए शैक्षणिक विंग को सहायता प्रदान करते हैं। एसएआई के कोच राष्ट्रीय खेल परिसंघों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के आयोजन में भी सहायता प्रदान करते हैं।

एसएआई के कोच, प्रतिभा खोज प्रक्रिया में शामिल होते हैं जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजा जाता है और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं अर्थात राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी), विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी), सैनिक खेल कंपनी (एबीएससी) और एसएआई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में शामिल किया जाता है। इन कोचों को इस फील्ड में कार्यरत कोचों के प्रशिक्षण व प्रदर्शन की प्रगति की निगरानी करने के लिए एसएआई के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में भी तैनात किया जाता है। कोचों को कम एंड प्ले योजना के लिए और एसएआई के मुख्यालय व प्रादेशिक मुख्यालयों में एसएआई की सामुदायिक संपर्क योजनाओं के लिए भी तैनात किया जाता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान किए गए प्रमुख कार्यकलाप निम्नानुसार हैं:–

(1) नियमित सहायक कोचों की भर्ती

प्रतीक्षा सूची में 04 उम्मीदवारों जून, 2018 में सहायक कोच के रूप में एसएआई में शामिल हुए

(2) नियमित सहायक कोचों /ओलंपियन / पारालम्पियन श्रेणी के अन्तर्गत कोचों की

ओलंपियन/पारालम्पियन श्रेणी में एक ओलंपियन और तीन पारालम्पियन को सहायक कोच / कोचों के रूप में नियुक्त किया गया।

(3) अनुबंध आधार पर कोचों की भर्ती

एसएआई में अनुबंध के आधार पर कोच की भर्ती की प्रक्रिया चल रही है

(4) पदोन्नति

216 कोचों को कोच ग्रेड से सीनियर कोच के रूप में पदोन्नत किया गया।

12 कोच को सीनियर कोच के ग्रेड से मुख्य कोच के रूप में पदोन्नत किया गया।

(5) 31.03.2019 को कोचों की संख्या

नियमित कोच	–	929
अनुबंध आधार पर कोच	–	122

स्टेडियम

खेलों को व्यापक आधार प्रदान करने तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्ति के दोहरे उद्देश्य के लिए तैयार विभिन्न सुविधाओं से युक्त दिल्ली स्थित पांच एसएआई स्टेडियमों का उपयोग करने की नीति संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए स्टेडिया प्रभाग जिम्मेदार है। निम्नलिखित स्टेडियमों को वर्ष 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए तैयार किया गया था और तत्पश्चात इनका वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए पुनर्निर्माण किया गया था/इनका नया मॉडल तैयार किया गया था। इन सभी स्टेडियमों में अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

1. **जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम परिसर (जेएनएस)–** 110 एकड़ भूमि क्षेत्र

- आउटडोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक

एवं फुटबॉल ग्राउंड) 60,000 स्थापित सीटों से युक्त तथा पीटीएफएफ मेंम्ब्रेन छत से ढका।

- वार्म अप एरिया (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक एंड फुटबॉल ग्राउंड)
- 2172 स्थापित सीटों से युक्त पूर्ण रूप से वातानुकूलित भारोत्तोलन ऑडिटोरियम (26000 वर्ग मीटर)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल और भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केट बॉल, तीरंदाजी, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर।
- 140 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

2. इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर (आईजीएससी)– 104 एकड़ भूमि क्षेत्र

- 15000 स्थापित सीटों वाला लकड़ी के फर्श से बना जिमनास्टिक हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 6000 स्थापित सीटों से युक्त कुश्ती हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 3800 स्थापित सीटों से युक्त साइकलिंग वेलोड्रोम (पूर्ण वातानुकूलित)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपकटक्रा, वुशु, साइकलिंग और कुश्ती, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर
- 150 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

3. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी तैराकी पूल परिसर (डॉ एसपीएमएसपीसी)–

- 12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, 5000 स्थापित सीटों से बना पूर्ण रूप से वातानुकूलित इंडोर स्टेडियम
- 50 मीटर तैराकी पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म अप पूल (छह लेन)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं– तैराकी के अलावा, इसमें वॉलीबॉल, स्केटिंग, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम के लिए सुविधाएं हैं।
- मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस)– 37 एकड़ भूमि क्षेत्र आउटडोर स्टेडियम, उर्ध्वाधर सीमा छत से कवर वीआईपी के लिए बैठने की जगह,नई खुली गैलरी में 14,000 स्थापित सीटें, तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रतियोगिता हॉकी एस्ट्रोटर्फ।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट और स्वास्थ्य केंद्र

5. डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ. केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली–

- अंतिम रेंज में 10 मिनट के भीतर एक पूर्ण रूप से वातानुकूलित 10 मीटर रेंज से 25 मीटर और 50 मीटर गैर वातानुकूलित रेंज में परिवर्तित करने की क्षमता।
- पूर्ण रूप से कवर किए गए वातानुकूलित 10 मीटर के 80 फायरिंग बिंदुओं, 25 मीटर रेंज के 50 फायरिंग बिंदुओं तथा 50 मीटर रेंज के 80 फायरिंग बिंदु।
- ट्रैप और स्कीट स्पर्धाओं के लिए 6 रेंज।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम, साइकल चलाने और पैदल चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र।

उद्देश्य

निम्नलिखित के लिए सुविधाएं और स्थान उपलब्ध कराना :

1. राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं
2. राष्ट्रीय कोचिंग शिविर
3. राष्ट्रीय खेल अकादमियां और उत्कृष्टता केन्द्र,
4. आओ और खेलों, तथा
5. इसके अलावा, ये स्टेडियम विभिन्न स्तरों पर के संचालन के खेल टूर्नामेंट (टूर्नामेंटों), बैठकों व सेमिनारों, के संचालन के लिए शैक्षिक संस्थानों / परिसंघों / अन्य संगठनों को भी प्रदान किए रहे हैं। राजस्व उत्पन्न करने के लिए जिनका उपयोग इन स्टेडियमों के रखरखाव के लिए किया जा सकता है, फूड फेस्टिवल के लिए खेल और गैर–खेल आयोजनों के इन्हें (विशेष रूप से खेल उद्देश्यों के लिए नहीं) सरकारी कार्यलयों को किराए पर दिए जाते हैं।

समन्वय प्रभाग

भारतीय खेल प्राधिकरण का समन्वय प्रभाग मुख्य रूप से भारतीय खेल प्राधिकरण के सामान्य निकाय व शासी निकाय की बैठकों के लिए सुविधा प्रदान करने के साथ साथ संसद / संसदीय स्थायी समिति, भारतीय खेल प्राधिकरण के संगम– ज्ञापन और नियमों से संबंधित मुद्दों में कार्रवाई करता है। यह संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण की लेखा–परीक्षित रिपोर्ट व लेखा–परीक्षितलेखों के साथ–साथ वार्षिक रिपोर्ट को तैयार करने तथा युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के समक्ष इसकी प्रस्तुतति के लिए भी उत्तरदायी है। इसके अलावा, यह सामान्य स्वरूप के मुद्दों पर मुख्यालय और क्षेत्रीय केन्द्रों / उप–केन्द्रों / शैक्षणिक संस्थानों / युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों के साथ सम्पर्क स्थापित करने का कार्य भी करता है।

क्षेत्रीय निदेशक (समन्वय),भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय, आरटीआई आवेदनों के लिए मुख्य समन्वयक अधिकारी हैं। दिनांक 22 जनवरी 2014 तथा 25 फरवरी 2014 की अधिसूचना संख्या 6(14) / समन्वय / 2006–07 / (भाग II) / 614 से 650 में आंशिक संशोधन करते हुए तथा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(2) तथा 19(1) के संदर्भ में, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अपने अधिकारियों को आदेश संख्या 6(14) / समन्वय / 2006–2007(पार्ट–11) / 2118 दिनांक 01.09.2014 के द्वारा प्रथम अपीलीय प्राधिकारी और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी नामित किया गया है।

- स्वच्छ भारत अभियानः भारतीय खेल प्राधिकरण ने दिनांक 02 अक्टूबर 2018 को अर्थात महात्मा गांधी की जयन्ती पर स्वच्छ भारत अभियान के अवसर पर मेजर ध्यान चंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम में देश को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- राष्ट्रीय एकता दिवस (एकता के लिए दौड़): भारतीय खेल प्राधिकरण ने श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर 31.10.2018 को इंडिया गेट पर 'एकता के लिए दौड़' में बहुत सक्रिय भागीदारी की जहां माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने एकता की दौड़ को हरी झंडी दिखाई।

एसएआई मुख्यालय में खेल चिकित्सा केन्द्र

खेल चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषज्ञों, खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ताओं और अन्य सहयोगी स्टाफ के विशेषज्ञों की सहायता से खिलाड़ियों को व्यापक खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1984 में भारतीय खेल प्राधिकरण की योजना के तहत जे. एन. स्टेडियम स्थित खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई थी। यह केंद्र विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से चोट के उपचार व रोकथाम, स्वास्थ्य लाभ सहायता व प्रदर्शन में बढ़ोतरी के लिए व्यापक खेल आधारित कार्यक्रमों का एक अग्रणी प्रदाता है। वे खिलाड़ी जिन्हें चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है वे राष्ट्रीय कैंपर, विभिन्न एसएआई योजनाओं के खिलाड़ी, नियमित प्रशिक्षु, कम एंड प्ले योजना तथा अन्य योजनाओं के तहत खिलाड़ी होते हैं। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों के लिए सर्वश्रेष्ठ संभावित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गंगाराम अस्पताल, दिल्ली आदि जैसे दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के अस्थि रोग विभाग, नेत्र विज्ञान, सर्जरी

और चिकित्सा के विशेषज्ञ इस केंद्र का दौरा करते हैं। एसएआई ने खेल फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रमों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाने वाले चिकित्सा संस्थानों की भी सेवाएं ली हैं जिसमें इंटर्न को एसएआई में उनके नैदानिक कार्य के लिए तैनात किया जाता है। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली स्थित भारतीय रीढ़ संस्थान तथा एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा एसएआई के लिए इंटर्न की तैनाती करने वाले फीडर संस्थान हैं जो राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े डॉक्टरों को सहायता प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों को आंतरिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा चिकित्सीय आपातकाल में देखभाल करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के तहत जय प्रकाश ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग खेल चोट केंद्र, दिल्ली के साथ एक समझौते को नि पादित किया गया है जिसके लिए विशेष स्टाफ को खिलाड़ियों के प्राथमिकता आधार पर इलाज केलिए नामित किया गया है।

चिकित्सा सुरक्षा

विभिन्न एसएआई योजनाओं से राष्ट्रीय कैंपरों, खिलाड़ियों, नियमित प्रशिक्षुओं, कम एंड प्ले योजनाओं के तहत खिलाड़ियों व अन्य को पूरे वर्ष के दौरान और उनकी आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

इस अवधि के दौरान किए गए मुख्य कार्यकलापः

1. 67वीं अखिल भारतीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप जो 10 से 14 दिसंबर, 2018 तक जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की गई, में नियुक्त डॉक्टरों और फ़िज़ियोथेरेपिस्ट के साथ फर्स्ट ऐड ट्रीटमेंट के लिए निरन्तर सहायता दी।
2. ऑल इंडिया बॉक्सिग एसोसिएशन (एआईबीए) जो 15.11.2018 से 24.11.2018 तक इंदिरा गाँधी स्टेडियम (आईजीएस) में आयोजित की गई, में चिकित्सा सहायता प्रदान की।
3. डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ ने मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस) में 31 अक्तूबर, 2018 को 'रन फॉर यूनिटी' के संचालन के लिए चिकित्सा सहायता दी है।
4. 21 से 23 सितम्बर 2018 तक आईजी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ट्रैक एशिया साइकिलिंग वेल्ड्रोम के लिए चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।
5. दोहा में 29 से 30 सितम्बर को 48वीं वर्ल्ड आर्टिस्टिक चैंपियनशिप के स्थान पर नेशनल कैंप के लिए मेन एंड वुमेन आर्टिस्टिक जिमनास्टिक के चयन ट्रायल के लिए चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।
6. इंदिरा गांधी स्टेडियम में 15.09.2018 को आयोजित मेन एंड वुमेन कबड्डी ट्रायल मैच के लिए मेडिकल कवरेज प्रदान की।
7. सुश्री हेमा वालेचा, श्री दानिश और श्री प्रहलाद प्रियदर्शी, फ़िज़ियोथेरेपिस्ट को 14.08.2018 से 03.09.2018 को जकार्ता इंडोनेशिया में आयोजित एशियन गेम्स, 2018 के लिए मेडिकल टीम में प्रतिनियुक्त किया गया।
8. डॉ श्यामा प्रसाद मुख़र्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में 09 से 10 अगस्त, 2018 को आयोजित इंटर–मिनिस्ट्री एक्वेटिक चैंपियनशिप के लिए चिकित्सा सहायता प्रदान किया।
9. जकार्ता इंडोनेशिया में एशियन गेम्स, 2018 के लिए चुने गए (22) निशानेबाजों के लिए डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ केएसएसआर) में 07.08.2018 को पूरी शरीरिक चिकित्सा जांच की गयी।
10. एसएआई, इंदिरा गाँधी स्टेडियम, नई दिल्ली में 17 से 22 जुलाई, 2018 को आयोजित जूनियर एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने चिकित्सा सहायता दी।
11. एसएआई आईजी स्टेडियम फिजियोथेरेपी विभाग के पूरा होने के बाद प्रदर्शन के लिए उसे होस्पेडिका इंटरनेशनल लिमिटेड कंपनी से वेकस्पोर्ट मशीन को अस्थायी रूप से स्थापित

किया गया। एसएआई जेएन स्टेडियम में फिजियोथेरेपी विभाग में खिलाड़ियों के त्वरित स्वास्थ्य लाभ और पुनर्वास के लिए डॉ. एस. मल्लिक, एसओ (एसएस) द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई। यह प्रदर्शन 14.06.2018 को एसएआई आईजी स्टेडियम में भी किया गया।

12. डॉक्टर और नर्सिंग असिस्टेंट को 22 मई से 29 मई, 2018 तक चयन शिविर के लिए राष्ट्रीय हॉकी अकादमी में प्रतिनियुक्त किया।

13. 28 से 29 मई और 20 जून 2018 को एशियन गेम्स 2018 की तैयारी के लिए बॉक्सिंग और साइकिलिंग में खिलाडियों को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

मानव प्रदर्शन लैब (एचपीएल)

जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम स्थित मानव प्रदर्शन लैब का उद्देश्य खेल वैज्ञानिकों और खेल विज्ञान में अन्य सहायक स्टाफ अर्थात अन्थ्रोपोमेट्री, न्यूट्रीशन, फिजियोलॉजी, और साइकोलॉजी की सहायता से खिलाडियों को व्यापक खेल विज्ञान सहायता प्रदान करना है। यह केंद्र अलग–अलग वैज्ञानिक परीक्षणों का प्रयोग करके प्रदर्शन में सुधार और सहायता के लिए खेल विशिष्ट तकनीकी जानकारियां प्रदान करता है. राष्ट्रीय कैम्प से सर्वोत्कृष्ठ खिलाड़ी, राष्ट्रीय खेल अकादमियों, उत्कृष्टता–केन्द्र से युवा खिलाडियों और अन्य एसएआई खेल प्रोत्साहन स्कीमो से खिलाड़ी इसके लाभार्थी हैं जो नियमित आधार पर इस केंद्र से सहायता प्राप्त करते हैं।

दिल्ली स्थित मानव प्रदर्शन का पुनरुद्धार किया गया है और इसके एन्थ्रोपोमेट्री, साइकोलॉजी, फिजियोलॉजी और न्यूट्रीशन विभागों को खिलाडियों के प्रशिक्षण प्रोटोकॉलों को फायदा पहुंचाने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन के लिए नियुक्त किया गया हैं। एचपीएल का उद्देश्य वैज्ञानिक विशेषज्ञता और नवीनतम अनुसंधान शोधों का प्रयोग करके एथलीटों के प्रदर्शन को उच्चतम सीमा तक बढ़ाने के लिए उपाय विकसित करने हेतु कोचों के साथ समन्वित तरीके से काम करना है। एन्थ्रोपोमेट्री, फिजियोलॉजी, साइकोलॉजी और न्यूट्रीशन विभागों ने सर्वोत्कृष्ठ खिलाडियों को आवश्यकता आधारित विशिष्ट सहायता, परामर्श और सिफारिशों के द्वारा उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सहयोग किया है।

एचपीएल के तहत विभागों के मुख्य कार्यकलाप

i) एन्थ्रोपोमेट्री विभाग ने निम्नलिखित पैरामीटरों पर खिलाडियों का मूल्यांकन किया

- शरीर संरचना
- शरीर सोमटोटाइप
- शरीर भागों का माप
- संतुलन
- गति योगयता परीक्षण
- ताकत परीक्षण टेस्टिंग
- लचीलापन
- जनरल एन्थ्रोपोमेट्री

खिलाड़ी जिन्हें सहायता दी गई थी उनमें नेशनल केम्प्स ऑफ़ शूटिंग (केएसएसआर में जूनियर और सीनियर कैम्प), नेशनल अकेडमी ऑफ़ स्विमिंग, हॉकी, एथलेटिक्स और साइकिलिंग, सीओई (जिमनास्टिक्स), खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (एथलेटिक्स, जिमनास्टिक्स, बॉक्सिंग, आर्चरी, और रोइंग) और पुलिस फ़ोर्स वेलफेयर सोसाइटी (मिशन ओलंपिक्स) शामिल हैं।

मैदान में प्रदर्शन पर विभिन्न पैरामीटरों के प्रभाव और इनकी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ तुलना पर सिफारिशें सभी खिलाडियों और कोचों को व्यक्तिगत रूप से दी गई।

ii) शरीर विज्ञान विभाग ने निम्नलिखित पैरामीटरों पर खिलाडियों का मूल्यांकन किया

- हार्ट हृदय गति भिन्नता
- ब्लीप टेस्ट से एरोबिक क्षमता

- आरएएसटी से एनारोबिक पॉवर
- थकान विश्लेषण
- सब–मेक्सिमल एर्गोमेट्रिक टेस्ट द्वारा कार्डियो–रेस्पिरेटरी स्वस्थता विश्लेषण
- शारीरिक निगरानी प्रणाली से हृदय गति, वसन पद्धति त्वचा तापमान का विश्लेषण
- प्रशिक्षण दबाव का आकलन

खिलाड़ी जिन्हें सहायता दी गई थी उनमें नेशनल कैम्प ऑफ़ शूटिंग (केएसएसआर में जूनियर और सीनियर कैम्प), नेशनल अकेडमी ऑफ़ स्विमिंग, हॉकी, एथलेटिक्स और साइकिलिंग, सीओई (जिमनास्टिक्स), खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (एथलेटिक्स, जिमनास्टिक्स, बॉक्सिग, आर्चरी, और रोइंग) और पुलिस फ़ोर्स वेलफेयर सोसाइटी (मिशन ओलंपिक्स) शामिल हैं।

इसके अलावा, एसएआई, एनआरसी सोनीपत के तहत खिलाडियों को भी सहायता प्रदान की गई। इसमें नेशनल कैम्प्स ऑफ़ रेसलिंग (जूनियर और सीनियर), सीओई (एथलेटिक्स, बॉक्सिग) और एसटीसी शामिल हैं।

एथलीटों की निम्नलिखित पैरामीटरों पर जांच की गई :

- ऑक्सीजन काइनेटिक
- एनारोबिक सहन क्षमता
- वसन पद्धति
- वेंटिलेशन
- अधिकतम व्यायाम के दौरान कार्डियो रेस्पिरेटरी एनालिसिस

मैदान में प्रदर्शन पर विभिन्न पैरामीटरों के प्रभाव और इनकी अन्तराष्ट्रीय मानकों के साथ तुलना पर सिफारिशें सभी खिलाडियों और कोचों को व्यक्तिगत रूप से दी गईं।

iii) आहार विज्ञान ने निम्नलिखित पैरामीटरों पर खिलाडियों पर पोषण–संबंधी मूल्यांकन किए:

- जीवन–शैली पद्धति
- बोर्ग पैमाने पर आकलित दबाव स्तर
- जांच सूची से सूक्ष्म पोषण कमीयों के नैदानिक संकेत और लक्षण
- जैव रसायन परीक्षणों / स्वयं –रिपोटिंग से चिकित्सा इतिहास दर्ज करना
- जीआई पैमाने से गैस्ट्रो–इन्टस्टाइनल कष्ट
- आहार संबंधी आदतें
- आहार संबंधी पसंद
- आहार अन्तराल संबंधी
- लगातार 3 दिन 24 घण्टे में आहार आवश्यकता
- लगातार 3 दिन पानी / तरल पदार्थ की आवश्यकता
- लगातार 3–5 दिन व्यायाम से पहले और बाद में वजन
- आकलन पैमाने से निर्जलन लक्षण

खिलाडियों के मूल्यांकन के अलावा, निम्नलिखित कार्यकलाप भी किए गए: विभिन्न खेल संबंधी पोषण पर कुल 14 शैक्षिक (इंटरैक्टिव ग्रुप सेशन) तैयार किए गए जिनमें शामिल थे:–

- 82 खिलाडियों की राष्ट्रीय जूनियर शूटिंग टीम को " पानी / तरल पदार्थ और पोषण आवश्यकताएँ"।
- "खेल संबंधी पोषण का महत्व और सहायक आहार का प्रयोग"।
- "प्रतियोगिता से पूर्व और इस दौरान पोषण संबंधी नीतियां"।
- "खेल में अच्छे पोषण की आवश्यकता"।
- सीनियर वुमेन बॉक्सिग टीम को "नाश्ता और प्रशिक्षण भोजन का महत्व"।

- "कार्बोहाइड्रेट्स, इनकी भूमिका और पानी / तरल आवश्यकता दिशा–निर्देश"।
- राष्ट्रीय हॉकी अकादमी (एनएचए) को "प्रोटीन, कार्य और आवश्यकताएं"।
- एनएसए के तैराकों को "सामान्य प्रशिक्षण से समाप्ति की अवधि तक पोषण संबंधी आदतों में व्यवहार परिवर्तन प्रक्रियाएं"।
- दिल्ली के विभिन्न स्टेडियम में एथलीटों के लिए 17 आहार संबंधी ज्ञान पोस्टर/शैक्षिक सामग्री का विकास और प्रदर्शन।
- खिलाडियों के लिए जेएनएस किचन में किचन स्टाफ हेतु शैक्षिक सामग्री के रूप में 10 आहार सुरक्षा और साफ़–सफाई संबंधी पोस्टर का विकास और प्रदर्शन।

क) तकनीकी जानकारी

- कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, पैरा एशियन गेम्स, यूथ ओलंपिक्स, एआईबीए वुमेन वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप, वर्ल्ड जिमनास्टिक चैंपियनशिप और नेशनल साइकिलिंग चैंपियनशिप 2018 में भाग लेने वाले खिलाडियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान की।
- आईजीएससी स्थित साइकलिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (सीएफआई) को 17.05.2018 को साइकलिस्ट की रक्त जांच रिपोर्ट पर तकनीकी जानकारी प्रदान की। साइकलिस्ट के स्वास्थ्य लाभ में सहायता देने के लिए व्यक्तिगत सत्रों का संचालन।
- एनबीए रोहतक में स्थित एनएचए हॉकी खिलाड़ियों को आहार संबंधी सहायता

ख) व्यंजनों का मानकीकरण

- जेएलएन भोजनगृह में 11 भोजनगृह व्यंजनों का मानकीकरण और खिलाडियों को परोसे जाने वाले नियमित खाने–पीने की चीजों का मानकीकरण।

ग) व्यंजन सूची में परिवर्तन

लागत और राशन की मात्रा पर पुनर्विचार और नेशनल केम्प्स (सीनियर और जूनियर) और राष्ट्रीय अकादमियों के लिए बेहतर आहार चार्ज हेतु खेल विशिष्ट राशन की मात्रा, लागत, पोषण मूल्य और व्यंजन सूची का विकास।

प्रशिक्षण पूर्व और प्रशिक्षण के उपरान्त (सांय) के लिए पोषक स्नैक्स का शामिल करके व्यंजन सूची लागू करना और उसमें परिवर्तन करना।

घ) ट्रायलः इंदिरा गाँधी स्टेडियम (आईजीएस) पर तैनात न्यूट्रीशनिस्ट ने आईजीएस में होने वाली महिला विश्व चैंपियनशिप के लिए मुक्केबाजी चयन ट्रायल में भाग लिया।

iv) मनोविज्ञान विभाग ने मानव प्रदर्शन लैब, जेएलएन स्टेडियम और आईजीएससी, दिल्ली में परीक्षणों का संचालन किया जिनमें निम्नलिखित पैरामीटर शामिल थे :

- बायोफीडबैक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए
- एथलीटों के लिए संतुलन प्रशिक्षण
- स्पोर्ट्स विजन ट्रेनिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करके दृष्टिकोण प्रशिक्षण
- न्यूरोफीडबैक का उपयोग करके संज्ञानात्मक प्रशिक्षण
- साइको– शिक्षा सत्र
- पूर्व– प्रतियोगिता दिनचर्या
- चिंता और दबाव से निपटना
- व्यक्तिगत मुद्दे
- कोच के साथ चर्चा
- फील्ड का दौरा
- प्रशिक्षण सत्रों के दौरान एथलीटों का पर्यवेक्षण

- वियना टेस्ट सिस्टम स्पोर्ट्स का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन जैसे प्रतिक्रिया समय, दबाव सहन क्षमता, हरकत का पूर्वानुमान, कम समझ।

खिलाडियों का मनोविज्ञानीय आकलन तैयार किया गया। व्यक्तिगत रिपोर्टों का सृजन किया गया जिसमें विस्तृत सामान्य जानकारी और साइकोलॉजिकल पैरामीटर निहित थे. सभी मूल्यांकित खिलाडियों को अनुशंसा और प्रशिक्षण, यदि आवश्यक हो, दिए गए।

अपने खिलाडियों के कौशल का संगत क्षेत्रों जैसे प्रतिक्रिया समय, दबाव सहन क्षमता, ध्यान प्रेरणा, लक्ष्य पर ध्यान आदि का विश्लेषण किया गया और एकाग्रता बढ़ाने, उत्तरोउत्तर पेशी आराम, परिकल्पना और गहरी सांस लेने के व्यायाम का प्रशिक्षण दिया गया।

खिलाडियों को वैज्ञानिक सहायता का सार

राष्ट्रीय अकादमियों के तहत खिलाडियों को दिल्ली के विभिन्न एसएआई स्टेडियम में सीओई प्रशिक्षुओं का वैज्ञानिक सहायता, को ब्यौरा इस प्रकार है:–

क्र. सं.	माह	एंथ्रोपोमेट्री	न्यूट्रिशन	फिजियोलॉजी	साइकोलॉजी
1	अप्रैल	55	242	20	105
2	मई	36	156	31	98
3	जून	64	127	75	175
4	जुलाई	124	43	69	160
5	अगस्त	117	132	71	106
6	सितम्बर	119	146	88	104
7	अक्तूबर	67	113	54	82
8	नवम्बर	118	82	34	66
9	दिसम्बर	77	113	75	92
कुल		777	1154	517	988

एचपीएल में अन्य कार्यकलाप

क) खेल विज्ञान उपकरण का प्रापण

इस केंद्र के वैज्ञानिक खेल विज्ञान के लिए तकनीकी विनिर्देशनों को तैयार करने और अंतिम रूप देने में शामिल हैं और श्रेणी क और श्रेणी ख केन्द्रों के तहत दिल्ली और अन्य एसएआई क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए खेल चिकित्सा उपकरण मंगाए जा रहे हैं। एचपीएल, जेएनएस, नई दिल्ली के लिए फिजियोलॉजी उपकरणों हेतु तकनीकी विनिर्देश तैयार किए गए। खेल विज्ञान उपकरणों की नियमित मरम्मत, रख–रखाव सुनिश्चित किया जाता है। आईजीएससी और जेएलएनएस में काम न करने वाले उपकरणों का मूल्यांकन किया जाता है और खेल विज्ञान उपकरणों का निराकरण किया जाता और इस पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है।

ख) एसएआई में आचार–शास्त्र समिति का गठन

इस केंद्र के वैज्ञानिक नैतिक दिशानिर्देश, नैतिक सिद्धांतों में शिक्षा, और नैतिक निर्णयों की निगरानी और कार्यान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान कर के एथलीटों की गरिमा, अधिकार और उनके कल्याण को बढ़ावा देने और इनकी सुरक्षा के लिए महा निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण के अनुमोदन से एसएआई में

"एथिक्स कमिटी" का गठन करने में शामिल हैं। एसएसओ (एचपीएल) एसएआई में हाल ही में गठित एथिक्स कमिटी के सदस्य–सचिव है। सदस्यों को अनुसंधान प्रस्तावों के सभी नैतिक पहलुओं की स्वतंत्र और सक्षम समीक्षा प्रदान करनी चाहिए।

ग) एचपीएल में कार्यशाला का आयोजन

जेएलएन स्टेडियम के एचपीएल में 22.10.2018 से 26.10.2018 तक प्रो. रोनाल्ड मौघन और डॉ सुसन एम शेरिफ्स द्वारा "स्पोर्ट्स न्यूट्रीशन इन थ्योरी एंड प्रैक्टिस" पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

घ) एचपीएल के अनुकूलन/इंटर्नशिप कार्यक्रम और श्शैक्षिक कार्यकलाप

- मई–जून, 2018 में छह सप्ताह का समर इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एमिटी यूनिवर्सिटी, नोयडा से एमएससी. फिजियोलॉजी के 2 छात्रों और इंस्टिट्यूट ऑफ़ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली से एमएससी. के 2 छात्रों ने भाग लिया।
- एलएनआईपीई, ग्वालियर द्वारा "इंस्ट्रूमेंटेशन इन स्पोर्ट्स साइंसेज" पर नेशनल कांफ्रेंस में "इंस्ट्रूमेंटेशन इन स्पोर्ट्स न्यूट्रीशन" पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ड) अनुसंधान कार्यकलाप और प्रकाशन

- एसएआई में मोर्फो–फिजियोलॉजिकल स्टेटस ऑफ़ इंडियन साइकिलिस्ट, एनसीए (प्रकाशित). इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फिजियोलॉजी, न्यूट्रीशन एंड फिजिकल एजुकेशन 2018; 3 (2): 136–138
- "असेसमेंट ऑफ़ द वेरिएबल्स अफेक्टिंग द परफॉरमेंस ऑफ़ द स्प्रिंट एंड एंड्यूरेन्स बेस्ड इंडियन साइकिलिस्ट ट्रेनिंग एट नेशनल साइकिलिंग एकेडमी" शीर्षक से अनुसंधान परियोजना सारांश प्रस्तुत किया।
- सुश्री संयुक्ता गौड़, आरएफ, न्यूट्रीशन ने "असेसमेंट ऑफ़ डायट्री कैल्शियम एंड विटामिन डी स्टेटस अमोंग एडोलसेंट मेल रनर्स एंड इट्स रिलेशनशिप विद शिन स्प्लिन्ट्स" शीर्षक से अनुसंधान विषय पर सारांश प्रस्तुत करने, डाटा के संग्रहण, डाटा को तालिकाबद्ध करने और रिपोर्ट लिखने का कार्य किया।

प्रकाशित लेख

- कोम्पेरिजन ऑफ़ न्यूट्रीशनल एडीक्वेसी बिटवीन इंडियन जूनियर नेशनल मेल एंड फीमेल हॉकी प्लेयर्स: एन एक्यूरेट एंड नेसेसरी एप्रोच. मलेशियन जर्नल ऑफ़ न्यूट्रीशन 24 (2): 241–250, 2018

प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किए गए लेख

- रिलेशनशिप बिटवीन फिजियोलॉजिकल एंड अन्थ्रोपोमेट्रीकल करैक्टरिस्टिक्स इन स्पोर्ट्स पर्सन्स।
- एनालिसिस ऑफ़ फिजिकल एंड फिजियोलॉजिकल रीक्वायार्मेंटस ऑफ़ इंडियन मेल जूनियर कबड्डी प्लेयर्स इन रिलेशन टू देयर प्लेयिंग पोजीशन।
- इफ़ेक्ट ऑफ़ मेंटल इमेजरी कपल्ड विद प्लायोमेट्रिक ऑन वर्टीकल जम्प एंड अजिलिटी।

च) वैज्ञानिक स्टाफ द्वारा बैठकों की श्रृंखला के माध्यम तकनीकी जानकारियों द्वारा सहयोग

- एचपीएल–दिल्ली, एनएस एनआईएस पटियाला, एलएनसीपीई–त्रिवेंद्रम, एनएसएससी बेंगलुरु सहित विभिन्न एसएआई केन्द्रों को खेल विज्ञान उपकरणों का प्रापण।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत "फिजिकल फिटनेस ऑफ़ स्कूल गोइंग चिल्ड्रेन" को अंतिम रूप दिया गया।
- खेलो इंडिया 2018 के लिए लगभग 2500 एथलीटों की उम्र सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई।

- उच्च अधिकार समिति के सदस्य के रूप में नामित एसएसओ (एचपीएल) ने खेलो इंडिया एथलीटों के उम्र सत्यापन के लिए तकनीकी जानकारियों हेतु भाग लिया।
- प्रोटोकॉल के अनुसार सेक्सुअल हरासमेंट समिति की बैठक में भाग लिया।
- कार्य समूह सदस्य के रूप में "यूज़ ऑफ़ स्पोर्ट्स सप्लीमेंट्स फॉर स्पोर्ट्स पर्सन्स" पर मार्गदर्शी दस्तावेज तैयार करने में सहयोग दिया।
- खेल विज्ञान और अनुसधान (एनसीएसएसआर) के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना पर स्थिति रिपोर्ट पर जानकारी और इसे तैयार करना।
- वैज्ञानिक सहायता स्टाफ, प्रशासनिक और सचिवालयी स्टाफ और रिसर्च फेलो की भर्ती का कार्य भी किया गया है. इसके अलावा, एनएसएफ के तहत स्टाफ का वार्ि ाक सेवा विस्तार भी किया गया।
- एसएआई क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्यन्वयन के लिए "आउटसोर्सिंग ऑफ़ कैटरिंग सर्विसेज" सन्दर्भ दस्तावेज तैयार किया गया है।
- स्कीम के तहत प्रस्ताव पर विचार करने लिए खेलों में स्कीम ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (एचआरडीएस) के तहत देजिगनेटेड–कम–एक्सपर्ट कमिटी का सदस्य।
- खेलों की अखिल भारतीय परिषद् (एआईसीएस) को विशेष निमंत्रण।
- खेल विज्ञान और स्पोर्ट्स मेडिसिन फिटनेस के लिए अभिवृति की अभिव्यक्ति (ईओआई) और रीहेब सेंटर तैयार किया गया है और प्राप्त किए गए प्रस्तावों की जांच की गई तथा रिपोर्ट तैयार की गई।
- पर्स डिविजन द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड इन्क्वारी को सहायता दी गई।

छ) कार्यशालाएं

- एसएसओ ने 25–28 अक्तूबर, 2018 तक बिहार स्कूल ऑफ़ योग, मुंगेर, बिहार में 4 दिवसीय योग सिम्पोजियम में भाग लिया।
- "एडवांस ट्रेनिंग मेथड एंड ओरिएंटेशन ऑफ़ न्यू ट्रेंड्स ऑफ़ स्पोर्ट्स कोचिंग इन डिफरेंट गेम्स–2018" बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी पर जेएसओ (साइकोलॉजी)।
- सभी वैज्ञानिक स्टाफ (एडी संवर्ग और उनसे ऊपर) ने 09 अक्तूबर, 2018 को सतर्कता "स्टेप्स टुवड्र्स गुड मैनेजमेंट" पर एक दिन के सेमीनार में भाग लिया.
- जेएसओ (न्यूट्रीशन) और न्यूट्रीशनिस्ट ने 07 दिसंबर, 2018 को आईडीए–दिल्ली द्वारा संचालित "पॉवर ऑफ़ ग्रेन्स" पर आईएचएम, पूसा में एक कार्यशाला में भाग लिया. इस दौरान आयोजित क्विज में सुश्री संयुक्ता, गौड़, आरएफ ने पुरस्कार जीतां
- जेएसओ (न्यूट्रीशन) और न्यूट्रीशनिस्ट ने 31 अगस्त से 01 सितम्बर, 2018 तक एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ़ क्लिनिकल न्यूट्रीशन पर दूसरी नेशनल कांफ्रेंस में भाग लिया।
- लेडी इरविन कॉलेज, डीयू के अंडर ग्रेजुएट छात्रों को एचपीएल का दौरा कराया गया. 26 सितम्बर, 2018 को छात्रों को खेल विज्ञान विभाग में ारू किए गए कार्यकलापों के बारे में बताया गया।
- एसएआई स्टेडियम में रा टीय केम्पर्स के लिए ओपीडी सेवाओं हेतु एआईआईए के साथ एसएआई के समझौता–ज्ञापन के संबंध में ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ आयुर्वेद का दौरा।

खेलो इंडिया

खेलों में जन–समूह की भागीदारी और उत्कृष्टता के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मंत्रिमंडल

ने 20/09/2017 को आयोजित इसकी बैठक में "खेलो इंडिया–खेलो के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम" के नवीकरण को अनुमोदित किया।

2. इस योजना में एक परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) का प्रावधान है जो योजना के तहत प्राप्त सभी प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी और उन्हें अनुमोदन हेतु विभागीय परियोजना अनुमोदन समिति (डीएपीसी) के समक्ष प्रस्तुत करेगी। अनुमोदित परियोजनाएं तृतीय पक्ष निगरानी सहित कड़ी निगरानी अध्यधीन रहेंगी जिसके लिए राज्य स्तरीय निगरानी कर्ताओं को शामिल किया जाएगा।

3. पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रभारी–मंत्री की अध्यक्षता में सामान्य परिषद (जीसी) द्वारा किया जाएगा जो योजना के कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए उच्चतम नीति निर्माण निकाय के रूप में कार्य करेगी। सामान्य परिषद की सहायता राष्ट्रीय स्तरीय कार्यकारी समिति करेगी जिसकी अध्यक्षता खेल सचिव, भारत सरकार करते हैं।

4. स्कीम में तकनीकी सहायता और क्षमता संवर्धन के प्रयोजन के लिए एक संग्रह निधि होगी जिसका उपयोग पेशेवरों और राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय परामर्शदाताओं को नियुक्त करने और राष्ट्रीय अभियान, प्रचार, और जागरूकता कार्यकलापों आदि के लिए किया जाएगा।

5. योजना में सभी घटकों में आबंटन के आवश्यकता–आधारित पुन–र्विनियोग सहित पर्याप्त लचीलापन है। 2017–18 से 2019–20 की अवधि के लिए योजना हेतु बजट आबंटन 1,756 करोड़ रु. है।

6. योजना में पूर्ण पारदर्शिता का प्रावधान किया गया है और इसमें कॉर्पोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी (सीएसआर) कार्यकलापों और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) कार्यकलापों के लिए भी प्रावधान किया गया है।

7. इस योजना के तहत परियोजनाओं का चयन चुनौती पद्धति सहित ठोस चयन मानक के आधार पर किया जाएगा।

खेलो इंडिया – खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम

1.1 विजन

खेल संस्कृति को अनुप्राणित करना और देश में खेल उत्कृष्टता प्राप्त करना।

1.2 मिशन

पूरे देश में खेल को बढ़ावा देना और इस प्रकार आबादी को अपने क्रॉस कटिंग प्रभाव नामतः बच्चों एवं युवाओं के समग्र विकास, समुदाय विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसरों के जरिए खेलों की शक्ति को काम में लगाने की अनुमति देना।

1.3 **योजना के घटकः** खेलो इंडिया योजना में निम्नलिखित घटक/उद्देश्य शामिल होगें :–

i. खेल मैदान विकास खेल

ii. सामुदायिक कोचिंग विकास

iii. राज्य स्तरीय खेलों इंडिया केंद्र

iv. वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं

v. प्रतिभा खोज और विकास

vi. खेल अवसंरचना का उपयोग और निर्माण / उन्नयन

vii. राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य खेल अकादमियों को सहायता

viii. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थ्यता

ix. महिलाओं के लिए खेल

x. विकलांग व्यक्तियों के बीच खेल को बढ़ावा देना

xi. शांति और विकास के लिए खेल

xii. ग्रामीण और देशी /जनजातीय खेलों को बढ़ावा देना

खेलो इंडिया युवा खेल महाराष्ट्र 2019

खेलो इंडिया युवा खेल 2019 की मुख्य विशेषताएं:

महाराष्ट्र राज्य को खेलो इंडिया युवा खेल 2019 की मेजबानी के लिए चयनित किया गया था। खेलो इंडिया युवा खेल महाराष्ट्र 2019 का आयोजन श्री शिव छत्रपति खेल परिसर, महालुंगे–बालेबडी, पुणे में 9 से 20 जनवरी 2019 तक किया गया।

भागीदारी:

खेलो इंडिया युवा खेल महाराष्ट्र 2019 का आयोजन खेलो इंडिया स्कूल खेल, नई दिल्ली, 2018 की तुलना में बड़े पैमाने पर किया गया था। 2019 के खेल में 10,000 से अधिक भागीदारी रही, जिसमें 5925 एथलीटों, 1096 सहायक स्टाफ, 893 तकनीकी अधिकारियों, 36 मिशनों के प्रमुख, 1021 स्वयंसेवकों, केंद्र एवं राज्य सरकारों से 1500 अधिकारियों ने भाग लिया।

नई विधाएं:

टेनिस एवं टेबल टेनिस की शुरूआत का परिणाम 2019 खेलों में खेल विधाओं की संख्या में वृद्धि हुई, जो 2018 खेलों के लिए 16 (सोलह) विधाओं की तुलना में बढ़कर 18 (अठारह) हो गई, नामतः तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हॉकी, जुडो, कबड्डी, खो–खो, निशानेबाजी, तैराकी, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती, टेनिस एवं टेबल टेनिस।

सीधा प्रसारण:

9 विधाओं नामतः एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, तैराकी, वॉलीबॉल और कुश्ती के लिए सीधा प्रसारण किया गया।

उद्घाटन समारोह:

उद्घाटन समारोह का आयोजन श्री शिव छत्रपति खेल परिसर के बैडमिंटन हॉल में 9 जनवरी 2019 को हुआ। समारोह की शुरूआत स्थानीय लोक नृत्य और तत्पश्चात् माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर और माननीय मुख्यमंत्री महाराष्ट्र श्री देवेंद्र फड़णवीस द्वारा संक्षिप्त भाषण से हुई।

'चैंपियन की यात्रा' प्रदर्शित करते हुए अभिनय के साथ 18 खेलों का परिचय कराते हुए एक डिटीटल शो भागीदारों और दर्शकों के बीच बड़ा प्रशंसनीय रहा। श्री अमिताभ बच्चन ने अभिनय के लिए अपनी आवाज दी।

मीडिया:

छंपाई, टेलीविजन और डिजीटल मीडिया के जरिए खेलों का 360–डिग्री संवर्धन किया गया। खेल में सुशील कुमार, मेरी कोम और पी वी सिंधु जैसे प्रतीक व्यक्तियों के जरिए बच्चों को थोड़ा अधिक खेलने और देश के लिए अधिक पदक जीतने का अनुरोध करने वाले #5 मिनट और अभियान को प्रदर्शित किया गया।

खेलों की गुणवत्ता:

- अंतर्राष्ट्रीय स्टारों की उपस्थिति, जिन्होंने स्पर्धाओं में भाग लिया और जिन्होंने युवा ओलंपिक मेडेलिस्ट/एशियाई खेलों/कॉमनवेल्थ खेलों/विश्व जूनियरों/एशियाई जूनियरों और इसी तरह अन्य खेलों में पदक भी जीते।
- रिकार्ड– भारोत्तोलन में 50 से अधिक जूनियर रिकार्ड सेट हुए।

खेलों के अंतर्गत स्पर्धाएंः

379 व्यक्तिगत स्पर्धाओं और 24 टीम स्पर्धाओं के साथ 18 खेल विधाओं में 403 स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

एंटी डोपिंग– जागरूकताः

एनएडीए ने पुणे में आयोजित खेलो इंडिया युवा खेल 2019 के दौरान डोप नमूना संकलन, एथलीटों एवं स्वतंत्र पर्यवेक्षक के लिए सामान्य जागरूकता कार्यक्रम को शामिल करते हुए एक पूर्ण डोप नियंत्रण कार्यक्रम का कार्यान्वयन किया।

सामान्य एथलीट एंटी डोपिंग जागरूकता कार्यक्रम में प्रत्येक दिन चार सत्रों के साथ 7–16 जनवरी से शुरू करके 10 दिनों की अवधि में 3200 से अधिक भागीदारी और एथलीटों से 400 से अधिक डोप नमूनों के संकलन के साथ कुल 40 जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया।

प्रतिभा पहचानः

खेलो इंडिया प्रतिभा पहचान खेल (के आई टी जी) खेलो इंडिया योजना का सबसे महत्वपूर्ण शीर्ष है। खेल के दौरान 17 खेल विधाओं से 512 एथलीटों को अल्पसूचीकृत किया गया। आयु सत्यापन के उद्देश्य से टीडब्ल्यू3 विधि के जरिए उनकी बोन आयु के परीक्षण के लिए 203 एथलीटों का परीक्षण किया गया।

राज्य सफलताः

- खेल में सभी 29 राज्यों एवं 7 संघशासित क्षेत्रों से भागीदारी थी, जिसमें कुल 36 टीमों की भागीदारी थी।
- इन 36 टीमों में से 25 ने कम से कम 1 (एक) स्वर्ण पदक जीता और 29 दलों ने के आई वाय जी 2019 के दौरान पदक जीता।

पदकों का विस्तारः

खेल में 29 राज्य एवं 7 संघशासित क्षेत्र थे और इन 36 टीमों में से 29 राज्य/संघशासित क्षेत्र के आई वाय जी 2019 में पदक जीतने में समर्थ रहे। दस शीर्ष विजेताओं की पदक तुलना को नीचे की सारणी में प्रदर्शित किया गया हैः

स्थान	राज्य	स्वर्ण	रजत	कॉस्य	कुल
1	महाराष्ट्र	85	61	81	227
2	हरियाणा	62	56	60	178
3	दिल्ली	48	37	51	136
4	कर्नाटक	30	28	19	77
5	तमिलनाडु	27	36	25	88
6	उत्तर प्रदेश	23	25	40	88
7	पंजाब	23	19	30	72
8	गुजरात	15	9	15	39
9	पश्चिम बंगाल	13	15	16	44
10	केरला	12	16	30	58

समापन समारोह

समापन समारोह का आयोजन खेलो इंडिया युवा खेल के सफल संस्करण की समाप्ति के अवसर पर श्री शिव छत्रपति खेल परिसर, महालुंगे–बालेबडी, पुणे के बैडमिंटन हॉल में 20 जनवरी 2019 को हुआ। शीर्ष निष्पादकों को केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर और महाराष्ट्र के खेल मंत्री श्री विनोद तवादे द्वारा ट्रॉफी प्रदान किया गया।

****

अध्याय 15

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (सम विश्वविद्यालय)

1. परिचयः

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना 17 अगस्त 1957 को अर्थात भारत की आजादी की पहली लड़ाई के शताब्दी वर्ष के अवसर पर की गई थी। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है, जहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश की आजादी की लड़ाई के लिए अपने जीवन की आहूति दी थी। शारीरिक शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में इस संस्थान द्वारा प्रदान की गई की सेवाओं के सम्मान में, इसे भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत वर्ष 1995 में समविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। यह संस्थान युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक स्वायत्त संगठन है और यह मध्यप्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसायटी के माध्यम से कार्य कर रहा है।

2. उद्देश्यः

संस्थान के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

- पूर्णतः विश्विद्यालय की अवधारणा, अर्थात् विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1948), भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण और कायाकल्प पर समिति (2009) और सम विश्वविद्यालय के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के अनुरूप मुख्य रूप से स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर ज्ञान की ऐसी शाखाओं, जो उपयुक्त समझी जाएं, में उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना जिससे उत्कृष्टता और नवाचार स्थापित हो।

- विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों में विशिष्ट योगदान करने के लिए सिद्ध क्षमता के साथ विशेषज्ञता के क्षेत्रों में सहभागिता करना अर्थात्– अकादमिक सहभागिता जो साधारण प्रकृति के कार्यक्रमों से स्पष्ट रूप से अलग हो, कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, प्रबंधन, आदि में पारंपरिक डिग्री मिले जो पारंपरिक संस्थानों द्वारा नियमित रूप से दी जाती है। पारंपरिक संस्थानों द्वारा नियमित रूप से की पेशकश की।

- विभिन्न विषयों में पूर्णकालिक संकाय / अनुसंधान विद्वानों (पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरल) की पर्याप्त संख्या द्वारा इन–हाउस किए जाने वाले विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता शिक्षण और अनुसंधान, ज्ञान की उन्नति और इसके प्रसार का प्रावधान करना।

- शारीरिक शिक्षा, और खेल के क्षेत्र में उच्च योग्यता प्राप्ता शिक्षकों और अग्रणियों को तैयार करना।

- शारीरिक शिक्षा में उत्कृ टता और नवीनता के एक केंद्र के रूप में काम करना और, अनुसंधान करना, इस बढ़ावा देने और इसका प्रसार करना।

- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

- इस क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और पेशेवर सेवाएं प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में और जनभागीदारी को बढ़ावा देना।
- समाज के विकास में योगदान हेतु बाह्य अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम और फील्ड आउटरीच के कार्यकलाप करना।
- शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों में शारीरिक शिक्षा और क्रिड़ाओं / खेलों के कार्यक्रम विकसित करना और उनका सवंर्धन करना।
- ऐसी शाखाओं, जो यह उचित समझें, जैसे स्वास्थ्य और स्वस्थता, स्वस्थ लाभ, योग और शिक्षण के स्वदेशी कार्यकलापों, में निर्देश और प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

3. संकाय और विभागः

संस्थानके दो संकायों के तहत निम्नलिखित सात शैक्षिक विभाग हैं :

(i) शारीरिक शिक्षा और संबद्ध क्षेत्र संकाय :

शारीरिक शिक्षा शिक्षा विभाग
खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग
योगिक विज्ञान विभाग

(ii) खेल विज्ञान संकाय :

व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग
खेल मनोविज्ञान विभाग
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

4. संचालित पाठ्यक्रम की पेशकशः

संस्थान वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता हैः–

शारीरिक– शिक्षा शास्त्र विभाग (i) बीपीएड – 8 सेमेस्टर (ii) एमपीएड – 4 सेमेस्टर (शारीरिक–शिक्षा शिक्षाशास्त्र) (iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग (i) एमपी.एड (व्यायाम शरीर विज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा पीएच.डी.
खेल मनोविज्ञान विभाग (i) एमपी.एड (खेल मनोविज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग (i) एमपी.एड (खेल बायोमैकेनिक्स) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग (i) एमपी.एड (स्वास्थ्य विज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल प्रबंधन विभाग (i) एमपी.एड (खेल प्रबंधन) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी. (iii) बी.ए. (कार्यक्रम) खेल और प्रदर्शन (iv) खेल पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (v) स्वस्थता प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (vi) खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (vii) खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (viii) खेल कोचिंग में डिप्लोमा
योगिक विज्ञान विभाग (i) वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। (ii) एम. ए. योग (iiii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, विभिन्न विधाओं / क्रिड़ाओं तथा खेलों में बड़ी संख्या में अल्प अवधि प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

(बी) संचालित पाठ्यक्रमः

(i) व्यायाम शरीर विज्ञान में एमएससी

(ii) एमएससी खेल बायोमैकेनिक्स

(iii) खेल पोषण में एमएससी

(iv) खेल मनोविज्ञान में एम.ए.

(v) खेल प्रबंधन में परास्नातक

5. शासन प्रणाली :

संस्थान सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत अलाभकारी सोसायटी के रूप में पंजीकृत है जो केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित सम विश्वविद्यालय है।

इस संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय, प्रबंधन बोर्ड है जिसके अध्यक्ष कुलपति हैं। प्रबंधन बोर्ड में न्यूनतम 10 सदस्य और अधिकतम 15 सदस्य होते हैं।

संस्थान का प्रबंधन बोर्ड प्रायोजक सोसायटी से अलग है जिसे अपने शैक्षिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की पूर्ण स्वायतता है। प्रबंधन बोर्ड में सोसायटी के प्रतिनिधियों/ नामितियों की संख्या अधिकतम 4 तक सीमित की गई है।

प्रबंधन बोर्ड में संस्थान के आदर्शों और परम्पराओं में योगदान करने और उन्हें बनाए रखने में सक्षम प्रतिष्ठित व्यक्ति होते हैं।

प्रबंधन बोर्ड की संरचना इस प्रकार हैः

(i) कुलपति – अध्यक्ष।

(ii) कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले संकाय डीन, दो से अधिक नहीं (वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार)।

(iii) संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रख्यात खेल शिक्षाविद् जिन्होंने प्रोफेसर के स्तर पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान से होंगे अथवा न ही प्रायोजक सोसाइटी से होंगे और न ही वे उनके संबंधी होंगे।

(iv) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर के रैंक से कम का न हो।

(v) वरिष्ठता आधार पर बारी–बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले दो शिक्षक (प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर से)।

(vi) वरिष्ठता आधार पर बारी–बारी से कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एक शिक्षक (सहायक प्रोफेसर)

(vii) प्रायोजक सोसाइटी (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) के अधिकतम चार नामिती (शिक्षाविद्), जो खेल शिक्षाविद होंगे तथा प्रोफेसर के रैंक से कम नहीं होंगे।

(viii) रजिस्ट्रार – सचिव।

6. पूर्वोत्तरक्षेत्रीय केंद्रः

गुवाहाटी स्थित उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को वर्ष 2009 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था और शैक्षिक सत्र 2009–2010 के दौरान प्रथम बैंच ने परिसर से दूर ग्वालियर से कार्य किया। इसके पश्चात मई, 2010 में असम सरकार से तेपासिया खेल परिसर को अपने अधिकार क्षेत्र में लेने पर, एनईआरसी ने शैक्षणिक सत्र 2011–12 से वास्तविक रूप से कार्य करना शुरू कर दिया, जहां इनडोर बहुउद्देश्यीय हॉल, फुटबॉल मैदान, हॉकी मैदान, वैलोड्रौम और वॉलीबॉल कोर्टों

जैसी कई सुविधाएं पहले से स्थानपित थी। इसके बाद संस्थान ने शैक्षिक प्रयोजनों के लिए अपेक्षित कई बुनियादी ढांचे सृजित किए। अब इस संस्थान द्वारा एक पूर्ण और नियमित रूप से बीपीएड और एमपीएड कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी, के लिए नियमित मानव शक्ति संबंधी आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011–12 के दौरान कुल 11 पदों को स्वीकृत किया गया है और तब से इन पदों के लिए अधिकतर नियुक्तियां कर ली गईं हैं। हॉकी सिंथोटिक मैदान, टैक एण्ड फील्ड (सिंथेटिक), ऑडिटोरियम, पुस्तकालय और संकाय व स्टाफ के लिए क्वांटरों का विकास किया जा रहा है।

7. सहायता अनुदानः

यह संस्थान पूर्ण रूप से भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से सहायता अनुदान द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2018–19 के दौरान बजट अनुमान के रूप में अनुदान का आवंटन 45.02 करोड़ रूपए था।

8. शैक्षिक विवरणः

सत्र 2018–19 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रमों में कक्षावार छात्र संख्या निम्नानुसार है:

(क) डिग्री पाठ्यक्रम (ग्वालियर)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			छात्र संख्या								सकल योग
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर	106	75	31	106	07	01	12	08	34	10	22	12	106
बी.पी.एड. III सेमेस्टर	111	79	32	111	07	02	11	05	22	09	39	16	111
बी.पी.एड. V सेमेस्टर	200	139	61	200	08	04	23	12	49	20	59	25	200
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर	138	97	41	138	08	01	22	07	42	19	25	14	138
एम.पी.एड. I सेमेस्टर	82	50	32	82	05	04	09	05	20	15	16	08	82
एम.पी.एड. III सेमेस्टर	81	58	23	81	07	02	10	05	24	08	17	08	81
पीएच.डी.	60	46	14	60	04	-	10	04	16	03	16	07	60
कुल	778	544	234	778	46	14	97	46	207	84	194	90	778
	श्रेणीवार कुल				60		143		291		284		

शैक्षिक सत्र 2018–19 के दौरान बी.पी.एड. छात्र संख्या (गुवाहाटी)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
		, l Vh			एससी		ओबीसी		सामान्य				
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर (सेक. ए)	**49**	34	15	**49**	04	04	07	02	12	06	11	03	**49**
बी.पी.एड. I सेमेस्टर (सेक. ए)	**48**	34	14	**48**	05	03	05	02	14	04	11	04	**48**
बी.पी.एड. III सेमेस्टर (सेक. ए)	**47**	34	13	**47**	03	02	06	02	13	05	12	04	**47**
बी.पी.एड. III सेमेस्टर (सेक. बी)	**45**	32	13	**45**	05	02	06	03	12	04	09	04	**45**
बी.पी.एड. V सेमेस्टर (सेक. ए)	**46**	33	13	**46**	06	04	08	01	10	03	09	05	**46**
बी.पी.एड. V सेमेस्टर (सेक. बी)	**47**	34	13	**47**	03	02	04	00	10	05	17	06	**47**
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर (सेक. ए)	**46**	33	13	**46**	08	02	08	00	13	05	04	06	**46**
बी.पी.एड. VII सेमेस्टर (सेक. बी)	**47**	34	13	**47**	08	02	06	02	13	02	07	07	**47**
सकल योग	**375**	**268**	**107**	**375**	**42**	**21**	**50**	**12**	**97**	**34**	**80**	**39**	**375**

शैक्षिक सत्र 2018–19 के दौरान एम.पी.एड. छात्र संख्या (गुवाहाटी)

बी.पी.एड. I सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	**10**	9	1	**10**	0	1	1	0	3	0	5	0	**10**
खेल बायोमैकेनिक्स	**10**	9	1	**10**	0	0	1	0	1	2	6	0	**10**
व्यायाम फिजियोलॉजी	**09**	5	4	**09**	0	1	0	0	1	1	6	0	**09**
खेल मनोविज्ञान	**11**	6	5	**11**	0	1	1	1	1	0	4	3	**11**
सकल योग	**40**	**29**	**11**	**40**	**0**	**3**	**3**	**1**	**6**	**3**	**21**	**3**	**40**

बी.पी.एड. III सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
शिक्षा शास्त्र	**09**	5	4	**09**	0	1	1	1	3	1	1	1	**09**
खेल बायोमैकेनिक्स	**09**	9	0	**09**	2	0	1	0	2	0	4	0	**09**
व्यायाम फिजियोलॉजी	**10**	9	1	**10**	2	0	2	0	2	1	3	0	**10**
खेल मनोविज्ञान	**09**	8	1	**09**	2	0	1	0	3	1	2	0	**09**
सकल योग	**37**	**34**	**6**	**37**	**6**	**1**	**5**	**1**	**10**	**3**	**10**	**1**	**37**

(ख) पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (ग्वालियर)

बी.पी.एड. III सेमेस्टर	कुल संख्या	लिंग–वार			श्रेणी और लिंगवार								कुल
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
एम.ए. योगा I	**16**	**07**	**09**	**16**	**-**	**1**	**1**	**1**	**3**	**2**	**3**	**5**	**16**
एम.ए. योगा III	**11**	**03**	**08**	**11**	**-**	**-**	**1**	**-**	**1**	**4**	**1**	**4**	**11**
पीजीडी–वाईईडी	**14**	**08**	**06**	**14**	**-**	**-**	**-**	**-**	**5**	**4**	**3**	**2**	**14**
पीजीडी–एफएम	**13**	**12**	**01**	**13**	**-**	**-**	**-**	**-**	**5**	**-**	**7**	**1**	**13**
पीजीडी–एससी	**123**	**107**	**16**	**123**	**2**	**2**	**14**	**1**	**41**	**3**	**50**	**10**	**123**
डी.एस.सी.	**25**	**25**	**-**	**25**	**-**	**-**	**2**	**-**	**5**	**-**	**18**	**-**	**25**
पीजीडी–एसएम	**05**	**01**	**04**	**05**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2**	**1**	**02**	**05**
बी.ए.	**03**	**02**	**1**	**03**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1**	**-**	**1**	**1**	**03**
कुल	**210**	**165**	**45**	**210**	**02**	**03**	**18**	**02**	**61**	**15**	**84**	**25**	**210**
					05		**20**		**76**		**109**		**210**

(ग) शैक्षिक सत्र 2017–18 के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्या :

पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठने वाले छात्र			उत्तीर्ण होने वाले छात्र		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल
बी.पी.एड. VIII सेमेस्टर (ग्वालियर और गुवाहाटी)	126	60	186	126	60	186
एम.पी.एड. IV सेमेस्टर (ग्वालियर)	64	18	82	64	18	82

एम. फिल	00	00	00	00	00	00
पी. एच. डी.	08	04	12	08	04	12
एम.ए. (योगा) IV सेमेस्टर	09	09	18	09	09	18
पीजीडीवाईएड. II सेमेस्टर	12	08	20	12	08	20
पीजीडीएफएम (II सेमेस्टर)	13	02	15	12	02	14
डीएससी (II सेमेस्टर)	24	00	24	24	00	24
पीजीडीएससी (II सेमेस्टर)	77	14	91	77	14	91

(घ) 2017–18 तक (1957 से) के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का सार

पाठ्यक्रम	2016–17 तक (1957 से) छात्रों की संख्या	ग्वालियर	गुवाहाटी	2017–18 (1957 से) छात्रों की संख्या
स्नातक वर्ष और सेमेस्टर–वार	5308	143	43	5494
स्नातकोत्तर	2728	82	00	2810
एम. फिल	430	00	00	430
पीएच.डी	242	12	00	254

9. ढांचागत सुविधाएंः

यह संस्थान अपनी स्थापना के पश्चात से सह–शिक्षाबद्ध और पूर्ण रूप से आवासीय है, ग्वालियर में यह पूर्ण रूप से ढांचागत सुविधाओं से लैस है जिनमें खेल के मैदान, भवन आदि शामिल हैं जबकि एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ साथ निधियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की सुविधाओं का एक चरणबद्ध तरीके से सृजन किया जा रहा है।

10. मार्च, 2019 तक महत्वपूर्ण स्पर्धाएंः

- मुख्य महा डाकपाल मध्यप्रदेश सर्कल भोपाल के कार्यालय ने उत्कृष्टता के 60 वर्ष (हीरक जयंती) पूरा करने के लिए एलएनआईपीई पर ''विशेष कवर'' जारी किया।
- भारतीय टीम (20 वर्ष से नीचे) का राष्ट्रीय वॉलीबॉल शिविर का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 6 मई से 18 जुलाई, 2018 तक हुआ और भारतीय टीम का एलएनआईपीई, ग्वालियर में चयन हुआ।
- राष्ट्रीय वरिष्ठ फुटबॉल (महिला) शिविर का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 9 से 15 जुलाई, 2018 तक हुआ और भारतीय टीम का एलएनआईपीई, ग्वालियर में चयन हुआ।
- पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी (पुरूष) टूर्नामेंट– एलएनआईपीई, ग्वालियर ने 2 से 6 नवंबर, 2018 तक पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी (पुरूष) टूर्नामेंट, 2018 का आयोजन किया। एलएनआईपीई, ग्वालियर, एसपीपीयू एवं शिवाजी विश्वविद्यालय ने टूर्नामेंट में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- **पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी (महिला) टूर्नामेंट–** एलएनआईपीई, ग्वालियर ने 9 से 13 नवंबर, 2018 तक पश्चिम क्षेत्र अंतर

विश्वविद्यालय हॉकी (महिला) टूर्नामेंट, 2018 का आयोजन किया। एलएनआईपीई, ग्वालियरऔर सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय ने टूर्नामेंट में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

- **पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केट बॉल (महिला) टूर्नामेंट–** एलएनआईपीई, ग्वालियर ने 20 से 24 दिसंबर, 2018 तक पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केट बॉल (महिला) टूर्नामेंट, 2018 का आयोजन किया। एलएनआईपीई, ग्वालियर ने टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **अंतर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केट बॉल (महिला) टूर्नामेंट–** एलएनआईपीई, ग्वालियर ने 26 से 30 दिसंबर, 2018 तक अंतर क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केट बॉल (महिला) टूर्नामेंट, 2018 का आयोजन किया। एलएनआईपीई, ग्वालियर ने टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एलएनआईपीई, ग्वालियर ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ और हॉकी इंडिया के सहयोग से 25 दिसंबर, 2018 से 3 जनवरी, 2019 तक 26वें नेहरू अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय हॉकी (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन किया।
- हॉकी इंडिया द्वारा एलएनआईपीई, ग्वालियर में 31 जनवरी से 10 फरवरी, 2019 तक 9वें हॉकी इंडिया वरिष्ठ पुरूष राष्ट्रीय चैंपियनशिप (एक खंड) का आयोजन किया गया।
- 82वें अखिल भारतीय सिंधिया स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 24 से 30 मार्च, 2019 तक किया गया और एलएनआईपीई, ग्वालियर ने लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **स्वच्छता पखवाड़ा :** एलएनआईपीई ने 1.8. 2018 से 15.8.2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य संस्थान के छात्रों एवं स्टाफ के बीच स्वच्छता के महत्व, अनुशासन और हमारे पर्यावरण के प्रति आदर की भावना को जगाना था।
- **अंतरंग कार्यक्रम:** अंतरंग कार्यक्रम का उद्घाटन 16 अगस्त, 2018 को किया गया। कार्यक्रम को कौशल विकास, मनोरंजन, प्रतिस्पर्धा अनुभव, टूर्नामेंट एवं खेल स्पर्धा आयोजन अनुभव प्रदान करने के लिए निरूपित किया गया था।
- 22 अगस्त, 2018 को संस्थान परिवार ने पूर्व प्रधानमंत्री ''भारत रत्न'' श्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी और ग्वालियर में आयोजित कलश यात्रा में भाग लिया।
- राष्ट्रीय खेल दिवसः संस्थान ने स्व. मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करके 29 अगस्त, 2018 को खेल दिवस का आयोजन किया।
- संस्थान और वृहत्तर ग्वालियर की सहायता से केरल के बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री (110 बोरे, निबल भार 4608 कि.ग्रा.) भेजा गया था।
- एएफसी–'सी' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम– एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) – सी प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 1 से 13 सितंबर, 2018 तक किया गया।
- एलएनआईपीई, ग्वालियर द्वारा 4 से 24 अक्तूबर, 2018 तक सीआरपीएफके शारीरिक प्रशिक्षण प्रबंधकों के लिए 21 दिवसीय विशेष पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एलएनआईपीई, ग्वालियर द्वारा 4 से 24 अक्तूबर, 2018 तक सी आर पी एफ के शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशकों के लिए 21 दिवसीय विशेष पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर वर्गकक्ष संगोष्ठी – राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन 4.9.2018 को किया गया, जिसका आयोजन एलएनआईपीई के छात्रों के अनुभव के लिए स्वास्थ्य विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी के पीछे

का मुख्य उद्देश्य पत्र प्रस्तुति के कौशल के विकास द्वारा भवि य के परिप्रेक्ष्य के लिए छात्रों को तैयार करना है।

- **एनसीसी शिविरें–**

➢ एनसीसी, सीएटीसी –IX शिविर का आयोजनएन सी सी प्रधान कार्यालय, कैंपू, ग्वालियर में 03 से 12 सितंबर, 2018 तक किया गया। संस्थान के बाल कैडेटों ने इस सीएटीसी शिविर में भाग लिया।

➢ एनसीसी, सीएटीसी शिविर का आयोजन के आर जी कॉलेज, एन सी सी प्रधान कार्यालय, कैंपू, ग्वालियर में 11 सितंबर, 2018 को किया गया। संस्थान के बालिका कैडेटों ने इस सी एटीसी शिविर में भाग लिया।

➢ एनसीसी, इबीएसई शिविर का आयोजन दुर्ग, छत्तीसगढ़ में 12 से 25 सितंबर, 2018 तक किया गया। संस्थान के बालिका कैडेटों ने इस इबीएसई शिविर में भाग लिया।

➢ एनसीसी, सीएटीसी –x शिविर का आयोजन एनसीसी प्रधान कार्यालय, कैंपू, ग्वालियर में 14 सितंबर, 2018 को किया गया। संस्थान की बालिका कैडेटों ने इस सीएटीसी शिविर में भाग लिया।

➢ एनसीसी, सीएटीसी –x शिविर का आयोजन एन सी सी प्रधान कार्यालय, कैंपू, ग्वालियर में 17 से 24 सितंबर, 2018 तक किया गया। संस्थान की बालिका कैडेटों ने इस सीएटीसी शिविर में भाग लिया।

➢ संस्थान की बालिका कैडेटों ने एनसीसी प्रध ाान कार्यालय, कैंपू, ग्वालियर में 29 सितंबर से 8 अक्तूबर, 2018 तक आयोजित एनसीसी, सीएटीसी –गप शिविर में भाग लिया।

➢ दो बालिका कैडेट गरिमा और प्रीती ने नई दिल्ली में 26 जनवरी, 2019 को गणतंत्र दिवस पैरेड में एमपीएनसीसी भागीदारों के रूप में रिपोर्ट किया।

- आईएएएफ सीइसीएस स्तर–। पाठ्यक्रम –आईएएएफ सीइसीएस स्तर–। पाठ्यक्रम का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 10 से 21 सितंबर, 2018 तक किया गया।

- वेबसाइट एसपीएआई–संस्थान के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार दुरेहा द्वारा 14.09.2018 को स्पोर्ट सायकोलोजी एशोसिएसन ऑफ इंडिया (एसपीएआई) के वेबसाइट का शुभारंभ किया गया।

- प्राकृतिक चिकित्सा कार्यशाला– प्राकृतिक चिकित्सा पर एक कार्यशाला का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 29 सितंबर, 2018 को योग विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

- खेल प्रशिक्षण का प्रबंधन एवं चोट की रोकथाम– खेल प्रशिक्षण का प्रबंधन एवं चोट की रोकथाम के संबंध में सीआरपीएफ शारीरिक प्रशिक्षण प्रबंधक एवं पीटीआई को अपना ज्ञान देने के लिए संस्थान द्वारा 4 से 24 अक्तूबर, 2018 तक अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 सीआरपीएफ जवानों ने भाग लिया।

- फीफा गोलकीपर पाठ्यक्रम– फीफा गोलकीपर पाठ्यक्रम का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर में 2 से 6 अक्तूबर, 2018 तक किया गया।

- योग पर कार्यशाला– एलएनआईपीई, ग्वालियर के योग विज्ञान विभाग ने ''योग में शोध अनुसंधान'' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

- आईएएएफसीइ एस–स्तर 1 पाठ्यक्रम– इस पाठ्यक्रम का आयोजन 05.10.2018 से 16.10. 2018 तक लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान और एएफआई (एथलेटिक फेडेरेशन ऑफ इंडिया) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

- सतर्कता जागरूकता सप्ताह– संस्थान ने 29 अक्तूबर से 4 नवंबर, 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। इस सप्ताह के दौरान संस्थान के सभी कर्मचारियों एवं छात्रों ने सत्यनिष्ठा शपथ ली और संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं (वाद–विवाद, प्रश्नोत्तरी) का आयोजन किया गया।

- खेल प्रबंधन पर कार्यशाला– एलएनआईपीई, ग्वालियर ने केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्यों एवं टीजीटी (पीएंडएचई) के लिए 15 से 17 नवंबर, 2018 तक खेल प्रबंधन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

- खेल विज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा में इंस्ट्रूमेंटेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला– खेल विज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा में इंस्ट्रूमेंटेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एलएनआईपीई, ग्वालियर द्वारा 14 से 20 दिसंबर, 2018 तक किया गया।

- योग एवं ध्यान पर कार्यशाला– योग एवं ध्यान पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 28 एवं 29 दिसंबर, 2018 को एलएनआईपीई के यूजीसी एचआरडीसी केंद्र द्वारा किया गया।

- रजत पदक– एलएनआईपीई के बी.पी.एड. तीसरे वर्ष के छात्र श्री आनंद कृष्णन ने संभलपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा में 06 से 11 जनवरी, 2019 तक आयोजित 34वें ज्ञानपर्व युवा महोत्सव अंतर–विश्वविद्यालय प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीता।

- राष्ट्रीय युवा दिवस–स्वामी विवेकानंद की 155वीं जयंती के संबंध में एलएनआईपीई, ग्वालियर में 12 जनवरी, 2019 को राष्ट्रीय युवा दिवस 2019 समारोह का आयोजन किया गया।

- योग एवं स्वस्थता पर संगोष्ठी: एलएनआईपीई, ग्वालियर में 15.01.2019 को योग एवं स्वस्थता पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- निःशुल्क दंत जॉच शिविरः स्वास्थ्य केंद्र, एलएनआईपीई, ग्वालियर में 23.01.2019 को दंत शिक्षा एवं उन्नत अध्ययन संस्थान (आईडियाज) के सहयोग से एलएनआईपीई, ग्वालियर द्वारा एक निःशुल्क दंत जॉच शिविर का आयोजन किया गया।

- गणतंत्र दिवस– संस्थान में 26.01.2019 को 70वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार दुरेहा द्वारा झंडोत्तोलन किया गया।

- केवीएस सेवाकालीन अभिमुखन पाठ्यक्रम– एलएनआईपीई, ग्वालियर ने शारीरिक शिक्षा के टीजीटी अध्यापक के लिए 29.01.2019 से 18.02.2019 तक केवीएस सेवाकालीन अभिमुखन पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

- युवा उत्सव–2019– एलएनआईपीई, ग्वालियर ने 1 से 3 फरवरी, 2019 तक तीन दिवसीय युवा उत्सव 2019 का आयोजन किया।

- 9वीं वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप (पुरूष)– एलएनआईपीई, ग्वालियर में 1 से 10 फरवरी, 2019 तक 9वीं वरिष्ठ राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप (पुरूष) का आयोजन किया।

- जीवनकालीन उपलब्धि पुरस्कार– इस संस्थान के कुलपति प्रो. डी.के. दुरेहा को 16 से 17 फरवरी, 2019 तक खेल मनोविज्ञान एवं योग विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नागपुर में शारीरिक शिक्षा एवं खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए जीवनकालीन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- बधाई समारोह– 21.03.2019 को खेल एवं अकादमी में उत्कृष्टता के लिए छात्रों के लिए बधाई समारोह का आयोजन किया गया।

- राष्ट्रीय सम्मेलन– एलएनआईपीई, ग्वालियर में

व्यायाम कायचिकित्सा विभाग द्वारा 25 एवं 26 फरवरी, 2019 को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। श्री राहुल भटनागर, सचिव, पंचायती राज, भारत सरकार सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे।

- अभिमुखन पाठ्यक्रम– यूजीसी–एचआरडीसी विभाग ने शिक्षण संकाय के लिए 1.3.2019 से 28.3.2019 तक अभिमुखन पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- आईएपी– बीएलएस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम– संस्थान द्वारा गैर चिकित्सा व्यक्ति के लिए 3.3.2019 को आईएपी– बीएलएस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- डी–लाईसेंस फुटबॉल कोचिंग पाठ्यक्रम– खेल प्रबंधन विभाग ने 4 से 9 मार्च, 2019 तक खेल कोचिंग एवं फुटबॉल ग्रुप में पी.जी. डिप्लोमा के छात्रों के लिए डी–लाईसेंस फुटबॉल कोचिंग पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- खेल साक्षरता एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम विकास– संस्थान में मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा के लिए 13 से 15 मार्च, 2019 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- हैंडबॉल पाठ्यक्रम– 16 से 18 मार्च, 2019 तक एलएनआईपीई और भारतीय हैंडबॉल संघ के संयुक्त सहयोग में तीन दिवसीय हैंडबॉल कोचिंग, स्थानापन्न एवं कोचिंग स्तर 1 का आयोजन किया गया।
- एआईएफएफ के साथ समझौता ज्ञापन– दिनांक 19.03.2019 को अखिल भारतीय फुटबॉल संघ और एलएनआईपीई, ग्वालियर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया, ताकि संस्थान में विश्व कप 2020 के संबंध में 17 से कम आयु के लड़कियों को फुटबॉल प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।
- संस्थान की छात्रा सुश्री मधु बघेल ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता (व्यक्तिगत स्पर्धा)।
- एलएनआईपीई के जिमनास्टिक्स (महिला) टीम ने टीम स्पर्धा में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- संस्थान की छात्रा सुश्री नंदिनी वर्मा ने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय वुशु (व्यक्तिगत) चैंपियनशिप में रजत पदक जीता ।
- संस्थान के छात्र श्री घनश्याम ने मंगलोर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।
- संस्थान के छात्र श्री संजीव कुमार ने जीएनडीयू, अमृतसर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर–विश्वविद्यालय जूडो (पुरूष) चैंपियनशिप, 2018–19 में जूडो (व्यक्तिगत) में कांस्य पदक जीता।

अध्याय – 16

खेलो इंडिया योजना

I. खेलो इंडिया योजना

केंद्रीय क्षेत्र की योजना नामतः खेलो इंडिया – खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का कार्यान्वयन वर्ष 2016–17 से किया गया था। खेलो इंडिया योजना को वर्ष 2017–18 में पुनः संरचित किया गया। पुनः संरचित खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य देश में खेल संस्कृति को अनुप्राणित करना और खेल उत्कृष्टता को प्राप्त करना है और देश भर में खेलों को बढ़ावा देना भी है और इस प्रकार आबादी को अपने क्रॉस कटिंग प्रभाव नामतः बच्चों एवं युवाओं के समग्र विकास, समुदाय विकास, सामाजिक एकीकरण, लैंगिक समानता, स्वस्थ जीवन शैली, राष्ट्रीय गौरव और खेल विकास से संबंधित आर्थिक अवसरों के जरिए खेलों की शक्ति को काम में लगाने की अनुमति देना है।

निम्नलिखित शीर्षों को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है :–

i. खेल क्षेत्र विकास

ii. खेल अवसंरचना का उपयोग एवं सृजन/ उन्नयन

iii. शांति एवं विकास के लिए खेल

निम्नलिखित शीर्षों को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित किया जाता है :–

i. राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र

ii. वार्षिक खेल प्रतिस्पधाएं

iii. प्रतिभा खोज एवं विकास

iv. महिलाओं के लिए खेल

v. राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता

vi. दिव्यांगजनों के बीच खेलों का संवर्धन

vii. ग्रामीण तथा देशी/जनजातीय खेलों का संवर्धन

viii. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता

निम्नलिखित शीर्षों को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है :–

i. समुदाय कोचिंग विकास

विभिन्न घटकों को निम्नलिखित पैराग्राफों में संक्षेप में वर्णित किया गया है।

1. खेल क्षेत्र विकासःखेल क्षेत्रों और खेल अवसंरचना की एक राष्ट्रीय सूची उनके इष्टतम उपयोग के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफार्म पर तैयार की जाएगी। खेल क्षेत्रों के परिरक्षण, रक्षण, विकास एवं संवर्धन के लिए एक मजबूत सांस्थानिक व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से भारतीय राष्ट्रीय खेल क्षेत्र एसोशिएसन (एनपीएफएआई) के तर्ज पर सभी राज्यों/ संघशासित क्षेत्रों में राज्य एवं जिला खेल क्षेत्र एसोशिएसन का सृजन किया जाएगा। जिला और राज्य स्तरीय एसोशिएसन मौजूदा खेल क्षेत्रों को पंजीकृत करेगा, उन्हें जी आई एस प्लेटफार्म पर मैप करेगा और जिला एवं राज्य एसोशिएसनों के जरिए राष्ट्रीय खेल क्षेत्र एसोशिएसन (एनपीएफएआई) से संबद्ध करेगा और इस प्रकार

राष्ट्रीय डाटाबेस का सृजन करेगा। सभी ग्राम पंचायतों में खेल क्षेत्रों के विकास को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और राज्य सरकार/केंद्र सरकार की किसी अन्य योजनाओं के समरूप शुरू किया जाएगा। इसमें पायलट आधार पर आदर्श खेल क्षेत्रों का विकास भी शामिल होगा।

2. **समुदाय कोचिंग विकासः** देश भर में समुदाय कोचों के विकास के लिए समुदाय कोच विकास का एक क्रमिक मॉडल अपनाया जाएगा। इसमें कौशल विकास और प्रमाणन प्रणाली शामिल होगा। एक अल्पकालिक समुदाय कोचिंग विकास कार्यक्रम तैयार किया जाएगा और राज्यों/संघशासित क्षेत्रों द्वारा नामित चिह्नित शारीरिक शिक्षा अध्यापकों (पीईटी) को मास्टर प्रशिक्षक या कोच विकासक के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। ऐसे मास्टर प्रशिक्षक बदले में समुदाय कोचों के रूप में अपने संबंधित राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में अन्य पीईटी/स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करेगा और समुदाय स्तर पर टीम को विकसित करेगा। प्राथमिक एवं उन्नत स्तरों पर समुदाय कोच विकास के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को भी विकसित किया जाएगा।

3. **राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्रः** कोचों/अंशकालिक कोचों, सहायक स्टाफ जैसे कि कायचिकित्सकों एवं अंगमर्दकों, उपकरण, खेल के उपयुक्त क्षेत्र, उपभोग्य वस्तुओं, दैनिक भोजन सुविधाओं आदि की कमी के कारण और आवर्ती खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता की कमी के कारण देश भर में स्थापित बड़ी संख्या में खेल अवसंरचनाओं का उपयुक्त रूप से उपयोग नहीं हो रहा है। तदनुसार, उपयुक्त समझौता ज्ञापन (एमओयू) के जरिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों से संबंधित खेल अवसंरचना के बेहतर उपयोग को सहायता देने और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) योजना के अनुसार कोचों की नियुक्ति, दिन में भोजन सुविधाएं प्रदान करने के लिए सहायता देने का प्रस्ताव है।

4. **वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धाएंः** खेलो इंडिया खेल कौशल के प्रदर्शन का एक आधारभूत मंचहोगा और तदनुसार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा खोज और उत्कृ टता की प्राप्ति हेतु गुणी एवं प्रतिभावान बच्चों के लिए विकास का मार्ग का प्रदान करने के लिए एक मंच बनेगा। केंद्र सरकार भारतीय विश्वविद्यालय एसोशिएसन (ए आई यू) सहित संबंधित राष्ट्रीय खेल संघों (एन एस एफ) और भारतीय स्कूल खेल संघ (एस जी एफ आई) और विश्वविद्यालय खेल संवर्धन निकायों को शामिल करके देश भर में विभिन्न स्थानों पर प्रमुख खेल विधाओं के संबंध में स्कूल एवं कॉलेज स्तरीय राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पधाओं का आयोजन करेगा।

5. प्रतिभा पहचान एवं विकासः खेलो इंडिया योजना के तहत स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और एनएसएफ को शामिल करके राष्ट्रीय प्रतिर्स्पधाएं, राष्ट्रीय चैंपियनशिप और एसएआई का राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज पोर्टल प्रमुख खेल विधाओं, जिसमें देश के पास क्षमता/लाभ है, में प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान के लिए एक मंच प्रदान करेगा। पुरस्कार विजेताओं के चयन के अलावा, विधिवत गठित प्रतिभा पहचान समिति विभिन्न खेल विधाओं में प्रतिभा को देखने और पहचान करने के लिए वैश्विक रूप से स्वीकृत विधियों को भी अपनाएगा। खेल प्रतिभा की पहचान में राज्यों/संघशासित क्षेत्रों के सहयोग से प्रतिभा स्काउटों (इस उद्देश्य के लिए नियुक्त) द्वारा बच्चों का अखिल भारतीय जॉच का आयोजन शामिल होगा।

6. **खेल अवसंरचना का उपयोग एवं विकास**

देश में बहुसंख्यक स्कूलों, कॉलेजों और यहॉं तक की विश्वविद्यालयों में उपयुक्त खेल स्थलों और समर्थनकारी अवसंरचना की कमी है। विशेषकर केंद्र सरकार/राज्य सरकारों के नियंत्रण में मौजूदा उपलब्ध खेल संरचना का खिलाड़ियों और पड़ोसी समुदाय और पूरे देश से सदस्यों युक्त सक्रिय प्रबंधन समिति की प्रणाली के जरिए उपयोग करने का प्रयास किया जाएगा। देश भर में खेल अवसंरचना की उपलब्धता में कमी की पहचान करने और खेलो इंडिया के अंतर्गत सहायता से इन कमियों को पूरा करने के लिए एक उपयुक्त व्यवस्था तैयार की जाएगी। खेलो इंडिया योजना को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) योजना के साथ भी समरूपित किया जाएगा। राज्य भी खेलो इंडिया योजना के साथ विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास (एमएलएएलएडी) योजना को समरूपित करेगा। इस घटक में निम्नलिखित दो उप घटक होंगे :

i. विश्वविद्यालय उत्कृष्ट कार्यक्रम केंद्र : चुनिंदा विश्वविद्यालयों में खेल उत्कृ टता केंद्र की स्थापना के लिए।

ii. उपयुक्त खेल अवसंरचना का सृजन : इस घटक के अंतर्गत महत्वपूर्ण खेल अवसंरचना और अन्य अवसंरचना, जहॉं कमी है, के विकास के लिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों, एस ए आई आदि को सहायता अनुदान प्रदान किया जाएगा।

7. **राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता:** इस योजना के अंतर्गत पहचान की गई खेल प्रतिभाओं को एसएआई राष्ट्रीय खेल अकादमियों, राज्य खेल अकादमियों और निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित खेल स्कूलों या खेल अकादमियों में प्रवेश का विकल्प दिया जाएगा। दीर्घकालिक एथलीट विकास (एलटीएडी) कार्यक्रम (8 वर्ष के लिए) को सुकर बनाने और सहायता देने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण, राज्य सरकारों या निजी क्षेत्र या खिलाड़ी को चिह्नित विधाओं के संबंध में खेल अकादमियों की स्थापना, प्रचालन और अनुरक्षण के लिए सहायता अनुदान प्रदान किया जाएगा। अर्द्ध एथलीटों के लिए कम से कम एक अकादमी को सहायता दी जाएगी।

8. **शारीरिक स्वस्थता:** खेलो इंडिया के अंतर्गत भारत के सभी स्कूलों में शारीरिक स्वस्थता के एक घटक के कार्यान्वयन का प्रयास किया जाएगा। राष्ट्रीय शारीरिक स्वस्थता मानदंड को क्षेत्र–वार तैयार किया जाएगा और सभी राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में देश भर में सभी स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता के मूल्यांकन के लिए प्रत्येक स्कूल को एक टूल किट प्रदान किया जाएगा। खेल एवं शारीरिक शिक्षा के समेकन के लिए सलाहकारी भूमिका अदा करने के लिए एक व्यवस्था तैयारी की जाएगी। अनिवार्य विषय बनाकर, जिसके लिए अंक दिया जाएगा, खेल को स्कूल शिक्षा के साथ समेकित किया जाएगा। इसे स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सहयोग से किया जाएगा।

9. **महिलाओं के लिए खेल:** यद्यपि खेलो इंडिया योजना का सभी घटक लिंग तटस्थ है और खेल कार्यकलापों और खेलों के विकास में भाग लेने के लिए महिलाओं को भी अवसर प्रदान करता है, महिलाओं के लिए वार्षिक राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन का प्रस्ताव है। ऐसी खेल विधाओं पर जोर दिया जाएगा, जहॉं महिलाओं की भागीदारी कम है, ताकि ऐसी खेल विधाओं में अधिक महिलाएं भाग ले सकें।

10. **शांति एवं विकास के लिए खेल :** भारत सरकार जम्मू एवं कश्मीर के लिए विशेष पैकेज के अंतर्गत राज्य में खेल सुविधाओं की वृद्धि के लिए निधियां प्रदान कर रही है। इन अवसरंचनाओं का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए कोचों,

उपकरण, उपभोग्य वस्तुओं, तकनीकी सहायता, प्रतिस्पर्धा आदि के रूप में हल्की सहायता दी जाएगी। युवाओं की सकारात्मक भागीदारी के लिए जम्मू एवं कश्मीर राज्य में लोकप्रिय खेल विधाओं के संबंध में प्रखंड स्तरीय प्रतिस्पर्धा आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा। अन्य अतिवादी एवं आतंक प्रभावित और अन्य अशांत क्षेत्रों के मामले में भी ऐसे प्रयास किए जाएंगे।

11. **दिव्यांगजनों के बीच खेलों का संवर्धनः** दिव्यांगजनों के लिए विशिष्ट खेल अवसंरचना के सृजन के लिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों और एस ए आई को वित्तीय सहायता दी जाएगी। स्टेडियम को दिव्यांगजन उपयुक्त/बाधा रहित बनाने के लिए अपेक्षित निधियां दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की दिव्यांगजन कार्यान्वयन योजना अधिनियम (एसआईपीडीए) से लिया जाएगा। इस शीर्ष के अंतर्गत प्रदत निधियों का उपयोग खिलाड़ियों के वर्गीकरण, उपकरण, प्रशिक्षण और पैरालंपिक खेलों एवं विधाओं और प्रतिस्पर्धाओं के लिए दलों की तैयारी के लिए किया जाएगा।

12. **ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों का संवर्धनः** हमारी ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों के प्रदर्शन के लिए बारी–बारी से ग्रामीण और देशी/जनजातीय खेलों में खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत वार्षिक आधार पर प्रतिस्पधाओं का आयोजन किया जाएगा। ऐसे खेलों के बारे में सूचना प्रदान करने के लिए एक तीव्र एवं आकर्शित वेबसाइट भी चालू किया जाएगा। यह न केवल सूचना के प्रसार और इन खेलों के बारे में वर्तमान पीढ़ी की जिज्ञासा को बढ़ाएगा वरन् वृहत् स्तर पर इन खेलों में भाग लेने के लिए बच्चों एवं युवाओं को भी प्रोत्साहित करेगा, जिससे भविष्य में मुख्यधारा में शामिल होने का उनका मार्ग प्रशस्त होगा।

01.01.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना की मुख्य उपलब्धियां :

क) खेल अवसंरचना का उपयोग और सृजन/उन्नयन

450.22 करोड़ ₹ की स्वीकृत अनुमानित लागत से 01.01.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेल अवसंरचना का उपयोग और सृजन/उन्नयन शीर्ष के उपयोग से 66 नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं को स्वीकृत किया गया है। खेलो इंडिया योजना/पूर्ववर्ती शहरी खेल अवसरंचना योजना (यूएसआईएस) के अंतर्गत पिछले वर्षों के दौरान स्वीकृत अवसंरचना परियोजना की वचनबद्ध देयताएं सहित खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेल अवसंरचना परियोजओं के सृजन के लिए लाभार्थियों को कुल 276.46 करोड़ ₹ की राशि जारी की गई है।

ख) शांति एवं विकास के लिए खेल

खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए और इस प्रकार युवाओं को उपद्रवकारी गतिविधियों से दूर रखने के लिए राज्य के निवासियों को अवसर प्रदान करने के लिए 13 राज्यों (बाम अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों/उत्तर पूर्वी राज्यों/जम्मू एवं कश्मीर) में खेल गतिविधियों के आयोजन के लिए कुल 21.40 करोड़ ₹ की वित्तीय सहायता मंजूर की गई है। इस कार्यक्रम में गृह मंत्रालय द्वारा चिन्हित जम्मू एवं कश्मीर के 22 जिलों में 143 प्रखंडों, अरूणाचल प्रदेश के 8 जिलों, असम के 21 जिलों, बिहार के 04 जिलों, मणिपुर के 03 जिलों, मेघालय के 07 जिलों,मिजोरम के 03 जिलों, उड़ीसा के 02 जिलों, सिक्किम के 04 जिलों, तेलंगाना के 01 जिले, त्रिपुरा के 07 जिलों, नागालैंड के 03 जिलों और छत्तीसगढ़ के 08 जिलों को शामिल किया गया है। इसके

अलावा इंडिया एशियान फ्राइंडशिप कार रैली, 2018 के आयोजन के लिए अरूणाचल प्रदेश खेल प्राधिकरण को 10.71 लाख ₹ तथा जम्मू एवं कश्मीर राज्य में फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन के लिए युवा सेवाएं एवं खेल निदेशालय, जम्मू एवं कश्मीर सरकार को 3.69 करोड़ ₹ जारी किए गए हैं।

ग) वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धाः

खेल का दूसरा संस्करण अर्थात् 'खेलो इंडिया युवा खेल महाराष्ट्र, 2019' 9 जनवरी से 20 जनवरी, 2019 तक पूर्ण में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें 5925 एथलीटों, 1096 सहायक स्टाफ, 893 तकनीकी कर्मचारियों और 1021 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। खेल के भव्य शुभारंभ उत्सव में महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री और माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपस्थित थे।

घ) राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को खेलो इंडिया प्रतिभा विकास एवं समर्थनः

1. खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत उच्चाधिकार समिति (एचपीसी) द्वारा 20 खेल विधाओं का चयन किया गया है।

2. पहला खेलो इंडिया स्कूल गेम्स (केआईएसजी) के दौरान 17 खेल विधाओं से कुल 563 एथलीटों जबकि खेलो इंडिया युवा खेल महाराष्ट्र, 2019 (केआईवायजी) से 17 खेल विधाओं से कुल 512 एथलीटों को खेलो इंडिया योजना में प्रवेश की आगे की प्रक्रिया के लिए चयनित/अल्पसूचीकृत किया गया है।

3. विभिन्न राष्ट्रीय चैंपियनशिपों, खुली चयन जॉचों, के आई एस जी एवं के आई वाय जी से मूल्यांकन शिविरों से 20 खेल विधाओं में 2000 एथलीटों का चयन।

4. खेलो इंडिया एथलीटों (के आई ए) के प्रशिक्षण के लिए कुल 99 अकादमियों (एसएआई, राज्य सरकार/केंद्र सरकार और निजी) को प्रत्यायित किया गया है। प्रत्यायित खेल अकादमियों के अंतर्गत आवासीय खेलो इंडिया प्रतिभा (केआईटी) के वित्त पोषण के लिए मानकों के अंतर्गत प्रतिवर्ष प्रति प्रशिक्षु कुल लागत 6,24,400/–₹ है।

5. अगस्त 2018 से मार्च 2019 की अवधि के लिए के आई ए को आउट ऑफ पॉकेट भत्ता के रूप में कुल 9,21,20,000/–₹ की राशि जारी की गई है।

ड.) खेलो इंडिया मोबाइल एप्लीकेशनः

I) खेलो इंडिया मोबाइल एप्लीकेशन का माननीय प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 27 फरवरी, 2018 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में सफलतापूर्वक ुभारंभ किया। खेलो इंडिया मोबाइल एप्लीकेशन का ुभारंभ सूचना प्राप्त करने और विभिन्न पहलुओं तक पहुॅच को आसान बनाने चाहे वह खेल का आधार हो (कैसे खेलें), देशभर में उपलब्ध खेल क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करने (कहॉ खेलें)या देश में स्कूल जाने वाली आबादी की स्वस्थता मानदंड की मैपिंग करने में आम जन का समर्थ बनाने के लिए किया गया है। मोबाइल एप को 3 प्रमुख खंडों में बॉटा गया है, नामतः

i. कैसे खेलें?

इस खंड में दर्शक के लिए खेल की आधारभूत सूचनादी गई है –प्रत्येक 18 खेल विधाओं के लिए एनीमेशन फॉर्म में आधारभूत नियम एवं विनियम डाले गए हैं ताकि प्रयोक्ता अद्यतन नियमों एवं विनियमों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

ii. कहाँ खेलें?

देश भर में खेल क्षेत्रों के डाटा का रिपोजिटरी, जो प्रयोक्ताओं के लिए अपनी सुविधाओं पर खेलने का अवसर प्रदान करता है –यह खेल क्षेत्रों से कोचिंग एवं प्रशिक्षण सुविधाओं, अकादमियों की सेवाओं का रेंज हो सकता है, जो शुल्क लेकर या अन्यथा लोगों को अपनी सुविधाओं की पेशकश करता है।

iii. स्वस्थता मैपिंग/प्रतिभा खोज

स्वस्थता खंड के दो रूप हैं –एक आम जन के लिए है और दूसरा विशेष रूप से स्कूलों के लिए निरूपित है।

आम जन –अपने बच्चों के स्वस्थता स्तर को मैप करने में प्रत्येक माता–पिता/परिवार को समर्थ बनाना।

स्कूल इंटरफेस – भारत में 1.5 मिलीयन से अधिक स्कूल और 30 करोड़ स्कूल जाने वाले बच्चे हैं (अन्य 7 करोड़ या तो स्कूल में नहीं हैं या स्कूल छोड़ दिए हैं) और भारत में स्कूल जाने वाले बच्चों के स्वस्थता स्तर का मापन बहूत ही कठिन है।

2) स्वस्थता एप इस देश के बच्चों के लिए अब तक पहली बार राष्ट्रीय स्वस्थता इंडेक्स (एन एफ आई) विकसित करने का हमें अद्वितीय अवसर देता है। उपलब्ध स्वस्थता डाटा हमें बच्चों के बीच सारवान खेल प्रतिभा को मैप करने और पहचान करने में सहायता करेगा और आगे इसका उपयोग अल्पसूचीकृत बच्चों के लिए खेल विधाओं की मैपिंग और संस्तुतिकरण में किया जाएगा। एप का स्वस्थता खंड, जो सर्वाधिक सक्रिय विशेषता है, बच्चों की वैज्ञानिक स्वस्थता मैपिंग कार्य के जरिए युवा खेल प्रतिभा की पहचान के लिए इस मोबाइल एप का यू एस पी है।

च) स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थताः

1. सी बी एस ई अध्यापकों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रम का पहला राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 19 से 28 दिसंबर, 2018 के बीच आयोजित किया गया। सी बी एस ई द्वारा नामित सभी भागीदारों को प्रशिक्षण दिया गया और प्रशिक्षण पूरा होने के बाद सभी भागीदारों को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। शारीरिक शिक्षा अध्यापक प्रमाणित मास्टर प्रशिक्षकों की कुल संख्या – 198

2. स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक स्वस्थता के अंतर्गत कुल 715 स्कूलों का पंजीकृत किया गया है, जिसमें से 153 स्कूलों को सत्यापित किया गया है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि 133412 छात्रों का डाटा अपलोड किया गया है। इसके अलावा, 22389 मूल्यांकनकर्ता पंजीकृत हुए हैं, जिसमें 182 मूल्यांकनकर्ता अनुमोदित किए गए हैं और 22207 मूल्यांकनकर्ता सत्यापित नहीं हैं। एप के जरिए कुल 6698 मूल्यांकन किए गए हैं।

छ) महिलाओं के लिए खेलः

इस शीर्ष के अंतर्गत 15 से 24 नवंबर, 2018 तक नई दिल्ली में आयोजित ए आई बी ए विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप, 2018 आयोजित करने के लिए भारतीय मुक्केबाजी संघ को 3 करोड़ ₹ की सहायता दी गई है।

ज) राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्रः

1. 11 एसएआई प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) और 07 विशेष क्षेत्र खेलों (एसएजी) को राज्य स्तरीय

खेलो इंडिया केंद्र (एसएलकेआईसी) में परिवर्तित किया गया था।

2. अब तक इन 18 खेलो इंडिया केंद्र में एसएलकेआईसी के अंतर्गत 2124 प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है। इन 18 एसएलकेआईसी के अलावा वर्तमान में कोई अन्य एसएलकेआई सी नहीं है।

झ) दिव्यांजनों के बीच खेलों का संवर्धन:

इस शीर्ष के अंतर्गत 10 से 12 जुलाई, 2018 तक बंगलुरू में आयोजित अर्द्ध एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2018 आयोजित करने के लिए भारतीय पैरालंपिक्स समिति (पीसीआई) को ₹ 12,24,000 की सहायता दी गई है।

ञ) ग्रामीण तथा देशी/जनजातीय खेलों का संवर्धन:

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत विधाओं नामतः मल्लखंभ, स्क्वे, कलारिपयात्तु, येचिंग, खो–खो, हैंडबॉल, टेबल टेनिस और रॉल–बॉल के लिए अनेक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

ट) समुदाय कोचिंग विकास

समुदाय कोचिंग विकास के अंतर्गत एलएनआईपीई, ग्वालियर में चार मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें कुल 201 मास्टर प्रशिक्षकों ने समुदाय कोचिंग प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अलावा, एलएनआईपीई, एनईआरसी, गुवाहाटी, असम में भी एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 13 मास्टर प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वित्त वर्ष 2017 – 2018 और 2018 –2019 के दौरान खेलों इंडिया स्कीम का बजट आवटंन और उपयोग:

(करोड़ ₹ में)

वर्ष	अनुमोदित आवंटन			वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	अंतिम अनुमान	
2017-18	350	350	350	346.99
2018-19	520.09	500.09	375.09	342.24

- 01.01.2018 से 31.03.2019 के दौरान 'उपयोग तथा खेल अवसंरचना का सृजन / उन्नयन ' के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा अनुबंध–VII में दिया गया है।
- 01.01.2018 से 31.03.2019 के दौरान खेलों इंडिया के अन्य घटकों के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा अनुबंध –VIII में दिया गया है।

II. प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) – जम्मू और कश्मीर में खेल अवसंरचना सुविधाओं का संवर्धन

माननीय प्रधान मंत्री ने 07.11.2015 को जम्मू एण्ड कश्मीर के लिए विशेष पैकेज को मंजूरी दी और घोषणा की, जिसमें अन्य के साथ–साथ कोचों / प्रशिक्षकों / फर्नीचर / प्रतियोगिता / प्रोत्साहन / पुरस्कार राशि की खेल अवसंरचना सुविधाओं के लिए ₹ 200 करोड़ का पैकेज शामिल है। कार्य प्रगति पर है। खेल बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं पूरी हो जाने पर, उनका राज्य में खेल प्रोत्साहन गतिविधियों के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा संचालन और उपयोग किया जाएगा। परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा निष्पादित परियोजनाएं

(करोड़ ₹ में)

क्र. सं.	परियोजनाएं	चिन्हित राशि	स्थिति
1.	फीफा मानक के अनुसार बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर का नवीनीकरण और विकास	44.00	कार्य प्रगति पर है
2.	अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए आईसीसी मानक के अनुसार मौलाना आज़ाद (एम.ए.) स्टेडियम, जम्मू का नवीनीकरण और विकास	40.00	कार्य प्रगति पर है
3.	खेल उपकरण, कोच / प्रशिक्षक आदि।	5.37	इस राशि का उपयोग तैयार किए जा रहे बुनियादी ढांचें के लिए किया जाएगा
कुल (क)		89.37	

जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा निष्पादित की जा रही परियोजनाएं (करोड़ ₹ में)

क्र. सं.	परियोजनाएं	चिन्हित राशि	स्थिति
1.	22 इंडोर हॉल का निर्माण i. सेहपोरागांदरबल ii. शदीपोरासंबल, बांदीपोरा iii. काइमोह, कुलगाम iv. बिजबेहरा, अनंतनाग v. त्राल, पुलवामा vi. रामनगर, उधमपुर vii. सांबा viii. भगवती नगर, जम्मू ix. बिलावर, कठुआ x. मीर गुंडपट्टन, बारामूला xi. सोइबुग, बडगाम xii. राजपोरा, पुलवामा xiii. ज़दीबाल, श्रीनगर xiv. शोपियां xv. कुबथांग, कारगिल xvi. कोटरनंका, राजौरी xvii. मंडी, पुंछ xviii. गुल, रामबन xix. डोडा xx. किश्तवाड़ xxi. रियासी xxii. हंदवाड़ा, कुपवाड़ा	88.00 (प्रत्येक 22 इनडोर हॉलों के लिए ₹ 4.00 करोड़)	एक इनडोर हॉल (सेहपोरा, गांदरबल) पहले से ही पूरा हो गया है और माननीय प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया है। अन्य इनडोर हॉल के काम चल रहे हैं।

(करोड़ ₹ में)

क्र. सं.	परियोजनाएं	चिन्हित राशि	स्थिति
2.	राजोरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियमों का उन्नयन	4.00	कार्य प्रगति पर है
3.	सुभाष स्टेडियम, उधमपुर जम्मू का उन्नयन / कार्य समापन	10.00	कार्य प्रगति पर है
4.	जम्मू और श्रीनगर में जल क्रिडाओं के बुनियादी ढांचे का विकास	6.00;3 (प्रत्येक परियोजना के लिए ₹ 3.00 करोड़)	कार्य शुरू होना है
5.	टीआरसी ग्राउंड / गनी स्टेडियम में लाइट व्यवस्था	2.63	कार्य प्रगति पर है
कुल (ख)		110.63	
सकल योग (क+ख)		200.00	

प्रधान मंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) का बजट आवंटन और उपयोग – वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान जम्मू और कश्मीर में खेल अवसरचना सुविधाओं का संवर्धन

(करोड़ ₹ में)

अनुमोदित अवंटन			वास्तविक व्यय
वर्ष	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2018–19	50.00	50.00	33.57

III एमडीएसडी के संबंध में 31.03.2018 तक सी एंड एजी की रिपोर्टों के बकाया लेखा–परीक्षा पैरा दर्शाने वाला

क्र. सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा संख्या	संक्षिप्त विषय	टिप्पणी
1.	वर्ष रू 2011–13	1. भाग II क	पंचायत युवा क्रिड़ा और खेल अभियान के कार्यान्वयन में अनियमितताएं	22.11.2016 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा लेखा–परीक्षा को उत्तर भेज दिया गया। लेखा–परीक्षा के उत्तर की प्रतीक्षा है
2.	एएमजीIII/7–122/ आईआर/ वाईएएस/2017–18 वर्ष रू 2016–17	3	योजना का बहुत कम कार्यान्वयन जिससे ₹ 4.01 करोड़ की धनराशि बची रही।	14.11.2018 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा लेखा–परीक्षा को उत्तर भेज दिया गया। लेखा–परीक्षा के उत्तर की प्रतीक्षा है

3.	एएमजीIII/7.83/ आईआर/ वाईएएस/2018–19 वर्ष रू 2017–18	3	₹ 1.27 करोड़ की धनराशि का ब्लॉक होना और ₹ 38.10 लाख ब्याज का नुकसान	12.18.2018 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा लेखा–परीक्षा को उत्तर भेज दिया गया। लेखा–परीक्षा के उत्तर की प्रतीक्षा है
4.		6	2.78 करोड़ की ब्याज राशि का नुकसान	
5.		9	जेएलएन स्टेडियम में दो इनडोर हॉल का निर्माण	
6.		10	पीवाईकेकेए/आरजीकेए /एसएसडीएफ से ₹ 1.09 करोड़ का अन्यत्र उपयोग	
7.		13	जम्मू एण्ड कश्मीर पैकेज	
8.		14	यूएसआईएस योजना की खराब निगरानी जिससे ₹ 44.00 करोड़ की धनराशि ब्लॉक हुई	
9.		15	₹ 185.12 करोड़ की धनराशि जारी करने में अनियमितता	
10.		20	₹ 513 करोड़ के उपयोग प्रमाणपत्र प्राप्त न होना	

स्वैच्छिक संगठनों (वीओ) / गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) को पिछले 3 वर्षों 2015–16, 2016– 17 और 2017–18, के लिए स्वीकृत सहायता अनुदान के संबंध में उपयोग प्रमाणपत्र (यूसी) प्रस्तुत न होने की स्थिति दर्शाने वाला निर्धारित प्रोफार्मा में योजनावार ब्यौरा नीचे दिया गया है:–

क्रम संख्या	एनजीओ / वीओ का नाम	राशि जिसके लिए एनजीओ / वीओ द्वारा यूसी प्रस्तुत नहीं किया गया	यूसी जमा नहीं करने का कारण	यूसी मांगे बिना एनजीओ / वीओ को और अनुदान देने के कारण
शून्य				

IV. **एनजीओ / वीओ को 2018–19 के दौरान एक लाख रू. और इससे अधिक के सहायता अनुदान का निर्धारित प्रोफार्मा में योजना–वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:–**

क्र. सं.	एनजीओ / वीओ का नाम और पता	जारी राशि (करोड़ रू. में)	उद्देश्य जिसके लिए अनुदान जारी किया गया
1	स्पेशल ओलंपिक भारत	0.71	खेलों इंडिया योजना के दिव्यांगजनों में खेलों का संवर्धन घटक के तहत कार्यकलाप करने पर 2017–18 के दौरान किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति

*****

अध्याय-17

खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से संबंधित योजनाएं

1. राष्ट्रीय खेल संघ को सहायता की योजना

इस योजना के अंतर्गत भारत सरकार राष्ट्रीय खेल संघों (एन एस एफ) को भारत में राष्ट्रीय चैंपियनशिप एवं अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन, विदेश में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भागीदारी, कोचिंग शिविरों के आयोजन, खेल उपकरण की खरीदऔर विदेशी कोचों की नियुक्ति के लिए सहायता प्रदान करती है। भारतीय एथलीटों की तैयारी और देश की पदक उम्मीदों में वृद्धि के उद्देश्य से 2015 में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल संघ को सहायता की योजना के अंतर्गत वित्तीय मानदंडों को बढ़ाया और वित्तीय सहायता को प्रति टूर्नामेंट ₹ 10 लाख से बढ़ाकर ₹ 30 लाख कर दिया गया है। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए राशि को वरि ठों, कनि ठों एवं उप–कनिष्ठों के लिए ₹ 2 लाख से संशोधित करके वरिष्ठों के लिए 5 लाख ₹, कनि ठों के लिए ₹ 7 लाख एवं उप–कनि ठों के लिए ₹ 10 लाख कर दिया गया है। एथलीटों के लिए ₹ 5 लाख की मेडिकल पॉलिसी और ₹ 25 लाख की व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी की अनुमति दी गई है। एन एस एफ को रु. 10 लाख तक का उपकरण खरीदने की अनुमति दी गई है। परंपरागत टूर्नामेंटों के संवर्धन के लिए ऐसे प्रत्येक स्पर्धाओं के लिए ₹5 लाख तक की सहायता का नया प्रावधान किया गया है। भारत में प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए ₹ 25 लाख की सहायता उपलब्ध होगी। इससे टूर्नामेंटों की गुणवत्ता में सुधार में सहायता मिलेगी। 'अन्य' श्रेणी में खेल विधाओं को वित्तीय सहायता को पुनः स्थापित किया गया है।

निचले स्तर पर खेलों का संवर्धन

भारतीय स्कूल खेल संघ (एसजीएफआई) और विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) देश में स्कूल स्तर/कॉलेज स्तर पर खेल के संवर्धन और विकास के लिए जिम्मेवार हैं। एस जी एफ आई/ए आई यू को सरकार की वरीयता सूची में रखी गई है और उन्हें प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धाओं के सहमत वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) के अनुसार अपेक्षित सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। निचले स्तर पर खेलों को और बढ़ावा देने के लिए इशा आउटरीच एंड स्कूल स्पॉर्ट्स प्रोमोशन फाउंडेशन (एसएसपीएफ) को राष्ट्रीय खेल संवर्धन संगठन (एनएसपीओ) के रूप में मान्यता दी गई है।

भारतीय दलों/खिलाड़ियों ने निम्नलिखित बहु–विषयक स्पर्धाओं में भाग लिया, जिसके लिए सरकार ने अपनी अनापत्ति और भारतीय घटक की भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की :

1. 4 से 15 अप्रैल, 2018 तक गोल्ड कॉस्ट, आस्ट्रेलिया में कॉमनवेल्थ खेल
2. 18 अगस्त से 20 सितंबर, 2018 तक जकार्ता एवं पालेमबेंग, इंडोनेशिया में एशियाई खेल, 2018
3. 6 से 13 अक्तूबर, 2018 तक जकार्ता, इंडोनेशिया में एशियाई पैरा खेल, 2018
4. 6 से 18 अक्तूबर, 2018 तक ब्यूनस एरीस,

आस्ट्रेलिया में ग्रीष्म युवा ओलंपिक, 2018

भारतीय टीमों / खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदक इस प्रकार है:

क्र. सं.	प्रतियोगिता / स्पर्धा	प्रतिभागियों की संख्या	स्थल	पदक			कुल
				स्वर्ण	रजत	कांस्य	
1.	राष्ट्र मण्डल खेल, 2018	325	गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया	26	20	20	66
2.	एशियाई खेल, 2018	804	जकार्ता, इंडोनेशिया	15	24	30	69
3.	एशियाई पारा खेल, 2018	296	जकार्ता, इंडोनेशिया	15	24	33	72
4.	युवा ओलंपिक खेल, 2018	96	ब्यूनस आयरस, अर्जेंटीना	3	9	1	13
			कुल	59	77	84	220

विधावार पदक उपलब्धियां:

गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में 4 से 15 अप्रैल, 2018 तक राष्ट्र मण्डल खेल, 2018

खेल–वार पदक				
खेल	**स्वर्ण**	**रजत**	**कांस्य**	**कुल**
निशानेबाजी	7	4	5	16
कुश्ती	5	3	4	12
भारोत्तोलन	5	2	2	9
मुक्केबाजी	3	3	3	9
टेबल टेनिस	3	2	3	8
बैडमिंटन	2	3	1	6
एथलेटिक्स	1	1	1	3
स्क्वॉश	0	2	0	2
पॉवर लिफ्टिंग	0	0	1	1

कुल	26	20	20	66

जकार्ता और पलेमबांग, इंडोनेशिया में 18 अगस्त से 2 सितम्बर, 2018 तक एशियाई खेल, 2018

खेल –वार पदक				
खेल	**स्वर्ण**	**रजत**	**कांस्य**	**कुल**
एथलेटिक्स	7	10	2	19
निशानेबाजी	2	4	3	9
कुश्ती	2	0	1	3
ब्रिज	1	0	2	3
लॉन टेनिस	1	0	2	3
नौकायन	1	0	2	3
मुक्केबाजी	1	0	1	2
तीरंदाजी	0	2	0	2
धुड़सवारी	0	2	0	2
स्क्वॉश	0	1	4	5
सेलिंग	0	1	2	3
बैडमिंटन	0	1	1	2
फील्ड हॉकी	0	1	1	2
कब्बड़ी	0	1	1	2
कुरश	0	1	1	2
बुशू	0	0	4	4
टेबल टेनिस	0	0	2	2
सेपकटक्रा	0	0	1	1
कुल	**15**	**24**	**30**	**69**

जकार्ता, इंडोनेशिया में 6 से 13 अक्तूबर, 2018 तक एशियाई पारा खेल, 2018

खेल	**स्वर्ण**	**रजत**	**कांस्य**	**कुल**
तीरंदाजी	1	0	0	1
बैडमिंटन	3	0	6	9
शतरंज	2	5	2	9
साइकलिंग	0	0	1	1
पारा एथलेटिक्स	7	13	16	36
पारा पॉवरलिफ्टिंग	0	2	2	4
पारा निशानेबाजी	1	1	1	3
पारा तैराकी	1	2	5	8

टेबल टेनिस	0	1	0	1
कुल	**15**	**24**	**33**	**72**

ब्यूनस आयरस, अर्जेंटीना में 6 से 18 अक्तूबर, 2018 तक ग्रीष्मकालीन युवा ओलंपिक खेल, 2018

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
निशानेबाजी	2	2	0	4
भारोत्तोलन	1	0	0	1
फील्ड हॉकी	0	2	0	2
एथलेटिक्स	0	1	1	2
तीरंदाजी	0	1	0	1
बैडमिंटन	0	1	0	1
जूड़ो	0	1	0	1
कुश्ती	0	1	0	1
कुल	3	9	1	13

राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता की योजना के तहत विभिन्न संगठनों को दी गई वित्तीय सहायता नीचे तालिका में दी गई हैं :

क्र. सं.	विधा / राष्ट्रीय खेल परिसंघ	2018.2019 (₹ करोड़ में)
1	भारतीय तीरंदाजी संघ	18.53
2	भारतीय एथलेटिक्स परिसंघ	21.24
3	भारतीय बैडमिंटन संघ	21
4	भारतीय मुक्केबाजी परिसंघ	46.18
5	हॉकी इंडिया	39
6	भारतीय जूड़ो परिसंघ	3.95
7	भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ	38.61
8	भारतीय ताइकवोंडू परिसंघ	2.49
9	भारतीय भारोत्तोलन परिसंघ	8.14
10	भारतीय कुश्ती परिसंघ	23.56
11	भारतीय जिमनास्टिक्स परिसंघ	0.9
12	भारतीय गोल्फ यूनियन	1.01
13	भारतीय अव्यावसायी कब्बड़ी परिसंघ	3.03
14	भारतीय नौकायन परिसंघ	3.84
15	भारतीय रैकेट स्क्वॉश परिसंघ	3.52
16	भारतीय तैराकी परिसंघ	7.89

17	अखिल भारतीय टेनिस संघ	3.7
18	भारतीय बुशू संघ	4.41
19	भारतीय नौका जल विहार संघ	3.36
20	भारतीय ब्रिज परिसंघ	1.83
21	भारतीय बास्केटबॉल परिसंघ	5.24
22	भारतीय बिलियर्ड एण्ड सनूकर परिसंघ	3.24
23	अखिल भारतीय शतरंज परिसंघ	4.27
24	भारतीय साइकलिंग परिसंघ	8.11
25	अखिल भारतीय बधिर परिषद	1.17
26	भारतीय घुड़सवारी परिसंघ	2.89
27	अखिल भारतीय फुटबॉल परिसंघ	23.08
28	फुटबॉल अंडर– 17	.
29	भारतीय हैंडबॉल परिसंघ	2.99
30	भारतीय कयाकिंग और कैनोइंग संघ	1.87
31	भारतीय पारालम्पिक समिति	6.03
32	भारतीय सेपकटक्रा परिसंघ	1.24
33	विशेष ओलंपिक भारत	5.26
34	भारतीय टेबल टेनिस परिसंघ	8.89
35	भारतीय वॉलीबॉल परिसंघ	5.04
36	एसजीएफआई	.
37	एआईयू	.
38	भारतीय पटेबाजी संघ	2.99
39	भारतीय खो–खो परिसंघ	.
	कुल	**338.51**

वर्ष 2019–2020 के लिए, राष्ट्रीय खेल परिसंघ को सहायता की योजना के तहत प्रस्तावित बजट अनुमान 245.00 करोड़ ₹ है, जिसका ब्यौरा इस प्रकार है :–

सहायता अनुदान – सामान्य	₹ 150.00 करोड़
पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान	₹ 25.50 करोड़
विज्ञापन और प्रचार	₹ 01.00 करोड़
अनुसूची जाति घटक (जीआईए –सामान्य)	₹ 41.00 करोड़
अनुसूचित जनजाति घटक (जीआईए –साामान्य)	₹ 21.50 करोड़

अन्य शुल्क	₹ 06.00 करोड़
कुल	**₹ 245.00 करोड़**

2. खेल में मानव संसाधन विकास की योजना

उद्देश्यः

खेलों में मानव संसाधन विकास की योजना, खेल विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2013–14 में "प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण की योजना" में पूरी तरह से संशोधन के बाद एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में शुरू की गई थी। योजना का मुख्य बल खेल प्रबंधन के लिए मास्टर और खेल और खेल के विशिष्ट विषयों में डॉक्टरेट स्तर, जहां मानव संसाधन अपर्याप्त हैं, में विशिष्ट अध्ययन के लिए योग्य उम्मीदवारों को फेलोशिप प्रदान करके शैक्षिक और बौद्धिक पक्ष पर जोर देना है। यह योजना खेल प्रबंधन का समर्थन करने के लिए खेल विषयों पर अनुसंधान और विकास परियोजनाएं और प्रकाशन भी प्रदान करती है। यह योजना कोचों, तकनीकी और सहायक कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और अल्पकालिक पाठ्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा, खेल विशेषज्ञ को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार / सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया जाता है; विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करके या उन्हें विदेशी संस्थानों में भेजकर देश के भीतर कोचिंग कैंप / सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला आयोजित / आयोजित करने के लिए भी सहायता दी गई है।

मुख्य विशेषताएंः

इस योजना के तहत कोचों और खेल विशेषज्ञों को खेल विषयों, प्रशिक्षण और अल्पावधि पाठयक्रमों के संबंध में फैलोशिप और अनुसंधान के लिए, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनारों, सम्मेलनों में भाग लेने तथा देश के भीतर ऐसे सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए सहायता दी जाती है।

लक्षित समूहः

कोच, मैच अधिकारी और सहायक कर्मी (जैसे जज न्यायाधीश, अंपायर, रेफरी आदि) संबंधित खेल विषयों में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए आवश्यक हैं। इस प्रकार, इस लक्षित समूह के लिए विदेशों में अर्हक परीक्षा में प्रशिक्षण/उपस्थिति के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। विशेष अध्ययन के छात्र और खेल और खेल से संबंधित विशिष्ट विधाओं के स्नातकोत्तर छात्र भी इस योजना में लक्षित समूह हैं।

बजट प्रावधानः

वित्तीय वर्ष (2018–19) के दौरान योजना के तहत बजट प्रावधान 5 करोड़ ₹ था।

3. राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ)

राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) की स्थापना 1998 में चैरिटेबल एंडॉवमेंट एक्ट 1890 के तहत भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा 12 नवंबर 1998 को की गई थी जिसका उद्देश्य निजी/कॉर्पोरेट क्षेत्र और अनिवासी भारतीयों सहित गैर–सरकारी स्रोतों से संसाधन जुटाना था जिसमें सरकार बराबर का अनुदान प्रदान करती है। एनएसडीएफ तकनीकी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन के साथ अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कोचों के तहत प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए अवसर प्रदान करके क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों का समर्थन करता है। विभिन्न पीएसयू देश में खेल / खिलाड़ियों के वित्त पोषण को बढ़ाने के लिए इस कोष में योगदान दे रहे हैं।

इस कोष का प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा गठित युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की अध्यक्षता में एक परिषद द्वारा किया जाता है। कोष के दैनिक कार्य का प्रबंधन खेल विभाग के सचिव की अध्यक्षता वाली कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता है।

एनएसडीएफ के उद्देश्य हैंः–

क) सामान्यतः राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर में उत्कृष्टता प्राप्त करने और विशेष रूप से विशिष्ट खेल विषयों और अलग–अलग खेलों में खेल को बढ़ावा देने के लिए कोष का संचालन और उपयोग करना।

ख) खिलाड़ियों, कोचों और खेल विशेषज्ञों को प्रासंगिक खेलों में विशेष प्रशिक्षण और कोचिंग प्रदान करना।

ग) खेल और क्रिड़ाओं को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और रखरखाव करना।

घ) खेल और क्रिड़ाओं को बढ़ावा देने के लिए संगठनों और व्यक्तियों को खेल उपकरण की आपूर्ति करना।

ड.) खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सहायता करने हेतु समस्याओं की पहचान करना और अनुसंधान और विकास अध्ययन करना।

च) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, विशेष रूप से आदान–प्रदान करने में, जो खेल के विकास को बढ़ावा दे सकते हैं।

छ) पूर्वोक्त उद्देश्यों में से किसी भी संबंधित परियोजनाओं के लिए कम ब्याज या ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करना।

प्राप्त योगदानः

2018–19 (31.3.2019 तक) के दौरान एनएसडीएफ को ₹ 784.71 लाख का योगदान प्राप्त हुआ; भारत सरकार ने इस अवधि के दौरान ₹ 200.00 लाख का बराबर का योगदान दिया।

खेल अवसंरचना परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय खेल विकास कोष (एनएसडीएफ) से दिया गया वित्तीय अनुदान

2018–19 के दौरान, खेल अवसंरचना के विकास के लिए संस्थानों और अकादमियों को ₹ 3809.37 लाख की एनएसडीएफ सहायता दी गई।

खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता

एनएसडीएफ द्वारा खिलाड़ियों को अपने कौशलों का उन्नयन करने और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भागीदारी के लिए उपकरण खरीदने हेतु प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय अकादमियों के कोचों के तहत भारत और विदेशों में विशेष प्रशिक्षण लेने के लिए सीधे खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता दी जाती है।

2018–19 के दौरान विशेष प्रशिक्षण और आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस (ओपीए) के लिए खिलाड़ियों को ₹ 667.17 लाख की सहायता प्रदान की गई। इसमें 252 खिलाड़ियों को ₹ 594 लाख का ओपीए शामिल था।

*****

अध्याय 18

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन संबंधी योजनाएं

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा खेलों के क्षेत्र में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू किया जाता है :

1. **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार की शुरूआत** वर्ष 1991–92 में की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, उस वर्ष, जब पुरस्कार दिया जाना है, से ठीक 4 वर्ष पहले की अवधि में खेलों के क्षेत्र में खिलाड़ी के शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उसे एक पदक तथा 7.5 लाख ₹ का नकद पुरस्कार दिया जाता है। सामान्यतः प्रत्येक वर्ष केवल एक पुरस्कार दिया जाता है। इस योजना के शुरू होने से अब तक 36 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया गया।

   वर्ष 2018 के दौरान दो खिलाड़ियों को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया :

क्र. सं.	नाम	खेल विधा
1.	श्री विराट कोहली	क्रिकेट
2.	सुश्री मीराबाई चानू	भारोत्तोलन

2. अर्जुन पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1961 में की गई थी और यह उन खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार वर्षों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासन को दर्शाया है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान – पट्टिका, औपचारिक पोशाक और 5.00 लाख ₹ की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष विजेताओं को 15 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। अब तक विभिन्न खेल विधाओं से 851 उत्कृष्ट खिलाडियों को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

वर्ष 2018 के लिए निम्नलिखित खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है : –

क्र. सं.	उम्मीदवार का नाम	खेल क्षेत्र
1.	श्री नीरज चौपड़ा	एथलेटिक्स
2.	नायब सुबेदार जिंसन जॉनसन	एथलेटिक्स
3.	सुश्री हिमा दास	एथलेटिक्स
4.	सुश्री नेलाकुर्ती सिक्की रेड्डी	बैडमिंटन
5.	सुबेदार सतीश कुमार	मुक्केबाजी
6.	सुश्री स्मृति मंधाना	क्रिकेट
7.	श्री शुंभकर शर्मा	गोल्फ
8.	श्री मनप्रीत सिंह	हॉकी
9.	सुश्री सविता	हॉकी

10.	कर्नल रवि राठौर	पोलो
11.	अंकुर मित्तल	निशानेबाजी
12.	सुश्री राही सर्नोबत	निशानेबाजी
13.	सुश्री श्रेयसी सिंह	निशानेबाजी
14.	श्री जी. सतिया	टेबल टेनिस
15.	सुश्री मणिका बत्रा	टेबल टेनिस
16.	श्री रोहन बोपन्ना	टेनिस
17.	श्री सुमित	कुश्ती
18.	सुश्री पूजा कादियान	बुशू
19.	श्री अंकुर धामा	पारा– एथलेटिक्स (नेत्रहीन)
20.	श्री मनोज सरकार	पारा– बैडमिंटन

3. **द्रोणाचार्य पुरस्कार** 1985 में शुरू किया गया था। इस पुरस्कार से उन प्रतिष्ठित कोचों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की हो। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹ 5 लाख का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सामान्यतः, प्रत्येक वर्ष 5 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। इसकी शुरूआत के पश्चात से 108 कोचों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2018 के लिए निम्नलिखित खिलाड़ियों को द्रोणाचार्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है : –

क्र. सं.	पुरस्कार विजेता का नाम	खेल विधा
1.	श्री सुखदेव सिंह पन्नू	एथलेटिक्स
2.	सुबेदार चेनंदा अचइया कुट्टप्पा	मुक्केबाजी
3.	श्री ए. श्रीनिवास राव	टेबल टेनिस
4.	श्री विजय शर्मा	भारोत्तोलन
5.	श्री वी.आर. बीडू	एथलेटिक्स (आजीवन)
6.	श्री तारक सिन्हा	क्रिकेट (आजीवन)
7.	श्री क्लेरेंस लोबो	हॉकी (आजीवन)
8.	श्री जीवन कुमार शर्मा	जूडो (आजीवन)

4. **खेलों और खेलकूद क्षेत्रों में आजीवन उपलब्धियों** के लिए ध्यान चंद पुरस्कार की शुरूआत वर्ष 2002 में की गई थी। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया हो और जिन्होंने खेल क्षेत्र से अपनी सेवानिवृत्ति के पश्चात भी खेल को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से अपना योगदान जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और ₹ 5.00 लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। शुरूआत से अब तक 55 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2018 के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से निम्नलिखित खिलाड़ियों को सम्मानित किया है : –

क्र. सं.	पुरस्कार विजेता का नाम	खेल क्षेत्र
1.	श्री सत्यदेव प्रसाद	तिरंदाजी
2.	सुश्री बॉबी अलोयसियस	एथलेटिक्स
3.	श्री भारत कुमार चेत्री	हॉकी
4.	श्री चौगले दादू दत्तात्रेय	कुश्ती

5. **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी:** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतियोगी खेलों को बढ़ावा देने के विचार से, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी के साथ ₹ 10 लाख का नकद पुरस्कार अन्तर विश्वविद्यालय खेल टूर्नामेंटों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय को प्रदान किया जाता है। दूसरे और तीसरे स्थान के विश्वविद्यालयों को नकद पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को क्रमशः ₹ 5 लाख और ₹ 3 लाख प्रदान किए जाते हैं।

गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर को वर्ष 2017–18 के लिए 2018 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा माका ट्राफी प्रदान की गई।

6. **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कारः** खिलाड़ियों और कोचों के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा खेल के विकास में किए गए योगदान के सम्मान में सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार शुरू किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास, उत्कृष्ट खेल अकादमियों को बढ़ावा देना, विशिष्ट खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना और खिलाड़ियों को रोजगार।

वर्ष 2018 के लिए निम्नलिखित संस्थाओं को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया था : –

क्र. सं.	श्रेणी	राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2018 के लिए अनुशंसित संस्था
1.	उभरती व युवा प्रतिभाओं को पहचानना व उनका पोषण करना	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
2.	कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन	जेएसडब्ल्यू सर्पोर्टस
3.	विकास के लिए खेल	ईशा आउटरीच

7. **अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में विजेताओं और उनके कोचों** के लिए विशेष पुरस्कार योजना का आरंभ 1986 में उच्च उपलब्धियों के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उत्साहवर्द्धन करने और युवाओं को खेल को कैरियर बनाने के लिए आकर्शित करने के लिए किया गया था। मंत्रालय ने 29.01.2015 को इस योजना को संशोधित किया है, जिसमें पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नकद पुरस्कार में काफी वृद्धि की गई है और इस योजना के भेदभाव संबंधी खण्ड, जिसके तहत पारा–ओलंपिक, दिव्यांगों, बधिर, मूक, नेत्रहीन आदि के लिए विशेष ओलंपिक चैंपियनशिप जैसी कड़ी प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेताओं के साथ भेदभाव होता था, को हटाया गया था, उन्हें संशोधित योजना में पुनः शामिल किया गया। इस योजना को 20 जून, 2017 को संशोधित किया गया है जिसके द्वारा योजना में नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप की श्रेणी को भी शामिल किया गया है।

इस योजना में 30.05.2018 को पुनः संशोधन किया गया जिसके द्वारा तीन प्रकार के कोचों में – मूल स्तर, विकास स्तर और प्रमुख स्तर पर अलग–अलग स्पर्धाओं में पदक दिलाने वाले

कोचों को देय नकद पुरस्कार की राशि वितरित की गई है। किसी कोच को पुरस्कार राशि कोचिंग दिए गए खिलाड़ी को दी गई पुरस्कार राशि का 50 प्रतिशत है। इस योजना के तहत नीचे दी गई तालिका के अनुसार मान्यता प्राप्त अन्तराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने हेतु खिलाड़ियों और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं:

क श्रेणीः मुक्त श्रेणी के खेल

(पुरस्कार राशि : ₹ में)

क्र. सं.	आयोजन का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	विश्व चैंपियनशिप या विश्व कप (चार वर्षीय चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5.	विश्व चैंपियनशिप / विश्व कप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6.	विश्व चैंपियनशिप / विश्व कप (वार्षिक रूप से आयोजित) / ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7.	एशियाई चैंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8.	एशियाई चैंपियनशिप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9.	एशियाई चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12.	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (वार्षिक आयोजन)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13.	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

ख श्रेणी : पारा–खेल

क्र. सं.	आयोजन का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	पारालम्पिक्स खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	पारा एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख

3.	राष्ट्रमंडल खेल (पारा एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	आईपीसी विश्व कप / चैंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5.	आईपीसी विश्व कप / चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख

ग श्रेणी : नेत्रहीनों के लिए खेल

क्र. सं.	आयोजन का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	आईबीएसए विश्व चैम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

घ श्रेणी : बधिरों के लिए खेल

क्र. सं.	आयोजन का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	डेफेलम्पिक	15 लाख	10 लाख	5 लाख

ड़ श्रेणी : विशेष ओलंपिक– खेल

क्र. सं.	आयोजन का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	विशेष ओलंपिक– खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	5 लाख	3 लाख	1 लाख

च श्रेणी : नेत्रहीनों के लिए क्रिकेट विश्व कप

क्र. सं.	आयोजन का नाम	विजेता के लिए पुरस्कार की राशि
1	ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	5 लाख

नकद पुरस्कार की योजना के लिए 2018–19 के दौरान ₹ 30.00 करोड़ का बजट आवंटन किया गया

वर्ष में एशियाई खेल, 2018; राष्ट्रमण्डल खेल, 2018 और पारा एशियाई खेल, 2018 में पदक विजेताओं को विशेष (नकद) पुरस्कार दिए गए। इसका ब्यौरा इस प्रकार है:

क्र. सं.	आयोजन का नाम	खिलाड़ियों / कोचों की संख्या जिन्हें विशेष (नकद) पुरस्कार दिया गया	विशेष (नकद) पुरस्कार राशि (₹ में)
1.	एशियाई खेल, 2018	184	19,99,98,000/-
2.	राष्ट्रमंडल खेल, 2018	91	16,85,00,000/-
3.	पारा एशियाई खेल, 2018	87	13,74,60,000/-
	कुलः	362	50,59,40,000/-

उपरोक्त के अलावा, मार्च, 2019 तक नकद पुरस्कार की योजना के तहत 394 खिलाड़ियों और उनके कोचों को ₹ 18,60,94,000/– की राशि दी गई है।

8. मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजनाः

इस योजना को वर्ष 1994 में आरंभ किया गया था। इस योजना के अंतर्गत, उन खिलाड़ियों को, जो भारतीय नागरिक हैं और ओलंपिक पारालम्पिक खेलों, विश्व कप /विश्व चौंपियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत चुके हैं; जिनकी आयु 30 वर्ष हो गई हैं, और जो सक्रिय खेल क्षेत्र से सेवानिवृत्त हो गए हैं, वे आजीवन पेंशन के लिए पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार हैं (17.06.2018 से) :

क्र. सं.	मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दरें (₹ प्रति माह)
1	ओलिंपिक खेलों /पारा–ओलिंपिक खेलों में पदक विजेता	20000
2	ओलंपिक और एशियाई खेलों क्षेत्रों में विश्व कप / विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता	16000
3	ओलंपिक और एशियाई खेलों क्षेत्रों में विश्व कप / विश्व चैंपियनशिप के रजत व कांस्य पदक विजेता	14000
4	एशियाई / राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14000
5	एशियाई / राष्ट्रमंडल/पारालिम्पिक खेलों के रजत और कांस्य पदक विजेता	12000

पेंशन का भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा किया जाता है, जिसके लिए एलआईसी को एकमुश्त भुगतान करके मंत्रालय द्वारा व्यक्तिगत पेंशनरों के लिए वार्षिकियां क्रय की जाती हैं।

मेधावी खिलाड़ियों के लिए इस पेंशन योजना के लिए 2018–19 के दौरान ₹ 31.00 करोड़ का बजट आवंटन किया गया है।

9. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण निधि (पीडीएनडब्ल्यूएफएस) की स्थापना मार्च 1982 में पूर्व खिलाड़ियों,जो वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं, को

सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी जिन्होंने खेलों के माध्यम से देश का नाम रोशन किया। इस योजना की समीक्षा और संशोधन जुलाई 2009 में किया गया था। राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष योजना में मई 2016 में संशोधित किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत, कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने का पात्र होने के लिए व्यक्ति की वार्षिक आय की राशि को मौजूदा ₹ 2 लाख से बढ़ा कर ₹ 4 लाख कर दिया गया है।

इस योजना के दायरे को भी बढ़ा दिया गया है जिसमें और अधिक खिलाड़ियों को इस निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया है। इस योजना का पुनः नामकरण 22 सितंबर, 2017 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खिलाडी कल्याण योजना के रूप में किया गया है। इस योजना में मंत्रालय में समयबद्ध तरीके से प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई करने के लिए समय – सीमा को शामिल करके 29.01.2019 की और आगे समीक्षा की गई और संशोधन किया गया।

इस कोष से सहायता की मात्रा को भी काफी बढ़ा दिया गया है।

संशोधित योजना के अंतर्गत, वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे खिलाड़ी व उनके परिवार के सदस्य वित्तीय सहायता के लिए निम्नलिखित राशियों के पात्र होंगे :

i. अब वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी को वित्तीय सहायता दी जा सकती है, जो कि अधिकतम ₹ 5 लाख होगी। इसके अलावा, किसी पूर्व उत्कृष्ट खिलाड़ी, जो अब वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं, को ₹ 5000 की मासिक पेंशन प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

ii. खेल प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षण के लिए और भागीदारी के दौरान घायल होने पर किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी को अधिकतम ₹ 10 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

iii. वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी मृत उत्कृष्ट खिलाड़ी के परिवार के सदस्यों को अधिकतम ₹ 5 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

vi. वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी अथवा उसके परिवार के किसी भी सदस्यों को चिकित्सीय सहायता के रूप में अधिकतम ₹ 10 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

v. वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी भी कोच तथा सहायक कार्मिक को वित्तीय सहायता के रूप में अधिकतम ₹ 2 लाख प्रदान किए जा सकते हैं जैसे कि खेल चिकित्सक, खेल मनोचिकित्सक, खेल सलाहकार, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ता जो वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (वरिष्ठ श्रेणी) के लिए राष्ट्रीय कोच शिविर से संलग्न रहे हों तथा वे अंपायर, रेफरी और मैच अधिकारी जिन्होंने ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित खेल क्षेत्र में किसी मान्य राष्ट्रीय चैंम्पियनशिप (सीनियर कैटेगरी) और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (सीनियर कैटेगरी) के साथ जुड़े रहे हों,जो स्वयं वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हों अथवा उनके परिवार के सदस्य उनकी मृत्यु के पश्चात वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हों।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान, पीडीएनडब्ल्यूएफएस योजना के तहत निम्नलिखित को एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की गईः –

- चिकित्सा उपचार के लिएश्री एन. बृज किशोर, जिमनास्टिक कोचको ₹ 6.00 लाख,
- फुटबॉल खिलाड़ी, श्री सुमित राभा के परिवार को ₹ 5.00 लाख, चिकित्सा उपचार के लिए
- चिकित्सा उपचार के लिए पटेबाजी खिलाड़ी सुश्री खैदेम कलांबिया चानू को ₹ 5.00 लाख
- चिकित्सा उपचार के लिएपूर्व खिलाड़ी श्री लक्ष्मी कांता दास, ₹ 2.00 लाख
- चिकित्सा उपचार के लिए पूर्व तीरंदाज, श्री लिम्बा राम को ₹ 5.00 लाख
- चिकित्सा उपचार के लिए पूर्व तीरंदाज, सुश्री गोहेला बोरो को ₹ 5.00 लाख
- तीरंदाज, श्री अशोक सोरेन को वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए ₹ 5.00 लाख
- चिकित्सा उपचार के लिएएथलीट,सुश्री गरिमा जोशी को ₹ 5.00 लाख
- चिकित्सा उपचार के लिए पूर्व पहलवान, श्री प्रेम लाल को ₹ 5.00 लाख
- चिकित्सा उपचार के लिए पूर्व एथलीट,श्री हाकम सिंह को ₹ 10.00 लाख
- वत्तीय स्थिति सुधारने के लिए पूर्व जूडो खिलाड़ी, सुश्री वंदना सूर्यवंशी को ₹ 3.00 लाख
- वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए एथलीट, श्री जी. लक्ष्मण को ₹ 10.00 लाख।

*****

अध्याय – 19

राष्ट्रीय एंटी डोपींग एजेंसी

नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने विश्व एंटी डोपिंग कोड ("कोड") को स्वीकार कर लिया है। इन डोपिंग रोधी नियमों को कोड के तहत नाडा की जिम्मेदारियों के अनुरूप अपनाया और कार्यान्वित किया जाता है, और ये भारत में डोपिंग के उन्मूलन के लिए नाडा के निरंतर प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं। कोड में नाडा को "राष्ट्रीय स्तर परएंटी–डोपिंग नियमों को अपनाने और लागू करने, नमूने प्राप्त करने का निर्देश देने, परीक्षा परिणामों के प्रबंधन, और सुनवाई के संचालन, के लिए भारत द्वारा नामित इकाई के रूप में परिभाषित किया गया है।

सामान्य निकाय की पहली और शासी निकाय की छठी बैठक

माननीय खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर की अध्यक्षता में नाडा की सामान्य निकाय की पहली बैठक 01.08.2018 को आयोजित की गई जिसमें डोप नियंत्रण से संबंधित कई नीतिगत मामले अनुमोदित किए गए।

1 मई 2018 को आयोजित सामान्य निकाय की पहली और शासी निकाय की छठी बैठक के दौरान श्री. राज्यवर्धन सिंह राठौर, माननीय खेल मंत्री, भारत सरकार, श्री. नवीन अग्रवाल, महा निदेशक, नाडा ने और प्रतिष्ठित सदस्य

नाडा 2018–19 का बजट आवंटन

नाडा पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान का विवरण तथा किए गए खर्च का ब्यौरा निम्नानुसार हैं: –

आंकड़ें लाख ₹ में

प्रमुख	01.04.2018 को अनुदान का प्रारंभिक शेष	प्राप्त सहायता अनुदान	वर्ष के दौरान व्यय
जीआईए– जनरल	–	649.00	649.00
जीआईए– जनरल एसएपी	–	1.00	0.30
जीआईए– कैपिटल एसेट्स	90.00	220.00	206.00
जीआईए– वेतन	3.33	130.00	133.00
कुल	93.33	1000.00	988.30

डोप परीक्षण

वर्ष 2018–19 के दौरान, नाडा ने डोप विश्लेषण उद्देश्य के लिए खिलाड़ियों के 466 रक्त परीक्षण सहित 4348 डोप परीक्षण किए। ये नमूने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित विभिन्न चैंपियनशिपों और भारतीय खेल प्राधिकरण तथा अन्य खेल निकायों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविरों के दौरान तथा प्रतियोगिता से लिए गए। कुछ प्रमुख खेल आयोजन जहां डोप परीक्षण आयोजित किया गया था, वे नीचे सूचीबद्ध हैं:

दिनांक	आयोजन	प्रतियोगिता
27–28/04/2018	प्रथम नेशनल स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग चैम्पियनशिप 2018, इंदौर, मध्य प्रदेश	राष्ट्रीय
2–6/05/2018	एशियन पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप, 2018, उदयपुर (राजस्थान)	अंतर्राष्ट्रीय
18/05/ 2018	एआईटीए बॉयज़ एंड गर्ल्स नेशनल टेनिस सीरीज चैम्पियनशिप 2018, नई दिल्ली	राष्ट्रीय
27/05/ 2018	टीसीएस वर्ल्ड 10 किलोमीटर मैराथन, 2018 बेंगलुरू	अंतर्राष्ट्रीय
26–29/06/2018	गुवाहाटी में 58 वीं राष्ट्रीय राज्य एथलेटिक्स चैम्पियनशिप	राष्ट्रीय
12/07/2018	नोएडा में ऑल इंडिया सीनियर गोल्फ चैम्पियनशिप	राष्ट्रीय
17–22/07/2018	नई दिल्ली में एशियाई जूनियर कुश्ती चैम्पियनशिप 2018	अंतर्राष्ट्रीय
20/07/2018	विश्व जूनियर स्क्वैश चैम्पियनशिप 2018 चेन्नई में	अंतर्राष्ट्रीय
29/08/2018	सीनियर नेशनल पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप, गुंटूर	राष्ट्रीय

09/09/2018	प्रथम राष्ट्रीय 400 एम ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2018, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश	राष्ट्रीय
5–7/09/2018	बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2018, हैदराबाद	अंतर्राष्ट्रीय
16/09/2018	योनेक्स सनराइज ऑल इंडिया सीनियर रैंकिंग चैम्पियनशिप, पुणे	राष्ट्रीय
19/09/2018	68 वीं इंटर सर्विसेज बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2018, बेंगलुरु	राष्ट्रीय
01/10/2018	फेनेस्टा नेशनल टेनिस चैम्पियनशिप 2018, नई दिल्ली	राष्ट्रीय
5–7/10/2018	52 वीं एशियाई बॉडीबिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2018, पुणे	अंतर्राष्ट्रीय
21/10/2018	एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन 2018, नई दिल्ली	अंतर्राष्ट्रीय
19–24/10/2018	प्रो कबड्डी मैच, 2018, पुणे	राष्ट्रीय
17–18/11/2018	नेशनल मोटर स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2018, नोएडा	अंतर्राष्ट्रीय
21–22/11/2018	एसडी मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैम्पियनशिप, लखनऊ	अंतर्राष्ट्रीय
23–24/11/2018	62 वीं राष्ट्रीय शूटिंग (शॉटगन) चैम्पियनशिप, जयपुर	राष्ट्रीय
25–26/11/2018	राष्ट्रीय महिला शतरंज चैम्पियनशिप 2018 जयपुर	राष्ट्रीय
06–12/12/2018	हॉकी पुरुष विश्व कप 2018, भुवनेश्वर	अंतर्राष्ट्रीय
16/12/2018	टीसीएस 25 किलोमीटर मैराथन, कोलकाता	अंतर्राष्ट्रीय
05–06–01/2019	सीनियर राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप 2019, बेलारी, कर्नाटक	राष्ट्रीय
06/01/2019	सीनियर नेशनल जूडो चैम्पियनशिप, विजाग	राष्ट्रीय
08–20/01/2019	खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2019, पुणे	राष्ट्रीय
01/02/2019	हीरो इंडियन सुपर लीग, मुंबई	राष्ट्रीय
24/02/2019	एशियन रोल बॉल चैम्पियनशिप, बेलगाम, कर्नाटक	अंतर्राष्ट्रीय
23–27/02/2019	आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप, नई दिल्ली	अंतर्राष्ट्रीय
15–18/03/2019	फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स चैम्पियनशिप, पटियाला	राष्ट्रीय
27–31/03/2019	योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन, नई दिल्ली	अंतर्राष्ट्रीय

एशियाई खेल, जकार्ता 2018

अगस्त 2018 में जकार्ता में आयोजित एशियाई खेलों से पहले, नेशनल एंटी–डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने 498 भारतीय एथलीटों का परीक्षण किया, जो कि किसी भी अंतर्राष्ट्रीय खेलों से पहले नाडा द्वारा किया गया सबसे बड़ा परीक्षण था। इनमें से, 54 भारतीय एथलीट जो एशियाई खेलों की तैयारी के लिए चेक गणराज्य, नीदरलैंड, फिनलैंड, जर्मनी, थाईलैंड और भूटान सहित विभिन्न देशों में प्रशिक्षण ले रहे थे, उनके नाडा द्वारा में परीक्षण किया गया।

पारा–एशियाई खेल परीक्षण

सितंबर के महीने के दौरान एकत्र किए गए 442 नमूनों में से, नाडा द्वारा पारा–एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए चुने गए एथलेटिक्स, जूडो, बैडमिंटन, एक्वेटिक्स और पावरलिफ्टिंग जैसे खेल विधाओं के 72 ऐसे एथलीटों का परीक्षणकिया गया।

खेलो इंडिया युवा खेल 2019, पुणे के दौरान डोप नियंत्रण कार्यक्रम

नाडा ने पुणे में आयोजित खेलो इंडिया युवा खेल 2019 के दौरान डोप नमूना संग्रहण, एथलीटों के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम और स्वतंत्र पर्यवेक्षक कार्यक्रम को कवर करते हुए एक पूर्ण विकसित डोप नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया है। मूत्र और रक्त के नमूने सहित सभी खेल विधाओं के खेलों के दौरान कुल 476 डोप नमूने एकत्र किए गए हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से स्वतंत्र पर्यवेक्षकों का डोप नमूना संग्रह की गुणवत्ता की निगरानी में शामिल किया गया।

पैनल तैयार करना और नए डोपिंग नियंत्रण अधिकारी (डीसीओ) का प्रशिक्षण

नाडा ने 2018–19 में और अधिक डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों (डीसीओ), रक्त संग्रह अधिकारियों (बीसीओ) और चपेरोन का पैनल तैयार किया है। 28/11/2018, 22/12/2018 और 21–22 फरवरी 2019 को नव सूचीबद्ध डीसीओ / बीसीओ / चैपरोन के लिए आवधिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

चिकित्सा उपचार उपयोग छूट (टीयूई)

एंटी डोपिंग नियमों के तहत, चिकित्सीय उपयोग छूट समिति गठित की गई है जिसमें में चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले प्रतिष्ठित और योग्य चिकित्सक शामिल हैं। समिति का मुख्य कार्य उन खिलाड़ियों के आवेदनों पर विचार करना है, जो निषिद्ध पदार्थ या निषिद्ध पद्धति के उपयोग के लिए अपेक्षित रोग दशा चिकित्सीय स्थिति के आधार पर चिकित्सीय उपयोग की छूट की मांग कर रहे हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान टीयूई के लिए निम्नलिखित खेल विषयों में आवेदन पर विचार किया गया:

खेल विधा	संख्या
तायक्वोंडो	01
निशानेबाजी	03
फुटबॉल	01
पारा – तैराकी	01
कुश्ती	01
एथलेटिक्स– हेप्टाथलॉन	01
ब्रिज	03
बैडमिंटन	01
पारा – एथलेटिक्स	01
कुश्ती	01
कब्बडी	01
टेबल टेनिस	01
भारोत्तोलन	01
जूडो	01
कुल	**18**

एंटी डोपिंग नियम का उल्लंघन (एडीआरवी)

नाडा द्वारा 2018–19 में कुल 111 एंटी डोपिंग नियम उल्लंघन के मामले विभिन्न खेल विषयों में रिपोर्ट किए गए हैं जिसका ब्यौरा इस प्रकार :

क्र.सं.	खेल विधा	किए गए डोप परीक्षणों की संख्या	रिपोर्ट किए गए एंटी डोपिंग नियम उल्लंघन के मामलें
1	जल क्रिड़ा	143	1
2	पारा जल क्रिड़ा	14	0
3	तीरंदाजी	64	1
4	पारा –तीरंदाजी	11	0
5	एथलेटिक्स	1020	15
6	पारा –एथलेटिक्स	55	1
7	बैडमिंटन	87	0
8	पारा – बैडमिंटन	13	0
9	बास्केटबॉल	48	0
10	बिलियड्र्स और स्नूकर	05	0
11	बॉडीबिल्डिंग	135	13
12	मुक्केबाज़ी	293	2
13	कैनोइंग / कयाकिंग	143	4
14	शतरंज	12	0
15	क्रॉस कंट्री	13	0
16	साइकिंलग	276	3
17	घुड़सवार	49	1
18	पटेबाजी	17	1
19	फुटबॉल	109	1
20	गोल्फ	21	2
21	जिमनास्टिक	44	0
22	हैंडबॉल	60	3
23	हॉकी	135	1
24	जूड़ो	111	6
25	पारा –जूड़ो	11	0
26	कब्बडी	143	5
27	कराटे	01	0
28	खो–खो	12	0
29	कुरश	14	0
30	मोटर स्पोर्ट्स	16	1

31	पॉवरलिफ्टिंग	67	8
32	पारा पॉवरलिफ्टिंग	32	4
33	रोल बॉल	04	0
34	नौकायन	87	1
35	पाल जल–विहार	05	0
36	सेपकटक्रा	49	0
37	निशानेबाजी	89	2
38	साफ्ट – टेनिस	10	0
39	पारा –निशानेबाजी	16	0
40	खेल चढ़ाई	25	0
41	स्क्वाश	40	0
42	टेबल टेनिस	83	0
43	पारा –टेबल टेनिस	05	0
44	तायक्वोंडो	25	2
45	टेनिस	53	1
46	वॉलीबॉल	69	1
47	भारोत्तोलन	357	23
48	कुश्ती	226	4
49	वुशु	31	4
	कुल	4348	111

एंटी डोपिंग नियम के उल्लंघन के परिणाम का प्रबंधन

एंटी डोपिंग अनुशासनिक पैनल : विधिक, मेडिकल और खेल पृष्ठभूमि से सदस्यों के साथ पैनल की अध्यक्षता सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश करते हैं। वर्ष 2018–19 के दौरान कुल 81 मामलों पर निर्णय लिए गए और एथलीटों पर उपयुक्त प्रतिबंध लगाए गए।

एंटी डोपिंग अपील पैनल : पैनल की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील करते हैं, जो अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के रूप में काम करते हैं और इसके सदस्य मेडिकल एवं खेल क्षेत्र से प्रसिद्ध व्यक्ति हैं।

स्वतंत्र पर्यवेक्षक (आईओ) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाडाद्वारा नई दिल्ली में 7 सितंबर, 2018 को एक दिवसीय बातचीत सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आईओ कार्यक्रम की शुरूआत नाडा द्वारा डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों (डीसीओ) के कार्यकरण के प्रभावी पर्यवेक्षण और यह मूल्यांकन करने के लिए कि प्रक्रियाएं मौजूदा प्रलेखित मानदंडों और नियमों के अनुरूप है या नहीं एक मूल्यांकन प्रणाली प्रदान करने के लिए की गई है। खेल क्षेत्रों/प्रशासन में विस्तृत अनुभव वाले 14 विशेषज्ञों ने आईओ कार्यक्रम में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

नाडाके अधिकारियों ने 21.6.2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और स्व. सरदार वल्लभभाई पटेल की वर्षगांठ मनाने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया। राष्ट्रीय एकता के लिए शपथ

समारोह का आयोजन 31.10.2018 को नाडाकार्यालय में किया गया।

नाडा कार्यालय में राजभाषा पर कार्यशाला

नाडाकार्यालय में राजभाषा पर कार्यशाला का आयोजन 14.9.2018, 1.10.2018 और 22.02.2019 को किया गया। नाडाके सभी कर्मचारियों सहित श्री नवीन अग्रवाल, डीजी, नाडाइसमें उपस्थित थे। दैनंदिन कार्यालयीय कार्य में हिंदी भाषा के संवर्धन के संबंध में सभी पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

नाडाके कार्यालय में श्री नवीन अग्रवाल, डी जी, नाडाकी अध्यक्षता में राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन 27.2. 2019 को किया गया। 19 एन एस एफ से प्रतिनिधि बैठक के दौरान उपस्थित थे और वर्ष 2019–20 के लिए विभिन्न खेल स्पर्धाओं/कार्यकलापों के लिए एसीटीसी समय पर जमा करने सहित विभिन्न मामलों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। खिलाड़ियों को एंटी डोपिंग नियमों एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराने के लिए एंटी डोपिंग जागरूकता सत्र की आवश्यकता का मामला भी नाडाद्वारा उठाया गया और इस बात पर जोर दिया गया कि किसी राष्ट्रीय स्पर्धा में भागीदारी से पहले सभी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए एंटी डोपिंग जागरूकता सत्र अनिवार्य किया जाए।

डोपिंग के विरूद्ध एथलीटों में जन जागरूकता कार्यक्रम (एमएएपीएडी)

नाडाखिलाड़ियों, युवा एथलीटों, कोचों और सहायक स्टाफ के लिए देश भर में खेलों में वर्जित औषधों/पदार्थों और विधियों के बारे में एंटी डोपिंग कार्यशालाएं, शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है। नाडा ने 2018–19 के दौरान 90 ऐसे जागरूता सह शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया है।

श्री नवीन अग्रवाल, डीजी, नाड़ा एंटी डोपिंग जागरूकता कार्यशाला दिनांक 26.06.2018 के दौरान

केआईवायजी 2019, पुणे के दौरान एंटी डोपिंग जागरूता कार्यक्रम

एथलीटों में एंटी डोपिंग जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक दिन चार सत्रों के साथ 7 से 16 जनवरी, 2019 तक 10 दिनों की अवधि के लिए किया गया। कार्यक्रम के दौरान, 3201 एथलीटों की भागीदारी के साथ स्वतंत्र पर्यवेक्षकों और क्षेत्रीय समन्वयकों की सहायता से नाडा अधिकारियों/विशेषज्ञों द्वारा कुल 40 जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेने वाले एथलीटों को नाडाद्वारा भागीदारी का प्रमाणपत्र जारी किया गया।

स्वच्छ खेल पारिस्थितिकी के विकास पर सम्मेलन : एंटी डोपिंग पर एथलीट परिप्रेक्ष्य

"स्वच्छ खेल पारिस्थितिकी का विकास : एंटी डोपिंग

पर एथलीट परिप्रेक्ष्य'' पर एक सभा का आयोजन राष्ट्रीय डोपरोधी एजेंसी द्वारा दिनांक 27.06.2018 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में किया गया। सभा का लक्ष्य प्रमुखतः एंटी डोपिंग के विशिष्ट संदर्भ के साथ देश में स्वच्छ खेल पारिस्थितिकी के विकास की दिशा में एथलीटों एवं उनकी आवश्यकताओं पर फोकस था। इस सभा का आयोजन प्रमुखतः एंटी डोपिंग प्रशासन एवं प्रबंधन प्रणाली के वेब आधारित 'कहॉ मोड्यूल' में हाल के विकास के बारे में उन्हें जागरूक करने हेतु पंजीकृत परीक्षण पूल एथलीटों के लिए किया गया था। एथलीट अधिकारों का एंटी डोपिंग चार्टर भी तैयार किया जा रहा है, जिसपर सभा के दौरान भी विचार–विमर्श किया गया।

श्री राहुल भटनागर, सचिव, खेल और श्री नवीन अग्रवाल, डीजी, नाडा 27 जून, 2018 को आयोजित सभा के दौरान सुश्री दीपा कर्माकार, ओलंपियाई जिमनास्ट के साथ

एंटी डोपिंग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली में 30–31 जनवरी, 2019 को राष्ट्रीय डोपरोधी एजेंसी नाडा) के सहयोग से भारतीय शारीरिक शिक्षा प्रति ठान (पीईएफआई) द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन सिंह राठौर, माननीय खेल मंत्री, भारत सरकार, श्री अश्विनी कुमार चौबे, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री गुरमीत सिंह सोधी, माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, पंजाब सरकार, श्री मनोज तिवारी, माननीय सांसद, श्रीमती मेरी कोम, माननीय सांसद और श्री नवीन अग्रवाल, डीजी, नाडा ने खेलों में डोपिंग की रोकथाम के तरीके एवं साधनों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सम्मेलन में पूरे देश से विश्वविद्यालय एवं कॉलेज कोचों और खेल उत्साहियों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

कोलंबो, श्रीलंका में 18–19 जून, 2018 को आयोजित 15वीं एशिया/ओसियाना क्षेत्रीय अंतर–सरकारी मंत्रालयीय बैठक में श्री नवीन अग्रवाल, डीजी, नाडा और श्री रोहित भारद्वाज, निदेशक ने भाग लिया। बैठक का आयोजन श्रीलंकाई एंटी डोपिंग एजेंसी द्वारा किया गया और वाडा के अध्यक्ष एवं महानिदेशक, श्री लंका एवं नेपाल के खेल मंत्री और एशिया/ओसियाना क्षेत्र से अन्य भागीदारों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के दौरान वाडा रणनीतिक नीतियों, कोड अनुपालन मामलों, अनुपालन नहीं करने के परिणाम, यूनेस्को फ्रेमवर्क, शिक्षा के

लिए प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय मानदंड और एंटी डोपिंग चार्टर आदि पर विचार–विमर्श हुआ।

डॉ. अंकुश गुप्ता, परियोजना अधिकारी, नाडा को 28–29 जून, 2018 को सियोल, दक्षिण कोरिया गणतंत्र में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एंटी डोपिंग संगोष्ठी में भाग लेने के लिए नियुक्त किया गया। अंतर्राष्ट्रीय संगो ठी का आयोजन कोरिया एंटी डोपिंग एजेंसी (काडा) द्वारा किया गया था, जिसका फोकस एंटी डोपिंग सगठनों का क्षमता निर्माण, एंटी डोपिंग शिक्षा कार्यक्रम का सशक्तीकरण और वाडा लेखा परीक्षा कोड अनुपालन निगरानी कार्यक्रम पर था।

श्री नवीन अग्रवाल, डीजी, नाडा ने 24–25 अक्तूबर, 2018 तक बीजिंग, चीन में आयोजित द्वितीय वैश्विक शिक्षा सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन का फोकस रोध एवं निवारण से आज के एथलीट और भविष्य की पीढ़ियों को एंटी डोपिंग शिक्षा के जरिए दीर्घकालिक समाधान की ओर नमूना रूपांतरण की आवश्यकता था। एथलीट के एंटी डोपिंग अधिकार चार्टर पर भी विचार–विमर्श हुआ। मूल्य आधारित एंटी डोपिंग शिक्षा के लिए मानदंड भी तैयार किया गया।

डॉ. सरवन पेरूमल एस, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, नाडा को 5–7 नवंबर, 2018 को रोम, इटली में आयोजित एथलीट जीवविज्ञानीय पासपोर्ट पर परिगोष्ठी में भाग लेने के लिए नियुक्त किया गया। परिगोष्ठी का आयोजन फेडेरेशन ऑफ स्पोर्ट मेडिसीन इटली के सहयोग से वाडा द्वारा किया गया। दुनिया भर से ए बी पी के विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया और अपने अनुभवों एवं विचारों को शेयर किया। डॉ. ओलीवर राबिन, वरिष्ठ मेडिकल निदेशक, विज्ञान एवं अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के नेतृत्व में वाडाए एबीपी प्रबंधन दल ने परिगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. अंकुश गुप्ता, परियोजना अधिकारी, नाडा ने श्री जय सिंह, सहायक परियोजना अधिकारी के साथ 12–13 मार्च, 2019 को लाउसेन, स्वीटरलैंड में आयोजित वार्षिक वाडा परिगोष्ठी में भाग लिया। परिगोष्ठी का आयोजन लाउसेन आधारित यूरोपीय कार्यालय द्वारा किया गया और परिगोष्ठी का विषय नया अंतर्राष्ट्रीय मानदंड और 2021 वाडा कोड पर केंद्रित था।

*****

अध्याय –20

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)

1. राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)

1.0 परिचय

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, के तत्वावधान में स्थापित एक स्वायत्त निकाय है। इसे मानवीय खेलों से मूत्र और रक्त के नमूनों के परीक्षण के लिए आईएसओ : आईईसी 17025 : 2005 तथा विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा)हेतु राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से से मान्यता प्राप्त है। एनडीटीएल विश्व की 32 वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में और एशिया की छह में एक है। एनडीटीएल में नियमित और अनुसंधान दोनों प्रकार की गतिविधियों के लिए नवीनतम सुविधाएं स्थापित हैं। एनडीटीएल को 2008 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किया गया था। मानव डोप परीक्षण के अलावा, एनडीटीएल ने हॉर्स डोप परीक्षण के क्षेत्र में भी विविधता प्राप्त की है। हार्स डोप परीक्षण की यह नई सुविधा वर्ष 2014 में अस्तित्व में आई थी और यह भारत व इसके पड़ोसी देशों के सभी घुड़दौड़ क्लबों को परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है।भारत में डोप परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना 1990 में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआइ) के तहत डोप कंट्रोल सेंटर (डीसीसी) के रूप में की गई थी। इस प्रयोगशाला को आईएसओ / आईईसी 17025 प्रमाणन के लिए वर्ष 2003 में राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से तथा सितंबर 2008 में विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त हुई। एनडीटीएल की मान्यता स्थिति को दोनों प्रत्यायन निकायों (एनएबीएल और वाडा) के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार समय के साथ साथ नवीनीकृत किया जाता है। इससे पूर्व यह प्रयोगशाला जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के भीतर 900 वर्ग मीटर के एक लघु कार्य क्षेत्र में स्थित थी। मई 2009 में आधुनिक और पूर्णतः सुसज्जित बुनियादी सुविधाओं से युक्त इस प्रयोगशाला को नए स्वतंत्र परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था।एनडीटीएल ने मानवीय डोप परीक्षण के क्षेत्र में नियमित परीक्षण एवं शोध के रूप में विकास और होर्स डोप टेस्टिंग के क्षेत्र में विविधता प्राप्त कर ली थी। एनडीटीएल ने प्रथम एफ्रो–एशियाई खेल, 2003 से आरंभ करते हुए 2017 में आयोजित नवीनतम फीफा अंडर –17 विश्वकप तक दूसरे खेलों इण्डिया युवा खेल 2019 से शुरू करते हुए। विभिन्न विशालतम खेल कार्यक्रमों में डोप टेस्ट संबंधी कार्य संभालने का अनुभव भी प्राप्त कर लिया है।

2.0 : एनडीटीएल की अवसंरचना

- **उपकरण व प्रौद्योगिकियां**

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) नवीनतम प्रौद्योगिकियों और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एनडीटीएल की उपकरण संबंधी आवश्यकताएं नवीनतम के साथ वाडा द्वारा यथा लागू नए परीक्षण दिशानिर्देशों पर आधारितऔर अन्य वाडा द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में उपलब्धता पर भी आधारित है। अत्याधिक संवेदनशील और सशक्त विश्लेषणात्मक उपकरणों की आवश्यकता से जुड़ी हैं।

लिक्विड क्रोमैटोग्राफी – ऑर्बिट्रेप इन्स्ट्रमेंट

इस वर्ष एनडीटीएल ने वाडा द्वारा यथा संस्तुत नवीनतम प्रौद्योगिकी और परीक्षण अनुकूल आर्बिटट्रैप इन्स्ट्रमेंट खरीदा था।

एनडीटीएल में उपलब्ध उपकरणों को समय के साथ साथ वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के समकक्ष उन्नयत किया गया है, तत्संबंधी विवरण निम्नानुसार है : –

एनडीटीएल में उपलब्ध प्रमुख विश्ले ण संबंधी उपकरणों की सूची		
1.	लिक्विड क्रोमैटोग्राफ आर्बिटट्रैप इन्स्ट्रमेंट– (आर्बिटट्रैप)	संख्या 01
2.	गामा काउंटर	संख्या 01
3.	गैस क्रोमैटोग्राफी–कम्बस्टन–आइसोटोप रोशियो मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी/सी/आईआरएमएस)	संख्या 02
4.	गैस क्रोमैटोग्राफ – नाइट्रोजन फास्फोरस डिटेक्टर (जीसी एमएसडी)	संख्या 01
5.	गैस क्रोमैटोग्राफ – नाइट्रोजन फास्फोरस डिटेक्टर / मास सेलेक्टिव डिटेक्टर (जीसी एनपीडी /एमएसडी)	संख्या 02
6.	गैस क्रोमैटोग्राफ – मास सेलेक्टिव डिटेक्टर (जीसी एमएसडी)	संख्या 06

7.	गैस क्रोमैटोग्राफ – मास स्पेक्ट्रोमेट्री / टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी एमएस / एमएस)	संख्या 06
8.	उच्च–नि पादन युक्त तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)	संख्या 03
9.	तरल क्रोमैटोग्राफी– मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी–एमएस / एमएस)	संख्या 06
10.	एचसीजी इम्यूनोएस्से सिस्टम	संख्या 02
11.	ग्रोथ हार्मोन टेस्टिंग के लिए लैमिनोमीटर	संख्या 01
12.	सीबीसी / रक्त पैरामीटर के लिए सिस्मैक्स एक्स टी 2000 आई	संख्या 01
13.	एरिथ्रोपोइटीन (ईपीओ) परीक्षण के लिए इलैक्ट्रोफोरेसिस उपकरण	संख्या 02
14.	स्वचालित गिल्सन ठोस चरण निकासी प्रणाली	संख्या 02
15.	गिल्सन ऑटो सैंपलर	संख्या 02
16.	रक्त संक्रमण के लिए फ्लो साइटोमीटर	संख्या 01

3.0 : नमूना परीक्षण

3.1 नियमित नमूना परीक्षण

1. **मानव डोप परीक्षण:** यह प्रयोगशाला एक वर्ष में औसतन 7000 (लगभग) नमूनों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख खिलाड़ियों के डोपिंग के नमूनों के परीक्षण कार्य में लगा है। एनडीटीएल वाडा आईएसएल संस्करण 9.0 के अनुसार मानव डोपिंग नियंत्रण से प्राप्त नमूने की जांच करता है और इसके लिए लागू वाडा तकनीकी दस्तावेज हैं :

   – मूत्र परीक्षण

   – रक्त परीक्षण

एनडीटीएल के ग्राहक

2018–19 के दौरान निम्नलिखित परीक्षण प्राधिकारण ने एनडीटीएल को मानव डोपिंग नमूने भेजे:

- राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा), नई दिल्ली
- भारतीय क्रिकेट काउंसिल बोर्ड (बीसीसीआई)
- एंटी डोपिंग सिंगापुर (एडीएस)
- एडीएमएएस, मलेशिया
- एडीओपी, पाकिस्तान
- बहरीन एंटी डोपिंग कमेटी
- एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी)
- दक्षिण पूर्व एशिया आरएडीओ (एसईए आरएडीओ)
- यूनियन साइक्लिस्टे इंटरनेशनेले (यूसीआई)
- लोम्बागा एंटी डोपिंग इंडोनेशिया (एलएडीआई)
- श्रीलंका एंटी डोपिंग एजेंसी (एसएलएडीए) आदि
- बाग्लादेश एंटी डोपिंग समिति

एनडीटीएल ने वाडा (वियतनाम एंटी डोपिंग एजेंसी) और स्पोट्र्स मेडिसन को डोप परीक्षण सुविधा प्रदान करने का अनुबंध किया है:

(i) प्रथम खेलों इंडिया स्कूल खेल, 2008

(ii) एएफसी कप, 2018

(iii) एएफसी अंडर–16 चैंपियनशिप, 2018

(iv) सुकमा पेरक, 2018

(v) प्री–एशियन गेम, 2018

(vi) प्रो. कब्बडी लीग, 2018

(vii) दूसरे खेलों इंडिया युवा खेल, 2018

2. नमूना परीक्षण सांख्यिकी

(मानव डोप परीक्षण):

जनवरी 2018 से 31 मार्च 2019 तक किए गए परीक्षणों नमूनों की संख्या 9744 (मूत्र एवं रक्त) थी। इस अवधि के दौरान परीक्षण किए गए कुल 9744 नमूनों में अब तक राष्ट्रीय निकायों से 5693 नमूने तथा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से 4051 नमूने प्राप्त हुए और इनके परीक्षण किए गए। नमूना प्राप्त करने और उनका परीक्षण करने से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :

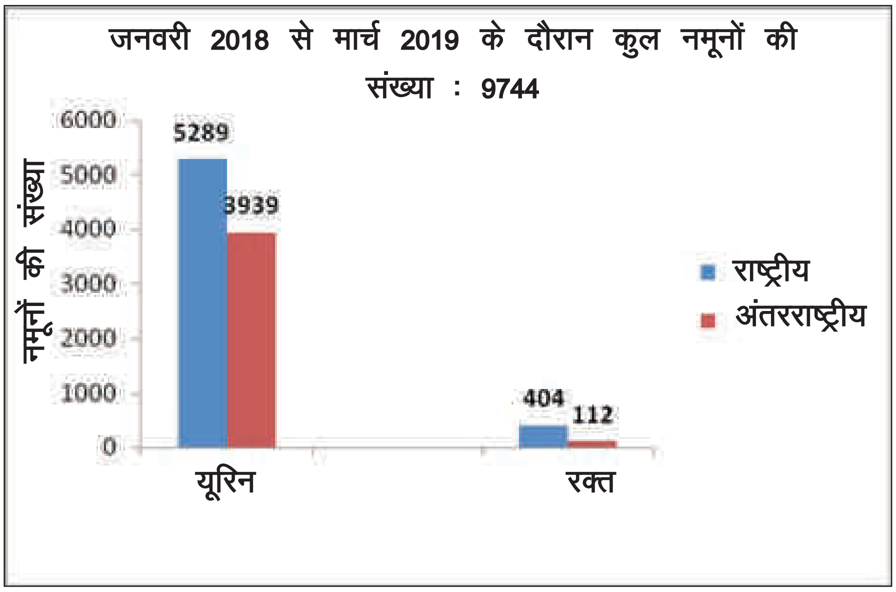

चित्र 1 : जनवरी, 2018 से मार्च, 2019 के दौरान नमूनों की कुल संख्या –9744

	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
मूत्र	5289	3939
रक्त	404	112

वित्तीय वर्ष	राष्ट्रीय			अंतरराष्ट्रीय			कुल योग
	मूत्र	रक्त	कुल	मूत्र	रक्त	कुल	
2009 – 10	2438	76	2514	1190	12	1202	3716
2010 – 11	2946	321	2990	3873	35	3908	7175
2011 – 12	2868	48	2916	1325	12	1337	4243
2012 – 13	3426	275	3701	2121	11	2132	5833

2013 – 14	3465	240	3705	1920	18	1938	5643
2014 – 15	3840	305	4145	2742	9	2751	6896
2015 – 16	4588	250	4838	3875	15	3890	8728
2016 – 17	2286	153	2439	3031	14	3045	5484
2017 – 18	4088	233	4321	3819	69	3888	8209
2018 – 19	5289	404	5693	3939	112	4051	9744

नमूना परीक्षण सांख्यिकी :

(हार्स डोप टेस्टिंग) : एनडीटीएल ने हार्स डोप परीक्षण के लिए सुविधा की सफलतापूर्वक शुरूआत की और 2014 में आईएसओ : आईईसी 17025 : 2005 का प्रत्यायन प्राप्त किया। जुलाई 2014 में विभिन्न घुड़दौड़ क्लबों के लिए नियमित परीक्षण कार्य आरंभ कर दिया गया था। नीचे दिए गए ग्राफ में हार्स डोपिंग (जनवरी, 2018 – मार्च, 2019) में प्रशिक्षण किए गए नमूनों (कुल 2652 नमूने) का रिकार्ड दिया गया है :

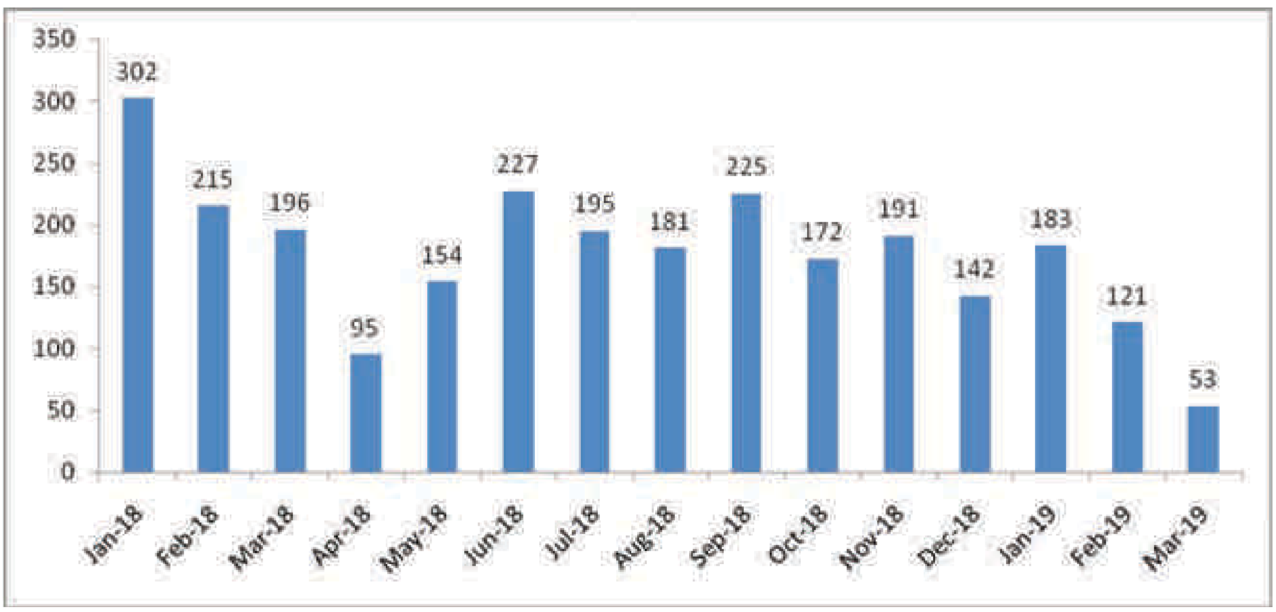

चित्र 2 : जनवरी, 2018 – मार्च, 2019 के दौरान नमूनो की कुल संख्या : 2652

3.2 नमूना परीक्षण प्रवीणता

एनडीटीएल ने वाडा की बाहय गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस) दौरों में भाग लिया, जो वाडा प्रत्यायन बनाए रखने के लिए अनिवार्य अपेक्षा होती है। नियमित नमूना परीक्षण के अलावा, एनडीटीएल विभिन्न परीक्षण प्रवीणता दौरों में भी भाग लेता है जो डोप के नमूनों के परीक्षण में इसकी तकनीकी सक्षमता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करता है।

बाहय गुणवत्ता मूल्यांकन योजना में भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.सं.	नमूनों की किस्में	एजेंसी		(दौर / नमूनों के संख्या)	एनडीटीएल की भागीदारी
1	मूत्र	वाडा	मूत्र	03 (15)	03 (15)
			डब्ल ब्लाइंड	02 (5)	02 (5)
		डब्ल्यूएएडीएस (विश्व एंटी डोपिंग वैज्ञानिक संघ)		01 (11)	01 (11)
		सीएपी (अमरीकी पैथोलाजिस्ट कॉलेज)		03 (15)	03 (15)
2	रक्त	सीएससीक्यू (स्विस गुणवत्ता नियंत्रण केंद्र)		12 (2)	12 (24)
3	हार्स डोपिंग	आधिकारिक घुड़दौड़ कैमिस्ट संघ (एओआरसी)	मूत्र	01 (08) मूत्र – 06 नमूने रक्त – 02 नमूने	01 (08)
			रक्त		

4.0 : गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

4.1 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

क) एनएबीएल पुनः आकलन लेखा–परीक्षाः आईएसओ / आईईसी 17025 : 2005 के अनुसार रासायनिक और जीव विज्ञानीय परीक्षण के क्षेत्र में एनडीटीएल की पुनः आकलन लेखा परीक्षा 5 – 6 अप्रैल 2018 को की गई। एनडीटीएल के प्रत्यायन को जारी रखने के लिए आकलन टीम की सिफारिश पर, एनएबीएल ने 1 मई, 2018 से रासायनिक और जीव विज्ञानीय क्षेत्र में एनडीटीएल का पुनः प्रत्यायन किया है।

ख) विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) साइट विजिट

निम्नलिखित विशेषज्ञों की वाडा मूल्यांकनकर्ताओं टीम ने 18 से 20 सितंबर, 2018 को एनडीटीएल का दौरा कियाः

- प्रो. पीटर वान ईनू (जेंट लेबोरेटरी के निदेशक और वाडा लैबएग के सदस्य)
- डॉ. जेवियर डे ला टोरे (रोम प्रयोगशाला के वैज्ञानिक उप–निदेशक)
- एक गुइंटर गेमेनेर (सीबर्सडॉर्फ प्रयोगशाला के निदेशक)
- श्री थियरी बघोसियन (वाडा के वरिष्ठ प्रबंधक, प्रयोगशाला प्रत्यायन)

वाडा के मूल्यांकनकर्ताओं ने एनडीटीएल द्वारा की गई सभी गतिविधियों और वाडा दस्तावेजों (आईएसएल / टीडी / टीएल / टीजी) के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए इसकी क्षमता का मूल्यांकन किया। वाडा ने 18 अक्टूबर 2018 को इस मूल्यांकन की अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ग आंतरिक लेखा–परीक्षा और प्रबंधन समीक्षा बैठकः

- एनडीटीएल की गुणवत्ता प्रणाली की समीक्षा करने के लिए, एनएबीएल अनिवार्यताओं के अनुसार नियमित आधार पर एनडीटीएल के प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं और आंतरिक जांचकर्ताओं द्वारा आंतरिक लेखा–परीक्षा की गईं थीं।

- प्रबंधन समीक्षा समूह (एमआरजी) की बैठक

  28 फरवरी, 2018 को आयोजित एमआरजी बैठक के कार्यवृत को एमआरजी बैठक के सभी सदस्यों के साथ विधिवत साझा किया गया था। इस बैठक का उद्देश्य गुणवत्ता प्रणाली की उपयुक्तता और प्रभाविता को सुनिश्चित करना और सुधार के लिए आवश्यक परिवर्तन करना था।

4.2 (i) सतर्कता मामले :

2018 के दौरान किसी सतर्कता मामले की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

(ii) सूचना का अधिकार (आरटीआई) :

2018 के दौरान 29 आरटीआई मामले दर्ज किए गए और उनका उत्तर दिया।

5. मुख्य उपलब्धियां:

5.1 प्रमुख आयोजन

- **खेलो इंडिया यूथ गेम्स, भारत:**

  10 जनवरी से 22 जनवरी, 2019 तक भारत में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स से डोप विश्लेषण के लिए नमूनों की जांच का कार्य एनडीटीएल, भारत को दिया गया था। इस अवधि के दौरान कुल 409 पेशाब के नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

- **एएफ़सी कप, 2018:**

  22 जनवरी से 27 अक्तूबर, 2018 तक भारत में आयोजित एएफ़सी कप से डोप विश्लेषण के लिए नमूनों की जांच का कार्य एनडीटीएल, भारत को दिया गया था। इस अवधि के दौरान कुल 20 पेशाब के नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

- **एएफ़सी यू–16 चैंपियनशिप, 2018:**

  20 सितंबर से 07 अक्तूबर, 2018 तक भारत में आयोजित एएफ़सी यू–16 चैंपियनशिप, 2018से डोप विश्लेषण के लिए नमूनों की जांच का कार्य एनडीटीएल, भारत को दिया गया। इस अवधिके दौरानकुल 64 पेशाब के नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

- **सुकमा XIX पीरक 2018:**

  11–12 सितंबर, 2018 तक भारत में आयोजित सुकमा XIX पेरक 2018 से डोप विश्लेषण के लिए नमूनों की जांच का कार्य एनडीटीएल, भारत को दिया गया था। इस अवधि के दौरान कुल 192 पेशाब के नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

- **प्री एशियन गेम्स2018:**

  जुलाई–अगस्त, 2018 तक भारत में आयोजित प्री एशियन गेम्स से डोप विश्लेषण के लिए नमूनों की जांच का कार्य एनडीटीएल, भारत को दिया गया। इस अवधि के दौरान कुल 192 पेशाब के नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

- **प्रो कबड्डी लीग 2018 :**

  07 अक्तूबर, 2018– 05 जनवरी, 2019 तक प्रो कबड्डी लीग 2018 से डोप विश्लेषण के लिए नमूनों की जांच का कार्य एनडीटीएल, भारत को दिया गया। इस अवधि के दौरान कुल 192 पेशाब के नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

5.2 राजस्व सृजन

एनडीटीएल ने 2018–19 में 11.24 करोड़ रु. (31.03.2019 तक जांच किए गए नमूनों और पार्टी को भेजे गई इन्वाइस के संबंध में) अर्जित किया, जिसमें से 5.65 करोड़ रु. राष्ट्रीय नमूना जांच और 5.59 करोड़ रु. अंतराष्ट्रीय जांच से अर्जित किए गए।

5.3 एनडीटीएल लेखों की आंतरिक लेखा परीक्षा

वर्ष 2017–18 के लिए एनडीटीएल की आंतरिक लेखा परीक्षा 23–28.08.2018 तक चार्टर्ड अकाउंटेंट फ़र्म द्वारा की गई।

5.4 वित्त समिति की बैठकः एनडीटीएल की वित्त समिति की आठवीं का आयोजन 16 नवंबर, 2018 को किया गया। समिति ने वर्ष 2017–18 के लिए वार्षिक लेखा और वित्तीय विवरणों का अनुमोदन किया।

5.5 'फार्मा रत्न–2018' अवार्ड द्वारा डॉ पी.एल. साहू, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल का सम्मानः– डॉ पी.एल. साहू, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल को फर्मास्यूटिकल के क्षेत्र में प्रमुख वैज्ञानिक और शोधकर्ता के रूप में समाज में अपने बहुमूल्य योगदान के लिए 25 नवंबर, 2018 को होटल क्राउन प्लाज़ा में आरडीएम (रब दी मेहर) द्वारा फार्मा रत्न–2018' से सम्मानित किया गया है। 'फार्मा रत्न अवार्ड'उन लोगों का सम्मान है जिन्होंने फर्मास्यूटिकल के क्षेत्र में अपनी नेक सेवा से समाज में योगदान दिया है। 'फार्मा रत्न अवार्ड' सभी हितधारकों भारतीय नागरिकों और वैश्विक नागरिकों के लिए है। समारोह में डॉ पी.एल.साहू ने फ़िक्स्ड डोज़ कॉम्बिनेशन पर पेनल चर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

5.6 शासी निकाय और आम सभा बैठक, एनडीटीएल (2018–19)

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला की 11वीं शासी निकाय और 10वीं आम सभा बैठक माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की अध्यक्षता में 14 दिसंबर 2018 को एनडीटीएल के कॉन्फ्रेंस हॉल, नई दिल्ली में इस बैठक के कार्यवृत का अनुमोदन और परिचालन एनडीटीएल के शासी निकाय द्वारा किया गया।

5.8 सीडीटीएल–चेन्नई और सीडीएल–कोलकाता की परीक्षण सुविधाओं की क्षमता और सामर्थ्य का आंकलन :–

सीडीटीएल–चेन्नई, सीडीटीएल–मुंबई और सीडीएल–कोलकाता की परीक्षण सुविधाओं की क्षमता और सामर्थ्य के आंकलन/लेखा परीक्षा के लिए, निदेशक ने माइक्रोबायोलॉजि और इसकी प्रमाणन स्थिति सहित दवाओं की विभिन्न श्रेणियों के लिए सीडीएल–कोलकाता के साथ उपरोक्त वर्गों हेतु अपीलीय प्रयोगशालाओं के रूप में सीडीटीएल–चेन्नई और सीडीटीएल–मुंबई की परीक्षण सुविधाओं की क्षमता और सामर्थ्य के आंकलन के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है

5.9 एनडीटीएल का दौरा

- 04जुलाई 2018 को मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के छात्रों और शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने एनडीटीएल का दौरा किया. उन्होनें हमारी परीक्षण सुविधाओं और रिपोर्ट प्रबंधन प्रणाली की सराहना की।
- 01 अगस्त, 2018 को डॉ शीला जैन, एलडी, एनडीटीएल ने एनडीटीएल के सिंहावलोकन पर एक भाषण दिया जिसके बाद भारतीय खेल प्राधिकरण से युवा प्रॉफेश्नल ने प्रयोगशाला का दौरा किया।
- दिल्ली भेषज विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान से एम.फार्मा और फार्मेसी में पीएचडी के 20 छात्रों के दल के लिए 11 अक्तूबर, 2018 को राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के एक विश्लेषणात्मक प्रभाग दौरा कार्यक्रम की व्यवस्था की गई।
- गुरु गोबिन्द सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के एम.एससी (फोरेंसिक साइन्स) तीसरे सेमेस्टर के छात्रों के लिए निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान की व्यवस्था कीः–
- जीसी–एमएस और एलसी–एमएस द्वारा रक्त और पेशाब में खेल की दवाओं और डिज़ाइनर

दवाओं का विश्लेषण ।

- दवाओं और खेलों का व्यावहारिक विश्लेषण।
- प्रयोगशाला दौरा और प्रयोगशाला विशेषज्ञों के साथ बातचीत।
- लोकनायक जय प्रकाश नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलोजी एंड फोरेंसिक साइन्स द्वारा एनडीटीएल में 10 दिसंबर, 2018 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में पूरे देश के फोरेंसिक साइन्सेज/प्रयोगशालाओं/राज्य फोरेंसिक साइंस प्रयोगशालाएं / केन्द्रीय विश्वविद्यालय और फोरेंसिक साइंस के संस्थानों से 23 अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ सचिन दूबे, वैज्ञानिक 'सी', एनडीटीएल ने 'बेसिक्स ऑफ मास स्पेक्टरोमेटरी एंड इट्स स्कोप' पर एक व्याख्यान दिया।
- एनडीटीएल ने 12 दिसंबर, 2018 को एलसी–एमएस फॉर एनालिसिस ऑफ ड्रग्स एंड एक्सप्लोसिव्स पर छह (06) घंटे की एक कार्यशाला की मेजबानी की जिसका आयोजन लोकनायक जय प्रकाश नारायण इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलोजी एंड फोरेंसिक साइन्स द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में पूरे देश के फोरेंसिक साइन्सेज/प्रयोगशालाओं/राज्य फोरेंसिक साइंस प्रयोगशालाओं / केन्द्रीय विश्वविद्यालय और फोरेंसिक साइंस के संस्थानों से 23 अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया।

5.10 अंतरराष्ट्रीय सहयोग

डीओसीओ प्रयोगशाला, घेंट, बेल्जियम का दौराः–17 से 19 दिसंबर, 2018 तक डीओसीओ प्रयोगशाला के ऑन–साइट दौरे और प्रो. (डॉ) पीटर वान ईनू के साथ बातचीत के लिए एक दौरे की योजना बनाई गई थी।

इस संदर्भ में 01 जनवरी, 2019 को एनडीटीएल बिल्डिंग के लैक्चर हॉल में डीओसीओ प्रयोगशाला, घेंट, बेल्जियम में अर्जित डबल्यूएडीए संबंधी अनुभव और ज्ञान को साझा करने के लिए सभी स्टाफ की बैठक तथा व्याख्यान का आयोजन किया गया।

भूटान एंटी डोपिंग कमिटी, भूटान के साथ नई अंतरराष्ट्रीय सहयोगः– राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला ने भूटान एंटी डोपिंग कमिटी(बीएडीसी), भूटान के साथ सहयोग किया है और इसके साथ आधिकारिक नेटवर्क स्थापित कर रहा है। इस संदर्भ में, डॉ नीमाझेल्त्शेन, निदेशक, बीएडीसी, गेम्स एंड स्पोर्ट्स डिविजन, डिपार्टमेंट ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, मिनिस्टरी ऑफ थिंपु, भूटान ने डोप नमूनो संबंधी अजेंडा पर विचार–विमर्श करने के लिए एनडीटीएल का दौरा किया और वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल से भेंट की। इसके परिणामस्वरूप, बीएडीसी अपने क्षेत्र में एकत्रित किए गए डोप नमूनो को एनडीटीएल को नमूना डोप परीक्षण और विश्लेषण के लिए भेजेगा।

5.11 अश्व डोप परीक्षण में उपलब्धियांः

एनडीटीएल देश का एक मात्र ऐसा संगठन है जिसने देश में अश्व डोप परीक्षण के लिए केमिकल परीक्षण (ड्रग्स) के क्षेत्र में एनएबीएल द्वारा आईएसओ/आईईसी प्रमाणन प्राप्त किया किया।

5.11.1. अप्रैल 2014 में होर्स डोप परीक्षण सुविधा के लिए एनएबीएल से प्रत्यायन प्राप्त करने के पश्चात, 2018–19 के दौरान, एनडीटीएल द्वारा भारत के सभी रेसिंग क्लबों से परीक्षण के लिए नमूने निम्नलिखित विवरण के अनुसार प्राप्त किए गएः –

क्र.सं.	रेस क्लब	जनवरी, 2018 से 31 मार्च 2019 तक परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या
1.	हैदराबाद रेस क्लब	364
2.	रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब, मुंबई	389
3.	रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब	205
4.	बेंगलुरू टर्फ क्लब	698
5.	मैसूर रेस क्लब	318
6.	मद्रास रेस क्लब	456
7.	दिल्ली रेस क्लब	198
8.	श्रीलंका डोपिंग रोधी एजेंसी	21
	01 जनवरी, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक कुल परीक्षण किए नमूने	2649

5.11.2 एनडीटीएल में हॉर्स डोप परीक्षण सुविधा के आधिकारिक रेसिंग केमिस्ट एसोसिएशन (एओआरसी) पीटी दौर में भागीदारी:

क्र.सं.	नमूनो की किस्म	एजेंसी	(दौर / नमूनों के संख्या)	एनडीटीएल की भागीदारी
1.	हार्स मूत्र	एओआरसी	01 (06)	01 (06)
2.	हार्स रक्त	एओआरसी	01 (02)	01 (02)

नमूनों का परीक्षण कार्य संपन्न किया गया तथा जून, 2018 माह में इसकी रिपोर्ट दी गई। इनके परिण ााम एनडीटीएल द्वारा जुलाई, 2018 माह में भेज दिए गए थे।

6.1 प्रकाशन:

अनुसंधान प्रकाशन: एनडीटीएलने वर्ष 2018 में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

- अहि शोभा, साहु कपेन्द्र, नासरे महेश, सिंह सत्येन्द्र, बोओत्रा अलका और जैन शिला: "एलसी – एमएस/एमएस के साथ मानव बालों में अल्कोहल मार्कर एथिल ग्लूकोरोनाइड (ईटीजी) का मात्रात्मक आकलन: डोपिंग नियंत्रण और फोरेंसिक विज्ञान के लिए एक प्रयोग "; वर्तमान क्रोमैटोग्राफी, 2018, वॉल्यूम –5

पोस्टर प्रस्तुति:

- दुबे एस, सिंह एसपी, साह एस, जैन एस (नई दिल्ली): तनु का उपयोग कर मूत्र में नौ अल्काइल एमाइन की पहचान और पृथक्करण और खेल डोपिंग नियंत्रण में शूट एलसी–एमएस / एमएस विश्लेषण; 36 वीं कोलोन कार्यशाला, जर्मनी, कोलोन।
- निमकर वी, जमाल एच, घोष पीसी, जैन एस, बेओत्रा ए (नई दिल्ली, दोहा): विभिन्न डोपिंग एजेंटों पर लिपोसम की मास्किंग क्षमता पर फॉस्फोलिपिड और कोलेस्ट्रॉल की बदलतेकंसंट्रेशन का प्रभाव; 36 वीं कोलोन कार्यशाला, जर्मनी, कोलोन।

- दुबे एस, सिंह एसपी, साह एस, जैन एस (नई दिल्ली): यूपीएलसी एण्ड / एमएस / एमएस के माध्यम से पूरक आहार में एक नया एम्फ़ैटेमिन एनालॉग, एन–मिथाइल–2–फेनेथिलैमाइन का पता लगाना; 8 एडीएलक्यूसंगोष्ठी, दोहा, कतर।
- मानव मूत्र में एआईसीएआर (5–एमिनोइमिडाजोल–4–कार्बोक्सामाइड राइबोन्यूक्लियोटाइड) और जीडब्ल्यू 501516 (मानव विष में पेरॉक्सिसोम प्रोलिफिरेटर–सक्रिय रिसेप्टर के एगोनिस्ट) का पता लगाना : लिपिड मेटाबॉलिज्म के प्रमुख नियामक "; आईसीओएलए 2018, कोरिया।

चालू पीएचडी परियोजनाएं:

- मानव मूत्र में एनाबोलिकस्टेरॉयड के जैविक और सिंथेटिक मूल का भेद: गैस क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री और आइसोटोप अनुपात मास स्पेक्ट्रोमेट्री के बीच सहसंबंध।
- जैविक नमूना में पेप्टाइड्स के प्रदर्शन के बढ़ने का पता लगाने और पहचान के लिए विश्लेषण ात्मक उपकरणों का विकास।
- क्रोमैटोग्राफिक और मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करके मानव और अश्व जीव विज्ञान नमूना में कॉर्टिकोस्टेराइड की जांच के लिए एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण।
- सामान्य / असामान्य टेस्टोस्टेरोन / एपिटेस्टोस्टेरोन (टी / ई) अनुपात के साथ स्वैच्छिक उम्मीदवारों में टेस्टोस्टेरोन मेटाबोलाइट के 13 सी / 12 सी के स्टेरॉयड मूल्य और टेस्टोस्टेरोन के टेस्टोस्टेरोन के विभिन्न तैयारी के प्रभाव का अध्ययन करना।
- इस्सो इलेक्ट्रिक फोकसिंग (आईईएफ) पैटर्न और सोडियम डोडेसिल सल्फेट पॉलीक्रिलामाइड जेल इलेक्ट्रो फ़ोकसिंग (एसडीएस– पेज) भारतीय बायोसिमिलर के परिणाम की विशेषता।

एनडीटीएलमें शोध प्रशिक्षु:

- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च (डीआईपीएसएआर) के दो रिसर्च प्रशिक्षुओं ने एनडीटीएलसाइंटिस्ट के मार्गदर्शन में अपने एम. फार्मा शोध प्रबंध का काम पूरा किया और अपनी थीसिस विश्वविद्यालय को सौंपी।

7. शिक्षा कार्यक्रम

7.1 सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय):

- एनएबीएल द्वारा आयोजित 28 मई 2018 को आईएसओ / आईईसी 17025: 2005 से 2017 तक परिवर्तन पर एक दिन प्रयोगशाला पाठ्यक्रम में एनडीटीएल के वैज्ञानिक–सी सचिन दुबे ने भाग लिया।
- डॉ. शिला जैन, प्रयोगशाला निदेशक, एनडीटीएल ने कॉन्क्लेव में एक स्वच्छ खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में भाग लिया: 27 जून, 2018 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एंटी डोपिंग पर एथलीट परिप्रेक्ष्य, राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी, भारत द्वारा आयोजित।
- डॉ. शिला जैन, प्रयोगशाला निदेशक, एनडीटीएल ने 27 जुलाई, 2018 को भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली में अखिल भारतीय खेल परिषद की बैठक में भाग लिया।
- श्री अवनीश उपाध्याय, वैज्ञानिक, बी ', एनडीटीएलने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित बायोसाइंस (आईसीईआरबी– 2018) में उभरते शोध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डोपिंग के सिंहावलोकन पर ऑनलाइन व्याख्यान / कार्यशाला का आयोजन किया।

- डॉ. पी. एल. साहू, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल ने 6 अक्टूबर, 2018 को महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बुराड़ी, हिमाचल प्रदेश में "फार्मास्युटिकल और ड्रग डिस्कवरी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" विषय पर एक संगोष्ठी, "अगली पीढ़ी के फार्माकोलॉजिस्ट के लिए भविष्य के लिए भविष्य के दृष्टिकोण के लिए फार्माकोलॉजीम" को संबोधित किया। , इंडिया।

- डॉ. पी. एल. एनडीटीएल के वैज्ञानिक निदेशक साहू को 30 जनवरी, 2019 को कन्वेंशन सेंटर, डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'नेशनल एंटी डोपिंग कॉन्फ्रेंस' में 'डोप नमूने के विश्लेषण – चुनौतियाँ और नवाचार' विषय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा)। यह सम्मेलन एक प्रमुख मंच पर डोपिंग रोधी विशेषज्ञों, खेल वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, विद्वानों और छात्रों को लाने और डोपिंग के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने और खेल में डोपिंग को रोकने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर लाने के लिए था।सम्मेलन में देश भर से लगभग 1000 छात्र, खिलाड़ी, शारीरिक शिक्षा संकाय, वैज्ञानिक शामिल हुए।

7.2 सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (अंतर्राष्ट्रीय):

- श्री सत्येंद्र प्रताप सिंह, आरए–एएनडीटीएल ने पूरक आहार;ताकत, कमजोरी, अवसर और जोखिमपर डोपिंग रोधी प्रयोगशाला कतर (एडीएलक्यू) में दोहा, कतर में पहली –2 मई 2018 को 8 वें वार्षिक संगोष्ठी में भाग लिया: उन्होंने संगोष्ठी में एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

- श्री हसीन जमाल, वरिष्ठ विश्लेषक और उप गुणवत्ता प्रबंधक, एनडीटीएलने ऑस्ट्रेलिया के स्पोर्ट्स ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी द्वारा 21 वीं –25 मई, 2018 को सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 5 वीं वाडा क्यूए मैनेजर बैठक में भाग लिया।

- श्री अवनीश उपाध्याय, विज्ञान–बी, एनडीटीएल ने 31 अगस्त से –1 सितंबर 2018 तक लिपिड एंड एथेरोस्क्लेरोसिस (आईसीओएल, 2018) पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया। जो द कोरियन सोसाइटी ऑफ लिपिड और एथेरोस्क्लेरोसिस द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने सम्मेलन में एक पोस्टर प्रस्तुत किया जिसे सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के रूप में सम्मानित किया गया।पोस्टर का शीर्षक इस प्रकार है: ईसीएआर (5–एमिनोइमेडाजोल–4–कार्बोक्सामाइड राइबोन्यूक्लियोटाइड का पता लगाना) और जीडब्ल्यू 501516 (मानव मूत्र में पेरोक्सीसोम प्रोलिफिरेटर–सक्रिय रिसेप्टर के एगोनिस्ट: लिपिड मेटाबॉलिज्म के प्रमुख नियामक)।"

- डोप एनालिसिस, 2019 पर 37 वीं वार्षिक मैनफ्रेड डोनाइक कार्यशाला, 2019 का आयोजन 17 फरवरी, 2019 से 22 फरवरी, 2019 तक जर्मन स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, कोलोन, जर्मनी में किया जा रहा है।कार्यशाला में उपस्थिति केवल निमंत्रण के द्वारा थी। एनडीटीएलकी ओर से, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएलको कार्यशाला में आमंत्रित किया गया था और उन्होंने 18 से 22 फरवरी, 2019 तक कार्यशाला में भाग लिया।सप्ताह भर चलने वाली इस कार्यशाला में दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने खेल ड्रग परीक्षण ज्ञान और उन्नति में अपना योगदान साझा किया।प्रस्तुत विषय, जो विश्लेषणात्मक दवा का पता लगाने की रणनीतियों से लेकर ड्रग–किट छेड़छाड़ पर जांच तक की, सभी क्षेत्र में सबसे नवीनतम शोध निष्कर्षों का प्रतिनिधित्व करते हैं।व्याख्यान और पोस्टर सत्रों के अलावा, कोलोन कार्यशाला में खुली चर्चा, निजी उपयोगकर्ता बैठकें (जैसे एससीआईईएक्स, एगिलेंट एमएस) और वाडा),

और कोलोन वाडा–मान्यता प्राप्त एंटी–डोपिंग प्रयोगशाला का दौरा पर व्याख्यान दिए गए। इस कार्यशाला के दौरान एनडीटीएल को विश्व डोपिंग रोधी वैज्ञानिकों (वाडा) से 13 डोप नमूने प्राप्त हुए।

- **वाडा प्रयोगशाला निदेशकों की बैठक, 2019 और लुसाने, स्विट्जरलैंड में वाडा का वार्षिक संगोष्ठी में भागीदारी:**

इस दौरे में दो प्रमुख कार्यक्रम शामिल थे, पहले वाडा की प्रयोगशाला निदेशक की वाडा के साथ बैठक थी जो 11 मार्च से 12 मार्च तक आयोजित की गई और इसके बाद वाडा की वार्षिक संगोष्ठी 2019 जिसे 13 से 14 मार्च, 2019 तक एनडीटीएल, नई दिल्ली, वैज्ञानिक की ओर से आयोजित किया गया। दोनों समारोहों में निदेशक, एनडीटीएल ने भाग लिया।वाडा प्रयोगशाला निदेशक की बैठक उत्पादक निर्णय, वाडाविज्ञान और प्रयोगशाला निदेशकों के बीच सूचना और राय के आदान–प्रदान और प्रतिभागियों के बीच ज्ञान और विशेषज्ञता के आदान–प्रदान पर चर्चा के लिए थी।बैठक के दौरान, वाडा के प्रतिनिधियों ने वाडा–मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के लिए सबसे अधिक अद्यतन जानकारी (सामान्य, नियामक और तकनीकी) प्रदान की।

दूसरा कार्यक्रमवाडा का 2019 वार्षिक संगोष्ठी बुधवार, 13 मार्च से गुरुवार, 14 मार्च 2019 को स्विट्जरलैंड के लुसाने में स्विसटैक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। वाडा संगोष्ठी, जो वार्षिक वैश्विक एंटी डोपिंग कैलेंडर पर मुख्य कार्यक्रम है, एक अनूठी और व्यावहारिक घटना है जो एंटी–डोपिंग हितधारकों को एक दूसरे से इकट्ठा करने, बातचीत करने और सीखने का अवसर प्रदान करती है।संगोष्ठी को अंतर्राष्ट्रीय संघों, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डोपिंग विरोधी संगठनों और प्रमुख समारोह आयोजकों, सरकारों, एथलीट आयोगों, वाडा–मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं और एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाइयों के प्रतिनिधि;साथ ही, मीडिया, शोधकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं जैसे अन्य हितधारक,जो स्वच्छ खेल के अभिन्न अंग हैं, से डोपिंग रोधी चिकित्सकों के लिए डिज़ाइन किया गया है;

08. भविष्य योजना:

निम्नलिखित पर ध्यान देने की आवश्यकता है:

i) अनुसंधान विंग का विस्तार।

ii) 26 नव सृजित पदों को भरना।

9.0 : एनडीटीएल का प्रबंधन / स्टाफ

9.1 सामान्य निकाय के सदस्यों की सूची

सामान्य निकाय के सदस्य		
क्र.सं.	**नाम / पदनाम / पता**	**पद**
1.	**कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़** माननीय युवा कार्यक्रम व खेल राज्य मंत्री (प्रभारी) कमरा संख्या 401 – सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23386520, फैक्स – 23381898 ई–मेल : minister.yas@nic.in	पदेन अध्यक्ष
2.	**श्री राधे श्याम जुलानिया** सचिव, खेल विभाग, महा निदेशक और सीईओ, एनडीटीएल एनडीटीएल भवन, जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली – 110003, फोन – 24364213 / 24364142, ईमेल:– secy-sports@nic.in,	पदेन उपाध्यक्ष

3.	**श्रीमति नीलम कपूर** महानिदेशक, एसएआई, एसएआई, जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली – 110003, फोन – 24362720 / 24362722, ईमेलः– secy&sports@nic.in ईमेलः– dg-sai@gov.in	पदेन सदस्य
4.	**श्री इंदर धामिजा** संयुक्त सचिव (खेल), कमरा संख्या 103, सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23381025 ईमेलः– dhamija.i60@gov.in	पदेन सदस्य
5.	**डॉ. एस. वेंकेटेश** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली फोन – 23061438 / 23061063 ईमेलः– dghs@nic.in	पदेन सदस्य
6.	**श्री नवीन अग्रवाल** महानिदेशक, नाडा प्रगति विहार हॉस्टल, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110003 टेलीफैक्स – 2339277	पदेन सदस्य
7.	**श्री राजीव मेहता** महासचिव भारतीय, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ओलंपिक भवन, बी –29, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली –110016 फैक्स – 26852386, फोन 26852480	पदेन सदस्य
8.	**न्यायमूर्ति वी. के. जैन** प्रख्यात न्यायविद्, 26, लोदी एस्टेट, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110003	मनोनीत सदस्य
9.	**डॉ वेस पेस** एंटी डोपिंग सलाहकार, बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई)	मनोनीत सदस्य
10.	**डॉ (कर्नल) राणा के. चेंगप्पा** सेना के पूर्व खेल चिकित्सा विशेषज्ञ ए–57, सोम विहार, आर.के. पुरम, नई दिल्ली–110022	मनोनीत सदस्य
11.	**प्रो. एन.के. गांगुली** पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर और प्रसिद्ध वैज्ञानिक बायोटेक फेलो, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली मोबाइल फोन–9811504314	मनोनीत सदस्य

12.	**डॉ एस. के. रजा** पूर्व निदेशक, आईपीएफटी और पूर्व संयुक्त निदेशक, डीआरडीओ	मनोनीत सदस्य
13	**श्री जफर इकबाल** ओलंपियन	मनोनीत सदस्य
14.	**श्री भूपिंदर सिंह बाजवा** अध्यक्ष, भारतीय वुशु एसोसिएशन (डब्ल्यूएआई), 524, चौपातिया, आर के कैकर पार्क, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226003	मनोनीत सदस्य
15.	**श्री वागीश पाठक** अध्यक्ष, नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएफआई) 15, पूसा रोड, प्रथम तल, नई दिल्ली–110005 फोन – 28041430–31–33, मोबाइल – 9811801407 ईमेलः– gskdaiff@the&aiff.com	मनोनीत सदस्य
16.	**श्री अनिल खन्ना** उपाध्यक्ष, आईटीएफ, आर. के. खन्ना स्टेडियम, आर के पुरम, अफ्रीका एवेन्यू, नई दिल्ली – 110029	मनोनीत सदस्य
17.	**डा. पी. एल. साहू** वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल, जेएलएन स्टेडियम कॉम्पलेक्स, ईस्ट गेट नं.10,लोधी रोड़, नई दिल्ली – 110003 ईमेलः– ndtlindia@nic.in फोन –91 11 24369629	पदेन सदस्य– सचिव

9.2 एनडीटीएल के शासी निकाय के सदस्य

शासी निकाय के सदस्य		
क्र.सं.	**नाम / पदनाम / पता**	**पद**
1.	**कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़** माननीय युवा कार्यक्रम व खेल राज्य मंत्री (प्रभारी) कमरा संख्या 401 – सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23386520, फैक्स – 23381898 ई–मेलः minister.yas@nic.in	पदेन अध्यक्ष
2.	**श्री राधे श्याम जुलानिया** सचिव, खेल विभाग, महानिदेशक, और सीईओ, एनडीटीएल एनडीटीएल भवन, जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली–110003, फोन – 24364213 / 24364142, ईमेल :–secy.sports@nic.in	पदेन उपाध्यक्ष

3.	**श्रीमती किरण सोनी गुप्ता** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय एसएआई दूसरा तल, जेएलएन स्टेडियम कॉम्पलैक्स, नई दिल्ली–110003, ईमेलः kiransoni.gupta@nic.in	पदेन सदस्य
4.	**श्री इंदर धामिजा** संयुक्त सचिव (खेल), कमरा संख्या 103, सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23381025 ईमेल – dhamija.i60@gov.in	पदेन सदस्य
5.	**डॉ. एस. वेंकेटेश** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली फोन – 23061438 / 23061063 ईमेल – dghs@nic.in	पदेन सदस्य
6.	**श्री राजीव मेहता** भारतीय महासचिव, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ओलंपिक भवन, बी –29, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110016 फैक्स – 26852386, फोन 26852480	पदेन सदस्य
7.	**न्यायमूर्ति वी. के. जैन** प्रख्यात न्यायविद्, 26, लोदी एस्टेट, लोदी रोड, नई दिल्ली–110003	मनोनीत सदस्य
8.	डॉ वेस पेस एंटी डोपिंग सलाहकार, बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई)	मनोनीत सदस्य
9.	डॉ (कर्नल) राणा के. चेंगप्पा सेना के पूर्व खेल चिकित्सा विशेषज्ञ ए –57, सोम विहार, आर.के. पुरम, नई दिल्ली–110022	मनोनीत सदस्य
10.	**प्रो. एन.के. गांगुली** पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर और प्रसिद्ध वैज्ञानिक बायोटेक फेलो, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली मोबाइल फोन – 9811504314	मनोनीत सदस्य
11.	**डॉ एस. के. रजा** पूर्व निदेशक, आईपीएफटी और पूर्व संयुक्त निदेशक, डीआरडीओ	मनोनीत सदस्य
12.	**डा. पी. एल. साहू** वैज्ञानिक निदेशक एनडीटीएल, जेएलएन स्टेडियम कॉम्पलेक्स, ईस्ट गेट नं.10,लोधी रोड़, नई दिल्ली – 110003 ई मेलः दकजसपदकपं/दपबण्पद फोन –91 11 24369629	पदेन सदस्य–सचिव

*****

अध्याय – 21

2018–2019 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धियां

भारत के लिए 2018–19 खेलों में उपलब्धियों का वर्ष रहा है। एशियाई खेल, एशियाई पारा खेल और युवा ओलंपिक खेल, सभी में भारत ने अब तक के सबसे अधिक पदक जीते जिनका ब्यौरा इस प्रकार है।

आयोजन	कुल भारतीय एथलीट	टॉप्स के माध्यम से सहायता प्राप्त एथलीट	जीते गए पदक	टॉप्स के माध्यम से जीते गए पदक विजेता
राष्ट्रमण्डल खेल, 2018	221	86	66	48
एशियाई खेल, 2018	570	196	69	44
एशियन पारा–खेल, 2018	190	25	72	18
युवा ओलंपिक खेल, 2018	47	5	13	सभी तीन स्वर्ण पदकों सहित पांच

भारतीय खिलाड़ियों की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैः–

राष्ट्रमण्डल खेल, 2018

भारत ने गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में 4 से 15 अप्रैल 2018 तक 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लिया। यह राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की 18 वीं सहभागिता थी। 26 स्वर्ण पदकों और कुल 66 पदकों (26 स्वर्ण, 20 रजत और 20 कांस्य) के साथ, भारत का इस टूर्नामेंट में तीसरा स्थान रहा। यह राष्ट्रमंडल खेलों, 2010 के बाद से भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

राष्ट्रमण्डल खेल, 2018 में टेबल टेनिस खिलाड़ी मणिका बत्रा

राष्ट्रमण्डल खेल, 2018 में स्वर्ण पदक जीतने पर मीराबाई चानू

एशियाई खेल, 2018

भारतीय खिलाड़ियों और टीमों ने जकार्ता और पलेमबांग (इंडोनेशिया) में 18 अगस्त से 02 सितम्बर, 2018 तक आयोजित एशियाई खेलों में बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया। भारत ने 69 पदक (15 स्वर्ण, 24 रजत और 30 कांस्य) जीतें और पदक तालिका में इसका आठवां स्थान रहा।

एशियाई खेल, 2018 में अर्पिन्द्र सिंह पुरूषों के ट्रिपल जंप में स्वर्ण पदक जीतने पर खुशी मनाते हुए

पारा एशियाई – खेल, 2018

72 पदकों (15 स्वर्ण, 24 रजत और 33 कांस्य) के साथ भारत का कुल मिलाकर नौवा स्थान रहा जो पिछले प्रदर्शन से भी अधिक पदम जीतते हुए एशियाई पारा खेल में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

जकार्ता में एशियाई पारा खेल में महिलाओं की क्लब थ्रो एफ32/51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता एकता भयान

युवा ओलंपिक खेल, 2018

13 पदकों (03 स्वर्ण, 09 रजत और 01 कांस्य) के साथ पदक तालिका में भारत का कुल मिलाकर 14वां स्थान रहा जो युवा ओलंपिक खेल, ब्यूनस आयरस, अर्जेंटीना में पिछले सर्वश्रे ठ प्रदर्शन से बेहतर भारत का अब तक का सर्वश्रे ठ प्रदर्शन रहा।

युवा ओलंपिक के इतिहास में पहली बार भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीतने वाले जेरेमी ललरिननुंगा (भारत)

पुरूषों हॉकी विश्व कप, 2018

पहली बार भारत ने 28 नवम्बर से 16 दिसम्बर, 2018 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में पुरुष हॉकी विश्व कप, 2018 की मेजबानी की। 19 दिन चले इस हॉकी विश्व कप में 5 परिसंघो की कुल 16 टीमों ने भाग लिया। भारत सरकार ने इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की सहभागिता के लिए वित्तीय सहायता दी। भारत इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा।

विश्व कप, 2018 में साउथ अफीका को 5–1 से हरा कर बेल्जियम विजेता बना

2018 एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

2018 एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप, खेलों इंडिया योजना के तहत 3 करोड़ रू. की वित्तीय सहायता से केडी जाधव इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की गई। भारत 01 स्वर्ण, 01 रजत और 02 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा।

मैरी कॉम ने यूक्रेन की मुक्केबाज हाना ओखोता को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह पदक जीतकर मैरी कॉम ने एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 6 स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला मुक्केबाज बनकर इतिहास रचा।

आईएसएसएफ विश्व कप, 2019

डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, नई दिल्ली में 20 से 28 फरवरी, 2019 तक आयोजित अआईएसएसएफ विश्व कप राइफल /पिस्टल में 60 देशों के 500 निशानेबाजों ने भाग लिया। 3 स्वर्ण पदकों के साथ भारत और हगंरी ने पदक तालिका में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया और भारत को इस टूर्नामेंट से 2 ओलंपिक स्थान मिलें।

निशानेबाजी विश्व कप में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक विजेता अपूर्वी चंडेला (मध्य में)

******

अध्याय – 22

एक नजर में 2018–19 के दौरान खेल विभाग की उपलब्धियां जएवं पहल

1. राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र

राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र (एन सी एस सी) का उद्देश्य देश में खेल कोचिंग शिक्षा को बढ़ाना और देश के व्यापक कोचिंग फ्रेमवर्क विकास का सृजन तथा एथलीटों के कोचिंग एवं प्रशिक्षण के तकनीकी, निपुण एवं कौशल विकास में अनुसंधान का आयोजन करना है। इसका उद्देश्य खेल क्षेत्र के लिए सक्षम एवं विश्वस्त कोचों को तैयार करना है। यह एथलीट को उनकी अधिकतम क्षमता के विकास एवं उनके प्रतिस्पर्धी खेल आजीविका को दीर्घकालिक करने की दिशा में योगदान होगा। एन सी एस सी द्वारा अर्हता प्राप्त कोचों की सेवाओं का उपयोग भारतीय खेल प्राधिकरण (एस ए आई), राज्य सरकारों, खेल परिषद, राष्ट्रीय खेल संघों (एन एस एफ) और देश भर के विभिन्न खेल अकादमियों और शैक्षिक संस्थानों द्वारा किया जाएगा।

योजना की कुल लागत 81.00 करोड़ ₹ होगी और योजना की प्रस्तावित अवधि 2017–18 से 2019–20 होगी। यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना होगी।

2. राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)

राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की एक योजना, जिसका उद्देश्य विशिष्ट एथलीटों के उच्च प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तर के अनुसंधान, शिक्षा एवं नवाचार को सहायता देना है। इस योजना के दो घटक हैं: एक है एन सी एस एस आर की स्थापना और दूसरा है चुनिंदा विश्वविद्यालयों और चुनिंदा मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों/अस्पतालों में खेल औषधि विभागों को सहायता का सृजन। प्रस्तावित योजना की कुल लागत एन सी एस एस आर के लिए ₹ 107 करोड़ और चुनिंदा विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों में खेल विज्ञान एवं खेल औषधि विभागों के लिए ₹ 237 करोड़ है। इसकी अवधि 2017–18 से 2019–20 होगी। यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना होगी।

पात्र विश्वविद्यालयों और संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों से निधियन के लिए इच्छा की अभिव्यक्ति (ई ओ आई) मांगी गई थी। उनमें क्रमशः खेल विज्ञान और खेल औषधि विभागों की स्थापना के लिए देश के विभिन्न भागों से 6 विश्वविद्यालयों एवं 5 मेडिकल कॉलेजों को चुना गया है और विश्वविद्यालयों एवं मेडिकल कॉलेजों को आंशिक निधियां जारी की जा चुकी है। एम वाय ए एस 5 वर्ष की अवधि में प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों को ₹ 25 करोड़ (एन आई एन हैदराबाद– ₹ 12.50 करोड़) और प्रत्येक चयनित मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों/अस्पतालों को ₹ 12.50 करोड़ की निधि देगा और बाद में वे आत्मनिर्भर हो जाएंगे। चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों की

सूची इस प्रकार है :

खेल विज्ञान विभाग की सहायता के लिए वित्तपोषण हेतु चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों की सूची

क) गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर

ख) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर

ग) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद

घ) अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

ड.) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

च) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

खेल औषधि विभाग की सहायता के लिए वित्तपोषण हेतु चयनित मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों की सूची

क) किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ

ख) वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

ग) पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

घ) बंगलुरू मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, बंगलुरू, कर्नाटक

ड.) क्षेत्रीय मेडिकल विज्ञान संस्थान, इंफाल, मणिपुर

3. टी ओ पी (टार्गेट ओलंपिक पोडियम) योजना

- युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने जुलाई 2014 में टार्गेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी) योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य प्रमुखतः ओलंपिक एवं पैरा ओलंपिक खेलों के लिए सारवान पदक संभावनाओं की पहचान, साज एवं तैयारी है।
- चयनित एथलीटों को विश्वस्तरीय सुविधाओं वालों संस्थानों में उनके अभ्यास प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के सहायता और अन्य आवश्यक सहायता दी जाती है। एनएसडीएफ की सहायता प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धा के वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) और एन एस एफ को सहायता की योजना के अतिरिक्त है।
- सरकार ने अगले तीन ओलंपिक खेलों 2020 टोकियो, 2024 और 2028 में भारतीय खिलाड़ियों की प्रभावी तैयारी के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करने के लिए ओलंपिक कार्यबल (ओटीएफ) का गठन किया है।
- प्रमुख खेलों जैसे कि ओलंपिक खेल, एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ खेल के लिए भारतीय टीमों और प्रमुख एथलीटों के प्रशिक्षण की योजना और निष्पादन ओलंपिक कार्य बल की सिफारिशों को देखते हुए है। इसके अलावा, आउट ऑफ पॉकेट एलाउंस देने के लिए ओलंपिक कार्य बल की सिफारिश को स्वीकार करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने टी ओ पी योजना के अंतर्गत शामिल सभी एथलीटों को 50,000/–₹ प्रति माह का आउट ऑफ पॉकेट एलाउंस देना शुरू किया है।

4. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर

खेल में देश के स्थान को उठाने के दर्शन के भाग के रूप में मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 10.08.2017 को प्रस्तुत राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय बिल, 2018 को मानसून सत्र, 2018 के दौरान संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया है। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय अधिनियम, 2018 को 17 अगस्त, 2018 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित

किया गया था।

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों को अपनाकर चुनिंदा खेलों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करने के अलावा खेल विज्ञान के क्षेत्र में खेल शिक्षा के संवर्धन, खेल प्रौद्योगिकी, खेल प्रबंधन और खेल कोचिंग के लिए अपने तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा।

विश्वविद्यालय विभिन्न विधाओं में खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में स्नातक, मास्टर और डॉक्टोरल प्रोग्राम प्रदान करेगा। भविष्य में विभिन्न खेल शिक्षा एवं कोचिंग विधाओं में विशेषीकृत डिग्री प्रोग्राम चलाने की परिकल्पना है।

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय ने खुमन लंपक खेल परिसर, इंफाल में एक अस्थायी परिसर से काम करना शुरू कर दिया है। 15.01.2018 से शारीरिक शिक्षा एवं खेल स्नातक (बीपीईएस) और बी.एससी. (खेल कोचिंग) के साथ पहला अकादमिक सत्र शुरू हो चुका है।

बीपीईएस और बी.एससी. (खेल कोचिंग) के अलावा एक नया स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अर्थात् एम.ए. (खेल मनोविज्ञान) अकादमिक सत्र 2018–19 से शुरू किया गया है।

पश्चिम जिला, इंफाल में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर के लिए पूर्व–निवेश से संबंधित काम शुरू किया जा चुका है। जबकि घेरा कार्य का सीमांकन और हिलॉक तटस्थीकरण के लिए स्थल विकास का काम पूरा हो चुका है, भू स्थल विकास, चाहरदीवारी और रोड संरेखन कार्य चल रहा है। मुख्य परिसर का निर्माण पूरा होने और तत्पश्चात् मुख्य परिसर से अस्थायी परिसर में छात्रों की शिफ्टिंग में लगभग 2 वर्ष का समय लगेगा।

5. चुनिंदा विश्वविद्यालयों/संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों में खेल विज्ञान विभागों और खेल औषधि विभाग

विशिष्ट एथलीटों के निष्पादन में वृद्धि के लिए उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा एवं नवाचार को सहायता देने के उद्देश्य से पहली बार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने छह विश्वविद्यालयों में खेल विज्ञान विभागों और पॉच मेडिकल कॉलेजों में खेल औ ाधि विभागों की स्थापना के लिए सहायता दी है, जिनके नाम नीचे दिए गए हैं:

खेल विज्ञान विभाग को सहायता करने हेतु, वित्त पोषण के लिए चुनें गए विश्वविद्यालयों / संस्थानों की सूची:

क) गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर

ख) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर

ग) राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद

घ) अन्नामलई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

ड.) राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान

च) कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल

खेल औषधि विभाग के लिए वित्तपोषण हेतु चयनित मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों की सूची

क) किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ

ख) वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पलात, नई दिल्ली

ग) पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान

विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा

घ) बेंगलुरू मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, बंगलुरू, कर्नाटक

ड.) क्षेत्रीय मेडिकल विज्ञान संस्थान, इंफाल, मणिपुर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों को प्रति पी जी प्रोग्राम 3.50 करोड़ ₹ (एनआईएन हैदराबाद – 12.50 करोड़ ₹) की निधि देगा और प्रत्येक चयनित मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों/अस्पतालों को क्रमशः खेल विज्ञान विभाग और खेल औषधि विभाग की स्थापना के लिए 12.50 करोड़ ₹ की निधि देगा और बाद में वे आत्मनिर्भर हो जाएंगे।

6. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन का संशोधन

खिलाड़ियों के कल्याण के लिए प्रमुख कदम में केंद्रीय खेल मंत्री ने 7.6.2018 को मेधावी खिलाड़ियों के पेंशन में वृद्धि को मंजूरी दी है। संशोधन के तहत् अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने पर मौजूदा पेंशन की दर को दोगुणा कर दिया गया है। पेंशन की नई दरें न्यूनतम ₹ 12000/– से अधिकतम ₹ 20000/–प्रति माह है। पैरा ओलंपिक खेलों और पैरा एशियाई खेलों में पदक विजेताओं के पेंशन की दर क्रमशः ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक विजेताओं के समतुल्य होगी। पेंशन की दर के संशोधन को 1 अप्रैल 2018 से लागू किया गया है।

7. आहार, भोजन पूरक एवं उपकरण के लिए वित्तीय सहायता में वृद्धि

आहार, भोजन पूरक, उपकरण, खेल प्रतिस्पर्धा प्रकटन के लिए वित्तीय सहायता में पर्याप्त वृद्धि की गई है। वरिष्ठ एथलीटों के लिए आहार चार्ज को 400 ₹ प्रतिदिन से बढ़ाकर 690 ₹ प्रति दिन कर दिया गया है। इसी तरह भोजन पूरक को भारी एवं मध्यम भार पावर स्पर्धाओं के लिए प्रति एथलीट (पावर एवं गैर–पावर खेल दोनों के लिए) 250 ₹ प्रति एथलीट प्रति दिन से 750 ₹ प्रति एथलीट प्रति दिन, सहनशीलता, टीम, स्प्रिंट एवं निम्न भार पावन स्पर्धाओं के लिए 430 ₹ प्रति एथलीट प्रति दिन, कौशल स्पर्धाओं के लिए 320 ₹ प्रति एथलीट प्रति दिन तक बढ़ा दिया गया है। कनिष्ठ एवं उप–कनिष्ठ एथलीटों के लिए आहार चार्जों में और कनिष्ठ एथलीटों के लिए भोजन पूरक चार्जों में इसी तरह की वृद्धि की गई है

8. मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी के लिए संशोधित दिशा–निर्देश

मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी प्रदान करने के लिए खेलों में शीर्ष निष्पादन विश्वविद्यालयों के चयन को युक्तिपूर्ण और सरल बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय खेल मंत्री ने 8.6. 2018 को एमएकेए ट्रॉफी के लिए संशोधित दिशानिर्देश को अनुमोदित कर दिया है। कुछ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश इस प्रकार हैं:

संशोधित दिशानिर्देश के अंतर्गत विश्वविद्यालयों से आवेदनों को जो अब तक भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा आमंत्रित और परीक्षित किया जाता था, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय/भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आमंत्रित किया जाएगा।

आवेदनों का परीक्षण भी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय/भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। एमएकेए ट्रॉफी के लिए विश्वविद्यालयों के चयन के लिए अंकों की गणना के लिए मानदंड को भी संशोधित कर दिया गया है। अंकों की गणना के लिए उन टूर्नामिंटों पर विचार नहीं किया जाएगा, जो व र्ा में एक से अधिक बार होते हैं।

समग्र विजेता विश्वविद्यालय के लिए पुरस्कार राशि को 10 लाख ₹ से बढ़ाकर 15 लाख ₹ कर दिया गया है और क्रमशः प्रथम रनर–अप और द्वितीय रनर–अप विश्वविद्यालयों के लिए पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 5 लाख ₹ से 7.5 लाख ₹ और 3 लाख ₹ से 4.5 लाख ₹ कर दिया गया है।

******

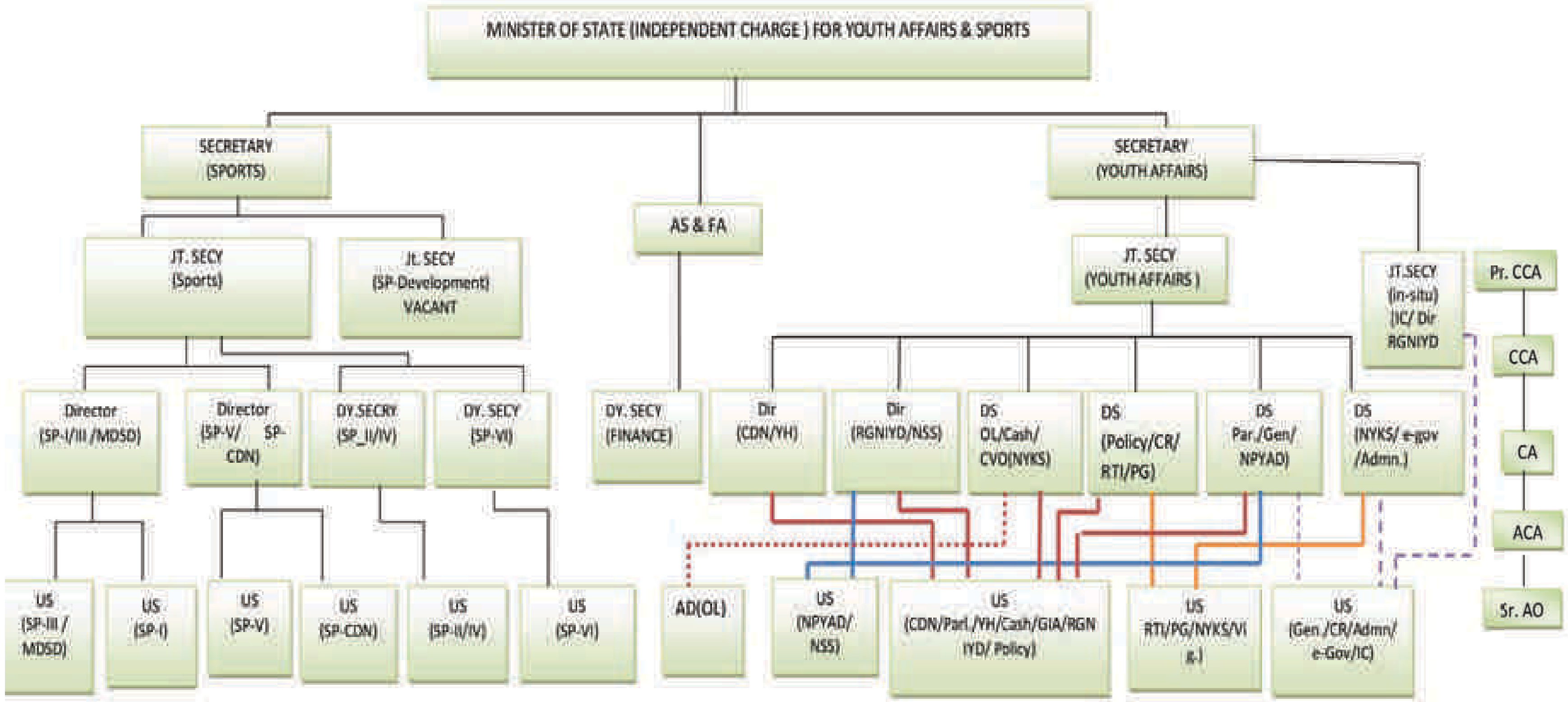

स्थिति 31.03.2019 पर

संकेताक्षर

एएस एंड एफए	:	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
जेएस	:	संयुक्त सचिव
सीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
डीएस	:	उप सचिव
डीसीए	:	उप लेखा नियंत्रक
यूएस	:	अवर सचिव
वाईए	:	युवा कार्यक्रम
डीडी	:	उप निदेशक
आईसी	:	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
ओएल	:	राजभाषा
एनपीवाईएडी	:	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम
एनएसएस	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
एसपी	:	खेल
एडीएमएन	:	प्रशासन
वीआईजी	:	सतर्कता
पीएआरएल	:	संसद
एसएआई	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
एनवाईकेएस	:	नेहरू युवा केंद्र संगठन
आरजीकेए	:	राजीव गांधी खेल अभियान
जीईएन	:	सामान्य
पीओएल	:	नीति
पीयूबी	:	प्रकाशन
वाईएच	:	युवा छात्रावास
आरजीएनआईवाईडी	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
सीडीएन	:	समन्वय
एडी	:	सहायक निदेशक
सीआर	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

वित्तीय परिव्यय 2019–20

बजट अनुमान 2018–19 तथा संशोधित अनुमान 2018–19 और बजट अनुमान 2019–20 के लिए वित्तीय परिव्यय निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

(करोड़ रु.)

बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान 2018–19 और बजट अनुमान 2019–20 को दर्शाता विवरण				
क्रम सं.	स्कीम का नाम	बजट अनुमान 2018–19 @	संशोधित अनुमान 2018–19 @	बजट अनुमान 2019–20 @
	युवा कार्यक्रम विभाग			
1	2	3	4	5
क.	**सचिवालयदृसामाजिक सेवा**	**30.00**	**30.00**	**32.00**
ख.	**राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)**			
1.	नेहरू युवा केंद्र संगठन	255.00	270.00	256.92
2.	राष्ट्रीय युवा कोर	80.00	65.00	80.00
3.	युवा नेता कार्यक्रम	20.00	20.00	12.00
4.	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम	25.00	25.00	21.00
5.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	20.00	20.00	21.00
6.	युवा छात्रावास	1.70	1.70	2.50
7.	राष्ट्रीय अनुशासन स्कीम	5.00	5.00	0.00
8.	स्काउटिंग और गाइडिंग	1.50	1.50	1.50
	कुल (ख) आरवाईएसके	**408.20**	**408.20**	**394.92**
ग.	**राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)**	**160.00**	**160.00**	**160.00**
घ.	**राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)**	**23.00**	**23.00**	**30.00**
	सकल योग (क+ख+ग+घ)	**621.20**	**621.20**	**616.92**
	खेल विभाग			
1	2	3	4	5
ड.	**खेल संस्थानों में विकास**			
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण	429.56	395.00	450.00

2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान	45.00	45.00	50.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला	4.00	7.50	7.50
4.	राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी	10.00	10.00	8.50
5.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)	40.00	28.00	25.00
6.	राष्ट्रीय खेल कोचिंग केंद्र	30.00	2.00	5.00
7.	पूर्वोत्तर में खेल विश्वविद्यालय	65.00	25.00	40.00
8.	विश्व डोप रोधी एजेंसी	1.00	1.00	1.00
	कुल (ङ.)	**624.56**	**513.50**	**587.00**
च.	**खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार**			
1.	पुरस्कार	13.00	33.00	52.00
2.	मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन	10.00	30.00	37.00
3.	खेल परिसंघों को सहायता	342.00	245.13	245.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विकास	5.00	5.00	5.00
5.	राष्ट्रीय खेल विकास कोष	2.00	2.00	70.00
6.	राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष	2.00	1.80	2.00
	कुल (च)	**374.00**	**316.93**	**411.00**
छ.	**खेलो इंडियाः राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम**			
1.	खेलो इंडिया	520.09	500.09	500.00
2.	साई स्टेडिया का नवीकरण – सीडब्ल्यूजी 2010	0.50	0.50	70.00
3.	जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं का विस्तार	50.00	50.00	30.00
4.	हिमालयन राज्यों में खेल महोत्सव स्कीम	5.00	0.10	1.00
5.	सेमीनार, समितियों की बैठकों आदि पर व्यय.	1.00	0.40	1.00
	कुल (छ)	**576.59**	**551.09**	**602.00**
	सकल योग (ङ.+च+छ)	**1575.15**	**1381.52**	**1600.00**

@ – पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित बकाया सी एंड एजी ऑडिट पैराओं और उनकी वर्तमान स्थिति को दर्शाने वाला विवरण (01.03.2019 तक की स्थिति)

क्रम सं..	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा सं. या अध्याय सं.	संक्षिप्त विषय या टिप्पणियों का सार	की गई कार्रवाई की वर्तमान स्थिति
क)	**युवा कार्यक्रम विभाग**			
1.	2017 की रिपोर्ट संख्या 12	अध्याय XXIII पैरा 23.1	नेहरू युवा केंद्र संगठन में वित्तीय प्रबंधन	पोर्टल के माध्यम से ऑडिट के लिए एटीएन 19.12.2018 को प्रस्तुत किया गया। ऑडिट ने दिनांक 23.01.2019 के अपने पत्र द्वारा संशोधित एटीएन प्रस्तुत करने का निदेश दिया। अब विभाग द्वारा संशोधित एटीएन तैयार किया जा रहा है।
(ख)	**खेल विभाग**			
1.	2013 की रिपोर्ट संख्या 19	पैरा 16.1	अनुदान की अप्रभावी मॉनीटरिंग मंत्रालय राष्ट्रमंडल खेल–2010 से संबंधित अनुदान जारी करने की मॉनीटरिंग करने में असफल रहा है। इसके परिणाम स्वरूप,191.86 करोड़ रु. की धनराशि 17 से 26 महीने तक की अवधि के लिए साई के पास रही। यह अनुदान के उपयोग का प्रबंधन करने वाली संस्वीकृतियों के प्रावधानों का उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय साई को परवर्ती राशि जारी करने से पहले अव्ययित 22.12 करोड़ रु. की अनुदान राशि पर अर्जित ब्याज का हिसाब लेने में असफल रहा।	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने राष्ट्रमंडल खेल 2010 से संबंधित खेल अवसंरचना के नवीनीकरण/ उन्नयन के लिए तथा सीडब्ल्यू जी 2010 के लिए भारतीय टीमों की तैयारी की स्कीम के तहत भारतीय टीम की तैयारी के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण को क्रमशः 2604.84 करोड़ रु. और 248.77 करोड़ रु. जारी किया था। साई ने इस धनराशि में से 1.37 करोड़ रु. की अव्ययित धनराशि को मंत्रालय को वापस कर दिया था तथा अनुरोध किया था कि मंत्रालय द्वारा जारी निधियों पर साई द्वारा अर्जित ब्याज को नियमित कर दिया जाए। चूंकि साई ने अर्जित ब्याज का उपयोग वास्तविक उद्देश्यों के लिए किया था इसलिए इस धनराशि को नियमित करने का अनुरोध वित्त मंत्रालय से किया गया था। इसके अलावा, 29 जून, 2017 को आयोजित बैठक के दौरान पीएसी द्वारा ऑडिट पैराओं की जांच की गई थी और दिनांक 15.12.2017 के पत्र द्वारा पीएसी को अपेक्षित प्रश्नावली का उत्तर उपलब्ध कराया गया। ब्याज को नियमित करने का मामला वित्त मंत्रालय में विचाराधीन है।

2.	2014 की रिपोर्ट सं. 19	सं.25 पैरा 20.1	मेडिकल बिलों की निकासी में धोखाधड़ी साई के कनिष्ठ लेखा अधिकारी जिसे भुगतान हेतु बिलों की जांच का कार्य सौंपा गया था, अपने पद का लाभ उठाया और स्वयं के लिए 11.10 लाख रु. की राशि कि गलत चिकित्सा बिलों को स्वीकृत कर दिया था।	श्री अंजन बोर ठाकुर, कनिष्ठ लेखाधिकारी को साई की सेवाओं से दिनांक 21.07. 2014 को हटा दिया गया था। इसके अलावा, साई को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया तथा साई ने श्री अंजन बोर ठाकुर से 11,61,215 रु. की धनराशि की वसूली करने के लिए उन पर मुकदमा कायम कर दिया। चूंकि यह मामला न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है इसलिए इस मामले में अभी तक वसूली नहीं की गई है।
3.	2015 की रिपोर्ट सं. 18	पैरा 14.1	भारतीय खेल प्राधिकरण – व्यय का निष्क्रिय रहना सुरक्षा संबंधी बातों पर समुचित ध्यान दिए बगैर खेल अवसंरचना के निर्माण से 14.15 करोड़ रु. की अवसंरचना निष्क्रिय हो गई और 1.28 करोड़ रु. का अलाभकारी व्यय हुआ। इसके अतिरिक्त, जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ।.	हजारीबाग में साई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना दूरदराज और उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिभा का पता लगाने के उद्देश्य से की गई थी क्योंकि खेल शांति और विकास का संवर्धन करने का शक्तिशाली माध्यम है। साई केंद्रीय पुलिस संगठनों से बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी स्कीम जिसे भारतीय सेना के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, के अंतर्गत पदमा कांप्लेक्स, हजारीबाग में अवसंरचना को संयुक्त रूप से संचालित करने का अनुरोध करता रहा है। प्रथम चरण के मरम्मत कार्य जिसमें प्रशासनिक भवन, लड़कों और लड़कियों के लिए खेल छात्रावास, 400 मीटर एथलेटिक ट्रैक, फुटबॉल मैदान, तीरंदाजी मैदान, वॉलीबॉल कोर्ट, हॉकी मैदान, कोचों और स्टाफ के लिए आवास तथा बाउंड्री वॉल को शीघ्र ही पूरा कर दिया जाएगा और बहुउद्देशीय हाल की मरम्मत का कार्य दूसरे चरण में किया जाएगा। 26 जून, 2017 को आयोजित पीएसी की बैठक में ऑडिट पैरा पर विचार–विमर्श किया गया था और प्राप्त प्रश्नावली से संबंधित टिप्पणियां भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से टिप्पणियां प्राप्त होने के पश्चात उपलब्ध कराई जाएंगी ।

4.	2015 की रिपोर्ट सं. 18	पैरा 14.2	भारतीय खेल प्राधिकरण– अलाभकारी व्यय साई द्वारा पूर्वोत्तर पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग में अपेक्षित सुविधा के उपयोग की व्यवहार्यता का आकलन किए बगैर एस्ट्रो बर्फ हॉकी मैदान की स्थापना का अनुमोदन करने से कार्य को निरस्त करना पड़ा। इसके परिणाम स्वरूप इस स्थान पर खर्च हुए 82 लाख रुपए अलाभकारी हो गए।	भारत में अत्यधिक लोकप्रिय खेलों में से एक हॉकी को स्थानीय लोगों को खेलने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर पहाड़ी विश्वविद्यालय (एईएचयू), शिलांग में हॉकी सतह बिछाने की योजना बनाई गई थी। सिंथेटिक सतह और खेल मैदान के निर्माण कार्य को अक्टूबर, 2012 में वित्तीय बाधाओं के कारण बंद कर दिया गया था। कार्य बंद होने से पहले ही इस पर 82 लाख रुपए की धनराशि खर्च कर कर दी गई थी। तैयार आधार का उपयोग फुटबॉल टर्फ तैयार करने के लिए किया जाएगा और इस कार्य को साई की दिनांक 5.09.2017 को आयोजित 79 वीं वित्तीय समिति की बैठक में अनुमोदित कर दिया गया है। इस कार्य के छहः माह में पूरा होने की संभावना थी। इसके अलावा, 29 जून, 2017 को आयोजित पीएसी की बैठक के दौरान उठाए गए मुद्दों का उत्तर दिनांक 07/09/2017 के पत्र द्वारा पहले ही उपलब्ध करा दिया गया है।
5.	2016 की रिपोर्ट सं. 11	पैरा 21.1	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर एलएनआईपीई, ग्वालियर भारतीय खेल प्राधिकरण/ राज्य खेल प्राधिकरण के माध्यम से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक सामग्री का आयात करने की मंत्रालय की सलाह का अनुसरण करने में असफल रहा जिससे ब्याज, विलंब शुल्क और अन्य प्रभारों सहित 1.06 करोड़ रु. के अपरिहार्य सीमा शुल्क का भुगतान किया गया।	एलएनआईपीई द्वारा दिनांक 22.3.2017 को ऑडिट को पैरा का उत्तर प्रस्तुत किया गया था। ऑडिट से उत्तर की प्रतीक्षा है। तथापि, पीएसी द्वारा जांच के लिए इस पैरा का चयन किया गया है।

अनुबंध–IV

देश में युवा छात्रावासों का राज्य / संघ राज्य क्षेत्र–वार ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रों में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
2.	अंडमान और निकोबार दीप समूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3.	आंध्र प्रदेश	5	कडप्पा, तिरुपति, विजयवाडा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम
4.	अरुणाचल प्रदेश	1	नाहरलागुन
5.	बिहार	1	पटना
6.	गोवा	2	पणजी, पेड्डम मपुसा
7.	गुजरात	1	गांधीनगर
8.	हरियाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, रेवाड़ी, सिरसा, यमुना नगर
9.	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10.	जम्मू और कश्मीर	2	पटनीटॉप, श्रीनगर
11.	कर्नाटक	4	हासन, मैसूर, सोगालू , तीर्थरामेश्वर
12.	केरल	3	कालीकट (कोझीकोड़) , एर्नाकुलम,(कोचचि) , त्रिवेन्द्रम
13.	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14.	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15.	मणिपुर	3	चुराचांदपुर , इंफाल, थौबाल
16.	मेघालय	1	शिलांग
17.	मिजोरम	1	आईजोल
18.	नागालैंड	1	दीमापुर
19.	ओडिशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20.	पुडुचेरी	1	पुडुचेरी

क्र.सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र का नाम	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रों में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
21.	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरूर, तरन तारन
22.	राजस्थान	4	अजमेर,जयपुर, जोधपुर, उदयुपर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक
24.	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरई, ऊटी , थंजाऊर , त्रिची
25.	तेलंगाना	3	नार्गाजुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26.	त्रिपुरा	1	अगरतला
27.	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28.	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तराकाशी
29.	पशचिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुलः	**72**	

अनुबंध–V

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) / भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/ संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित युवा छात्रावासों की सूची

क्र. सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र का नाम	निर्मित युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गोलाघाट, नौगांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नगरोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलडाना
5.	मणिपुर	1	उखरुल
6.	मेघालय	1	तुरा
7.	नागालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामची
9.	पशचिम बंगाल	2	चुरुलिया, बर्द्धवान
	कुल :	11	

अनुबंध–VI

निर्मित युवा छात्रावासों की सूची

क्र. सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र का नाम	युवा छात्रावासों की संख्या जहां निर्माण कार्य चल रहा है।	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	अरुणाचल प्रदेश	1	रोइंग
	कुल:	**1**	

अनुबंध–VII

01.01.2018 से 31.03.2019 तक की अवधि के दौरान खेल के बुनियादीढांचे के उपयोग और सृजन /उन्नयन के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा

(राशि करोड़ ₹ में)

I. 01.01.2019 से 31.03.2019 तक की अवधि के दौरान स्वीकृत नई परियोजनाएं

क्रम संख्या	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत अनुदानकर्ता	जारी अनुदान
1.	राजस्थान	डीडवाना स्टेडियम में एकेडमी बिल्डिंग और सोलर लाइट्स का निर्माण	1.00	0.75
2.	राजस्थान	खिनसर स्टेडियम बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, सोलर लाइट, वाटर टैंक और 200 मीटर के एथलेटिक ट्रैक का निर्माण।	1.50	1.125
3.	राजस्थान	झुंझुनू के स्वर्ण जयंती स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	7.00	3.00
4.	केरला	एलएनसीपीई त्रिवेंद्रम में इंडोर हॉल नंबर 2, में निर्माण	8.00	3.00
5.	कर्नाटक	शिवमोग्गा जिले के शिरलकोप्पा टाउन में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	1.50	0.75
6.	राजस्थान	स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनू में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00
7.	तेलंगाना	वारंगल शहर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	7.00	3.00
8.	कर्नाटक	जिला स्टेडियम, हसन में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	7.00	3.00
9.	पंजाब	वार हीरो स्टेडियम संगरूर में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	7.47	3.00
10.	राजस्थान	देचू स्टेडियम जिला जोधपुर में बाउंड्री वॉल, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, क्रिकेट ग्राउंड, सोलर लाइट्स, ऑफिस बिल्डिंग और टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण	1.50	1.125
11.	राजस्थान	लोहावत स्टेडियम, जिला जोधपुर में बाउंड्री वॉल, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, क्रिकेट ग्राउंड, सोलर लाइट्स, ऑफिस बिल्डिंग और टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण	1.50	1.125

12.	राजस्थान	बापिनी स्टेडियम, जिला जोधपुर में बाउंड्री वाल, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, क्रिकेट ग्राउंड, सोलर लाइट्स, ऑफिस बिल्डिंग और टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण	1.50	1.125
13.	राजस्थान	श्रीकर्णापुर स्टेडियम, जिला श्री गणेशनगर में इंडोर हॉल और टिकट ब्लॉक का निर्माण	1.00	0.75
14.	राजस्थान	एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में बुनियादी सुविधाओं के साथ चार चैम्पियनशिप बैडमिंटन कोर्ट के साथ बैडमिंटन एरिना का निर्माण	3.60	2.70
15.	राजस्थान	एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में एक सम्पूर्ण ग्लास चैम्पियनशिप स्क्वैश कोर्ट का निर्माण	1.50	1.125
16.	राजस्थान	भीलवाड़ा स्टेडियम में शूटिंग रेंज कार्य का समापन	1.00	0.75
17.	उत्तर प्रदेश	ग्राम–हलिया ब्लॉक–हलिया जिला मिर्जापुर में बहु–उद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	3.06	1.50
18.	अरूणाचल प्रदेश	बामंग प्रशासनिक उप–डिवीजन पूर्वी कामेंग जिले के तहत खनेवा में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00
19.	उत्तर प्रदेश	ग्राम नागांव, विकास खंड–नागवा, जिला सौनभद्र में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	3.68	2.00
20.	उत्तर प्रदेश	पंचाली खुर्द, जिला मेरठ में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	7.99	4.00
21.	उत्तर प्रदेश	प्राकृतिक कोई और रनिंग ट्रैक साथ बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण गांव–मऊ, ब्लॉक– मोहनलालगंज, जिला लखनऊ में ट्रैक का निर्माण	2.72	1.50
22.	अरूणाचल प्रदेश	क्रा–डाडी जिले के अंतर्गत तारकलांगड़ी, पनिया में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00
23.	अरूणाचल प्रदेश	ऊपरी सुबनसिरी के तहतकिओर्जोरिंग नाचो में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00
24.	अरूणाचल प्रदेश	ऊपरी सुबनसिरी के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालय लिडा, गूसर सर्कल में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	8.00	3.00
		रोइंग, लोअर दिबांग घाटी जिले में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
25.		पलिन, पेट्रोल पंप कॉलोनी क्रा–डाडी जिला, में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00
		राजकीय माध्यमिक स्कूल, ईटानगर, में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00

26.		जेंग, तवांग जिले में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	7.00	3.00
27.	कर्नाटक	हुबली धारवाड़ में बहुउद्देश्यीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स / इंडोर हॉल का निर्माण	8.00	3.00
28.	महाराष्ट्र	नगर परिषद, कटोल, जिला नागपुर में तैराकी पूल का उन्नयन	5.00	2.00
29.	अरूणाचल प्रदेश	उपरी सुबनसिरी जिला में एडीसी मुख्यालय कोडुखा में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
		राजकीय माध्यमिक स्कूल डारंग पश्चिम कामेंग जिला में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
	मध्य प्रदेश	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), लालपुर, अमरकंटक, जिला अनूपपुर में तैराकी पूल का निर्माण	4.95	2.50
30.	राजस्थान	राजस्थान में विभिन्न स्कूलों / स्थानों में खेल मैदानों (17) का विकास	8.85	8.85
31.	अरूणाचल प्रदेश	तिरप जिले में कैमाई में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
32.	अरूणाचल प्रदेश	लोअर सुबानसारी जिले के अंतर्गत राग एडीसी मुख्यालय में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
33.	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर के बीर बहादुर कॉलेज में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	4.00
34.	उत्तर प्रदेश	ग्राम ढेदुई ब्लॉक पट्टी, जिला प्रतापगढ़ में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	5.58	3.00
35.	उत्तर प्रदेश	ग्राम मंगरौरा, तहसील पट्टी, जिला प्रतापगढ़ में मिनी स्टेडियम का निर्माण	14.56	5.00
36.	अरूणाचल प्रदेश	पूर्वी सियांग जिला के तहत मेर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
37.	महाराष्ट्र	शिव छत्रपति क्रिड़ा पीठ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पुणे में हॉकी एस्ट्रोटर्फ का उन्नयन और शिव छत्रपति क्रिड़ा पीठ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पुणे में शूटिंग रेंज का उन्नयन।	12.87	12.87
38.	उत्तर प्रदेश	गाँव–गणेशपुर, ब्लॉक– फरेन्दा, जिला–महराजगंज, उत्तर प्रदेश में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	2.30	1.00

39.	उत्तर प्रदेश	मडगांव, ब्लॉक, मोहम्मदाबाद, जिला फर्रुखाबादसर में एथलेटिक ट्रैक के साथ बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	3.21	1.50
40.	उत्तर प्रदेश	ग्राम रफत नगर सेंथरा, ब्लॉक निधौलीकलाई, तहसील एटा, जिला एटा में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	4.53	1.50
41.	उत्तर प्रदेश	स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर में 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना।	7.00	3.00
42.	अरूणाचल प्रदेश	पूर्वी सियांग जिले के तहत बिलाट में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	8ण्00	3ण्00
43.	उत्तर प्रदेश	ग्राम–मंडापांडे, जिला मुरादाबाद में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण।	7.04	3.00
44.	उत्तर प्रदेश	गांव और ब्लॉक असपुर दिओसारा, जिला प्रतापगढ़ में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
45.	उत्तर प्रदेश	गाँव–सुनामई निकट रोडवेज वर्कशॉप, ब्लॉक–सुल्तानगंज, जिला मैनपुरी में एथलेटिक ट्रैक्स के साथ बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	3.10	1.50
46.	उत्तर प्रदेश	सुदीपुर, ब्लॉक–दुबलिया तहसील–हर्रैया, जिला बस्ती के पास ग्राम–बरगदहिया में एथलेटिक ट्रैक के साथ बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	2.98	1.50
47.	उत्तर प्रदेश	ग्राम मकसुदबाद, ब्लॉक कल्याणपुर, जिला कानपुर नगर में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण।	8.00	3.00
48.	मणिपुर	एचएओ ग्राउण्ड चिंगामथक, इम्फाल पश्चिम में फुटबॉल मैदान और आरसीसी गैलरी का निर्माण।	3.65	2.00
49.	मणिपुर	चैरोइबंग पब्लिक ग्राउंड, मयांग इम्फाल वेस्ट में बहुउद्देश्यीय इनडोर हॉल का निर्माण।	5.98	3.00
50.	मणिपुर	हियांगथांग कांगजेइबंग, इम्फाल पश्चिम में फुटबॉल मैदान और आरसीसी गैलरी का निर्माण	3.64	2.00
51.	उत्तर प्रदेश	जिला मिर्जापुर पेटहारा कलां, जिला में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	3.31	1.50
52.	उत्तर प्रदेश	ग्राम धारौली, जिला बाराबंकी में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	3.98	1.50
53.	उत्तर प्रदेश	ग्राम–मिधौली, ब्लॉक–चिब्रामऊ, जिला कन्नौज में बहु–उद्देश्य हॉल, 400 मीटर के प्राकृतिक रनिंग ट्रैक का निर्माण।	5.39	2.50

54.	उत्तर प्रदेश	गाँव– सिमरियातालुक महाराजपुर, पूरनपुर, जिला पीलीभीत में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
55.	गुजरात	स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, वलावव, जिला वडोदरा, गुजरात में तैराकी पूल का निर्माण।	5.00	3.00
56.	महाराष्ट्र	नसिक नगर निगम में खेल की बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का निर्माण, अर्थात्सीटिंग गैलरी, बास्केटबॉल ग्राउंड, लॉन टेनिस कोर्ट और नाशिक कॉरपोरेशन में खेल अकादमी और प्रशिक्षण केंद्र / छात्रावास	6.00	3.00
57.	उत्तर प्रदेश	ग्राम–अलहदापुर, ब्लॉक–धनीपुर, जिला अलीगढ़ में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	6.10	2.50
58.	अरूणाचल प्रदेश	लेकांग सर्कल के तहत महदेपुर में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	8.00	3.00
59.	पुडुचैरी	उप्पलम, इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	7.00	3.00
60.	सिक्किम	सोरेंग में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	7.90	3.00
61.	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रेलवे स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान तैयार करना	2.90	0.45
62.	एसएआई, नई दिल्ली	चार स्थानों पर एसएआई क्षेत्रीय केंद्र में 300 बिस्तर वाले छात्रावास का निर्माण	70.88	40.60
कुल			**450.22**	**214.59**

II. खेलो इंडिया के तहत 01.01.2018 से पहले मंजूरी प्राप्त परियोजना के लिए बाद की किस्तों के रूप में जारी राशि

(राशि करोड़ ₹ में)

क्रम संख्या	राज्य अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	राशि
1	अरूणाचल प्रदेश	तिरबन बसर पश्चिम सियांग जिला अरुणाचल प्रदेश में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	3.50
2	झारखण्ड	खेल प्रशिक्षण केंद्र, हजारीबाग में हॉकी ग्राउंड और फुटबॉल ग्राउंड का नवीनीकरण / उन्नयन	1.072
3	कर्नाटक	कर्नाटक के बीजापुर में सैनिक स्कूल में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैट का निर्माण	3.50
4	कर्नाटक	एसएआई एनएसएससी बेंगलुरू में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाना और सम्बद्ध कार्य करना	2.00
5	महाराष्ट्र	महाराष्ट्र के औरंगाबाद के साई वेस्टर्न ट्रेनिंग सेंटर (डब्ल्यूटीसी) में तैराकी पूल का निर्माण	2.00
6	मणिपुर	एसएआई एनईआरसी, तक्येल इम्फाल (मणिपुर) में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाना और सम्बद्ध कार्य करना	2.00
7	राजस्थान	एलबीएस सरकार पीजी कॉलेज कोटपूतली में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल और फुटबाल ग्राउंड और एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	2.12
8	राजस्थान	सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रागपुरा (जिला जयपुर) में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	1.40
9	भारतीय खेल प्राधिकरण	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एसएआई एसटीसी सेंटर), हिसार में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	2.50
10	भारतीय खेल प्राधिकरण	एसएआई एनआरसी, सोनीपत में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	4.45
11	भारतीय खेल प्राधिकरण	एसएआई एनएसएससी बेंगलुरू में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ और सम्बद्ध कार्य करना	1.00
12	भारतीय खेल प्राधिकरण,	एसएआई एसएजी, दीमापुर नागालैंड (2204) में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	5.00
13	भारतीय खेल प्राधिकरण,	एसएआई एसएजी कोकराझार में हॉकी टर्फ बिछाना	3.00

14	भारतीय खेल प्राधिकरण,	एसएआई एसएजी कोकराझार में एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	3.32
15	भारतीय खेल प्राधिकरण	गवर्नमेंट ब्रेनन कॉलेज थालासेरी में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	4.00
16	भारतीय खेल प्राधिकरण,	लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन मसूरी (एलबीएसएनएए) (उत्तराखंड) में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	1.00
17	उत्तराखण्ड	परेड ग्राउंड, देहरादून में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	2.50
कुल			**44.362**

III. 01.01.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान पूर्ववर्ती शहरी खेल अवसंरचना योजना (यूएसआईएस) के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की प्रतिबद्ध देयताओं के तहत जारी राशि

(राशि करोड़ ₹ में)

क्रम संख्या	राज्य	अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	अनुदानकर्ता
1	असम	डिब्रूगढ़ नगर पालिका बोर्ड, असम	एच.एस. स्कूल, दिब्रूगढ़ में बहुउद्देश्य इनडोर हॉल का निर्माण।	1.20
2	हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश खेल परिषद	हिमाचल प्रदेश के लाहनू ग्राउंड बिलासपुर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	2.50
3	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश खेल प्राधिकरण	जबलपुर, मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय खेल परिसर में सिंथेटिक हॉकी मैदान का निर्माण	1.19
4	मध्य प्रदेश	देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, तक्षशिला परिसर, खंडवा रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश	देवी अहिल्या विश्व विद्यालय, तक्षशिला परिसर, खंडवा रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	1.00
5	ओडिशा	रेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक	रावणशॉ विश्वविद्यालय, कटक में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	0.69
6	तमिलनाडु	तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण	तमिलनाडु के तिरुवनमलाई में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	0.80
7	तमिलनाडु	तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण	तमिलनाडु के तिरुवनमलाई में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	3.20
8	उत्तर प्रदेश	बीएचयू, वाराणसी	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी उत्तर प्रदेश में हॉकी एस्ट्रो टर्फ का बिछाना	1.43
9	उत्तर प्रदेश	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी उत्तर प्रदेश में हॉकी एस्ट्रो टर्फ का बिछाना	2.50
10	पश्चिम बंगाल	पश्चिम बंगाल राज्य खेल परिषद	विवेकानंद युबा भारती क्रीरांगन (सॉल्ट लेक स्टेडियम), कोलकाता पश्चिम बंगाल में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण	3.00
कुल				**17.51**

I 01.01.2018 से 31.03.2019 की अवधि के दौरान खेलों इंडिया योजना के अन्य घटकों के तहत जारी अनुदान का ब्यौरा:

क्रम संख्या	राज्य	अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	राशि ₹ में
1	अरूणाचल प्रदेश	अरूणाचल प्रदेश खेल प्राधिकरण	शान्ति और विकास के लिए खेल के तहत खेल कार्यकलाप आयोजित करने पर व्यय के लिए	80,00,000
2	अरूणाचल प्रदेश	अरूणाचल प्रदेश खेल प्राधिकरण		10,71,000
3	असम	असम		2,10,00,000
4	बिहार	बिहार खेल प्राधिकरण		40,00,000
5	छत्तीसगढ़	खेल और युवा कल्याण निदेशालय, छत्तीसगढ़		80,00,000
6	जम्मू एण्ड कश्मीर	युवा सेवा एवं खेल विभाग, जम्मू और कश्मीर सरकार		14,30,00,000
7	मणिपुर	मणिपुर खेल विकास प्राधिकरण		30,00,000
8	मेघालय	मेघालय राज्य खेल परिषद		70,00,000
9	मिजोरम	मिजोरम राज्य खेल परिषद		30,00,000
10	नागालैण्ड	नागालैण्ड राज्य खेल परिषद		30,00,000
11	सिक्किम	खेलों इंडिया एसवाईडीबी खेल एवं युवा कार्यक्रम, सिक्किम सरकार		40,00,000
12	तेलंगाना	तेलंगाना खेल प्राधिकरण		10,00,000
13	त्रिपुरा	त्रिपुरा खेल परिषद		70,00,000
14	ओडिशा	ओडिशा खेल परिषद		20,00,000
15	जम्मू एण्ड कश्मीर	युवा सेवा और खेल निदेशालय, जम्मू और कश्मीर सरकार	शान्ति और विकास के लिए खेल घटक के तहत फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए	1,54,00,276
16	जम्मू एण्ड कश्मीर	युवा सेवा और खेल निदेशालय, जम्मू और कश्मीर सरकार		2,15,33,789

17	लक्ष्मी राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर	लक्ष्मी राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर	खेलों इंडिया के समुदाय कोचिंग विकास घटक के कार्यान्वयन हेतु व्यय	2,00,00,000
18	एनएसडीएफ पीवाईकेकेए	एनएसडीएफ पीवाईकेकेए	खेलों इंडिया योजना के कार्यान्वयन हेतु क्षमता संवर्धन सेवा हेतु तकनीकी सहायता (टीएससीबीएस) प्रदान करने के लिए एनएसबीएफ ने योगदान	22,56,85,101
19	विशेष ओलंपिक भारत (एसओबी)	विशेष ओलंपिक भारत (एसओबी)	खेलों इंडिया योजना के दिव्यांगजनों में खेलों का संवर्धन घटक के तहत कार्यकलाप आयोजित करने पर 2017–18 के दौरान किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति	71,28,832
20	भारतीय खेल प्राधिकरण	भारतीय खेल प्राधिकरण	राष्ट्रीय /क्षेत्रीय /राज्य खेल अकादमियों को सहायता	10,00,00,000
21	भारतीय खेल प्राधिकरण	भारतीय खेल प्राधिकरण		18,38,73,085
22	भारतीय खेल प्राधिकरण	भारतीय खेल प्राधिकरण		20,00,00,000
23	भारतीय खेल प्राधिकरण, दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेलों इंडिया योजना के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन हेतु व्यय के लिए	24,02,65,000
24	भारतीय खेल प्राधिकरण, दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण	2017–18 के दौरान आयोजित खेलों इंडिया स्कूल खेल से संबंधित वचनबद्ध देयता को पूरा करने के लिए	22,15,94,092
25	भारतीय खेल प्राधिकरण, दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेलों इंडिया योजना के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन हेतु व्यय के लिए	2,67,00,000
26	भारतीय खेल प्राधिकरण, दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण	वार्षिक खेल प्रतियोगिता के कार्यान्वयन पर व्यय के लिए	10,20,00,000

27	भारतीय खेल प्राधिकरण, दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेल के बुनियादी ढांचे का उपयोग और सृजन इस मंत्रालय द्वारा दिए जाने वाले अनुमोदनों के अनुसार पात्र निकायों को और आगे राशि जारी करने के लिए	3,08,90,000
28	भारतीय खेल प्राधिकरण, दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण	राष्ट्रीय /क्षेत्रीय /राज्य खेल अकादमियों को सहायता	20,00,00,000/-
		कुल		**1,81,01,41,175/-**

II गत वर्ष 2016–17 के दौरान आयोजित खेल प्रतियोगिता से संबद्ध वचनबद्ध देयता के तहत जारी राशि

क्रम संख्या	**राज्य**	**अनुदानकर्ता**	**परियोजना का नाम**	**राशि ₹ में**
1	राजस्थान	राजस्थान राज्य खेल परिषद	2016–17 के दौरान जिला और राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति	27,46,277
		कुल		**27,46,277**

*****

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

सी–विंग, शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली–110001
www.yas.nic.in

Jaina Offset Printers: 9873149889, 9811269844